

प्राधिकार से प्रकाशित / PUBLISHED BY AUTHORITY

लं• 30]

नई बिल्ली, जनिवार, जुलाई 27, 1985/श्रावण 5, 1907

No. 30)

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27. 1985/SRAVANA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की काली है जिससे कि यह मजन संकलन के रूप में एका का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—चण्ड 3—उप-चण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गये सांविधिक आवेश और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

मूचना

का.आ.3450-नोटरीज के नियम, 1956 नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह भूचना दी जाती है कि कुमारी मुजामिल सिददकी, एडवाँकेट, 1856, गली दिजिया, बाड़ा हिन्दु राव, दिल्ली ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया जाता है कि उसे दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकासन के स्थित दिन के भीतर निर्माशन रूप में मेरे पास भंजा जाए।

[सं. 5(22)/ 85-न्या.]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 10th July, 1985

NOTICE

S.O. 3450.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under the 4 of the said Rules, by Miss. Muzammil Siddiqui, Advocate, 4856, Gali Darian, Bara Hindu Rao, Delhi for appointment as a Notary to practse in Union Territory of Delhi

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(22)|85-Judl.]

का आ. 3451. — तोटरं,ज तियम, 1956 के तियम 6 के अनुमरण मुक्ता प्रिकार कि कि श्रीमित जयश्री है कि कि कि कि कि कि अधीन ५ है कि स्वार कि सिक् दिया जीता है कि उन पूरे भारतवर्ष है के स्वार नोटर। के रूप में तियुक्त किया जाए।

(4017)

482 G.T./85-- 1

2. उक्त व्यक्तिक, नोटर के रूप में नियुक्तिपर किस, भ, प्रकार का आक्षेप इस मूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भ,तर विखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(17)/85—न्या]

एस० गुप्तु सक्षम प्राधिकारी

- S.O. 3451.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Smt. Jayashree V. Mohite, Advocate, "Tarangan', 23, Bhosale Nagar, Pune-41007 for appointment as a Notary to practise in whole of India.
- 2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

The D

[No. F. 5(17)|85-Judl.]

S. GOOPTU, Competent Authority

कामिक और प्रशिक्षण प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेंग्रन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1985

- का. आं. 3452:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली विशेष पुलिस स्पापना (अधीनस्य पंक्ति) अनुशायन और अपील) नियम, 1961 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखिल नियम बनाते हैं, अर्थात् :
- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन (अधीनस्थ पंक्ति) अनुशासन और अपील संशोधन, नियम, 1985 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवत्त होंगे।
- 2. विल्ली विशेष पुलिस स्थापन (अधीनस्थ पंक्ति) (अनुशासन और अपील) नियम, 1961 में ,अनुसूची के अंत में टिप्पण (1) के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा अर्थात् :

"तिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के मुख्यालय से सम्बद्ध अधीनस्य पुलिस अधिकारी की बाबन पुलिस अधीक्षक की शक्तियों का प्रयोग पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पुलिस सहायक महानिवेशक यथा उपरोक्त रूप से करेगा।"ं

[सं॰ १४०/1/84-ए.वी.डी. II]

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN. REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

(Department of Personnel & Training)

ORDER

New Delhi, the 9th July, 1985

S.O. 3452.—In exercise of the power from the proviso to article 30 Ming rules further to amond the Delhi Special Political St., 1961, namely (—

may be called the Delhi Special Police tate Ranks) (Discipline and Append)

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Delhi Special Police Establishment (Subordinate Ranks) (Discipline and Appeal) Ruls, 1961, in the end of the Schedule, for Note (1), the following shall be substituted, namely:—
 - "Note (1) In respect of Subordinate Police Officer attached to Head Quarters of the Delhi Special Police Establishment, the Superintendent of Police (Headquarters)/Assistant Inspector General of Police will exercise the powers of the Superintendent of Police as noted above".

[No. 240/1/84-AVD.II]

आवैश

का. आ. 3453.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्यापन अधिनियस, 1946 (1946 को 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, संबंधित राज्यों की सरकारों की सहमान से, विदेशी अभिदाय (जिन्यमन) अधिनियम, 1976 (1976 का 49) की धारा 22, 23 और 25 के अधीन दण्डनीय अपराधों के और उक्त अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षडयंत्रों के तथा उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न वैसे ही संब्यवहार के अनुकम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्वेषण के लिए दिल्ली विणेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शिक्तियों और अधिकारिता का विस्तारणे सम्पूर्ण असम, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और नागानंड राज्यों पर करती है।

[सं. 228/1/82 ए.वी.डी. (II)]

ORDER

S.O. 3453.—In exercise of the powers onferred by subsection (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of the respective States hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the States of Assam, Bihar, Maharashtra, Madhya Pradesh and Nagaland for the investigation of the offences punishable under section 22, 23 and 25 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with, the said offences and any other offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228[1]82-AVD.II]

आदेश

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1985

का. आ. 3454:—केन्डीय सरकार, विल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के माथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबंधित राज्यों की सरकारों की सहमित से, यानहरण निवारण अधिनियम, 1982 (1982 का 65) की धारा 4 और 5 के अधीन दण्डनीय अपराधों के और उक्त अपराधों के मंबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और पहंग्रें के तथा वैसे ही नच्यों से उत्पत्न वैसे ही संब्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्वेषण के लिए, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण आग्न प्रदेश, असम बिहार, गुजरात, मध्य प्रवेश केरल, समिलनाडु, महाराष्ट्र, कार्यां के स्वेधा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, अम्मू-करमीर, हरियाणा, हिमाबल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा मधालय. सिक्तिम और परिचम बंगाल राज्यों पर करती है।

[मं. 228/4/83-ए. वी.डो. (II)]

एस. एस. त्रसाद, अबर सचिव

ORDER

New Delhi, the12th July, 1985

S.O. 3454.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 read with section 6 of the Delht Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946) the Central Government with the consent of the Governments of the respective States hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the States of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Gujarat, Madhya Pradesh, Kerala, Tamil Nado, Maharashtra Karnataka, Orissa, Punjab, Uttar Pradesh, Jammu and Kashmir, Haryana, Himachal Pradesh, Manipur, Tripura, Meghalaya, Sikkim and West Bengal for investigation of offences punishtaka, Orissa, Punjab, Uttar Pradesh, Jammu and Kashmir, (65 of 1982) and attempts abetments and conspiracles in relation to or in connection with the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/4/83-AVD, 1I] M. S. PRASAD, Under Secy.

बित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1985

प्रधान कार्यालय संस्थापन

का.आ. 3455:—केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का संख्यांक 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारतीय राजस्व सेवा (सीमाशुक्क, तथा केन्द्रीय उत्पादन शुक्क) के अधिकारी श्री एम. एल. वधावन का, जो पिछले विनों राजस्व आसूचना निदेशालय, नई दिल्ली में महानिदेशक के रूप में तैनात थे, 29 जून, 1985 पूर्वहिन से अगला आदेश होने तक केन्द्रीय उत्पादन शुक्क तथा सीमा शुक्क बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है।

[ए-19011/4/85-प्रशा.1]

जे. एस. क्षेह्न, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st July, 1985

HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

S.Q. 3455.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of Section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri M. L. Wadhawan, an Officer of the Indian Revenue Service (Customs & Central Excise), and formerly posted as Director General, Directorate of Revenue Intelligence, New Delhi, as Member of the Central Board of Excise & Customs with effect from the forenoon of the 28th June, 1985 and until further offders.

[F. No. A-19011|4|85-Ad. 1] J. M. TREHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

का आ॰ 3456: केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के णासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय उत्पाद गुल्क तथा सीमागुसल्क बीर्ड के सम्बद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों के निम्नलिखित कार्यालयों की, जिसके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

- केन्द्रीय उत्पाद मुल्क कलक्टरी, औरंगाबाद
- (क) औरगाबाद मुख्यालय
- (ख) औरंगाबाद मंडल
- (ग) अहमदनगर मंडल
- (घ) जलगांव मंडल
- (ङ) नांदेड मंडल
- (भा) नासिक मंडल
- (छ) सोलापुर मंडल
- 2 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, बम्बई-1
- (क) केन्द्रीय उत्पाद श्लक मंडल, एफ-1 बम्बई
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, एफ-2 बम्बई
- (ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मण्डल, जी—1 बम्बई
- (घ) केन्द्रोय उत्पाद शुल्क मडंल, जी-2 बम्बई
- (इ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, एच-- बम्बई
- (च) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, के-1 बम्बई
- (छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, के-2 बम्बई
- 3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, बम्बई-2
- (क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 3 बम्बई
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद मुल्क मंडल, 6 बम्बई
- (ग) सीमा भुल्क मंडल (निवारक) बसई
- 4. सीमा शुल्क कल^नटरी, ब^{म्}बई
- केन्द्रीय उत्पाद गुलक कलक्टरी, थाणे
- (क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कार्यालय, थाणे
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 1 थाणे
- (ग) जेन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 2 थाणी
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद णुल्क मंडल, 3 थाणे
- (ङ) केन्द्रीय उत्पाद गुल्क मंडल, 4 थाणे
- (च) केन्द्रीध उत्पाद शुल्क मंडल, 1 कल्याण
- (छ) केन्द्रीय उत्पाद शुरुक मंडल, 2 कल्याण
- (ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 3 कल्याण
- केन्द्रीय उत्पाद गुल्क कलक्टरी, कोचान
- (क) मख्यालय कोचीन
- (ख) केन्द्रीय उपाद श्लक मंडल, इरनाकुलम-1
- (η) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, इरनाकुलम-2
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद शुरूक मंडल, कण्णुर
- (इ) केन्द्रीय उत्पाद मुल्क मंडल, कोजीकोडे
- (च) एस.एट. पी. यूनिट कोजीकोई
- (छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, विश्
- (ज) केन्द्रीय उत्पाद शुरुक मंडल स्त्रिबंद्रम

- 7. केन्द्रीय उत्पाद गुरुक कलक्टरी, हैदराबाद
- (क) केनीय उत्पाद शुल्क मंडल, निजामाबाद
- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, नागपुर
- (क) केन्द्रीय उत्पाद गुरूक मंडल, चंद्रपुर
- केन्द्रीय उत्पाद शृत्क कलक्टरी, वडोदरा
- (क) मुख्यालय वडीदरा
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल-1 वडोदरा
- (ग) केन्द्रीय उत्पाद शुरुक मंडल -2 बडोदरा
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद गुल्क मंडलं-3 वडोदरा
- (ङ) केन्द्रीय ज्रह्माद शृल्क मंडल-4 वडोदरा
- (च) केन्द्रीय उत्पाद गुल्क मंडल-5 वडोदरा
- (छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल-1 सुरत
- (ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क -2 सूरत
- (झ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल- बलसाड
- (ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल -3 सूरत
- 10- निवारक संकार्य निदेशालय (सी. शुं. एवं के उ. श. श्रु.), नई दिल्ली ।
- 11. प्रकशन निवेशालय (सी.गु. एवं के.उ. गु.), नई दिल्ली
 - 12 प्रशिक्षण निदेशालयं (सी.गू. एवं के. उ.श्.),
 - (क) स्टाक, कालेज
 - (ख) क्षेत्रीय प्रशिक्षण, संस्थान, नई दिल्ली
 - (ग) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, बम्बई

[अं. 1/85-प्रशासन/फा.सं०ई-11017/43/

83-प्रशा. 4क]

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O. 3456.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Central Board of Excise and Customs, the staff whereof have acquired working knowledge of Hindi:

- I. Collectorate of Central Excise, Aurangabad
 - (a) Headquarters, Aurangabad
 - (b) Division, Aurangabad
 - (c) Division, Ahmed Nagar
 - (d) Division, Jalgaon
 - (c) Division, Nandad
 - (f) Division, Nasik
 - (g) Division, Solapur

- II. Collectorate of Central Excise, Bombay-I
 - (a) Central Excise Division, F-I Bombay
 - (b) Central Excise Division, F-II Bombay
 - (c) Central Excise Division, G-I Bombay
 - (d) Central Excise Division, G-II Bombay
 - (c) Central Excise Division, H Bombay
 - (f) Central Excise Division, K-I Bombay
 - (g) Central Excise Division, K-II Bombay
- III. Collectorate of Central Excise, Bombay-II
 - (a) Central Excise Division, III Bombay
 - (b) Central Excise Division, VI Bombay
 - (c) Customs Division (Preventive) Basai
- IV. Collectorate of Customs, Bombay
- V. Collectorate of Central Excise, Thance
 - (a) Headquarters, Central Excise, Thane
 - (b) Central Excise Division, I Thanc
 - (c) Central Excise Division, II Thane
 - (d) Central Excise Division, III Thane
 - (e) Central Excise Division, IV Thane
 - (f) Central Excise Division, I Kalyan
 - (g) Central Excise Division, II Kalyan
 - (h) Central Excise Division, III Kalyan
- VI. Collectorate of Central Excise, Cochin
 - (a) Headquarters, Cochin
 - (b) Central Excise Division, I Ernakulam
 - (c) Central Excise Division, II Ernakulam
 - (d) Central Excise Division, Cannanore
 - (e) Central Excise Division, Kozhikode
 - (f) S.H.P. Unit, Kozhikode
 - (g) Central Excise Division, Trichur
 - (h) Central Excise Division, Trivandrum
- VII. Collectorate of Central Excise, Hyderabad
 - (a) Central Excise Division, Nizamabad
- VIII. Collectorate of Central Excise, Nagpur
 - (a) Central Excise Division, Chandrapur
- 1X. Collectorate of Central Excise & Customs, Vadodara
 - (a) Headquarters, Vadodara
 - (b) Central Excise Division, I Vadodara
 - (c) Central Excise Division, II Vadodara
 - (d) Central Excise Division, III Vadodara
 - (e) Central Excise Division, IV Vadodara
 - (f) Central Excise Division, V Vadodara
 - (g) Central Excise Division, 1 Surat
 - (h) Central Excise Division, II Surat
 - (i) Central Excise Division, III Surat
 - (j) Central Excise Division, Bulsar
- X. Directorate of Preventive Operations, (C.&C.E.), New Delhl.
 - XI. Directorate of Publications, (C. & C.E.), New Delhi.
 - XII. Directorate of Training, (C. & C.E.), New Delhi.
 - (a) Staff College
 - (b) Regional Training Institute, New Delbi
 - (c) Regional Training Institute, Bombay

[No. 1|85-Admn.|F. No. E-11017|43|83-Ad. [V. A]

नई दिल्ली, 15 जून, 1985

का. ति.आ. 3457.—-राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1965, के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उपिनयम (2), नियम 12 के उपियम (2) के खंड (ख) और नियम 24 के उपिनयम (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विल मंद्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना का नि.आ. सं. 612, तारीख 28 फरवरी, 1957 में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :—

उक्त अधिमूचना की अनुमूची में :----

- (i) भाग II-साधारण केन्द्रीय सेवा समूह ''ग'' में,—
- (क) "केन्द्रीय उत्पाद शुल्क" शोर्षक के अन्तर्गत "अननुसन्विवीय" उपशीर्षक के नीचे "रस्नायन सहायक प्रयोगशाला परिचर" के पद से संबंधित स्तम्भ 1 से 5 के अन्तर्गत आने वाली विद्यमान प्रविध्टियों के स्थान पर निम्निलिखित प्रविध्टियों रखी जाएंगी, अर्थात्:--

(1)		(2)	(3)	(4)	(5)
रसायम सहायक		मुख्य रस(यनज्ञ	मुख्य रसायनज	सभी	मुख्य संतर्कत्त अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद- णुल्क और सीमा-सुल्क बोर्ड
			(ii) उप मुख्य रसायनज्ञ (ii) जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक रसायभ परीक्षक (iii) जहां कोई उप मुख्य रसायभज/रसायन- परीक्षक नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक सहायक रसायन परीक्षक ।	(i) से (iv)	मुख्य 'रस।यनश केन्द्रीय राजस्व
प्रयोगगाला	परिचर	ज्यमुख <i>र</i>	्रेसायतम् उत्र मुख्य रसायनम्	सनो सनी	मुख्य रस्यायनिज्ञ
		जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक रसायन परीक्षका।	रसायन परीक्षक	सभी 	मुख्य रसायनज्ञ
		जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ/रसायन परीक्षक, रसायन नहीं है वहां प्रयोग- गाला परीक्षक का भारसाधक सहायक रसायन परीक्षक	सहायक रसायन परीक्षक	स नी	मुख्य रसःयनज्ञ

रामफ़ल, अबुर सचिव

केन्द्रीय राजस्य नियंत्रक प्रयोगमाला, नई दिल्ल	rì			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
संभी पद	मुख्य रसायनज	मुख्य रसः यनज	सभी	मुख्य सतर्कता अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और मीमा-शुल्क बोर्ड
में सर्विधि				मुख्य रसःयनज्ञ''; क/प्रयोगशाला परिचर'' के पद : निम्नालिखित प्रविष्टियां 'खो
''रसःयन सहायक	,	मुख्य रसी यनज्ञ	समी	मुख् य स तकर्ता आधिकारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा- शु ल्क बोर्ड
		(i) उपमुख्य रसः यनज्ञ (ii) जहां कोई उपमुख्य रसः यनज नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसः धक रसायन निरीक्षक	(j) से (jv)	मुख्य रसः।यन झ
	,	(iii) जहां कोई उपमुख्य रसायनज/रसायन परीक्षक नहीं है. वहां प्रयोगशाला का भारसाधक सहायक रसायन परीक्षक ।	(i) से (iv)	मुख्य रसायनज्ञ
प्रयोगकाला पंरिचर	उप मुख्य रसायनज्ञ जहां कोई उप-मुख्य रसायनज्ञ नहीं है, वहां प्रयोगणाला का भारसाधक रसायम परीक्षक	उप मुख्य र स ।यनज्ञ रस।यन परीक्षक	सभी सभी	मुख्य रसाय नज्ञ मुख्य रसायनज
	जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ/रसायन परोक्षक नहीं है वहां प्रयोग- णाला का भारसाधन सहायक रसायन परोक्षक	सहायक रसायन परीक्षकः	सभी	् मुख्य रसायनज्ञ'';
				णीर्षक के अंतर्गत स्तम्भ 1 से ti रखो जाएंगा, अर्थात्:
''सभी पद	उप मुख्य 'रसः।यनज्ञ	उप मुख्य रसायनज्ञ प्रशास- निक अधिकारी	(i) सं (iv)	मुख्य रसायमक् मुख्य रसायनका, सी. 11016/10/83-प्रशा. 5

New Delhi, the 15th July, 1985

S.R.O.3457.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) S.R.O. No. 612, dated the 28th February, 1957, namely:—

In the Schedule to the said notification,--

- (1) in part II-General Central Service Group 'C',---
- (a) under the heading "Central Excise Department", under the sub-heading "Non-Ministerial", for the existing entries relating to the post of "Chemical Assistant/Laboratory Attender" occurring under columns 1 to 5, the following entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5
· 'Chomical Assistant	Chief Chemist	Chief Chemist	All	Chief Vigilance Officer, Central Board of Excise and Customs.
		(i) Deputy Chief Chemist (ii) Where there is no Deputy Chief Chemi Chemical Examiner incharge of the Laboratory. (iii) Where there is no Deputy Chief Chemist/Chemical Examiner, Assistant Chemical Examiner incharge of the Laboratory.	(i) to (iv)	Chief Chemist Central Revenues
Laboratory	Deputy Chief	Deputy Chief Chemist	Ajl	Chief Chemist
Attender	Chemist Where there is no Deputy Chief Chemist, Chemical Examiner in charge of the	Chemical Examiner	All	Chief Chemist
	Laboratory. Where there is no Deputy Chief Chemist/Chemical Examiner, Assistant Chemical Examiner in-charge of the Laboratory	Assistant Chemical Examiner.	All	Chiof Chemist
Central Revenue Control Laboratory New Delhi.				
All Posts	Chief Chemist	Chief Chemist	All	Chief Vigilance Officer, Central Board of Excise and Customs.
		Deputy Chief Chemist	(i) to (iv)	Chief Chemist";

(b) under the heading "Customs Department", under the sub-heading "Non-Ministerial", for the existing entries relating to the post of 'Chemical Assistant/Laboratory Attender", occurring under columns 1 to 5, the following entries shall be substituted, namely:--

1	2		4	5
"Chemical Assistant	Chief Chemist	Chief Chemist	All	Chief Vigilance Officer, Central Beard of Excise and Customs.
		(i) Deputy C ief Chemist	(i) 10 (iy)	Chief Chemist
,		(ii) Where there is no Deputy Chief Chemist, Chemical Examiner in charge of the Laboratory		
		(iii) Where there is no Deputy Chief Chemist/Chemical Examiner, Assistant Chemical Examiner incharge of the Laboratory.	(i) to (iv)	Chief Chemist
Laboratory Attender	Deputy Chief Chemist	Deputy Chief Chemist.	All	Chief Chemist
	Where there is no Deputy Chief Chemist, Chemical Examiner incharge of the Laboratory.	Chemical Examiner	All	Chief Chemist.
	Where there is no Deputy Chief Chemist/Chemical Examiner, Assistant Chemical Examiner incharge of the Laboratory	Assistant Chemical Examiner	All	Chief Chemist":
				heading "Central Revenues columns 1 to 5, the following
	entries shall be subst		thrink anoti	commits 1 to 5, the tonewritg
"All Posts	Deputy Chief Chemist	Deputy Chief Chemist	All	Chief Chemist
		Administrative Officer	(i) to (iv)	Chief Chemist",
			[1]	F. No. C-11016/10/83 Ad. V]
				RAM PHAL, Under Secy.
	WING NOTIFICATION	ONS HAVE BEEN ISSUED	AMENDING	S,R.O. 612 DATED 28-2-57
S.No.				DATE
1. S.R.O. 1462 2. S.O. 1802				26-7-1958 6-9-1958
3. S.O. 105				1-1-1964
4. S.O. 3368		•		19-9-1964
5. S .O. 764				12-3-1966
6. S.O. 705				4-3-1967
7. S.O. 704				4-3-1967
8. S.R.O. 662				19-1-1972
9. S.R.O. 2594				17-6-1972
10. S.R.O. 2797				25-8-1977
11. SRO 93				8-1-1982
12. S.R.O· 2043				7-5-1983

नई विल्ल , दिनांक 13 **जून,** 1985

का. 3458—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के मनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग को दिनांक 4-6-83 को अधिसूचना सं. 5265 (का. सं 398/20/83—आ० क०(ब) का अधिलंघन करते हुए, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 15-10-1984 में कर बसूली अधिकारी का शक्तियों का प्रयोग करने के लिए, केन्द्रीय सरकार का कार्योत्तर अनुमोदन एतद्हारा श्री की सी दास को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपक्षित अधिकारी हैं, सूचित किया जाता है।

[सं. 6265 (फ. सं. 398/6/85 आ. क. (व)] बा. नागराजन, उप संभिव

New Delhi, the 13th June, 1985

SO. 3458.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Motification of Government of India in the Department of Revenue No. 5265 [F. No. 398|20|83-17(B)) dated 4-6-83, ex-post-facto authorisation of the Central Government is hereby conveyed to Shri B. C. Das being a Gazetted Officer of Central Government to exercise of the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act from 15-10-84.

[No. 6265|F. No. 398|6|85-IT(B)] B. NAGARAJAN, Dy. Secy.

आर्थिक कार्य विभाग नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1985

सा. आ. 3459.— केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, तियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 के उप-नियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) की धारा (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) के भाष पठित नियम 34 में प्रदत गक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एत्व्यारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग) के दिनांक 28 फरवरीं, 1957 के संख्या सा. नि. आ. 627 के आदेश में और आने निम्नलिखित संगोधन करते हैं, यथा उन्लिखित आदेण यी अनुसूची में,

- (क) भाग II में,
- (1) कालम 1 में कम संख्या (i) के सामने की गई प्रविष्टि "कनिष्ठ पयर्वेषक्षक" शब्दों के स्थान पर "उप नकनीकी अधि-कारी" को प्रतिस्थापित किया जाएगा ;
- (2) कालम 3 में, कम संख्या (ii) के पदों के सामने "काय प्रबंधक" शब्दों के पश्चात्/"मुख्य रसीयनज्ञ/मुख्य अभियन्ता" शब्दों को जीज़ा आएगा ; और
- (क्क) नागां में, कालम संख्या 3 में कम संख्या (ii) के पदों के सामने, "मुख्य रसायनंक्क" णब्दों के पथचात् "/मुख्य अनियंक्ता" णब्दों को जोड़ा जोड़ा आएगा ।

[फ .स. 4 (55)/84-कां, एन० पी.] मी. जी. पथरोज, अवर संभित्र

(Department of Economic Affairs) New Delhi, the 20th April, 1985

S.O. 3459.—In exercise of the powers conferred by subrole (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rule, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. SRO 627, dated the 28th February, 1957, namely:—

In the Schedule to the said Order,—(a) in Part II,—

- (i) in the entries against serial No. (i), in column 1, for the words "Junior Supervisor", the words "Deputy Technical Officer" shall be substituted;
- (ii) in column 3, against the posts at serial No. (ii) after the words "Works Manager", the words "/Chief Chemist/Chief Engineer" shall be inserted; and

(b) in Part III,-

in column No. 3, against the posts at serial No. (ii), after the words "Chief Chemist", the words "Chief Engineer" shall be inserted,

[F. No. 4(55)|84-BNP] C. G. PATHROSE, Under Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

कार अर्थ — बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 क. 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त क्षितियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिश्व बैंक की सिकारिक पर एतद्हारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनयम की धारा 10-च की उपधारा (1) और (2) के के उपबंध जम्मू और कम्मीर बैंक लिमिटेंड जम्मू पर 6 जूम, 1985 से 5 सितम्बर, 1985 तक की तीम महीने की अविध के वास्ते, अथवा जम्म तक इस बैंक के लिये नियमित पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुवित नहीं हो जाती इनमें से जो भी पहले हो लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/4/85-बी०ओ०-III]

(Banking Division)

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3460.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of subsections (1) and (2) of section 10-B of the said Act, shall not apply to the Jammu and Kashmir Bank Limited, Jammu for a period of 3 months from 6th June, 1985 to 5th September, 1985 or till the appointment of a regular whole-time Chairman for that Bank, whichever is earlier.

No. 15|4|85-B.O.IIII

नई दिल्ली, 11 जलाई, 1985

का आ, 3461. बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिण पर एतदद्वारा यह घोषणा करती है कि उकत अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध 10 अप्रैल, 1986 तक की अवधि के लिए यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया कलकत्ता पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इनका संबंध यूनाइटेड इंडिस्ट्रियल बैंक लिमिटेड, कलकत्ता, में इसके शेयरों की धारिता से है।

[सं. 15/6/84—बी. ओ.—III] एम. के. एम. कुट्टि, अवर सचिव,

New Delhi, the 11th July, 1985

S.O. 3461.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section 2 of section 19 of the said Act shall not apply to the United Bank of India, Calcutta, for a period upto the 10th April, 1986 in respect of its holding of the shares in the United Industrial Bank Ltd., Calcutta.

[No. 15]6[84-B.O.-III] M. K. M. KUTTY, Under Secy.

मई दिल्ली, 12 जुलाई, 1985

का.आ. 3462.—राष्ट्रीयक्रम बैंक (प्रबंध और प्रकीण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पिठत खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामणे करने के परवात श्री की. रत्नाकर को 30 जून, 1985 में आरम्भ होने वाली और 29 जून, 1988 को समाप्त होने वाली अधिय के लिए कैनरा बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में पूत: नियुक्त करती है।

[स. एफ. 9/39/85-की. ओ. I (1)] एस. एस. हसूरकर, निवेशक,

New Delhi, the 12th July, 1985

S.O. 3462.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri B. Ratnakar as the Managing Director of Canara Bank for a period commencing on June 30, 1985 and ending with June 29, 1988.

[No. F. 9]39[85-BO.I(1)] S. S. HASURKAR, Director

योजना मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जलाई, 1985

का. आ. 3463.—भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम (सं० 57) 1959 के खंड 8, उपखंड (1) के अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखिस व्यक्तियों की एक समिति का गठन करती है :—

श्री जी०सी० बावेजा,
 भा०प्रा० से० (सेवानिवृत्त)
 अध्यक्ष, गुजरात सिविल सेवा अधिकरण,
 के-9 सैकेटरीज बंगलो,
 सैक्टर-19, गांधीनगर,
 गुजरात।

 प्रो॰ए०आर० राय, सदस्य 109/19, हजरा रोड, कलकत्ता-26 । डा०जे०के० घोष
 भारतीय सांख्यिकीय संस्थान,
 कलकत्ता।

सदस्य

सदस्य

 संयुक्त सचिव,
 वित्त मंद्रालय तथा सांख्यिकी विभाग के विसीय सलाहकार,
 नई दिल्ली ।

 महानिदेशक,
 केन्द्रीय सांक्रिनीय संगठन एवं पदेन अपर सचिव, सांख्यिकी विभाग,
 नई दिल्ली ।

6. उप सचिव, सांख्यिकी विभाग, नई दिल्ली। सदस्य-सचिव

सदस्य

और उक्त समिति के लिये निम्त्ति लिये निम्ति कार्य निर्धारित करती है, अर्थात :--

- (1) सम्मत कार्यक्रम तथा 1985-86 के वित्तीय अनुमानों (जैसी कि सरकार द्वारा भारतीय सांख्यिकीय संस्थान कलकत्ता को सहायता-अनुदान देने के लिये 1985-86 केब जट अनुमानों में व्यवस्था की गई है) की समीक्षा करना और संशोधिन अनुमान 1985-86 में व्यवस्था करने के लिये राशि के संबंध में सिफारिशों करना; और
- (2) वर्ष 1986-87 के दौरान भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता द्वारा किये जाने वाले कार्य का कार्यक्रम दर्शाते हुए विवरण तैयार करना और केन्द्र सरकार को प्रस्तुत करना। समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को 31 अक्तूबर, 1985 तक प्रस्तुत कर देगी।

सांख्यिकी विभाग, समिति की सचिवालय सेवा प्रदान करेगा । समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

[संड एस०- 12011/2/85-समन्बद] जोगेन्द्र सिंह, अबर सचिव

MINISTRY OF PLANNING (Department of Statistics) New Delhi, the 9th July, 1985

S.O. 3463.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 8 of the Indian Statistical Institute Act (No. 57) of 1959. The Central Government hereby constitutes a Committee consisting of:—

Sh. G. C. Baveja, I.A.S. (Retd.)
 President Gujarat Civil Services
 Tribunal, K-9,
 Secretaries Bungalows, Sector-19,
 Gandhi Nagar, Gujarat.

Chairman

2. Prof. A. R. Roy, 109|19, Hazra Road, Calcutta-26.

Member

3. Dr. J. K. Ghosh, Indian Statistical Institute, Calcutta.

Member

Joint Secretary,
 Ministry of Finance and Financial
 Adviser to the Department of Statistics,
 New Delhi.

Member

 Director-General, Central Statistical Organisation & Ex-officio Additional Secretary, Department of Statistics, New Delhi. Member

 Deputy Secretary, Department of Statistics, New Delhi.

M.mbur-Secretary

and assigns the following duties to the said Committee, namely ;

- (1) Review of the agreed programme of work and the financial estimates for 1985-86 (as provided by Government in Budget Estimates for 1985-86 for paying Grant-in-Aid to the Indian Statistical Institute, Calcutta) and making recommendations regarding the amount to be provided in the Revised Estimates, 1985-86; and
- (2) Preparation and submission to the Central Government of statements showing programmes of work agreed to be undertaken by the Indian Statistical institute, Calcutta during the year 1986-87 for which the Central Government may provide funds, as well as general financial estimates of such work.

The Committee shall submit its Report to the Government by the 31st October, 1985.

The Department of Statistics shall render secretariat assistance to the Committee, the headquarters of which will be at New Delhi.

[No. M-12011]2[85-Coord] JOG1NDER SINGH, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985 (इलायची नियंत्रण)

का. आ. 3464.--इलायची अधिनियम, 1965 (1965 का 42) की धारा 4 की उपधारा (4) के साथ पठित उपधारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री के. एम. चन्द्रगेखर मा.भा.से. (केरल-70) को 9 जुलाई, 1985 (प्रपराह,न) से श्री के. मोहनचन्द्रन के स्थान पर इलायची बोर्ड के ग्रध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[फाइल सं. 32/1/85-जागान(ख)] बी. एम. एस. नेगी, ध्रवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE New Delhi, the 10th July, 1985 (CARDAMOM CONTROL)

S.O. 3464.—In exercise of the powers conferred by clause (a), of sub-section (3), read with sub-section (4) of section 4 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965), the Central Gov-

ernment appoints Shri K. M. Chandrasekhar, IAS(KL-70) as Chairman, Cardamom Board, Cochin with effect from the 9th July, 1985 afternoon in place of Shri K. Mohanchandran,

[F. No. 32]1]85-Plant(B)]
B. M. S. NEGI, Under Secy.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात का कार्यालय

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1985

निरस्त ग्रादेश

का.आ. 3465.-सर्व श्री इन्डैन्टो इन्टरनेशनल, ए-7, सैक्टर-3, नीएडा कामपलैक्स, जिला गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) की एक श्रायात लाइसेंस सं पी./एस. /1959919 दिनौंक 25-1-84 वास्ते ६० 4,93,000/-श्रप्रैल-मार्च 84 की श्रविध के लिये संलग्न सूची में दर्शाई हुई मदों के श्रायात के लिये ऑडियों टेप रिकार्डर और उनके कम्बीनेशन, रेडियों और कार कैसेट प्लेयर्स और रेडियों के साथ उनके कम्बीनेशन के निर्माण हेनू जारी किया गया था।

प्रावेदक फर्म ने इस कथन के समर्थन में भ्रब एक णपथ-पत्न, आयात-निर्मात की कार्यविधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 353 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइमेन्स सं० पी/एस/1959919 दिनांक 25-1-1984 अप्रैल मार्च 84 की अवधि के लिये, 4,93,000/-रु० की राशि के लिये की एक्सचैंज कन्द्रोल कापी नई देहली कस्टम प्राधिकारी के पास पंजीकृत करवाने एवं भ्रांशिक रूप से उपयोग करने के बाद खो गई है/श्रस्थानस्थ हो गई है।

डूप्लीकेट एक्सचेंज कन्ट्रोल कापी बकाया राशि 4-15,680/- रु. को पूरा करने के लिये चाहिए।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल एक्सचेंज कन्ट्रोल कापी खो गई हैं / अस्थानस्थ हो गई है।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि. 7-12-55 यथा (संशोधित) की धारा में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोगकरते हुए, मैं उपरोक्त लाइसेंस सं. पी/एस/1959919 दि. 25-1-84 की मूल एक्सचेंज कन्ट्रोल कापी को निरस्त करने का आदेश देता हं।

आयेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्य-विधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 352-355 के अनुसार उक्त लाइसेंस मं. पी/एस/1959919 वि. 25-1-84 की एक्पचेंज कन्ड्रोल कापी की अनुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

OFFIGE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

-(CENTRAL LICENSING AREA)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 27th July, 1985

S.O. 3465.—M|s. Indento International, A-7, Sector-III, NOIDA Complex, Dist. Ghaziabad-UP were granted import licence No. P|S|1959919 Dt. 25-1-84 for Rs. 4,93,000 for Import of items as per list enclosed for April-March, 84 period required for manufacture of Audio tape recorder and combination thereof with radio and car cassette players and combination with radio.

The applicant has filled an affidavit as required under para 353 of Hand Book of Import-Export procedure 1984-85 wherein they have stated that exchange control copy of the licence No. P|S|1959919 Dt. 25-1-84 for Rs. 93,000 issued for the period of April-March, 84 has been lost|Misplaced after having been registered with New Delhi, custom authority and utilised partly.

The duplicate exchange control copy is required to cover the part value of Rs. 4,15,680.

I am satisfied that exchange control copy of the licence has been misplaced lost.

In exercise of the powers conferred on me under subject clause 9(cc) in the import trade control order 1955 dt. 7-12-55 as amended up-to-date, the said exchange control copy of licence No. P|S|1959919 dt. 25-1-84 for the value of Rs. 4,93.000 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Exchange Control copy of Import Licence No. P/S/1959919 dt. 25-1-85 for Rs. 4,15,680 in accordance with the provision of paras 252-355 or hand book of Import & Export procedure 1984-85.

निएस्त आदेश

का० आ० 3466- सर्व श्री मेटाचैम इन्डस्ट्रीज बागपत खेवड़ा रोड, बहालगढ़ सोनीपत की एक आयात लाइसेंस सं० पी०/एस/1959945 दिनांक 3-2-84 को डाईस्टफस और कैमिकल्स के निर्माणहेतु कुल, रकम 4,01,000/- के लिये दिया गया था।

अविदेक फर्म को इस क्यन के समर्थन में अब एक गय-पन, अप्यात-निर्यात को कार्यनिधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 353 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइसेंस स०/पी०/एस/1959945 दिमांक 3-2-84 को 4,01,000 रु० के निये अप्रैल-मार्च 84 की अविध हेतु जारी किया हुआ लाइसेंस की कस्टम प्रयोजन कापी आणिक रूप में 3,70,727 रु० तक उपयोग करने के बाद कहीं खो गई है / अस्थानस्थ हो गई है।

बुष्लोकेट कस्टम प्रयोजन काणी बकाया राणि 30,277 रुक्तो पूराकरने के लिये अपेक्षित है।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल कस्टम् प्रयोजन कापी खो गई है। अस्थानस्थ हो गई है। अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 वि० 7-12-55 (यथा संशोधित) का धारा 9 (सो संते) में प्रदक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं उपरोक्त लाइसेस सं० पा/एस/ 1959945 वि० 3-2-84 कुल राशि 4,01,000/- की मूल कस्टम प्रयोजन कापा की निरस्त करने का आदेश देता हूं।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्मात की कार्य विधि-पुस्तिका 1984-85 के पैरा 352-355 के अनुसार उक्त लाइमेंस सं० पो/एसं/1959945 वि० 3-2-84 की कस्टम प्रयोजन कापा की आगुर्लिप (डुप्लोकेट कीपा) आरी करने पर विचार किया जायेगा।

[फा० सं० हरियाणा/एम-5/ए एम-84/ए यू आई/सी एल ए]

CANCELLATION ORDER

S.O. 3466.—Metachem Industries, Bhagat Khewra Road, Bahalgarh, Sonepat were granted Import licence No. P[S] 1959945 dt. 3-2-84 for Rs. 4,01,000 for manufacture of "Dyestuffs & Chemicals".

The applicant has filed an affidavit as required under para-353 of Hand Book of Import & Export Procedure 1984-85 where in they have stated that Customs Purpose Copy of the licence No. PISS|1959945 dt. 3-2-84 for Rs. 4,01,000 issued for the period of April-March 84 has lost|misplaced having been partly utilised for Rs. 3,70,727.

The Duplicate Customs, Purpose Copy is required to cover the balance value of Rs. 30,277.

I am satisfied that the Custom Purpose Copy of the licence has been lost misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under Subclause 9(ce) in the Import Trade Control Order, 1955 dated 7-12-55 as amended up-to-date the said Custom Purpose Copy of licence No. P|S|1959945 dt. 3-2-84 for the value of Rs. 4.01,000 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Custom purpose copy of import licence P[S]1959945 dt. 3-2-84 for Rs. 30,277 in accordance with the provision of Paras, 352-355 of Hand Book of Import & Export Procedure 1984-85.

[F. No. HAR]M-5]A.M. 84]A.U.I.[CLA]

न्हें दिल्ली, 17 अप्रैल, 1985

निरस्त आदेश

का० आ० 3467 सर्वर्थी एम० एस० चावला एण्ड कम्पनी ए-40-41, नारायणा इन्डस्ट्रियल एरिया फ्रेंड-I. नई दिल्लीको एक आयात लाइसेंस स० पी०/एस/1959889 दिनांक 17-1-84 को टीं० वी० ट्यूनर के निर्माण हेतु आवेदक फर्म को इस कथन के सेमर्थन में अब एक गप्य-पत आयात-निर्यात की कार्यविधि पृस्तिका 1984-85 के पैरा 353 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइसेंस संपो/एस/1959889 दिनाक 17-1-84 को 1205847/- रु० की जो अप्रैल-मार्च 84 की अवधि के लिये विये गये की एक्सचेंज प्रयोजन कापी आंशिक मूल्य 639154/-रु० तक उपयोग करने के बाद दंगे फसाद में वर्ही जल गई है।

हुप्लीकेट कस्ट्रम प्रयोजन कापी वकाया राणि 566693/-कु को पूरा करने के लिये अपेक्षित है।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल एक्सचेंज प्रयोजन कापी खो गई है / नष्ट. हो गई है एवं दंगे फ़साद में कही जल गई है।

अंत. आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 वि० 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा (9 सी सी) में प्रदक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस सं० पी/-एस/ 1959889 दिनांक 17-1-84 कुल राशि 1205847/- की मूल एक्सचेंज प्रयोजन कापी की निरस्त करने का आदेश देता हूं।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-नियात को कार्य-विधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 352-355 के अनुसार उक्त लाइनेंस सं० पो/एस/1959889 दि० 17-1-84 की एक्सवेंज प्रयोजन कापी की कुल राशि रू० 566693/-रू० के लिये आशुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

> [फाइंल सं॰ देहली/एम-17/आटो/ए एम 84/ एयू॰ I/सीएलए/8001]

New Delhi, the 17th April, 1985

CANCELLATION ORDER

S.O. 3467.—Mr. M. S. Chawla & Company, A-40 & 41, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi were granted Import Licence No. P[S]1959889 dt. 17-1-84 for Rs. 1205847 for manufacturer of T.V. Turner.

The applicant has filed an affidavit as required under para 353 of Hand Book of Import & Export Procedure, 1984-85 where in they have stated that Exchange purpose Copy of the licence No. P|S|1959889 dated 17-1-84 for Rs. 1205847 issued for the period of A.M. 84 has burnt in riots having been partly utilised for Rs. 639154.

The Duplicate Customs Purpose Copy is required to cover the balance value of Rs. 566693 only.

I am satisfied that the Exchange Purpose Copy of the licence has been lost, destroyed and burnt in riots.

In exercise of the powers conferred on me under sub-Clause 9(CC) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended uptodate, the said Exchange Purpose Copy of licence No. P|S|1959889 dated 17-1-84 for the value of Rs. 1205847 is hereby cancelled. The Applicant is now being issued Duplicate Exchange Purpose Copy of Import Licence No. P[S]1959889 daed 17-1-84 for Rs. 566693 in accordance with the provision of Paras-352—355 of Hand Book of Import & Export Procedure 1984-85.

[File No. Delhi/M-17/AUTO/AM 84[A.U.I.|CIA|8001]

निरस्त आवेश

का. आ 3468.—सर्वश्री एम० एस० चावला एण्ड कम्पनी, ए-40/41, नारायणा इन्डसट्टियल एरिया, फेज-[, नई दिल्ली को एक आयात लाइसेंस सं०पी०/एस/1960315 दिनांक 20-7-84 को डीं० सी० माइकों मोटर्स के निर्माण हेतु कुल राग्नि 1089200 ६० के लिये दिया गया था।

आवेदक फर्म ने इस कथन के समर्थन में अब एक शपथ-पत, आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 353 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइसेंस सं० पी/एस/1960315 दिनांक 20-7-84 जो 1089200 ६० का अप्रैल-मार्च 1985 की अवधि के लिये दिया गया था, आंशिक रूप में 651152/- ६० की राशि तक उपयोग करने के बाद दंगे-फसाद में जल गया है।

्रिक्सचेंज प्रयोजन कापी की डुप्लीकेट कापी बकाया राशि 438048 को पूरा करने के लिये अपेक्षित है।

मैं सन्तुष्ट हं कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल एक्सचेंज प्रयोजन कापी खोई गई हैं/नष्ट हो गई है एवं दंगे-फसाद में जल गई है।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि॰ 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा (9 सीं सी) में प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस सं॰ पी/एस/ 1960315 दि॰ 20-7-84 को 1089200 रू॰ की मूल एक्सचेंज प्रयोजन कीपी को निरस्त करने का आदेश देता है।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्य-विधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 352-355 के अनुसार उक्त लाइसेंस मं० पी/एस/1960315 दि० 20-7-84 को कुल रकम 438048 रु० के लिये एक्सचेंज प्रयोजन कापी की आणुलिप (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[सं॰ देहली/52/ए एम-85/आटो/एयु-I/सीएलए/8045]

. आर० के० धवन,

उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

कृते संयुक्त मुख्यं नियंत्रक आयात-निर्यात

CANCELLATION ORDER

S.O. 3468.—M|s. Chawla & Company, A-40-41, Narama Industrial Area, Phase-I, New Delhi were granted Import licence No. P|S|1960315 dt. 20-7-84 for Rs. 1089200 for manufacture of D. C. Micro Motors.

The applicant has filed an affidavit as required under Para-353 of Hand Book of Import & Export Procedure, 1984-85 wherein they have stated that Exchange Purpose Copy of the licence No. P[S]1960315 dated 20-7-84 for Rs. 1089200 issued for the period of AM 85 has burnt in roits having been partly utilised for Rs. 651152.

The Duplicate Exchange Purpose Copy is required to cover the balance vale of Rs. 438048 only.

I am satisfied that the Exchange Purpose Copy of the licence has been lost, destroyed and burnt in riots.

In exercise of the powers conferred on me under sub-Clause 9(CC) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended uptodate the said Exchange Purpose Copy of licence No. P|S|1960315 dated 20-7-84 for the value of Rs. 1089200 is bereby cancelled.

The Applicant is now being issued duplicate Exchange Purpose Copy of Import licence No. P|S|1960615 dated 20-7-84 for Rs. 438048 in accordance with the provision of paras-352-355 of Hand Book of Import & Export procedure 1984-85.

[F. No. Delhi|52]Auto|AM. 85|AU. I|CLA|8045|DR. R. K. DHAWAN, Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

for Jt. Chief Controller of Imports & Exports

उद्योग और कंपनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) नई दिल्ली, 28 जून, 1985

ना.आ. 3469—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के मासकीय प्रयोजनों के लिय प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में निम्नलिखित कार्यालयों की, जिनके 80 प्रतिमत कर्मचारी वृन्द ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिमुचित करनी हैं:--

- भारत लैंदर कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली।
- 2. राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड, नई दिल्ली ।
- 3. औद्योगिक लागत तथा मूल्य ब्युरी, नई दिल्ली।

[सं. 12012/1/84- हि. अ.] अजेन्द्र सहाय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 28th June, 1985

S.O. 3469.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Govt, hereby notifies the following

offices whose 80 per cent staff have acquired the working knowledge of Hindi:—

- 1. Bharat Leather Corporation Ltd., New Delhi.
- 2. National Small Industries Corporation Ltd., New Delhi.
- 3. Bureau of Industrial Costs & Prices, New Delhi.

[No. 12012]1|84-HS] BR]JENDRA SAHAY, Jt. Secy.

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई विल्ली, 10 जुलाई, 1985

का. अ. 3470--एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्- हारा में मर्स कोठारी शुगर्स एंड केमीकल्स लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय, कीठारी बिल्डिंग 115, ननगम्बकम, हाई रोड, मद्रास- 60003,4 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण पत्न संख्या 1313/76) के निरस्तीकरण को अधिमुचित करती है।

[सं**ड**वा 16/2/85- एम. 3]

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O. 3470.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies—the cancellation of the registration of M|s. Kothari Sugars—& Chemicals Ltd., having their registered—office at Kothari Buildings, 115, Nungambakkam High Road, Madras-600034 under the said Act (Certificate of Registration No. 1313|76).

[No. 16]2]85-M.IIJ]

का. आ. 3471—एकाधिकार तथा अवराधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् हारा मैसर्स भालचन्द्र इन्वेस्टर्मन्ट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय, मनडवा, पुगे कैन्ट्र्नमैन्ट, पुणे— 411036 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण पत्न-संख्या 1838/84) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/30/85-एम-3]

S.O. 3471.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Bhalchandra Investment Limited having their registered office at Mundhwa, Pune Contonment, Pune-411036 under the said Act (Certificate of Registration No. 1838/84).

[No. 16|30|85-M.III]

का. आ. 3472. ——एकाधिकार तथा अवरोधक व्याप्तिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्हारा मैसर्स मन्द्रवा इन्वैस्टमैन्ट लिमिटेड, जिसका पूंजीकृत कार्यालय, मन्द्रवा पूणे केन्ट्रनमैन्ट, पूणे-41 0364 के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पजीकरण (पंजीकरण प्रमाण पद्म संख्या 1840/84) के निरस्तीकरण को अधिमुचित करती है।

सिंख्या 16/31/85-एम-3]

S.O. 3472.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Mundhwa Investment Ltd. having their registered office at Mundhwa, Pune Contonment, Pune-411036 under the said Act (Certificate of Registration No. 1840/84).

[No. 16/31/85-M.TD]

का. आ. 3473.—एकाधिकार तथा अवरीधक व्या-पारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्म आटोमोटिव एक्सिल्स लिमिटेड, जिसका पंजी-कृत कार्यालय. हुतागल्ली इन्डस्ट्रीयल एरिया, अप. हन्सूर रोड, मैसूर- 571186 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पन्न संख्या 1878/ 84) के निरस्तीकरण को अधिस्चिन करनी है।

[संख्या 16/33/85-एम-3]

S.O. 3473.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (34 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Automotive Axles Ltd. having their registered office at Hootagalli Indusrial Area. Off. Hunsur Road, Mysore-571186 under the said Act (Certificate of Registration No. 1878[84).

[No. 16]33]85-M.III]

का. आ. 3474. — एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापा— रिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की घारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा मैसर्स भारत फोर्ज कंपनी लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय मन्द्रवा, पुणे केन्द्रुनमैन्ट, पुणे— 411036 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पन्न संख्या 1337/77) के निरम्नीकरण को अधिसूचित करती है। संख्या 16/34/85-एम-3

S.O. 3474.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of Mjs. Bharat Forge Company Ltd., having their registered office at Mundhwa, Pune Contonment, Pune-411036 under the said Act (Certificate of Registration No. 1337/77).

[No. 16'34'85-M.III]

का. आ. 3475.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापा— रिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतड्-हारा मैसर्स फोर्ज इन्बेंस्टमैन्ट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय, मन्डवा पुणे केन्द्रुनमैन्ट, पुणे— 411036 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण—पन्न संख्या 1839/84) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/35/85-एम-3]

S.O. 3475.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Forge Investment Ltd. having their registered office at Mundhwa, Pune Cononment, Pune-411036 under the said Act (Certificate of Registration No. 1839|84).

[No. 16]35[85-M.III]

का. आ. 3476.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापा— रिक व्यवहार अधिनियम 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैंसर्स ऊषा ग्रेको लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बैरिक भवन, दूसरी मंजिल, 8 चितरंजन ऐवन्यू, कलकरता—, 700072 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजी-करण प्रमाण-पत्न संख्या 1456/79) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

> [सं. 16/37/81-एम-3] वी. पी. गुप्त, निदेशक

S.O. 3476.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Usha Breco Limited having their registered office at Barick Bhawan, 2nd floor, 8-Chitranjan Avenue, Calcutta-700072 under said Act (Certificate of Registration No. 1456/79).

[No. 16]37[81-M.III] V. P. GUPTA, Director.

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मत्नालय (नागरिक पूर्ति विभाग) भारतीय मानक संस्था नई दिल्ली, 10 जून, 1985

का .आ : 3477:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिहन) नियम और विनियम, 1955 के नियम 3 के उपनियम (2) और विभियम 3 के उपविभियम (2) एवं (3) के अनुसार, भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जांता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के ब्योरे दिये गये हैं, वे 1982-08-31 को निर्धारित किये गये हैं।

		अनुसूची'	•
क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानकों की पद संख्या और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा रद्द हुए भारतीय मानकों की पद संख्या और क्षीर्ष क	अन्य विवरण
1	2	3	4
1.	*IS : 2751982 लोवर टाइप हस्तिनिर्मित तालों की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	IS: 2751961 तालों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये IS: 275-1982 1983-01-01 से लागू होगा
2.	[S: 6571982 मैंग्नेसियम आक्सीक्लोराइड फ़र्ण मसाले के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS: 6571962 मैंग्नेसियम आवसीक्लोरा फर्म मसलि के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की विभिष्टि (संगोधित)	इंड 1982-07-31 को निर्धारित
3.	IS: 34161982 सूत या पुनहत्यादित सेलु- लोग के साथ पालीएस्टर मिश्रणों के मालात्मक रासायमिक विश्लेषण की पद्धति (प्रथम पुम- रीक्षण)	IS: 34161966 सूत या पुनरुतादित सेलूलोज के साथ पालीएस्टर मिश्रणों के मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण की पद्धति	
4.	[S: 51571981 आंख की पुतली की चिमटी की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 5157 1969 आंख की पुतली की चिम की विभिष्टि	टी
5.	IS : 5182 (भाग II)1982 वायु प्रदूषण मापन पद्धतियां भाग II बेंजीन	· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	
6.	*IS : 7898—1981 हस्तचालित कृट्टी मशीन की विणिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 7898 1975 हस्तचालित कुट्टी मशीन को विशिष्टि	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये. IS : 7898–1981 1982–12–01 को न(गूहोगा
7.	IS : 8198 (भाग 12) – 1982 संपीडित गैमों के लिये इस्पात सिलिन्डरों की रीति संहितः : भाग 12 चिकित्सीय उपयोग के लिये गैसें	,	
8.	IŞ : 9001 (भाग 13) —1981 पर्यावरण परोक्षण के लिये मार्गदर्शी सिद्धान्त : भाग 13 कम्पन (ज्यावकीय परीक्षण)		

::::			····
I 	2	3	4
5).	IS 9527 (भाग 1) — 1981 गोदो ार्ग बन्दरगत्ह सरचनाओं के डिकाइन और निर्माण को रोनि गहिता : भाग 1 कंकीट स्तन्म		
10	IS : 9859—1981 इकेक्टोना स.पन उपस्कर को सुरक्षा अपेक्षायें	-	
11.	IS : 9902—1982 अरण परीक्षण को अनु- गर्मित राति	~	
12.	IS : 9912-1981 लोडे या इस्पात को पाडप लाइनों की सुरक्षा के लिये कोलतार से बनी लेप सामग्री और आयुक्त अस्तरों की विशिष्ट		-
1 3	IS : 10011—1981 र ल से बनो दांती भरते ने की सामग्रियों की विशिष्टि	11 12	
Į 4.	${f IS}:10012-1981$ अस्त ${f i}$ आक्साइड/यूर्जाः- नोल को दांत भरने की स ${f H}$ प्रियों की विणिष्टि		
15.	IS : 10014 (भाग 2) — 1981 कृत्रिम स्टैपल रेगों को परीक्षण पढ़तियां भाग 2 रैखिक घनत्व ज्ञात करना	~~ ~	-,
16.	IS : 10018—1981 लकड़ी के लिये साफ़, फिर्निणिंग चमकोले सेनुलोज नःइट्रेट लैकर की विशिष्टि		-
17.	IS : 10046—1981 खान में ढुलाई मार्गों के लिये कुत्तोकीलों को विशिष्टि	·	
18.	IS : 10120—-1982 वृणी शुष्ककों के लिये पूर्तिकर्ताकः आंकड़ा पत्र		
19.	${f IS}:10126{-}\!\!-\!\!1982$ स्फ्लिग विसर्जको की विशिष्टि	 -	
20.	[S : 10127—1982कोयला खनन और धोबन उथोगों के ठोस अपणिष्ट के उपयोग एवं निपटान के मार्गदर्शी सिद्धान्त		
21.	IS : 1351982 भाराश्रित बांधों की जल निकास व्यवाया की रीति संहिता		-
22-	IS : 10140-—1982 लगड़ों के काम के लियें पट्टी आरा ब्लेड़ों को विशिष्टि		
23.	IS ः 10156—1982 गर्भाणय–डिम्बवाहिनी चित्रण के लिये कैनुषा की विशिष्टि		
24.	IS : 101811982 लम्बरड कृत्निम क्यार्टज किस्टल को विशिष्टिट		

किस्टल को जिल्लांक्ट इन भारतीय मानकों की प्रतियां, भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरणाह जकर मार्ग, नई दिल्ली—110002, तथा अहमकावाद, त्रमवई वंगलीर भोषाल, भूवनेश्वर, कलकत्त, हैदराबाद, जयपुर, कामपुर, मोहासी, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित इसके शाखा कार्यालयों में विकथार्थ उपलब्ध है।

MINISTRY OF FOOD AND SUPPLIES (Deptt. of Civil Supplies) INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 10th June, 1985

S.O. 3477:——In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2)—and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1982-08-31:

SCHEDULE Sl. No. and Title of the Indian Standards No. and Title of the Indian Standard Remarks, if any No. or Standards if any, superseded by Established the new Indian Standard (1) (4)(2)(3) 1. *IS:275-1982 Specification for padlocks, IS: 275-1961 Specification for pad- *For purposes of ISI Certification lever type, handmade locks Scheme: (third revision) (second revision) IS: 275-1982 shall come into force with effect from 1983-01-01 2. IS: 657-1982 Specification for materials IS: 657-1962 Specification for materials Established on for use in the manufacture of magnesium rials for use in the manufacture of 1982-07-31 oxychloride flooring compositions magnesium oxychloride flooring com-(second revision) positions (revised) 3. IS: 3416-1982 Method for quantitative IS: 3416-1966 Method of quantita- Established on chemical analysis of mixtures of polyester tive chemical analysis of mixtures of fibres with cotton or regenerated cellulose polyester fibres with cotton or rege-(first revision) nerated cellulose 4. IS: 5157-1981 Specification for forceps, 1S: 5157-1969 Specification for foreve, iris ceps, eye, iris (first revision) 5. IS: 5182—(Part XI)—1982 Methods for measurement of air pollution: Part XI Benzene 6. *IS: 7898—1981 Specification for manu- IS: 7898—1975 Specification for *For purposes of ISI ally-operated chaff cutter manually-operated chaff cutter Certification Marks Scheme; (first revision) 1S: 7898-1981 shall come into force with effect from 1982-12-01 7. IS: 8198 (Part XII)-1982 Code of practice for steel cylinders for compressed gases: Part XII Gases for medical use 8. IS: 9001 (Part XIII)-1981 Guidance for environmental testing: Part XIII Vibration (sinusoidal) test

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	IS: 9527 (Part I)—1981 Code of practice for design and construction of port and harbour structures: Part I. Concrete monoliths		
10.	1S: 9859—1981 Safety requirements for electronic measuring apparatus		
11.	IS: 9902—1982 Recommended practice for leak testing		-
12.	IS: 9912—1981 Specification for coal tar based coating materials and suitable pri- mers for protecting iron or steel pipelines	_	
13.	1S: 10011—1981 Specification for resinbased dental filling materials		
14.	IS: 10012—1981 Specification for dental zinc oxide eugenol filling materials		
15.	IS: 10014 (Part II)—1981 Methods of tests for man-made staple fibres: Part II Determination of linear density	_	
16.	IS: 10018—1981 Specification for lacquer, cellulose nitrate, clear, finishing, glossy for wood		who we
7.	IS: 10046—1981 Specification for dog spikes for mine haulage tracks		
	IS: 10120—1982 Supplier's data sheet for rotary dryers		
	IS: 10126—1982 Specification for spark- lers		
	IS: 10127—1982 Guidelines for utilization and disposal of solid wastes from coal mining and washery industries		
	IS: 10135—1982 Code of practice for drainage system for gravity dams		
	IS: 10140—1982 Specification for band- saw blades for woodworking	_	
	IS: 10156—1982 Specification for cannula. ntra-uterine, hysterosalpingography	_	an-u
	IS: 10184—1982 Specification for lum- pered synthetic quartz crystal	and	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institutio, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its Branch Offices at Ahmedabad, Bombay, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Mohali, Madras, Patna and Trivandrum.

नई दिल्लो, 24 जून, 1985

का० आ० 3478. — समय - समय पर संगोधित भारतोय मानक संस्था (प्रमाणन चिहन) विनियम 14 के उपवितियम (4) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि लाइमेंस संख्या साएम/एल 0620838, 0620939, 0621032, 0621133 और 0621234 जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, 1985-03-01 में रदद कर दिये गये हैं।

कसं.	लाइसेंस संख्या और विनांक	लाइमेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस अधोन वस्तु/ प्रक्रिया	
1	2	3	4	5
1.	एस- 0620838 1977-07-01	मैसर्ज के. सो. ए.लि. बिदेश्वर, जामनगर	''टैट्राजिन, खाद्य श्रेणी	IS : 1691-1974 टैट्राजिन, खाद्य श्रेणी की विभिन्ट (पहला पुनरोक्षण)
2.	एल-0620939 1977-07-01	मैसर्ज के. सी. ए. लि. बिदेश्वर, जामनगर		े $1S$: 2923- 1974 कर्गोईसिन, खाद्य श्रेणो की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)
3.	⊓्ल− 0621032 1977-07-01	म[°]स र्ज के. सी. ए. लि. बिदेश्वर, जामनगर	अमराध, खाद्य श्रेर्ण(IS: 1696-1974 अमराध बाह्य क्षेणी की विणिष्ट (पहला पुनरीक्षण)
4.	पुल- 0621133 1977-07-01	1)))))	पांसी 4 अ। र. खाद्य श्रेणी	$1 { m IS} : 2558 - 1974 पांमीं 4 आर खाद्य श्लेणी को विर्णिष्ट (पहला पुनरीक्षण)$
5. 	एल- 0621234 1977-07-01		सनसेट येलो एकसीएक. खाद्य श्रेणी	IS 1695-1974 सनसेट येलो एफसीएफ , खाद्य श्रेणी की विभिष्टि (पहला पुनरीक्षण)

[स. सीए मडो 55 : 0620838]

बी. एन. सिंह अपर महानिदेशक

New Delhi, the 24th June, 1985

S.O. 3478:—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence Nos. 0620838, 0620939, 0621032, 0621133 and 0621234 particulars of which are given below have been cancelled with effect from 1985-03-01.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. & Date	Name and Address of the licensee	Article/Process Covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standards
1.	L-0620838	M/s. K.C.A Limited, Bedeshwar.	Tatrazine Food Grade	IS : 1694—1974 Specifi-
	1977-07-01	Jamnagar.		cation for Tatrazine, Food Grade (First Revision)
2.	L0620939	-do-	Carmoisine, Food Grade	IS : 29231974 Specifi -
	1977-07-01			cation for Carmoisine, Food Grade (First Revision)
3.	L0621032	-do-	Amaranth Food Grade	IS: 1696—1974 Specification for Amaranth.
	19 77-0 7-01			Food Grade (First Revision)
4.	L—0621133	do-	Ponceau 4R Food Grade	IS: 2558—1974 Specifi- cation for Ponceau 4R
,_ ı, -	1977-07-01			Food Grade (First Revision)

્રિમાય	II	71	ारा का संभवत भीता» १४, १६८ श्रेजावल ३, १८०४	TU27
]	2	3	4	5
5.	1977-07-01	M/s. K.C.A. Limited, Bedeshwar. Jamnagar	Sunset Yellow FCF Food Grade	IS: 1695—1974 Specification for Sunset Yellow FCF, Food Grade (First Revision)
•			· ··· ·	[No. C. M. D. 55/0620838]

नई दिल्ली 26 जून, 1985

का० आ० 3479 :---समय नमाय पर मंगो बित भारतीय मानक संस्था (प्रम णन विहम) विनियम ∦1955 ॄ्र्क विनियम 14 के उपवित्तियम (4) के अनुसार अधिस्वित किया जाता है कि लाइसेस संख्या 0746557, जिसके ब्यौरे नाच अनुसूची में दिये गये हैं, 85-03-31 से रद्द कर दिया गया है और वापस ले लिया माना जाये।

अनुसूचो

	लाइसेंस संख्या और दिनांक	लाइसेंस्वारो का पाम और पता	रव्द लाइसेस के अधीन वस्तु प्रक्रिया	सम्बद्ध भारतोय मःनिक
1	2 	3	4	5
_	एल— 0746557 1979-01-16	मैसर्ज राजुकेश इंटर- प्राईजेज (केमिकल्स) रोड सं. 13 पनकी, इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर	क <u>ै</u> रामेल	LS : 4467— 1967 कैरामेल को विणिष्टि

[स० मीएमडी: 55/0746557] बी. एन. सिंह अपर महानिदेशक

New Delhi, the 26th June, 1985

S.O. 3479:—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amnded from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. 0746557 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 85-03-31.

THE SCHEDULE

Sl. Licence No. No & Dans	Name and Address of the licensee	Article/Process Covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standards
1. L0746557 1979-01-16	M/s. Rajukesh Enterprises (Chemicals) Shed No. 3, Panki Industrial Area, Kanpur.	Caramel	lS: 4467—1967 Specifi- cation for Caramel

[No. CMD/55: 9746557] B.N. SINGH, Additional Director General

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 15th May, 1985

CORRIGENDUM

S.O. 3480—Whereas, by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coat) S O.3295 dated the 27th August, 1982, published in the Gazette of India, Part II, Section 3. Suc-section (ii) at pages 3349 to 3352, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Contral Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification:

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors or printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, and of all othe powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows:—

At page 3350 in first column,

in line 56, for "378 (Part "

read "378 (Part),"

At page 3350, in second column in line 45 for "864 (Part)"

read "761 (Part)"

At page 3351 in first column,

ih line 5 for "3205 (Part)"

read "3205 (Parti",

in line 15 for "3575" read "3576",

in line 21 for "3198 read "3193";

in line 23 for "3289 read "3239";

in line 26 for "1685" read "1635";

in line 29 for "1550" tead "1559";

in line 31 fo. "O-R line" "read O-P line";

in lines 47 to 52 under Remarks column insert "Part";

in line 57 for "837" read "737"

At page 3351 in second column,

ia line 42 for "642" read "742"

in line 48 for "792" read "742"

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued, may, within thirty days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land, or any right in any of such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

[No 19/41/82-CU/CA]

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1985

का. आ. 3481:—जबिक कोयनाधारी क्षेत्र (अर्जन और त्रिकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन ज(री और भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3. उप-खंड (ii) में पृष्ट सं. 2119 से 2923 में प्रकाणित भारत सरकार के भूत-

पूर्व ऊर्जा मंझालग (कोयला विभाग) के का. आ. सं. 2902 दिनांक 24 जून, 1983 की अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि का अधिमहण करने के अपने आणय की सूचना दी थी;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह लाया गया है कि राजिपब में उक्त अधिसूचना के प्रकाणन में छपाई की कुछ तुटियां हो गई है ,

अब, इसिलए, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों और इस संबंध में अधिकार प्रदान करने वाली अन्य सभी शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है :---

पृष्ठ 2918 परः अनुसूची में ऋम सं. 3 में टिप्पणी स्तंभ के लिए "भाग" के स्थान पर "पुर्ण" पर्हें।

पुष्ठ 2919 पर (1) ग्राम केंसला में अर्जित किए जाने बाले प्लाट संख्योक में---"145 भाग" के स्थान पर "146 भाग" पहें।

(2) ''ग्राम सेवनारा में ऑजत किए जाने वाले प्लाट संख्यांक'' के स्थान पर ''ग्राम तैवनारा में अजित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक'' पढ़ें।

जिस भूमि के संबंध में उप कित संशोधन जारी किया गया है, उससे हितबढ़ कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के जारी होने के तीस दिन के अंदर उक्त सारी भूमि अथवा उसके किसी भी भाग के अर्जन पर अथवा उक्त अधिनियम की धारा 8 की उप-धारा (1) के अनुसार ऐसी किसी भूमि में किन्हीं अधिकारों के अर्जन पर आपांच कर सकता है।

> [स. 19/3/83-सी. एल./सी. ए.] समय सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 9th July, 1985

S.O. 3481.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2902 dated the 24th June, 1983, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), at pages 2919 to 2923, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said not lication in the Gazette;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows:---

At page 2920, under the heading "Plot Numbers, to be for acquired in village Kesla",--

- (i) '82j2' read "83j2", and
- (ii) for "146" read "146 (Part)".

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued, may, within thirty days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land, or any rights in any of such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

[No. 19/3/83-CL/CA] SAMAY SINGH. Under Secy.

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जनाई, 1985

का, आ. 3483.—यन केन्द्रीय राष्ट्राप्त को यन् प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन के.ए. इंटल्यू-में एन के. जी.जी.एस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के जिए १९६५ लाइन तेल देश प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विष्ठाई जानी चाहिए !

और यत: यह प्रतीत होना है कि ऐसी लाउनों को विकान के प्रयोजन के लिए एनदुराबद्ध अनुसूची में विजित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना अत्वण्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खिनज पाइप लाइन (प्रांम से उपधोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) ही भारा 3 को उपधारा (1) द्वारा प्रदन शिक्त्यों के प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार ने उसमे उपयोगका अधिकार अर्जित करने का अपना आजश एसड्-द्वारा घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हित्तबढ़ नोई व्यक्ति. उस प्रामि में तीचें प्राइणलाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृति ह गैम आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदण-० को इस अधिसुचना की तारीख से 2! दिनों के भीतण कर मकेया।

आँग ऐना आक्षे**प** करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धिटन: यह ओ कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उपकी मृनवाई वाक्तिस्त रूप में हा या किसी विधि व्यवसापी की मार्पन ।

अनुसूची

एक. के. ए. डब्स्यु से एक. के. जिं. एस. $-\Pi$ तक पश्चपत्राहक विकास के लिए।

राज्य ' गजरात, जिला' अहमदाबाद तालुका दिरम गाम

गाँच	सर्वे न.	है .	आरे.	में.
वालमामन	413	0	()]	00
	402/3	0	0.6	84
	40.2/2	O	02	75
	403	Ü	10	80
	40./1	0	(+7	20
	393	θ	0.6	50

[स॰ O-12016/86/85-ओ ए३ जी हा]

MINISTRY OF PETROLEUM New Delhi, the 16th July, 1985

S.O. 3482.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from NKAW to NKGGS II in Guiarat State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sction (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1942 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Prov ded that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Autrority, Gas Authority of India, Ltd. NKAW to NKGGS-II.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

SCHEDULE

(Pipeline from NKAW to NK GGS)
State: Gujarat, Distt.: Ahmedabad, Taluke: Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Cent-
Balsasan	413 402/3	0	01 06	00 8.1
	402/2	0	02	75
	403	0	10	80
	402/1	0	07	20
	398	0	06	50

[No. O-12016/86/85-ONGD 4]

का. आ. 3.483—एतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवण्यक है कि गुजरात राज्य में कृप नं I-10 से कूप नं 0.50तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधि करण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोधन के लिये पतदुराबद्ध अनुसूची में वर्षित धूमि में उपयोध का अधिकार शक्ति करना आयण्यक है।

अनः अत्र पेट्रोलियम और खिलिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) द्वारा प्रदक्त मिलियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार के उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने जा अपना आणय एनद्द्वारा घोषिन किया है।

बर्णों कि उक्त भूमि में हिनबढ़ कोई व्यक्ति, उस मूमि के नीचे पड़िक्त जिल्ला के तिर आक्षेत्र साथ प्राधिकारो, तेल तथा प्राकृतिक नीस आयोग, निर्माण और देखमाल प्रधास, सकरपुरा रोड, बडोदरा-९ को इस अधिसूचना की नारीख से 31 धन के भीतर कर सकेगा।

और ऐस। आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति , विनिद्दिग्टनः यह भो कपन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उक्का मृतनाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसो विधि व्यवसार्या की मार्फत ।

अन्मूर्जः (कूप नं. [-10 से कूप न. 50 तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।) राज्यः गुजरान जिलाः भरूच नालकाः हासोट

गांव	व्यापः नं.	हे.	જા <i>રે</i>	में.
दिगम	7.27	1)	:1	0.6
	7.41	α	11	96
	: 14	Θ	_2	10
	345	{}	13	7-4
	208	. 0	0.3	90
	206	()	0.8	8.4
	300	0	13	6.5

[(यं॰ O-12016/87/85-ओ एन जी डी-4

S.O. 3483.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 1—10 to Well No. 50 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from WELL No. 1-10 to WELL No. 50 State: Grippin District (Bharuch Taluka (Hanson

Village	_	Bleck No.	Hec- tare	Are C	ent- re
		227			
DIGAS		227	0	21	06
		241	0	11	96
		244	0	22	10
		245	0	12	74
		208	0	03	90
		206	0	08	84
		200	0	12	65

[No. O-12016[87/85-ONG-D 4]

का द्या. (484—पन : केंद्रीय सरकार को यह प्रतेश होता है कि लोक हित में यह धावण्यक है कि गुजरान राह्य में एस.एन.ऐ.पी.मेर्म.एन.एजे. पेट्रोलियम के परिवहन के रिष्णु पाइय लाइन भारत य भैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछार्ट जानः चाहिए ।

न्नार यतः प्रतात होता है कि ऐसा लाइनों को विद्यान के प्रयोजन के लिए एतद्गाबद अनसूचा में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अभित करना सायकार है।

%त. श्रम पेट्रोलियम और खानेज पाडपलाइन (भूमि में उपयोग के प्राधिकार का कर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) कः धारा 3 के उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र य सरकार ने उस में उपयोग का श्रीकार श्रीकृत करने का अपना आक्रय एनट्ट्रारा भौकित किया है।

भागतें कि उक्त भूमि में हिनबड़ कोई व्यक्ति उस भूमि के त ने पाइप जाइन बिलाने के लिए याखेग सथम प्राधिकार, तेल तथा प्राकृतिक गैस गयोग, निर्माणऔर देखभाल प्रभाग, सकरपुरा रोज, यहांदा (-9की इस प्रधिस्चन) की रारुख में 21 दिन के भागत कर सकेगा।

श्रार ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भ. कथान करेगा कि क्या वह चोहना है कि उसक मुनवाई व्यक्तिगत कथाने हो या किसे विधि ग्रानार्य का मार्की ।

अनुमून

्रापुत्त सुन्तु, सु. की जि. समा, सिंग में अं नाम पाठीय लाईन बिकास के स्विस्स

राज्यः गजरा^त जिला । भावकाः मेहसामा

गतं व	सर्वेन .	हें.	३श्र∓ ,	ŧï.
सथाल	423	U	0.9	40
	420	0	0.6	5.0

(तंब O+12016/88/85 आ एन जी डो 4)

S.O. 3484.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the patric interest that for the transport of petroleum from SNAP to SNAJ in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
PIPELINE from SNAP to SNAI

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cent are
ANTHAL	423 420	0 0	09 06	

[No. O-10016/85/85 ONG-D 4]

का, आ, 3495.---पत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीप होता है कि लोक-हित में यह आवण्यक है कि गुजरात राज्य एस.एस.एस से सथा की.जी.-एस तक में पेटोलियम के गरित्रह्म के लिए पाइंग लाइंन बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों मो बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वपाबढ़ अनुभवी में वर्णित सृमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्याः है ।

अत अब पेट्रोलियम और खिनिज पाउप लाइन (भिम में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अभिनियम 1962 (1962 का 50) की धीरा 3 की उपधीरा (1) आह प्रदेश बिनियों का अधीर करते हुए केंन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्थन करते का अपना अभिग एनस्थारा कीचिन किया है।

बणतें कि उनन भृमि में द्वितबाद तोई व्यक्ति उन भृमि के शीचें पाइन लाइन बिफाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेन तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडीटरा को इस अधिसूचना की नारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा। शीर ऐसा आक्षेत करने वालाहर व्यक्ति श्रिनिविष्टतः यह भी कश्न करेगा कि का बह सह चाहता है कि उसकी मुनदाई व्यक्तिनत खग से शे या किसी विधि व्यवसाधी की मार्फन।

अनुमूची

्रास एवं एच से संथाल जी, जी, एस, त्रक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

गुज्य : गुक्षगत	किला व तालुका मेहसासा		–	
गाँत्र	मर्वेन.	; हे.	आर	— में
- ज्ञाना	$\frac{1246}{1245}$	0	30	7 G
	1244	θ	03	7.2
	1251	0	0.9	72
	1260	0	0.9	1.2
	1227	0	0.4	3.5

[सं• O-12016/89/85 ओएनजीड़ी 4]

S.O. 3485.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from S.N.H to Santhal GGS in Gujarat State Pipeline should be laid by the oil and Natural Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from SNH to SANTHAL GGS

State : Gujrat:	District & Taluka	. : Me	hsana	
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
1		3	4	- 5
JOTANA	1246 1245)	0	20	76
1	1244	0	08	72
	1251	0	09	72
	1260	0	09	1.2
	1227	, 0	04	32

/ [N 1, O 1:016/89/85 ONGD 4]

का, आ. 3496—सन केस्ट्रीय सरकार को यह पत्रीन होता है कि लोकहिन में यह आवश्यक है कि मृज्यान राज्य में एन के एफ ए एक्स रोएन के एस बाई से एन के एक रहे तक पेट्रोनियम के परिवहन के निये पाइपलाइन नेन कथा प्राकृति हैं। अपीत द्वारा विकाई जानी चाहिये।

485 GI/85

और यतः यह प्रतीय होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनदुपाबक असुसूची में बर्णिन भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और स्नातिक पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा उ की उपथारा (1) द्वारा प्रदेश प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजिन करने का अपना आणय एनल्डान बोपिन किया है

त्रणर्ते कि उनन भूमि में हितबद्ध कार्ष ध्यक्ति, उस भूमि के मीचे पादपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्रशिकारी, तेल नथा प्राकृतिक शैम आगोगः निर्माण और देखमाल प्रभाग मक्त्रपूरा रोड़, बडोडरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या बहु यह जाहता है कि उसकी सुनवाईक्यरित ः े या किसी विश्रि व्यक्सायी की मोर्फेन ।

अनुसूची

राज्य : गजरात जिला व तालका धेवसाता

एन. के. एक. एक्स से एन. के. एस. बाई. से एन के एफ ई

गौत्र 	ब्याप्क नं.	Ł.	आर.	सें.
मह मद पुर(7	0	0.7	20
ū	6	U	0.4	44
	6	0	0.4	68
	358	0	11	6.4
	354	0	05	76
	353	0	0.8	64
	350	O	0,2	40
	349	0	0.7	44
	348	U	0.6	0.0

[सं॰ O-12016/90/85 ऑएनजीकी 4]

S.O. 3486.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from NKFX to NKFY to NKFE in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Nathral Gas Commission.

And whereus it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed bereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from NKFX to NKFY to NKFE State: Gujarat: Di trict & Taluka: Mehsana

Block N o.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
7	0	07	20
6	0	04	44
6	0	04	68
358	0	11	ღ4
354	U	05	76
353	0	08	64
350	0	02	40
349	0	07	44
348	ð	06	00
	No. 7 6 6 358 354 353 350 349	No. tale 7 0 6 0 6 0 358 0 354 0 353 0 350 0 349 0	No. tale 7 0 07 6 0 04 6 0 04 358 0 11 354 0 05 353 0 08 350 0 02 349 0 07

[No. O 12016/90/86 ONGD-4]

का, आ. २५ 87 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूपे नं 26 से जो सी ऐस तक पेट्रोलियम के परिवहन के जिए पाइपलाइन तेन ज्या प्राकृतिक गैस अपर्योग द्वारा बिछाई जानी वाहिए।

और यत पह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एसव्दारा घोषित किया है।

बसर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निमाण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची कूप नं. 26 से जी. सी. ऐस.

गौव	सर्वे नं.	हे ,	आर.	₹.
जु नज	253		06	 65
	251	0	07	78
*	249	0	07	7.4

S.O. 3487.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No. 26 to GCS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009)

And every person making such an objection shall also state specifically wheher he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE PIPELINE from WELL No. 26 to G.C.S.

State	:	Gujarat;	District :	Kheda;	Taluka	: C a	mbay
Ville	ge	:		Survey No.	Hec- tare	Are	Cen tia ₁
LUN	IA.	J		252	0	0 6	65
				251	0	07	78
				249	0	07	74

[No. O-12016/91/85-ONGD-4]

का. आ. 3488.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गूजरात राज्य में जेऐन एए से जेएन ओ तक पेद्रोलियम के परिबहद के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विकाई कार्ना चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मित्तयों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्दारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोधरा-9 को इस अधिसूचना को तारिख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि नया वह चाहता है कि उसक सुनवाई ध्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत । अनुसूची

जे. एन. ए. ए० से जे. एन. ओ. नक पाईप लाईन बिछाने के लिये।

 त जिलाव तालुका मेहर	साना		
≊लाक नं.	₹ .	आरर्ड	सें .
1154	0	19	08
1101	0	07	68
	अलाक नं. 1354	1154 0	ब्लाक नं. हे. आर.ई 1154 0 19

.[संo O-12016/92/85 औएनजीडी-4]

S.O. 3488.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNAA to JNO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying, such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule unnexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Ga₃ Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

SCHEDULE PIPELINE from JNAA to JNO

State : Gujarat;	District & Ta	eluka :	Meh	sana
Village	Block No.	Hoc- tare	Are	Cen tiare
MAKNAJ	1154 (101	0	19 07	08 68

[No. O-12016/92/85-ONGD-4]

का. आ. 3489 :-- यतः फेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवण्यक है कि गुजरान राज्य में एन. के. ई.एन. से एन.के.ई.पी. तक पंट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन तेल तथा प्राकृतिक ग्रैम आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिष्ट ने के प्रयोजन के लिये एतद्रपाबद्ध अनुसूची में अणित भूमि में उपयोग का अधिकार अफिन करना आवण्यक है।

अलः अब पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त ग्राव्हियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आभय एतदश्चाय घोषिस किया है: बधर्ते कि उक्त भूमि में हिनबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैंस आयोग, निर्माण और देखमाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बकोइरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख़ से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने जाला हर व्यक्ति जिनिरिय्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवार्ष व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची के के की गोज के कि की जा

ऐन. के. ई. ऐन. से ऐन. के. ई. पी, तक पाईप लाईन विश्वाने के लिए।

राज्य	गुजंरात :	जिला अहमदाबाद तालुक	िबिरम गाम		
गी	7	समें नं.	₹.	आर.	(i .
बालस	:न	373/1	0	06	96
		374/4	v	0.2	88
		374/1	O	0.3	00
		372/3	0	11	5.2
		371/1	0	0.5	88
		371 /1	0	0.2	16
		371 /2	0	04	56

[सं० O-12016/93/85-ऑएनजीकी-4]

S.O. 3489.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKEN to NKEP in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from NKEN to NKEP State: Gujarat; District: Ahmedabad; Taluka: Viramgam

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen tiare
BALSASAN	373/1	0	06	96
3, ID-11 IV-11 .	374/4	0	02	88
	374/1	Û	03	00
	372/3	0	11	52
	371/1	0	05	88
	37_/1	0	02	16
	371/2	ø	04	56

INc. O-12016/93/85 ON GD

का. आ 3.490---- थतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में ऐन के 52 में ऐन के मी टी ऐक तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिये धाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैम आयोग द्वारा विद्याई जानी स्वाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाबद्ध अनुसूची में बर्णित मृमि मे उपयोग का अधिकार अर्थित करना आवण्यक है ।

अक्षः अय पेट्रोलियम और खनिज पापहलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्थन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार ऑजन करने का अपना आणय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूभि में हिन्धक कोई ध्यक्ति, उस भूमि के तीचे पाइप सा इन बिछाने के लिए अक्षेप सक्षीम प्राधिकारी, होल तया प्राकृतिक गैम आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकत्पुरा रोष, बडोदरा-१ को इस अधिस्चना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विलिखिट्सः यह की कथक करेना कि क्या बहु यह चाहुना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन ।

अनुसूची

प्रैन, के, 5% में प्रेन, के, मी, टी, प्रेफ तक पाइप लाइन श्रिष्ठाने के लिए।

राज्य गुजरात	ा जिला : अ <u>ह</u> मदाबाद नार	नुकाः वि रमनाः	म	
गौंव	सर्वे .न .	 हे.	π.	— सें.
बालस।सग	189	()	0.5	-16
	काटं ट्रेक	0	0.0	66
	197	0	07	08,
	198	O	0 5	2.2
	199	O	0.0	7.3
	199/2/2	0	0.5	40
	199/3	0	0.2	88
	199/4	0	0.2	8.8
,	201/2	0	0.5	40
,	201/3	0	0.4	3.2
	202	0	0.4	68
	कार्ट देज	O	0.0	90
	218/1	0	0.0	72
	218/2	0	0.6	24
	217	0	03	28
	216/1	0	07	80
	216/3	0	0.3	60
	216/3	0	0.1	20
	216/5	o	0.4	56
	216/5	0	0.6	24

[सं• ओ 12016/94/85 ओ एन जी ही-4]

S.O. 3490.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from NK-52 to NK CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule appeared hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sction (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the I and) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection thall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
PIPELINE from NK-52 to NK-CIF

State: Gujarat; District: Ahmedabad; Taluka: Viramgam

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
BALSASAN	189	0	05	46
	Cart track	0	00	66
	197	0	07	08
	198	0	05	22
	199	0	00	72
	$199/2/\Lambda$	0	05	40
	199/3	0	02	88
	199/4	0	02	38
•	201/2	0	0.5	40
	201/3	0	0.4	32
	202	0	0.1	68
	C.T.	0	00	90
•	218/1	0	00	72
•	218/2	U	06	24
	217	0	08	28
	216/1	0	97	80
	216/3	0	03	60
•	216/3	0	01	20
	216/5	0	04	56
	216/5	(06	24

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1985

का. आ. 3491 — यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में ज आर. आई (जे 29) में जी जी ऐसे जलीरा-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस अर्थोग द्वारा विछाई जानी चाहिये।

भीर यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों के विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध प्रनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रक्रित करना आवण्यक है।

भतः श्रम पेट्रोलियम श्रीर खिनिज पाइप नाइन (भूमि मे उपयोग के श्रीधकार का श्रार्थन) श्रीधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा असी उपशास (1) द्वारा प्रस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रीधकार श्रीजन करने का श्रपना श्राष्ट्राय एनद्द्वार। श्रीचिन किया है।

बंगतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्रकानक गैम आयोग, निर्माण और देखभाज प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-- १ को इस भिक्षसुचना की तारीख से 21 दिनों के भीत^{ार} कर संकेगा।

भीर ऐसा बाक्षेप करने बाला हर व्यक्ति बिनिईदेण्टतः यह भी कथन करेंगा कि क्या वह यह चाहमा है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि श्यवसायी की मार्फन् ।

क्ष्या सं. में. आर शाई (में. 29) से जंं जंं... अस जानीस-२ तक पाइर लाईन बिछ.ने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : भेटमाना ताल्का : कई।

 ग/व	· सर्ंनं.	₹.	आग.	т, т
अदरम	13:7	0	0.9	72
	1145/1	0	0.5	0.0
	1115/3	O	0.3	1.0
	1143	. 0	0.7	53
	1141/1	0	0.9	22
	1141/2	0	0.2	6.1
	1136/1	0	0.8	79
	1135	0	0.5	77
	1134	U	0.9	07
	—			

[सं.ओ-12016/80/85-ऑ एन.जं:,-डी-4]

New Delhi, the 17th July, 1985 S.O. 3491.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public micrest that for the transport of Petroleum from Well No. JRI (J. 29) to GGS Jhalora-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an expection shall also state specifically whether he wishes to he heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from Well No. JRL (J.2 9) to GGS Jhalora 1 State : Gujarat : District : Mehsana; Taluka : Kadi

•	· ·				
Village	Survey No.	Hec-	Аге	Cen tiare	
ADRAJ	1327	0	09	72	
	1145/1	0	05	00	
	1145/2	0	03	10	
	1143	0	07	53	
	1141/1	0	09	22	
	1141/2	0	02	64	
	1136/1	0	08	79	
	1135	0	0.5	77	
	1134	0	09	07	
,	·			,	

[No. O-12016|80|85-ONG-D.4]

का० प्रा० 3492.--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जीजीएम जालीरा-2 से मेंईन दन्क लाइन तक पेटोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बारा बिछाई जोनी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइमों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसुधी में वर्णित भामि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भिमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बणर्ते कि उन्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेपसक्षम प्राधि-कारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभागः मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 की इस अधिसूचना की तारीखासे 21 विनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहुता है कि उसकी सनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधिव्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जी, जी, एस, जानोरा-II से मेईन ट्रन्क लाइन नक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्यः गुजरात जिलाः मेहसाना नालुकाः कर्जा

ग ैव	 सर्वे नं.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	आर.	- सें .
अदरज	1103/1	0	03	60
	1103/2	0	0.6	6.0
	1105	0	1.4	3.2
	1106	0	0.2	40
	1107/1	()	03	90
	1107/2	0	0.2	40

[सं O 12016/81/85-ओ-एन.जी.डी-.-4]

S.O. 3492.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from GOS Jhalora-II to Main Trunk Line in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein; Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (290009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from GGS Jhalora II to Main Trunk Line State: Gujarat; District: Mehsana; Taluka: Kadi.

Village	Surve y No.	Hec- tare	A rc	Cen- tiare
ADRAJ	1103/1	0	03	60
	1103/2	0	06	60
	1105	0	14	32
	1106	0	02	40
	1107/1	0	03	90
	1107/2	0	02	40

[No. O-12016|81|85-ONG-D.4]

का. था. 3493.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावस्थक है कि गुजरात राज्य में एस वीए एच से म्हीम बिन्दू तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग ब्रास बिछाई जानी चाहिये;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाब्द अनुसूची में थणित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवण्यक है।

भतः श्रव पेट्रोलियम भौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भिधनार का भर्जन) ऋधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) बारा श्रदश्न गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार भिजित करने का भ्रपना श्राणय एतद्द्राग घोषित किया है:

बणर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए धाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस आयाग निर्माण और देखभाल प्रभाग सकरपूरा रोड वजीदरा-- 9 को इस ग्रधिसुचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह जाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हां या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसुची

एस. बी. ए. एच. से स्टीम विन्दु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए। राज्य: गुजरात जिला व तालुका: मेहसाना

गांव गांव	सर्वे न	<u>ह</u> े.	— - — आर .	सें.
সমূহ ন	1096	0	0.3	84
	[स. О	-12016/82/	८ इ-ऑएन	 जीडी 4]

S.O. 3493.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBAH to Steam Point in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the 1 and) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
PIPELINE from SBAH to STEAM POINT

State : Gujarat	District & Talu	ıka : Mo	hsana	l.
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
JAGUDAN	1096	0	03	84
	INO O-I	1016/82/	85. ON	JG D41

|No. O-12016/87/85-ONG D4]

का. थ्रा. 3494.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ब्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में एस.एन.एच.में संथाल जी जी ऐस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैन आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

मीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

भतः मत्र पेट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (मूमि मं उपयोग के प्रधिकार का प्रजेन) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार भाजित करने का भ्रेपना भागय एतवुद्वारा घोषित किया है।

समतें कि उक्त भूमि में हितवब कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल ह्या प्रकृतिक गैम आयोग निर्माण और वेखभाल प्रभाग मकन्पूरा रोड संबोदण- 9 की इस प्रधिसूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति, विनिद्धिटतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत कथ से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची एस. एस. एच. से संथाल जी. जी. एस.

राज्य: गुजरात जिला व तालुका: मेहसाना

गाँव	सर्वे न	हे .	आर.	सें .
मं थाल	867	0	04	9,2
	873	o	06	7:
	873	0	03	80
	878	0	1 '	3.6
	831	0	0.5	16
	8 2 0	0	12	96
	881	0	0.7	68
	882	0	18	4.8

[सं. O-12016/83/85-ओ, एन० जी०डी०4]

S.O. 3494.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from SNH to Santhal GGS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user thereing

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Pipeline from SNH to Santhal GGS

State : Gujarat	District & Taluka: Mehsana					
Villa ge .	Survey No.	Hec- tare		Cen- tiare		
Surthal	867	o	04	92		
	872	0	06	72		
	873	0	03	80		
	878	0	12	36		
	821	0	05	16		
	820	0	12	96		
	881	0	07	68		
	882	0	18	48		

[No. O-12016/83/85-ONGD-4]

का. आ. 3495 — यतः भेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एक के एफ आई से एन के जी जी ऐस-I तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एसद्पाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजिस करना आवश्यक है;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार ऑजन करने का अपना आशय एनद् द्वारा घोषित किया है;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति, उस मूमि के नीने पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदश-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर स्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत्।

ऐन. के	अनुसूकी ह ऐक. आई. से एन.	के, जी,	र्जी∴ एस	т – I
ाष्ट्र : गु	करात विचा अहमदाबाद	तालुका बि	रमगाम	
•———— गाँथ	———————————— सर्वे .	है.	उद्धाः	٠—-
तेलावी	139/2	0	03	0.0
	139/1	0	0.3	40
	$139/1/\mathbf{P}$	0	0.1	68
	139/4	0	0.1	56
	140/3	0	0.2	76
	कार्टट्रेक	0	0.6	3.0
	140/4	0	1.0	20
	कार्ट ट्रेक	0	0.1	03
	55	0	0.2	40

[संख्या O-12016/84/85-आं.एत.जी.डी.-4]

S.O. 3495.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKFI to NK GGS I in Gujara: State pipeline should, be laid by the Oil & Natural Gas Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

P.pe Line from NKFI to NK.GGS I

State: Gujarat; District: Ahmedabad; Taluka: Viramgem

Village	Survey No.	Hec- tare		Cen- tiare
TELAVI	139/2	0	03	00
	139/1	0	02	
	i 39/ ' /P	0	01	68
	139/4	0	01	56
	14/3	0	07	76
	Cart track	0	06	30
	140/4	. 0	10	20
	Cart tiack	0	01	0.3
	55	0	02	40

[No. O. 12016/84/85-ONGD-4]

का. आ 3496.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावण्यक है कि गुजरात राज्य में ऐस. ऐस. बी. ए से ऐस ऐस औं टी एक तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइस तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनद्शाबद्ध ध्रमुसूकी में विणित सूमि में उपयोग का सिधकार प्रजित करना भावश्यक है।

श्रतः श्रव पैट्रोलियम ग्रीर खनिज पश्चिमहान (भूमि में अपयोग के ग्रिक्षिकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की अपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुंए केस्ट्रीय सरकार ने असमें अपयोग का श्रिष्ठकार श्रीज्ञत करने का श्रपना श्राणय एतद्वारा घोषित किया है।

बगर्तों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए पाईप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राह्मतिक गैस श्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़, अड़ोदरा-9 इस प्रधिसूचना की नारीख में 21 दिनों के भीनर कर सकेगा।

भीर ऐसा अक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची एस. एन. थी. ए. मे एस. एस. मी. टी. एफ.

गाँव	सर्वे नं.	हे .	आर.	र्से .
मंथाल			-	
	564	0	0.3	0.0
	कार्टट्रेक	0	0.0	96
	604	0	0.5	40
	575	0	0.8	64
	576	O	0.4	80
	603	0	03	0.0
	,601	0	16	5 €
	600	0	0.0	8 4
	599	0	14	10
	616/2	0	0.1	31

[सं॰ **O**-12016/85/85/ऑएनजं ०डी०-4]

MINISTRY OF PETROLEUM New Delhi, the 17th July, 1985 NOTIFICATION

S.O. 3496.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from SNBA to S.S.CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vaddara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULF

-		c.	Carlan		er er andere
Pipe	Line	rcom	SNBA	το	S.S.CTI-

State : Gujarat;	District & Taluka :	Mehsai	na	
Village	Survey No	Hec- tare	Ā1e	Cen- tiare
SANTHAL	<u> 564</u>	<u>-</u>	03	00
	Cart track	G	00	96
	604	0	05	40
	575	0	08	61
	576	0	04	8,
	603	0	08	(JC)
	601	0	15	56
	600	0	00	84
	599	0	14	16
	616/2	0	04	22

[No. O-12016/85/85-ONGD-4]

का. आ. 3497.—पेट्रोलियम और खितिश पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधितियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरक.र के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचन का. आ. मं. 2239 तारीख 28-6-84 द्वारा केन्द्रीय गरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजिन करने का अपना आग्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को स्पिटिं दे दी है

और आगे यहः केन्द्रीय सरकार ने उन्हा रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संभग्न अनुसूची में विभिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिग्चय किया है।

अब अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केद्रीय मरकार एसवृद्धारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनवृद्धारा अजिस किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस नारीश्रा को निहित होगा।

अनुस्चा

कालील से बिरमगाम तक पाईप लाइन बिछाने के लिए

	·	 । - विरम	-— ग(म	
गौंब 	सर्वे नं.	—————————————————————————————————————	 आर. 	— में . ——
हासलपुर	939	0	16	50
	940	0	11	8.5
	ਜ਼ਿੰ∗ O−12016/2	5 N 8 A/3	ीएनजीड	

[स。 Q-12016/50/84/आएनजाङा-4]

S.O. 3497.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Department of Petrolau in S.O. 2239 dated 28-6-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisitive of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification (or purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of uer in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Kalol to Virangam

State: Guiarat: District: Ahmedabad; Taluka: Viramgam?

Village	S vey No.	Hoc- tare		Cen- tiare
HANSALPUR	939	- 0	16	50
	940	0	11	85

[No. O--12016/50/84-OGN-D-4]

का. आ. 3498 :—केंद्र य सरकार को यह प्रतात होता है कि लोकहिल में यह धावण्यक है कि उत्तर प्रदेण में हव रा—बरेल,--जगद.श-प्रातक पेट्रोलियम के परिचहत के जिए पाइप लाइन भारताय गैस प्राधिकरण जि. द्वारा विछाई जान, चाहिए।

ग्रीर यतः प्रस्तत होता है कि ऐसः लाईनों को बिछाने का प्रयोग के लिए एतद्उपाबड ग्रमुसूचः में विणत भूमि में उपयोग का श्रिष्ठकार ग्रजित करना श्रावण्यक है।

अतः श्रव पेट्रोलियम और स्नितित पाइव लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिधकार का अर्जन) श्रिधिनयम, 1962 (1962 का 50) क धारा 3 क उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार ने उम में उपयोग का अधिकार श्रजित करने का श्रपना श्राणय एतद्वारा धोषित किया है।

बार्ते कि उक्त भिम में हिन्द्यक्क कोई व्यक्ति उस भूमि के न.चे पाइम लाईन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकार, भारताय गैस प्राधिकरण लि. य .-58 व , श्रलागक, तखनऊ-226020 यू. पा. का इस प्रक्षित्रजना का नाराय में 21 दिन के भानर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने याला हर व्यक्ति विनिर्देख्त: यह भ, कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसक सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विश्वि व्यवसाय, को मार्फन।

अन्सूची

ह्।जि	रा, बरेलीं	', जगदीश 	पुरगैस	पाइप ल	इन प्रीज	क्ट
जिला	तहसींल'	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया ग रकवा	ाया -
1	2	3	4	5	6	
शाह्जहां-	- तिलहर	तिलहर	शिवदास	4	1	30
पुर			पुर	12	0	80
,				13	0	91
				14	0	95
		•		16	0	60
				1	0	15
				15	0	06
				111	0	52
				113	0	38
				8	0	02
				,	^ -	

[सं॰ O 140 16/40/85 जी.पी.]

S.O. 3498.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of the notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas. Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULF
Hazira Barcilly Jagdishput Gas pipe line Project

Distt. Tehsil Pargana Village Plot No.		Area Acquired				
1	2	3	4		5	<u>ი</u>
Shahjaha	n-Tilhar	Tilhar	Shivdas	4	1-70	
pui			pur	12	0.80	
				13	0-91	
				14	0-95	
				16	(,-60	
				1	0-15	
				15	0 06	
				111	0-52	
				113	0-38	
				8	0-02	

[No.O-14016/40/85 G.P].

का. भ्रा. 3499 --यतः केन्द्रः सरकार को यह प्रतान होना है कि लोकहित में यह भावण्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा -बरेली-जगदीश-पुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारत या गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भौर यतः प्रसान होता है कि ऐस, लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूत्र। में विणत भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

भत: श्रव पेट्रोलियम भौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिकार का श्रजन) श्रिक्षिम्यम, 1962 (1962 का 50) क. घारा 3 क उपधारा (1) हारा प्रदत्त शब्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार ने उस में उपयोग का धिकार धर्जित करने का भ्रपना भ्रामय एनद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हिनबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नेचे पाइप लाइन विछाने के लिए ग्राक्षेप सक्षम प्राधिकार, भारतय गैस प्राधिकरण लि. ब - 58/ब, ग्रान गंज, लखनऊ - 226020 यू. पा. को इस ग्राधिमूचना के तार ख से 21 दिन के भारत कर सकेगा।

ग्रीर ऐना ग्रानेन करने वाला हर णक्ति विनिधिष्टतः यह भा कथन करेगा कि क्या वह भाहता है कि उसक. सुनवाई व्यक्तिन रूप से हो या किस विधि व्यवसाय। का मार्फता।

		अनुसूर्य	P)				
जिला	तहमील	परगना	ग्रीम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़ डिस- मिल		
1	2	3	4	5		6	
णाहजहां-	सदर	————— कांट	टांडा-	9		13	
पुर			कनवा	12		45	
				14		95	
				15		12	
				21		5 5	
				23		10	
				24		15	
•				25		10	
				26		10	
				27		01	
				28		07	
				29		04	
				30		12	
				31		15	
				34		10	
				36		24	
				37		9.8	
				91		45	
				92		40	
				94		15	
•				96		61	
				104		36	
				105		07	
				106		69	
				118		06	
				38 13		01	
		- <u>-</u> -		13		35	

[सं॰ 14016/394/85-जी.पी.]

S.O. 3499.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisit on of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of the notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

District	Tehsil	Paigana	Village	Plot No.	Areacd.	
1	2	3	4	?		6
Shahjahan	- Sadar	Kant	Tanda-	. 9		1
pur			kanwa	12	_	4:
	`			14		95
				15	_	10
				21		5.
				23		1
				24	_	1:
				25		10
				26	_	1 (
				27	_	01
				28	_	0,
				29		04
				30		12
				31	-	1.5
				34	-	10
				36		24
				37	_	99
				91		45
				92	_	40
				94		15
				96		61
				104	_	36
				105	_	07
				106	_	69
				118	_	06
				38	_	01
				13	_	36

[No. O-14016/394/85-G.P.]

का. भा. 3500,—यतः केन्द्रये सरकार को यह प्रतःत होता है कि लोकहित में यह धावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हज रा–बरेल -जगद श-पुर तक पेट्रोलियम के पश्चिहन के लिए पाइपलाइन भारतय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जान चाहिए।

भौर यत: प्रतंत होता है कि ऐस लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध [भनुसूच में बणित भूमि में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करना भावश्यक है।]

ं श्रतः सब पेट्रोलियम स्रौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के
म्रधिकार का ग्रर्जन) म्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) क धारा
3 क उपधारा (1) ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र य
सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आगय
एतद्दारा घोषित किया है।

बणतें कि उसन भूमि में हिनबद्ध कोई क्यक्ति उस भूमि के न घे पाइप लाइन बिछाने के लिए ध्राक्षेप मक्षम प्राधिकारी, भारत यं गैस प्राधिकरण पि. ब - 58/बं, प्रल गंज, लखनऊ - 226020 यू. प.को इस ध्रधिसूचना क, तार खंसे 21 दिन के भ.तर कर सकेगा।

इस मधिसू	वेनाक, त	गर•ार•ा से 2	ादिन के ४	4.तर कर व	प्रकेगा।	
भीर ह	रेसा भाक्षेप	करने	वाला हर अ	यक्षिप विनि	(दिष्टत:	यह भ
कथन करेग	ाकि क्या किला किक	व ह चा हनी	है कि उस क मार्फत।	क, सुनवाई	व्य वि तः	ात स्≖प
સ ફાયા	।कसः ।बाद					
हाजि	राबरे		नुसूची गपुर गैस	पाइप	प्रोजे व ट	
		परगना		गाटा		- १५:स
	,			सं.	एकड़	डिस-
					f	मल
1	2	3	4	5	(—— ;
 शाहजहां-	सदर	जमोर	गंधार	1177		04
पुर				1182	_	63
5 .				1183		08
				1184	_	50
				1227		30
				1228		10
				1231		07
				1232		32
				1233		33
				1240		40
				1241		20
				1242		03
				1243	_	02
				1244		18
				1245		62
				1316		01
				1317		28
				1318		40
				1319		46
				1374	—	26
•				1380		04
				1382	_	58
				1387		16
				1391		02
				1395		45
				1396	_	12
				1398		09
				1436		01
				1438		12

1	2	3	4	5	6		
				1439		08	
शाहजहां-	सदर	जमौर	गंधार	1440	_	15	
पुर				1441	_	62	
				1442		15	
				1443		23	
				1444		06	
				1445		12	
				1446		04	
				1447		48	
				1751		40	
				1752		70	
				1752/			
				1814		06	
				1753		18	
				1779		12	
				1239	_	18	
				1315		12	
				1388		06	
				1230		32	
				1389		24	
				1394		15	
				1425		10	
				1461		12	
				1780		04	
				1437		02	
				1446			
				1810		03	
				1390		02	
				1384	_	03	
				1178		02	
				1379		04	
				1423		04	
		ſ:	nt ita	10/205/6	.e +aft.	-7: I	

[सं.-14016/395/85-जी.पी.]

S.O. 3500.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the could have a provided that any person interested in the could have any

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

- <u></u>	———	SC) B.J. Gas	HEDULE Pipe Lin	ne Project						मन : ने विषयक है वि				
	· · · · · · · · · · · · · · · · · ·	l Pargan	a Village	Plot No.		Dis-	पुर :	तक पेट्र	ट्रांनियम 🦠	के परिवहः गरा विकाई	न के (लए पाइप		
	2	3	<u>.</u>	5	<u>n</u>	nil 				होता है वि		•	स्ताने का प	ग्यो जन
			<u>T</u>			04	के [न			्रास्य स्थाप इ.च. संयणि				
Shahjan-	Sagar	Jamour	Gaadhar	1182		63			्- इयक है।		8,		.,,,,	,, , , ,
pur				1183	_	08								
				1184		50				रम श्रीर ख				
				1227	_	30				ग्रधिनियम,				
				1228	_	10				द्वारा प्रदक्ष				
				1231	_	07 32				योगका ध	क्षकार ग्रन्टि	न किस्ते क	। अपना	भागय
				1232 1233		33	एतद्र	ज्ञाग धं	पिष किया	र हूं।				
				12 40		40		ചന ് /	ਜਿ≕ ਦਜਾਤ (ω-f 		-		_ <u>_:</u> :,
				1241	_	20				भूमि में हिल् के लिए भ				
				1242	_	03								
	•			12 43	_	02				৪ বৃ, সল			•	. का
				12.44		18	इस '	भाधसूच	नाकः तरि	<i>र</i> ख से 21	ादन क भी	,⊓रकरस	कग[∤	
				12. 4 5 1316	. <u>-</u>	62 01		स्रीप हे	मा श्रक्षेप	करने वाला	हर न्यक	ন বিনিরি	प्टनया यह	भ
				1317		28				बहु चाहुना				
				1318	_	49				भ व्यवसाय भ				
				1319	-	46	,							
				1374		26				अन्सूच	री'			
				1380		04		<u>ਕਾਰਿ</u>	या वरेकी	–जग वीशप्	क्ता सैस ।	T(217	ਕ ਜਾਂਦਰੇਕਾ	r
				1382		58 16		हमज	रा—बरला	.—जगवाशपु	ારિગામ '	नाइप ल[६	ণ সাজাপত	-
				1387 1391		02	- ত্ৰি'প	rr	 तहसील	 परगना	ग्राम	गाटा	क्षेत्रफ	ल
				1395		45		•				सं.	एकड	
				1396		12						₦.		
				1398	_	09							र्म	ल
				1436		01								
				1438	_	12	1		2	3	4	5	(б
				1439		08	-		_					
		•		1440 1441		15 62								
				1442	_	15	शाह	जहां-	सदर	कांट	कुर्याक-	985	_	6,5
				1443	_	23	पुर				कला	982		32
				1444	_	06						981		31
				1445	_	12						977		50
				1446	_	04								
				1447 1751		48 40						976		05
				1752	_	70						967		0.5
				1752/		06						968		83
				1814								970	- <u>-</u> -	80
				1753	_	18						971		25
				1779	_	12								
				12.39		18 12						951		32
				1315 1388		06						950		29
				1230		32						949		09
1				1389		24						948		50
				1394	_	15								
				1425	_	10						947		11
				1461	_	12						943		15
				1780		04 02						1011		0.8
•				1437 1446/		03			,			1074		10
				1810								978		03
				1390 1384		02 03							— -	
				1170		02						946		02
				1 3 7 9		04						972		03
				13/2										
				1423 No. 14016/39		04 					 [pt : 4	016/39	 ਨ/ਪੁਨ_ਚੰ	

S.O. 3501.—Where is it appears to the Central Covernment that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jugdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India 1 td.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Eight of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B. Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every remon making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal pract tioner.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Parg	ana Villa	igo Plot No.	Ar Apd.	on Dis- mil
—. —–	2	3	4	5	6	
Shahja-	Sadar	Kant	Kurrya-	985		65
hanpu!			kal	982		3.2
7.44.2.P	•			981		31
			977		50	
			976	_	0.5	
			967	-	05	
			968		8.3	
				970	٠,٠	80
				971	- 4	25
				951	-	32
				950		29
				949	→	09
	1			948	_	50
				947	一,	1.1
				943		15
				1011		08
				1074		10
		•		978		03
				946	-	07
				970	•	03
			-	N - 14016	396/85	· G.P.]

का. आ. 3502.—यत कन्द्रय सरकारका यह प्रतात होता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक है कि उत्तर प्रदेश में हज रा-बरेल -जभद शपूर पुर तक पेट्रोलियम के परिवटन के जिल् पाध्यलाइन भारताय गैस प्राधिकरण लि द्वारा विछाई जात. चाहिए।

भीर यन अने न होता है कि ऐसे लाईनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एनद्उपाकड़ अनुसूच में विण भूमि में उपयोग का अधिकार भूजिन करना श्रावस्थक है।

श्रव : श्रव पेट्रीतियम और खनिक पाइपलाइन (भूमि में उपयान के श्रधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के धारा 3 के. उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त श्रिकतमों को प्रयोग करते हुए केन्द्र स सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित वास्त्रे का अपना श्रावध एत्द्रहारा धौषित किया है। बागों कि उपा भाग में त्वित्वत्व कोई व्यक्ति उस भूमि के ते चे पाछा लाउन विछाने के लिए प्राक्षिप सक्षम प्राधिकार, भारक्षण गैम प्राधिकरण लि ब -50 व. अल गंज, लखनड - 226020 तृ. प. की उम श्रीस्त्वना के ताराख से 21 दिन के भानर कर सकेगा।

अर्थ होता आक्षेप भारते वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतया यह भ उथन करेशा कि क्या वह चाहता है कि उसक सुनवाई व्यक्ति रूप से हो या किस विधि स्थानसम् के भारति।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीभपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

2	3			क्षेत्रफल एकड़ डिस- मिल	
	J	4	5		
दर	जमॉ र	म्कुन्द-	1		10
		पुर	2		21
			6	1	52
			7		21
•			25		54
			26	1	45
			33		03
			34		14
			35		03
			36		20
			37		5 5
				26 33 34 35 36	26 1 33 34 35 36

[सं. 14016/397/85 औ.पी.]

S.O. 3502.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of the notification, object to to the laying of the vipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B. Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

	Н.Е	S 3.J Gas P	CHEDU				1	2	3	4	5	6
District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.		Area				158		61
					Acd	Dis-				159		25
						mil				243	_	07
		3	4			6				345		33
Shahjaha	ın- Sadar	Jamour	Muku	ınd-1	_	10						
pur			pur	2	_	21				247		33
				6	_	52				248		28
				7	$\overline{}$	21				249		24
				25	_	54				245		4
				26	1	45				250		82
				33		03				251		30
				34	_	l 4					-	
				35	_	03			۲۰۰	140 16/39	l e 5.5	नी की नि
				36		20			ſα	140 10/39	16/03-	ןיףיי
				37		55			s it appears t			

[No. 14016/397/85-GP]

का. श्रा. 3503—यन: केन्द्र य सरकार को यह श्रत त है कि नोकहिल में यह झावश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हाज रा—बरेल —जगदंश-पुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई जान चाहिए।

भीर यह प्रसान होता है कि ऐसा लाईनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद् उपाबद्ध भनुसूच, में विणव भूमि में उपयोग का श्रिधिकार भजित करना आवश्यक है।

धन: श्रय पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्जन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) के धारा 3 के, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग करने हुए केन्द्र य सरकार ने उस में उपयोग का श्रीधिकार धर्णित करने का ध्रपना ध्राशय एतयुद्वारा धोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नंचे पाइप लाइन बिछाने के लिए भ्राक्षेप सक्षम प्राधिकरर, भारतेय गैम प्राधिकाण लि. य .-58 ब. श्रल गेंज, लखनऊ-226020 यू. प., को भूस प्रधिसूचना के तार्राख से 21 दिन के भातर कर सकेगा।

भ्रोर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्देश्टतया यह भं कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसक, सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किस, विधि व्यवसाय∵क, सार्फता

अनुसूची

<u></u> जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफर एकड़ं	
1	2	3	4	5		6
शाहजहां-	सदर	कांट	टाष्टा-	14	1	0.0
पुर			पर्वत	15		74
				16	_	09
				50		02
				137		02
	•			150	_	03
				156		27
				157		15

S.O. 3503.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Barelly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of the notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

	Afc Acd. Di	t No.	Plo	Village	Pargna	Tehsil	District
	6	5		4	3	2	1
00	1		14	Tada-	Kant	Sadar	Shahja-
74	•		15	parawat			jahnpur
09			16				
02			50				
02			137				
03			150				
27	_		156				
15			157				
61	_		158				,
25	_		159				
07	_		243				
33	_		245				
33	-		247				
28	_		248				
24			249				
82	_ ~		250				
30	_		251				

[N). 14016/398/85- GF

का. आ. 3504: यत केन्द्रंय सरकार को यह प्रत त होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हज रा-खरेल.-जगव श-पुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन भारतंय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानं चाहिए। श्रांर यत: प्रतात होता है कि ऐस लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् उपायद्ध श्रनुसूच में वर्णिन भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रीजन करना श्रावश्यक है।

श्रत: श्रम पेट्रोलियम भीर खनिज पाष्पलाइन (भूमि में उपयोग के श्रीधकार का श्रजींन) श्रीधिनियम, 1962 (1962 का 50) क धारा 5 क उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्षती का को प्रयोग करने हुए केन्द्र-य सरकार ने उस में उपयोग का श्रीधकार अजित करने का श्रपना श्रीमय एनद्वारा धोपिन किया है।

बगर्ते कि उनन भूमि में हिनबद्ध कोई ध्यक्ति उस भूमि के न जे पाइप लाइन बिछाने के लिए धाक्षेप सक्षम प्राधिकार, भारतीय गैस प्राधिकारण ति. ब .-58 व, अत्रागंज, लखनउ-226020 यू. प . की इस प्रधिमुजना क नारख से 21 दिन के भानर कर सकेगा।

भौर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिण्टतया यह भ. कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किस विधि व्यक्ताय. क. मार्फत।

अनुसूची हाजिरा-बरैकी-जगदीशपर गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जिला ़	तहसीग	प्तहसीण परगना		गटा	क्षेत्रफ	क्षेत्रफल		
, 	-			सं. 	एक ड़ मिल			
1	2	3	4	5	(5		
 शाहजहां-	सदर	जमौर जमौर	अखत्या र	2302		23		
पुर			नगर उर्फ	2303		0.3		
_			इकनौरा	2342	·	3 5		
				2343		65		
				2344		02		
				2403		7		
				2404	_	42		
				2405		7 4		
				2406		02		
				2447		0 4		
		ı		2477	1	01		
				2488		30		
				2489		10		
				2491		33		
				2492		33		
				2309		10		
				2495		26		
				2496		32		
				2500		32		
				2502		02		
				2509		02		
				2510		36		
				2511		16		
				2512		08		
				2513		38		

[सं O 14016/399/85-जीपी]

S.O. 3504.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Aı	oa
				No.	Acd I	Dismil
_	2	-3	4	5	6	
Shahan- Jahanpu	Sadar	Jamour	Akhta- yarnagai	230?		23
Jananpe	,,,			2 303	_	03
			Eknoura			35
				2343	_	65
				2344		02
				2403	_	07
				2404		42
				2405	_	74
				2 406		02
				2447	_	04
				2477	1	01
				2488	_	30
				2489	- •	10
				2491		33
				2492	_	33
				2 309		10
				2495	_	26
			2	2496		32
			2	2 500	_	32
				2 502	_	02
				2 509		02
			7	2510	_	36
			2	2511	_	16
			2	2512	_	08
			2	2513	_	38

[स॰ O 14016/J99/85 G. P.]

का आ.. 3505—यन केन्द्रय सरकार की यह प्रतान होता है कि लोकहिन में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हक्वीया—अरेली—जनवीश पूर —————नक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन भारत य गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जान. चाहिए।

आर यतः प्रसात होता है किए ऐस लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उप(बढ़ अनुसूच में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना अवस्थक है। अनः पर पेट्रोनियम प्रोर विजिन भाईनतारा (सि. में उत्तरीत के अविकार का अर्जन) अधिनियम, 1902 (1962 का 50) के धारा 3 क उपधारा (1) द्वारा प्रवेत शक्तियों का को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का प्रधिकार अजिन करने का अपना आश्रय एतब्द्वारा धोधिन किया है।

बर्गते कि उका भूमि में हिन्बद कोई व्यथित उस भूमि के न ने पाइप लाईन दिछाने के लिए बाक्षेत्र मध्यत्र प्राधिकार, भारत य गैस प्राधिकरण लि. ब - 58 व - अलगज, लखनऊ-226020 यू प. को इस ग्रिधियुचना के तार ख से 21 दिन के भातर कर सकेशा।

ग्रौर ऐसा माक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भ कथन करेगा कि क्या वह चाहना है कि उसक सुनवाई व्यक्तिगन रूप से हो या किस विधि व्यवसाय के मार्फन।

अन् सूची हाजिरा–बरेली–जगदीशपूर गैस पाइप लाइन प्रोजेकट

जिल।	तहसील	परगना	ग्राम	भाटा सं .	लिया रक वा	गया
1	2	3	4	5	6	i
शाहजहां-	तिलहर	तिलहर	हबीब-			
पुर			पुर उर्फ भाड़खि			
			रिया	1	0	13
			6	0	17	
			7	0	52	
			8	0	20	
				9	0	24
				14	0	47
				11	0	45
				32	0	02
				39	0	20
				40	1	16
				33	. 0	48
				36	0	3
				3.7	0	27
			•	38	0	40
				98	0	13
				106	0	24
				107	0	34
				108	0	21
				109	1	0.0

[सं॰ O-14016/400/85/जी०पी॰]

S.O. 3505.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisit on of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H. B. I. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Arca Aquire	Plot No	Village	Pargana	h∘hil	Distt. Ta
6	5	4	3	2	1
0 1	1	Habibpur	Tilhar	Tithar	Shahjahan
0 1	6	V/s Bhar-			Pur
0 5	7	kheriya			
0 2	8				
0 2	9				
0 4	14				
0 4	11				
0 (32				
0 2	39				
1 1	40				
0 4	33				
0 3	36				
0 2	37				
0 4	38				
0 1	98				
0 2	106				
0 3	107		•		
0 - 2	108				
1 (109				

[No. O-14016/400/85 G.P.]

का. आ. 3506: —यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— दरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. हारा दिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन को लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्षिणत भूमि में उप-योग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पंट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा ? की उप-धारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों को प्रयोग करने इए केन्द्रीय परकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित व्यथने की अपना आक्षय एहद्द्वारा घोषित किया है।

बहातों कि उद्धेत भीम में हिलबढ़ कोई व्यक्ति उस भीम के मीच पाइन वाहर विकल्ने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भागतीय गैंग निवक्तरण लिं. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-220020 ग. पी. को इस अधिस्वना की नारीख ने 21 दिन के भीजर कर गळेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह ती कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मनवाई व्यक्ति-गत रूप में हो या किमी विधि व्यवमायी की मार्फत ।

- ***		अनसूच	ि			-
हारि	जेरा–बरेर्ल	ोजगदीश	ापुर गैस	पाइप ल	इन प्रो	जेक्ट
जिला	तहसींग	परगना	ग्राम	गाटा	क्षेत्र	
•				सं.	एकड़ मिल	डिम-
1	2	3	4	5	6	<u> </u>
गाह् जहां -	——— सदर	जमीर	सिमरिय	·—		
पुर	., .	• • • •	सहसपुर	512		27
5 '				529		36
				528		12
				530		86
				531		40
			•	532		04
				566		05
				567		10
				568		16
				569		19
				600	1	15
				602		24
				603		30
				604		0.5
				650		95
				651		5 5
				851	****	02
				852		16
				869		01
		•		870		06
				872		01
				873		32
				874		15
				875		0.3
				876		14
				885		15
				886		15
				887	_	18
				889		10

S.O. 3506.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of th's notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B. Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Téh: il	Parganu	Village	Plot No.	Arca Acd.Dis.
1	2	3	4	5	6
Shahjaha	n- Sadar	Jamour	Simriya-	512	_ 27
pur			Sahaspur	529	_ 36
-				528	12
				530	86
				531	40
				53?	_ 04
				566	- 05
		,		567	- 10
				568	16
			•	569	— 19
				600	- 15
•			-	602	24
				603	30
				604	— 05
				650	— ، 95
				651	— 5 5
				851	- 02
				852	16
		,	•	869	~ · 01
		•		870	— 0e
				872	01
				873	32
				874	<u> </u>
				875	- 03
				876	14
				885	_ 15
				886	15
				887	18
				889	10
				890	18
				892	20
				893	→ 30
				894	74
•				899	57
				898	02
			•	900	· — 30
				901	70

 $\frac{20}{30}$

						-
1	2	3	4	5	б	
				918	- 57	-
				919	51	
				916	07	

[No. O-14016/402/85 G.P.]

का. आ. 3507: —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवर्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— यरेली—जगदीशगूर कक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. द्वारा दिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपादक अनुसूची में विणित भूमि में उप-योग का अधिकार अभित करना आवहयक है।

अतः अब पेट्रोलियम् और श्रीनज पाइपलाइन (भिम में उपन्योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1982 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) हारा प्रदत्तं शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अणित करने का अधिकार आजाय एतद्दारा घोषित किया है।

कार्नों कि उद्धन भीम में हितबद कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप नाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैंस प्राधिकारण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 मृ. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया ग्रह भी कथन करेगा कि अया वह भाहता है कि उसकी ग्नवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगर्ना	ग्राम	गाटा सं .	क्षेत्रफल एकड मिल	ा डिस-
1	2	3	4	5	6	
माहजहां-	सदर	कोट	गोपाल-			_
पुर			पुर			
			ठिठपुरा	6	1	68
				8	*****	34
				651		45
				652		5 5
				653		12
				650		0.5
				708		0 1
				709		0 2
			_•	·		

सिं O-14106/403/85 जी जी जी

S.O. 3507.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisit on of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
H.B.J. Gas Pipe Line Project

Tehsil	Pargana	Village		. Area .cd. Dismil
2	3	4	5	6
Sadar	Kant	Gopalpur Thathi- pura	r 6	1 68
			8	_ 34
			651	45
			652	55
			653	12
			650	⊸ 05
			708	— 01
			709	— 02
	2	2 3	2 3 4 Sadar Kant Gopalpur Thathi-	2 3 4 5 Sadar Kant Gopalpur 6 Thathipura 8 651 652 653 650 708

[No. O-14016/403/85 G.P.]

का. आ. 3508: —यहाः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— दरेली—जगयीशगर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैंस प्राधिकारण लि. द्वारा दिखाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्वापाबद्ध अन्स्ची में वर्णित भूमि में उप-योग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम् और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय परकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अधिका करने का अपना आश्रय एतदुखारा घोषित किया है ।

त्रकर्त कि अवत भिम में हितबद कोई व्यक्ति उस भिम के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यु. पी. को इस अधिसूचना की नारीच से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिण्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी गनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्गत ।

अन्सूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपूर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा	लिया	गया
				सं	रकः	वा
1	2	3	4	5	6	i
शाहजहां-	तिलहर	तिलहर	खन्ड-	13	0	36
पुर		-	सार	30	0	02
				31	0	02
				32	0	76
				37/1	0	47
				37/2	0	47
				38	0	01
				39	1	13
				40	0	05
				42	0	01
				44	0	90
				45	0	02
				46	0	02
				47	0	45
				53	0	18
				265	1	02
				266	0	17
				264	0	02
				263	0	02
				260	0	01
				259	1	27
	•			258	0	13
				257	0	73
				250	0	64
				247	1	40
				286	2	90
				291	0	02
				237	0	02
				238	0	02

[सं-14016/404/85-जी.पी.]

S.O. 3508.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of th's notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project, B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHÉDULE
Hajira-Bareily-Jagdishpur Gas pipe Line project.

Distt.	Tahshil	Pargana	Village	Plot No.	Are Acqu	
1	2	3	4	5	(5
Shahja-	Tilhar	Tilhar	Khandsa	r 13	0	36
hanpur				30	0	0^2
-				31	0	02
				32	0	76
				37/1	6	47
				37/2	0	47
1				38	0	01
				39	1	13
				40	0	05
				42	0	01
				44	0	90
				45	. 0	02
				46	0	02
				47	0.	45
				53	0	18
				265	1	02
				266	0	17
				264	0	02
				263	0	02
				260	0	01
	•			259	1	27
				258	0	13
				257	0	73
				250	0	64
				247	1	40
				2 86	2	90
				291	0	02
				237	0	0 ,
				238	0	022
				14016/404	1/85 G	P.]

[No. 14016/404/85 G.P.]

का. आ. 3509: —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उप-योग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग कः अधिकार अजित करने का अपना आश्रय एतद्द्वारा घोषित किया है।

्यातं कि उवत भीम में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप आइन दिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी,

226020 यू.	पी.को				र्गेज , सम्बद्ध - से 21 दिन के		2	3	4 5		6
भीतर कर	सक्तेगा।								21		16
और ऐस	ग आक्षेप	करने वाल	ाहर व्य	क्त विशि	न दिं ष्टतया यह				22		25
भी कथन् क	रेगा कि व	या वह चा	हता है वि	उसकी र	निवाई व्यक्ति-				13		02
गत रूप से	हीयाकि	सी विधि	व्य व सा यी	की मार्फल	Γι					38	10
		अ	नुसूची							73	0.5
		:								76 05	0.5
जिला	तहमील	परगना	ग्राम	गाटा	क्षेत्रफ़ल					95	0.5
				ਪ ੰ.	एकड़ डिस-					09	10
					मिल 					5 l	01
1	2	3	4	5	6	,				58	0.5
 माहङहां-	सदर	कांट	——— सिक् <i>र-</i>	108	40					91	03
पुर		• , –	हन	107	18					9.4	03
3 `			ų.	106	03					24	01
				110	27					12	0.5
				112	40					25	0.5
				128	11					16	20
				149	06					26	03
				150	36					80 	18
				145	20			सं-	-14 016/4	05/85-	-जी.पी.]
				144	04		-00 314	_	•	•	_
				143	02			ereas it appe in the publi			
				142	0.5	of Petrol	eum fron	n Hajira-Ba eline should	reilly to J	agdishpu the Gas	r in Uttar Authority
				159	21	of India			ob mid vy		7144110
				160	31			appears that			
				135	0.9			essary to a the sch e dule			user in the
				161	42			in exercise			nforced by
				162	32	sub-sectio	n (1) of	the Section	3 of the P	etroleum	and Mine-
				163	0 5	Act, 196	52 (50 of	equisition of 1962), the	e Central (Governm	ent hereby
				165	03	declares :	its intenti	on to acquir	re the right	of user	therein;
	•			175	36			ny person in om the date			
				174	1 7	to the lay	ying of th	e pipeline u	nder the lan	d to the	Competent
				171	0 6			uthority of Jiganj, Luck			J. Pincline
				172	02			son making			
				167	0.5	state spec by legal	cifically warraction	rhether he w er.	ishes to he	heard in	person or
				169	0 1	, ,	,	INDEX			
				170	15				<u> </u>		
				190	39	District	Teh.il	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd.
				189	1 5	1				140.	Disma i
				198	0.5		2	3	4	5	_
				197	53			·		<u>.</u>	6
				238	80	, -	ın- Sada	r Kant	Sikarha n	108	40
				239	10	- քա				107 106	18 03
				227	41					110	27
			-	228	36					112 128	40
				222	30	3 -				149	11 06
				213	5.5					150	36

·- 	
, 5	6
145	20
144	04
143	02
142	05
159	21 、
160	31
135	09
161	42
162	32
163	05
165	7.0
175	36
174	17
171	06
172	(2
167	0.5
169	α^1
170	15
190	39
189	1.5
198	0.5
197	53
238	80
239	10
227	41
228	36
222	30
213	55
214	16
229	25
134	0.2
168	10
173 176	05
	03
195	05
109 151	10
151	01
191	05 03
194	03
224	01
212	05
225	05
116	20
226	03
280	18
	·

[14016/-0⁺/35—G.P.]

का: . आ . 3510 : —यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली--जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि . द्वारा दिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के निष् एनव्उपाबद अनुसूची में विण्त भूमि में उप-योग का अधिकार अफित करना आवश्यक है।

- अतः अब पेट्रोलियम् और समिज पाइयलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अभिनियमं, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-पारा (1) द्वारा प्रदत्तः शक्तियों को प्रयोग दारते हुए फोर्ट्सय गरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजिल अरने का अध्या आष्य एतद्दारा घोषित किया है। बहातें कि उपन भीम में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचें पाइए लाइन दिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगेंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिमूचना की हारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह काहता है कि उसकी गुनवाई व्यक्ति-गत रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीसपूर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

14.		,				
जिला	तहमील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया रक्ष्या	गया
1	2	3	4	5		6
श(हनहां-	तिलहर	तिलह्न	इकड़ा-	108	1	05
पुर			पुर	117	0	58
				119	0	27
				121	0	03
				183	0	45
				184	G	53
				185	0	45
			, .	186	0	06

[सं .O-14016/406/85—जी .पी .]

S.O. 3510.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jugdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Haj	Hajira-Baroilly-Jaz fishpur		Gas Pipe	Line	Project	
Distt.	Tehsil	Pargana	Village Plot No.		A _r Acqui	
1	2	3	4	5	6	
Shahja- hanpur	Tilhar	Tiljar	Ekkarapu	108 117 119 121 183 184 185 186	1 0 0 0 0 0	05 58 27 03 45 53 45 06

[No. O-14016//85-G.P.]

का. आ. 3511: —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है भि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली—जगदीशपूर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गीस प्राधिकरण लि. द्वारा विकार जानी चाहिए।

और यस: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपायब अनुसूची में दिणित भूमि में उप-योग का अधिकार अधिकात करना आदश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और स्तिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की भारा 3 की उप-भारा (1) द्वारा प्रदत्तं शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अण्जित करने का अपना आहाय एतदद्वारा घोषित किया है।

वदानों कि नवत भीम में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीनं पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टनया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्ति-गत रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

<u> जिला</u>	वहसील	परगना	ग्राम	गाटा	क्षेत्रफ़ल	
				र्म .	एकड़ डि मिस	
1	2	3	4	5	6	
मा ह महां-	सदर	कांट	बांस क्षेडा	8	4	
पुर				9	5	
				10	4	
				11	2	
				25	7	
				26	2	
				125	0	
				124	4	
				121	1	
				115	2	
				113	1	
				114	4	
				127	2	
				132	3	
				135	0	
				134	0	
•				136	1	
				138	1	
				140	1	
				139	. 1	
				142	3	

1	2	3	4	5	6
षाहजहां-	सदर	कांट	बांसखेडा	164	68
पुर				163	58
				424	48
				425	35
				423	30
				394	40
				392	28
				391	38
				395	11
				390	5 1
				384	11
				389	22
				341	70
				303	15
				302	39
				301	5 5
				298	1 2
				12	. 22
				27	د 0
		•		122	06
				165	05
				183	03
				393	03
				383	0 5
				388	07
				387	03
				304	0 1
				125	06
				7	10
				1	06
				3	20
		[₹	τ. 149	16/407/	85-जी.पी.]

S.O. 3511.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annoxed herete;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisit on of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the sald land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

H.B.J.	Gas Pipe			
Tehsil	Pargna	Village	Plot	Area Acq. Dismil
2	3	4	5	6
Salar	Kant	Banskheda	8	– 4 5
			9	 55
			10	47
				- 26 - 72
				- 72 - 27
				→ 08
				 4 5
			121	- 18
				— 23
				15 45
				- 43 - 20
				_ 33
				 0 6
-			134	05
				- 12
				- 14 - 12
				12 10
				36
				68
			163	 58
			424	<u> </u>
				- 35 - 30
				40
			392	 28
			391	38
				11 51
				31 11
				70
			303	- 15
			307	_ 39
				55
				- 12 - 22
			27	— 03
			12.7	— 0 6
			165	— 0 5
			38	
			304	4 01
			12:	5 06
				10
				- 00 - 20
	. —-—			
		Sa lar Kant	Salar Kant Banskheda	2 3 4 5 Salar Kant Banskheda 8 9 10 11 25 26 123 124 121 115 113 114 127 132 135 134 136 138 140 139 142 164 163 424 425 423 394 392 391 391 392 391 393 394 389 341 303 307 298

का. आ. 3512 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हुनीरा— बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गीम प्राधिकरण लि. हारा रिकाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विष्णाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद अनुसूची में विधित भूमि में उप-गोग का अधिकार अधिजत करना आवर्षक है।

अतः अब पेट्रोलियम और सनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1982 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग धारत हुए कोन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आहाय एमदुद्धारा घोषित किया है।

्याती कि उन्न भिम में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लड़न बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैम प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अभीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिस्चना की तारीख से 21 दिन के भीवर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिण्दशया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी गुनवाई व्यक्ति-गत कुम में हो या किमी विधि व्यवसामी की मार्फत ।

अनुसूचा हः[जिरा--चरेल]-जगवेशापुर गैम पःइप साइन प्रोजेक्ट

জিলা	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया रकवा	<u></u> गया
1	2	3	4	5		6
शाहजहा-	तिलहर	खेड़ा	खेड़ारठ	34	0	22
पुर		यसे हा		35	0	48
				36	0	62

[सं. 0-14016/408/85-जी.पी.]

S.O. 3512.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pinelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira Barcilly Jagdishpur Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargna	Village	Plot No.	Ar Acqu	
1	2	3	4	5	6	
Shahja	Tilbar	Khera	Khera	34	0	22
hanpur		Bajhera	Rath	35	0	48
				36	0	02

[N. O--14016/408/85--G.P.]

क(, आ, 3513 :--यतः क्रेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा---बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एनदुउपादद्ध अनुसुची में वर्षिणन भूमि मो उप-योग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त झिक्तयों को प्रयोग फरसे हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अधिजन अभने का अपना आराय एतद्यारा घोषित किया है।

वहाती कि एक्त भीम में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन दिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैम प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 य. पी. को इस अधिमुचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किमी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अन्सूची हाजिरा-बरेली,-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	वहसोल	परगन।	ग्राम	गाटा संख्या	लिया रकवा	गया
1	2	3	4	5	6	
शाहतहा-	<u>तिलहर</u>	खेड़।	———— जल्लापुर	13	0	25
पुर		बझे इप	·	14	0	60
•				15	. 0	25
				16	0 · -	01
				17	0 ·	01
				18	0	70
			 _1401			

[सं.-1401ः/408/85-जी.पर्.]

S.O. 3513.--Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Barelly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hercto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisit on of Right of User in the Land) 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby d clares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may. within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gus Authority of India 1.1d. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal pract tioner.

SCHEDULE Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipe Line Project

Distt,	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Ac juired
1	2	3	4	5	6
Shahja- hanpur	Tilhar	Khera Baitera	Jallapur	13	0 25
				14	0 60
				1.5	0 25
				16	0 01
				17	0 01,
				18	0 7

[No. 14016/408/25---G.P.]

का. आ. 3514: -- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइर भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई जानी चाहिए ।

ंैर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एनवउपाबद्ध अनमची में मिजत भूमि में उप-योग का अधिकार अधिन करना आवश्यक है।

अतः अब पेटोलियम् और खनिज पाइपलाइन (भमि में उप-बोग को अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों की प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आक्षय एसबुद्धारा घोषित किया है ।

वशती कि उक्त भीम में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भीम के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राह्मिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-326020 यु. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर गकोगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी गुनवाई काकिन-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

हाजिरा-बरेली जगदीशपुर गैस पाइप साइन प्रोजेक्ट

্তি লা	तहमील	परगना परगना	ग्राम	 गाटा संख्या	लिया रक्तवा	गया
1	2	3	4	5	6	
णाह्यहां-	तिलहर	तिलहर	जोधपुर	174	0 -	-36
पुर			नत्रदिया	175	0	70
				177	0	30
				307	0	16
				3 1 5	0	60
				316	0	0.8
	•			330	0	25
				331	0	10
				332	0	13
	7			313	0	28
v 						

1	2	3	4	5	6			l:	SCHED				
				0.1.1			Haj	jira~Bareill ————	y_Jagdishpu	r Gas Pipe I	ine Proj	ject 	
				311	0	10	Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Area	
				387	0	50					No.	Acqu	ired
				389	0	25	1	2	3	4	5		6
				308	0	13			<u>-</u>				
				309	0	20	Shahja-	Tilhar	Tilhar	Jodhpur	174	0	36
				394	0	30	hanpur			Nawadia	175	0	70
				395	0	20					177	0	
				398	0	16					307	Ŏ	
				399	0	09					315	0	60
											316	0	
				400	0	46					330 33 1	. 0	
				401	0	18					332	0	
				407/6	0	94					313	0	
				409	0	08					311	0	10
				410	0	32					387	0	
											389	0	
				412	0	23					308 309	0	
				413	0	14					394	ŏ	
				414	0	05					395	0	
				411	0	03					398	0	
				491	0	52					399 400	0	
				492	0	10					401	Q	
											407/6	Ŏ	
				493	0	28					409	0	08
		•		496	0	5 4				-	410	0	
				169	0	04					412	0	
				310	0	13					413 414	0	
				402	0	0 1					411	0	
		· ¬				~~-					491	0	
		iei	0 140	16/410/	85 जी क	afa]					492	0	
		ſ.		/ =-0/		1					493	0	
											496 160	0	54
	14.—Wher		•								169 310	0	04 13
it is 1	necessary i				r th e tra pur in						402	0	

[No. 14016/410/85 GP]

Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And, every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

करने का अपना अवशय एतवुद्धारा भोषित किया है।

ाक्षती कि एक्त भीम में हिलबढ़ कोई व्यक्ति उस भीम के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी. भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लक्षनऊ-

लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई जानी चाहिए । और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एनद्उपादद अनस्ची में वर्षिणत भूमि में उप-गोग का अधिकार अभित करना आवश्यक है।

दरेली-जगदीशगर तक पेटोलियम के परिवहन के लिए पाइप-

का. आ. 3515 :--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता ह कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-

अत: अब पेटोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की भारा 3 की उप-भारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों को प्रयोग कुरते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित

48? GI/85-7

8020 यू. पी. को इ स अपि	असूचनाकी तारी	ीस से 21 दि	त के	1 2	3 4	5	6	
तरकरसकेगा।				शाहजहाँपुर सदर अ	 तस्ट पलहौरा	253		21
और ऐसा आक्षेप करने बार	ਸ਼ਕਤ ਬਣਨਿਜ਼ ਜ਼ਿ	विविद्धि दन्य	ਜ ਸਵ			351	_	0.4
कथन करेगा कि क्या वह च						252	-	2.5
क्प से हो याकिसी विधि			1 73			245	_	14
•		131/1				347	_	09
आ	[सूची					248	_	30
हाजिरा- बरेलीअगबीशपुर	गैस पाईप ला	ई न श्रोजेक्ट				349	-	0?
। शा तहसील परगता ग्राप						233	-	18
।ला तहसील परगना ग्राप ं	। गाटासं.	भोज्ञफल एकड् डि				235		27
			===		•	236	-	26
1 2 3 4	5	6				237	_	30
ाह ्यहापुर सदर ्कांट पलहीरा	1818	_	55			224		1.2
	1807	1	02			225	-	22
	1808	~	2.5			236	_	0.0
	1806	-	8.3			222	_	0 :
	1804	-	35			221	-	3
	1834	-	52			220	_	1
	1835	-	13			217	_	0
	1836	1	02			718	_	3
•	1837	~	02			219		7,
	1737	~	0.5			188	_	0
	1739	~	24			207		0
	1745	~	1 4			208	-	4
	1738	-	37			203		2
	1741	-	04			201		1
•	1740	-	15			202 1822	_	3
	1666	-	27			16.22		
	1667	-14	3.0		! सं .	14016/41	1/85-जी.	पी.
	1750	-	10	S.O. 3515.—Wi	-			
	810	-	8.0	that it is necessary	y in the publ	ic interest tha	t for the tra	anso
	811	_	27	of Petroleum from	m Hajra-Ba	reily to Jag	dishpur in	Uti
	1665	_	1.0	Pradesh State Pir of India Ltd.	snould	be laid by i	ine Gas Au	HOIIJ,
	812	_	36			6 4ha man	na C loude	
	813	-	04	And whereas it nipeline, it is no	appears that	nor the purp acquire the ri	ght of user	in t
	814	-	04	land described in				
	815	_	4 2	Now therefore	. in exercise	of the pov	vers confer	red
	824	-	39	sub-section (1) o	f the Section	3 of the Per	troleum and	Mi
	825	=	87	rals Pinelines (A Act. 1962 (50 c	of 1962), th	ie Central G	overnment	here
	826	_	01	declares its inten				
	828	-	54	Provided that	any person i	nterested in t	he said lan	d m
	857	-	37	within 21 days f	from the dat	e of this not	ification of	rject
,	838	-	50	to the laying of t Authority, Gas				
	840	₩	15	Project B-58/B.				-
	839	-	81	And every re	erson making	such an of	ojection sha	all a
•	841	_	02	state specifically	whether he v	vishes to be	heard in pe	rson
	842 844	_	30 50	by legal practitio				
	844	-	50			EDULE		
	845		18		H.B.J. Gas P	ine Line Proj	ect	
	846	_	10 20	District Tehsi	l Pargna	Village	Plat	A *^1
	849		11		. <u></u>			. De
			1 1	1 2	3	4	5 6	

Shahja- Sadar

npur

Kant

Palhoura

	3(**/]					
1 2		3	4	5	6	
Shahjahanpur				1804		35
				1834	. —	52
				1835		13
				1836	1	02
				1837 1737		0± 05
				1739	_	24
				1745	_	14
				1738		37
				1741		04
				1740 1666		15 27
				1667 .		30
				1756		10
				810		80
				811		27
				1665 812		10 36
				813	_	04
				814		04
				815	-	42
				824 835	-	29
				8?5 826		87 01
				828		54
				837		27
				838		50
				840	_	15
				839 841	_	84 02
				842	_	30
				844		50
				843		18
				845 846		10 20
				849		11
				854	-	05
				90 <i>6</i>	-	11
				255	_	28
				254 2 5 3	_	27 21
				251	~-	04
				- 252	_	25
				245	-	14
				247 248		09 30
				249		02
				233		18
				23 <i>5</i>		27
				236 237	-	26 30
				237 224	_	12
				225	_	22
				226	-	08
				222	_	09
				221 220		39 18
				217	_	02
				218	<u>—</u>	34
				219		24
				118		05 04
				207 208	_	40
				203 201	_	24 25
				2 0 2	_	12
				1822		30
				No. O 14016/41	1/05 6	ומב

INO. O-14016/411/85-GP]

का. आ. 3516: —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली—जगदीशपूर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. क्षारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उप-योग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अव पेट्रोलियम और बिनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग कंपने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अण्जित करने का अपना आहाय एतद्वारा घोषित किया है।

वशरों कि उक्त भूमि में हिलबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लक्षनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिस्चना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुभूची हाजिस बरेली जगदीशपूर गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	प्राम	गाटा सं.	लिया गया रक्तवा
1	2	3	4	5	6
साहज	हाँपुर तिल	हर खेड़। बझे	क्।मिल्की-	557	0 01
			पुर	560	. 0 30
				561	0 50
				563	0 01

[सं. घो. 14016/412/85-जी.पी.]

S.O. 3516.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gaspipeline Project

Distt.	Tahsi	l Pargana Village		Tahsil Pargana Village		(c	Plot No.	Area Acquire
1	2		3	4	5	6		
Shahja pur	than T	lilhar .	Khera Bhajera	Milki pur	557 560 561 562	0-01 0-30 0-50 0-50		

[No. O-14016/412/85-GP]

का. आ. 3517: — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-साइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन को लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उप-योग का अधिकार आणित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और सनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अभिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अधिकत करने का अपना आश्रम एत्रद्वारा घोषित किया है।

प्रशते कि उक्त भूमि में हितंबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 विन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विभि न्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीकपुर गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जिलाँ	ं तहसींल	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रक्तवा (एकड़ में)		
1	2	3	4	5	6		
शाह्यह	हौपुर तिला	हर खेड़ा ब	मेहा विस-	4	0	20	
			विरावा	T. 7.,	0	0.2	
				8	0	25	
				9	0	40	
				19	0	0.2	
				30	0	35	
				33	0	4	
-				34	0	01	
	,			38	0	0	
				49	Ó	0.8	
		-		50	. 0	30	
				52	0	6	
, -				32	0 ·	0	

[सं० भी० 14016/413/8 ह जी०पी०]

S.O. 3517.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisit on of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipe Line Project.

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired in Acres
1	2	3	4	5	6
Shahjhanpi	ur T ilhar	Khera	Bis-	4	020
		Bajhera	Birawa	7	0-02
		r		8	0-25
				9	0-40
				19	0-02
				30	0-35
				33	0-45
				34	0-01
				38	0-01
				49	0-08
				50	0 - 30
				52	0–67
				32	0-01

[No. 14016]413[85-GP]

का. आ. 3518: —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण सि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में बिष्णत भूमि में उप-योग का अधिकार अधिक करना आवश्यक हैं।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अधिका करने का अपना आशय एतद्दारा घोषित किया है।

बहातों कि लक्त भिम में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिस्चना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धितया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची क्राजिरा~बरेली~जगदीमपूर गैंस पाइप लाइन ऽंजिक्ट

जेसा	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	मिया	गया	रक्षा
1	2	3	4	5		6	
—— माहज	 होपुर तिल	इरखेड़ा यह	ोड़ा हेमीपुर	I I		0	04
-			कौमीपूर	12		0	02
			_	33		0	2.8
				34		0	32
				3.5		0	16
				36		0	12
				198		0	15
				204		0	30
				205		0	2.0
				206		0	50
			•	214		0	30
				223		0	40
•				222		n	30
				233		0	0.5
				234		0	10
				235		0	19
				236		0	07
				247		0	20
				248		0	22
				249		0	0.4
				250		0	0.9
				251		0	0.8
				265		n	0.5
				267		0	0 1
				268		0	02
				269		0	2 :
				270		0	10
				27 1		0	33
				272		0	3
				276		0	3
				277		0	0
				279		0	0
				280		0	2
				281		0	1
				282		0	1
				283		0	1
				284		0	1
				286		0	1
				287		0	2

S.O. 3518.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Jand) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58.78, Aligani Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipe Line Project

			Village	Plat No.	Area Acquired
1		3	4	5	6
Shahjanj	pur Till	ıar Kera	Hemipur	11	0-04
•		Bajhera	Komipur	12	0-02
,				33	0-28
				34	0-32
				35	0-16
				36	0-12
				198	0-15
				204	0-30
				205	0-20
				206	0-50
				214	0-30
				223	0-40
				222	0-30
				233	0-05
				234	0–10
				235	0-19
				236	0-07
				247	0-20
				248	0-22
				249	0-04
				250	009
				251	0-08
				265	0-05
				267	0-01
				268	0-02
			4	269	0-25
				270	0-10
				271	0-32
				272	0-34
				276	0-33
				277	0-05
				279	0-01
•				280	0-20
				281	0-10
				282	0-10
				2 8 3 284	0-10
					0–16
				286 287	0-18 0-25

[No. O. 14016/414/85 G.P.]

का. आ. 3519 : —यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली—जगदीशगर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाडप-लाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए । और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के निए एतद्उपाबद्ध अन्सूची में विधार भूमि में उप-योग का अधिकार अधित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और रूनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की भारा 3 की उप-भारा (1) द्वारा प्रयत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्रय एतदुद्वारा घोषित किया है।

नशतें कि उनत भीम में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैम प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यूं. पी. को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वहु चाहता है कि उसकी मनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूर्णः हाजिरा∹वरेली--जगदीभपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

জিলা 	नहसील	परगना	गांधा	गाटा सं	लिय! गया (एक इ ं	
1	2	3	4	5		
ग।ह्अङ्गा	रु तिलहर	नलहर	बाबापूर	235	n	3 5
			बुजुर्ग उर्फ	239	0	0.8
			नगला	240	n	1.5
				243	n	67
				244	0	6.4
				246	0] (-
				247	0	28
				248	0	0.2
				249	0	63
				250	0	03

[सं० ऑ॰ 14016/415/85-जी॰पी०]

S.O. 3519.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE						
gdishpur	Pipe	line	Project			

Distt	Tehsil	Pargana	Villa g e	Plat No.	Aarca Acquired in Acres
1	2	3	4	5	6
Shahjan- janpur		Tilhar	Babapur Bijurg Nagola	235 239 240 243 244 246 247 248 249 250	0-35 0-08 0-15 0-67 0-64 0-16 0-28 0-02 0-63 0-03

Hajjara Baroilly Ja

(N) O. 14016/415/85-G.P.J

का. आ. 3520 : —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है थि लोकहित में यह आदश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली—जगदीशपूर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अन्सूची में विणित भूमि में उप-योग का अधिकार अधितत करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और छनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों की प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आदाय एत्स्द्वारा घोषित किया है।

यक्षातें कि त्वत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेंगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या कह बाहता है कि उसकी सनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किगी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-अगदीमपुर गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	नहसील	परमना	साम	गाटा मंख्या	लिया गया र	कथा
I	2	3	4	5	6	
गहिन्ह	 इापुर निल	हर निक्षहर	मभोला	6	1	25
•	- 4	-		7	0	49
				8	n	0.3
				14	O	37
				28	0	21
				29	9	0.4
			•	30	G	0.2
				41	0	0.2
		•		42	O	50
				43	0	0.6
				44	0	4 1
				53	0	0.8
				60	0	0:
				61	0	5
				62	0	· 80

[मं० खो ० 1401त/41त/35-जीव्यीत]

S.O. 3520.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pineline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this rotification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Gas pipe Line Project

Distt, Ta	hsil Par	gana Villa	age	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahjahan pur	Tilhar	Tithar	Majhola	6 7 8 14 28 29 30 41 42 43 44 53 60 61 62	1-25 0-49 0-03 0-37 0-21 0-04 0-02 0-02 0-50 0-06 0-41 0-09 0-09 0-55 0-80

[No. O. 14016/416/85-G.P.[

का. आ. 3521 :—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आदश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा— बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. द्वारा विकार्ड जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एनव्डपाबद्ध अनुसूची में विधित भूमि में उप-योग का अधिकार अजित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की भारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रक्त शिक्तयों को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार शिक्त करने का अधिकार शिक्त करने का अधिकार एतद्वारा घोषित किया है।

्यानी कि उवत भूमि मों तिलबद्ध कोई व्यक्ति उस शूमि के नीमें पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम पाधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-

226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीस में 21 दिन के शीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मृनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा–सरेली–जगदीशपूर पाइप लाइन प्रोजेनट

$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			हा। मरा−चार ————————————————————————————————————	.गा—गगद 		।क्ष्म आ। 	η ς 	
भाहजहीपुर तिलहर तिलहर पट्टीबस्स 187 0 22 188 0 50 186 0 87 177 0 04 178 0 01 179 0 01 180 0 01 181 0 01 174 0 75 172 0 34 76 0 52 75/1 0 52 75/2 0 54 69 0 47 22 0 52 23 0 42 25 0 11 26 0 51 28 0 25 29 0 28 65 0 37 64 0 15 44 0 03 45 0 16 63 0 32 60 0 15 46 0 16 63 0 32 60 0 15 46 0 16 63 0 32 60 0 15 48 0 02 49 0 16 51 0 06 52 0 07 182/1 0 06 52 0 07 182/1 0 03 77 0 06 76/199 0 04 27 0 06	সিলা	पर्गना	तहसील	ग्राम	नाटा संख्या	लिया	गया	रक्या
188 0 50 186 0 87 177 0 04 178 0 01 179 0 01 180 0 01 181 0 01 174 0 75 172 0 34 76 0 52 75/1 0 52 75/2 0 54 69 0 47 22 0 52 23 0 42 25 0 11 26 0 51 28 0 25 29 0 28 65 0 37 64 0 15 44 0 03 45 0 15 46 0 16 63 0 32 60 0 15 48 0 0 49 0 16 <t< th=""><th>1</th><th>2</th><th>3</th><th>4</th><th>5</th><th></th><th>6</th><th></th></t<>	1	2	3	4	5		6	
186 0 87 177 0 04 178 0 01 179 0 01 180 0 01 181 0 01 174 0 75 172 0 34 76 0 52 75/1 0 52 75/2 0 54 69 0 47 22 0 52 23 0 42 25 0 11 26 0 51 28 0 25 29 0 28 65 0 37 64 0 15 44 0 03 45 0 15 46 0 16 63 0 32 60 0 15 48 0 02 49 0 16 51 0 06 <t< td=""><td>भारहज्ञ</td><td>रृषुर तिलह</td><td>इर तिलहर प</td><td>ग्ट्टीबसम</td><td>187</td><td></td><td>0</td><td>22</td></t<>	भारहज्ञ	रृषुर तिलह	इर तिलहर प	ग् ट्ट ीबसम	187		0	22
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					188		0	50
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					186		0	87
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					177		0	04
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					178		0	01
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					179		0	01
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					180		0	01
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					181		0	01
76 0 52 $75/1$ 0 52 $75/2$ 0 54 69 0 47 22 0 52 23 0 42 25 0 11 26 0 51 28 0 25 29 0 28 65 0 37 64 0 15 44 0 03 45 0 16 63 0 32 60 0 15 61 10 19 48 0 02 49 0 16 51 0 06 52 0 07 $182/1$ 0 03 77 0 06 $76/199$ 0 04 27 0 06 $50/1$ 0 02					174		0	75
75/1 0 52 $75/2$ 0 54 69 0 47 22 0 62 23 0 42 25 0 11 26 0 51 28 0 25 29 0 28 65 0 37 64 0 15 44 0 03 45 0 16 63 0 32 60 0 15 61 10 19 48 0 02 49 0 16 51 0 06 52 0 01 62 0 07 $182/1$ 0 03 77 0 06 $76/199$ 0 04 27 0 06 $50/1$ 0 02					172		0	34
75/2 0 54 69 0 47 22 0 52 23 0 42 25 0 11 26 0 51 28 0 25 29 0 28 65 0 37 64 0 15 44 0 03 45 0 16 63 0 32 60 0 15 61 0 19 48 0 02 49 0 16 51 0 06 52 0 01 62 0 07 182/1 0 03 77 0 06 76/199 0 04 27 0 06 50/1 0 02							0	52
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$							0	52
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					75/2		0	54
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					69		0	47
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					22		0	52
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					23		0	42
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					25		0	11
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					26		0	51
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					28		0	25
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					29	,	0	28
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					6.5		O	37
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					64		0	15
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					44		0	03
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					45		0	15
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					4.6		0	16
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					63		0	32
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					60		0	15
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					61		10	19
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					48		U	02
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					49		0	16
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					51 .		o	06
$ \begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					52		0	
$ \begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					62		0	
$ \begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					182/1		0	03
27 0 06 50/1 0 02					77		0	06
27 0 06 50/1 0 02					76/199		0	
50/1 0 02							0	
					50/1			
								25

[सं० ओ० 14016/416/35-जी०पी०]

S.O 3521.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline₈ (Acquisition, of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of Iudia Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe line Project

Distt. '	Tehsil Parga	ana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4 .	5	6
Shahjah	an– Tilhar	Tilhar	Pathi	187	0-22
pur			Bokra	188	0-50
-				186	0-87
				177	0-04
				178	001
				179	0-01
				180	0-01
				181	0-01
				174	0-75
				172	0-34
				76	0-52
				75/1	0-52
				75/2	0-54
				69	0-47
				22	0-52
				23	0-42
				2.5	0-11
				26	0-51
				28	0-25
				29	0-28
				65	0-37
				64	015
				44	0-03
				45	0-1.5
				46	0-16
				63	0-32
				60	0-15
				61	0-19
				48	0-02
				49	0-16
				51	0 06
				52	001
				62	0-07
				182/1	0-03
				77	0-06
				76/199	0-04
				27	0-06
				50/1	0-02
				30	005

[No. O. 14016/417/85-G.P.]

का. आ. 3522 :--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा--बरेली--जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैम प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि मे उप-योग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और सनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग कंप्त हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा धोषित किया है।

बहातं कि उसत भृमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58√बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिस्चना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकीगा।

और ऐसा आक्षेप करने बाला हर न्यक्ति विनिर्दाष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सनवाई न्यक्ति-गत रूप से हो या किमी विधि न्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा,-बरेली, जगदीशपुर गैस पाइपलाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा मंख्या	लिया गय रक्तवा	r
1	2	3	4	5	6	7
णाह ु क्	- तिसहर	तिलहर	सा हम-	4	0	23
पुर			पुर	5	O	35
				6	1	17
				12	0	32
				13	0	70
				18	0	59
				22	0	5 5
				21	0	0.1

[सं० औ० 14016/418/85-फ्री०पी०]

S.O. 3522.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Barcily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 5 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Hajira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project Distt. Village Plot Tehsil Arca Pargana Acquired No. 1 2 3 5 6 Shahi han- Tilhar Tilhar Sahampur 4 0 - 230-35 1-17 piir 12 13 ი_7∩ 18

[No. O-14016/418/85-GP]

का. आ. 352:—पतः केर्द्धय सरकार को यह प्रतीत होता है कि बीकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेसी-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण नि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने का प्रयोजन के लिए एतद्वाबद्ध अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अनः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का जर्जन) अधिनियम, 1962 (1963 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजिन करने का अपना आशय एनद्द्वारा शीषित किया है:

बंगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई स्थिति उस भूमि के तीचे पाइप-लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारों, भारतीय गैस प्राधिकरण जि. बा-58/बी, अतीगंज, लखनऊ-236020 (यू.पी.) को इस अधिमूचना की नारीख से 21 दिन के भीनर कर संबंगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की साफैत ।

न्ननुष्यः हाजिग-बरेल -जगव गपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जला	तहस ल	परगना	ग्राम	भाट <i>ा</i> मंद्रमा	लिया गया (एक इ.में	्रकवा)
1	2	3	4	5	6	
गाह्य-	निवहर	तिषहर	विया	69	1	 50
ग हापुर			खेहा	€47	0	0.3
				66	n	12
				ti 4/3	2	38
				64/87	0	1 :
				55	0	33
				49	0	28
				5 G	0	0.1
				57	n	5 -
				54	0	0.3
				58	0	1.6
				47	0	0.9
		,		59	0	30
				46	O	0.8
				48	0	1.
				83	Ü	13

[सं O-14016/419/85-र्जापी]

S.O. 3523.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Barcily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be Jaid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto; 482 G1/85—8

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58[B, Aligan], Lucknow-226020 (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULL.

Hajira Barcilly (3)-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Toshil	Pargana	Village	Plot Na,	Area Acquired in Acres
Shajahan- pur	Tilhar	Tilhar	Dia khera	69 67 66 64/3 64/87 55 49 56 57 54 58 47 59 46 48 83	1-50 0-03 0-12 2-38 0-11 0-33 0-25 0-01 0-54 0-01 0-16 0-09 0-30 0-08 0-14 0-13

[No. O-14016|419|85-G.P.]

का. आ. 3524: —यतः द्वेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. द्वारा विखाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एत्दुपाबद्ध अनुसूची में विधास भूमि में उपयोग का अधिकार अजिंत करना आवश्यक है।

शतः अब पेट्रोलियम और सनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आधाय एतद्वारा घोषिस किया है।

बद्याते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गेंग प्राधिकरण लि. वी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226020 (यू. पी.) को इस अधिस्चना की तारील से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टसया बह् भी कथन करेगा कि वया वह शहता है कि उसकी सनवाई व्यक्ति-सह रूप से हो या-किसी विधि ब्यवसाबी की मार्फत ।

धन् सूचं हाजिरा-बरेखे न्वनंदाणपुर गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहमं ल	परगना	ग्राम	गाटा मेख्या	-———————— लिमा गया रकवा
1	_2	3	4	5	6
शाह- जहांपुर	नितहर		नगता	1	1 25
जनापुर		बसेड़ा		11	1¢ 0
				14	0 94
		,		— · -— — —	

""概点。"一点。

1	2	Ť	.1	5		6
	•	_		52		05
				56	. 0	07
				76	0	4.5
				75	1	0.5
				74	. 0	40
				73	. 0	11
				72	0	11
				71	0	1.1
				70/ i	0	3.0
				70/2	0	30

[सं. O-14016/420/85-जी. पी.]

S.O. 3524.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Barelly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira—Bareilly—Jagdishpur Gas Pipe line Project

	-		-		•
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plat No.	Area Acquired
Shahja- hanpur	Tilhar	Khera Pajhera	Navada	1 11 14 52 56 76 75 74 73 72 71 70/1 70/2	1-25 0-01 0-94 1-05 0-07 0-15 1-05 0-40 0-11 0-11 0-30 0-30

[No. O 14016/420/85-G.P1

का. ऑ. 3525.—या: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लीकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-अरेली-अगरीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यनः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपासक अनुसूत्री में वर्णिन भूमि में उपयोग का अधिकार अजिल करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1963 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आश्रय एनवृद्धारा घोषित किया है;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हित्बद कोई व्यक्ति उस भूमि के तीचे पाइप-लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-5 प्बी, बलीगंक, लक्षतक-2:260.30 (यू. प∴) को इस अविस्चरी की नारीका से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी रूपन करेगा कि क्या यह भाहता है कि उसकी सुनवार्ड व्यक्तिगत रूप में हैं। किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

घनुसूचः हाजिरा - बरेल - अगद णपूर पाइपलाइन प्रोजेस्ट

जि ला	नहम ल	परगना	ग्राम	गाटा सख्या	लिया गया (एकड़ मे	
1	2		4	5	6	
माह-	- निलहर	निलहर	জ্ন-	151	0	42
अक्षंपुर			न्तायपुर	154	. 1	บร
			_	153	. 0	40
				205	0	50
				206	O	25
				207	Ü	0.4
				210	0	0.8
				213/1	0	70
				214	0	25
				215	0	21
				216	0	6:
				149	0	0.5
				184	0	02
				198	0	0.

[सं • O-14016/421/85-जी-मी]

S.O. 3525.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58 B, Aligani, Lucknow-226020, (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

-laudishpur Gas Bincline Brolect

Hajira	Bareilly	√—Jagdishp	ur Gas	Pipeline	Project
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area Acquired (in acres)
1	2	3	4	5	6
Shahjahan- pur		Tilhar	Jaganna thpur	154 153 205 206 207 210 213/1 714 215 216 149 184 198	0-42 1-08 0-40 0-50 0-25 0-04 0-08 0-73 0-75 0-21 0-61 0-05 0-07
				·	101106 0 703

[No. O-14016/421/85-G.P.]

हा. प्रा. ३६३६ — त के द्रोप स ागर की यह प्राप्ति हो त है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हर्जीय-बरेली-जगदीगपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने का प्रयोजन के लिए एक्द्पाबद्ध अनुसूची मे बॉणन भूमि में उपयोगका अधिकार अजित करना आवश्यक है ।

अत. अब पेट्रोलियम और खनिक पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1963 का 50) की धारा 3 की उपधे,रा (1) द्वारा प्रदत्त णक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार ने इसमें उपयोग का अधिकार अजिन करने का अपना आग्रय एनद्एइएर घोषन किया है।

बगर्ने कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के मीचे पाष्ट्र लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी 58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. की इस अधिसूचना की नारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टनमा यह भी कथण करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मृतवाई व्यक्तिगत रूप से हो या कियो विधि व्यवसायी की मार्फन ।

श्रनुसूच हाजिरा- बरेल - जगद,शपुर, गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	नहम.ल	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया (एकड़ में	
J	2	3	4	5	(1	
भाह-	निलहर	<u>त्तिलह</u> र	मोहंमद	7	0	8-
जहांपुर			पुरहरा	31	0	90
			•	29	0	. 10
				30	0	28
				20	U	83
				24	0	71
				23	0	3 (
				80	U	61
				79	0	90
				78	1	6
				193	. 0	3 7
				194	U	23
				198	0	6.
				17	0	1 6
				27	U	02
				93	U	15
				92	O	21
				1.2	0	0.5
				13	0	01
				197	0	10

् [सं**० Q**-14016/422/85-जी.पी.]

S.O. 3526.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Haiira Bar, illy Jagdishour, Gas Pipe line Project

Distt.	To hail	Pargana	Villag	Plot N .	Area Acquired in Acres
1	2.	3	4	5	6
Shahjhan-	Tilhar	Tilhar	Moham-	7	0-84
pur			ma ^{, r} pur	31	0-90
•			Hara	~9	010
				30	0-28
				20	0-85
				21	0-70
				23	030
				80	0-60
				79	0-90
				78	1-65
				193	0-37
				194	0 -23
				198	0- 6 5
				17	0-16
				27	0.03
				93	0-15
				92	0-22
				1?	002
				13	0-02
				197	0-10

[N). O-14016/422/85 G P]

का. आ. 3527.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि लोकहित में यह आवण्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगर्द शपुर तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाईपलाइन भाग्तिय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यनः प्रतीत होना है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूर्च में वर्णित मूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है ।

अन- अब पेट्रोलियम और खानिक पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1963 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवन्त मिन्त्यों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्रय एनद्वारा घोषित किया है:

बणतें कि जरून भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति जम भूमि के नीचे पाइप पाइन बिछाने के लिए अक्षेप, सक्षम प्राधिकारा, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बा, अपीगंज, पाइनऊ-226020 पू. पी. को इस अधिसूचना की नारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्देष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहना है कि उसके सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन ।

श्रनुसूच हाजिरा-बरेल - जगद शपूर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट ।

जि ना	तहस ल	पर्गना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया (एकड्र में	
1	2	·· -	4	5	6	_
 भाह-	· <u></u> निलहर	तिलहर	फनह		0	79
जहांपुर	-	-	गैसरा	8	O	39
				5	0	94
				6	U	56
				7	U	0.5
				1	O	0.5

[मं० O-14016/ 400/ बड-जी पी]

S.O. 3527.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligani Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira	Bar illy	Jagdishpu	r Gas Pip.	lin)	Prjet.
Disti.	Tohsil	Pargan	a Village	Por No.	Ar a Acquired in Acres
<u> </u>	2	3	4	_5	6
Sahjahan-	Tilhar	Tilhar	Fatchpur		0-79
pur			Garra	8	039
•				5	()-94
				6	0-56
				7	0-05
				1	0-05

[No. O-14016|423|85-G.P.]

का. आ. 3528.—यतः कंन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि लोकहित में यह आवण्यक है कि उत्तर प्रदेश में हुआँचा-बरेली-जगवीणपुर तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइपलाइन भारतीय गैम प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी आहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोधन के लिए एतव्याबद अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिक पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सण्कार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आणय एनद्वारा घोषित किया है ।

बणते कि उपन भूमि में हितबब्ध कोई व्यक्ति उस मूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण त्मि. बी-58/बी, अनीपज, लक्तक-206020 यू. पी. की इस अधिसूनना की तारीख में 21 दिन के भीनर कर मकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से होया किसी विधि व्यवसार्यः की मार्कत ।

भनुसूच हाजिरा- बरेल - जगद मपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेस्ट

जिला	तहम, ल	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया ग (एकड़	यास्त्रका मे)
		3	_ 4	5	•	6
शाह-	सिलहर	तिलहर.	मुलेम-	1	0	08
जहांपुर			पुर खुर्द	2	0	30
				3	Ō	0.7
				4	Ų	0.1
				9	U	0.1

l	2	3	4	5		6
		·		10	()	
				1.1	U	1
				12	O	0
				13	υ	4
				14	U	1
				15	O	0
				116	U	6
				117	O	0.
				115/220	0	ì

[मं॰ **O**-14016/424/85-जी. पी.]

S.O. 3528.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira Bar illy Jag ishpur Gas Pipe Line Project.

Ditt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot Nv.	Rrea Asquired in acres
Sahjahan-	Tilhar	Tithar	Salemour		0.08
pur			Khurd	2	0-30
•				3	0-07
				4	0.01
				4)	0.01
				10	0-20
				11	0-18
				12	0.05
				1.3	040
				14	0 - 5
				15	0-02
				116	(1-60
				117	ი გვ
				115/020	0 10

[N \ O 14016/424/85 G.P.)

का. आ. 3539----थ (कंस्क्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हकीरा बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियन के परिवहत के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. हारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने का प्रयोजन के लिए एतव्याबद अनुसूची में विणय सूमि में उपयोग ना अधिकार अजित करनी आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खानिश पाइपलाइन (भृमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1963 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आणय एतद्वारा श्रीपत किया है।

बशर्ते कि उन्त भूमि में हिसबद भीई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण नि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पा. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 विन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह बाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हीय। किसी विधि स्ववसामी की मार्फत ।

भनुसूचे हाजिरा-बरेल -अवदं शपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेस्ट

जिला सहसं ल	परगना	ग्राम	गाटा संस्था	लिया गया रकवा एकड्र में
1 , 2	3	4	5 .	6
माह्जहांपुर तिल	इ र खे ड़ा	ताहटपुर	138	0-08
	बक्ते डा	जादोपुर,	139	0-01
			141	0-96
			142	0-01
			140	0-01
			147	0-10
			148	0-18
			149	0~03
			150	0 50
			151	0-24
			152	0-45
			153	0-17
			183	0-03
			184	0 03
			185	0-03
			202	0~20
			203	0-18
			204	0-03
			205	0-70

[संo O-14016/425/85- जी व्यो•]

S.O. 3529.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly-Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Hajira Bartilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acquired in acres
1	2	3	4	5	6
Shahjar	ı- Tilhar	Khera	Toharpur	138	008
pur		Bojhara	Jadopur	139	0-01
		-	-	141	0-96
				142	0-01
				140	0-01
				147	0-10
				148	0-18
				149	0-03
		•		150	0-50
				151	0-24
				152	0-45
				153	0 - 17
				183	0-03
				184	0-03
				185	0-03
				202	0-20
				203	0-18
				204	003
				205	0-70
			[No. O-	14016/42	25/85-G. P,]

का. आ . 3530. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह आवण्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीशपुर तक पेटोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्रीधिकरण लि. द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विष्ठाने का प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनित पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त गक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोगका अधिकार अजित करने का अपना आहाय एतदुद्वारा शोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्तम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधि-करण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधि-सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी क**ब**न करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन

धनुसूचा हाजिरा-बरेल:-जगरं। गपुर गैस पाइप आइन प्रोजेक्ट

जिला	तहर्माल	परगनाः	 पाम	गाटा संख	— था	लिया गया र एकड़ में	 कुबा
1	2	3	4		5	6	
गाहजहां	तिलहर	खेड़ा वसेड़ा	भ्रग-	3एम	_		- 19
पुर			रौला	7		0-	- 45
				8		0-	- 26
				9		0-	- 13
				•			

6	5	1	3	2	1
0-2	10				
0-08	14				
0-33	17				
0 .0:	18				
Ú= 0.	19				
0.00	24				
0 0	2.5				
0-3	26				
0- 0:	28				
0-3:	29				
0- 03	30				
()- 153	37				

[मं. O-14016/426/85-जा.पा]

S.O. 3530.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1952 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Hajira Bar-illy Jagdishpur Gas pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Arva Acquired in Acers
1		3	4	5	<u> </u>
Shahjahan	ı- Tilhar	Khera	Agrola	3 M.	0 19
рцг		Gujura	_	7	0- 45
<i>p</i> – <i>r</i>		,		8	0-26
				9	0.43
				10	0-25
				14	0~08
				17	0-33
				18	0-05
				19	003
•,	•			24	0.06
				25	0.04
				26	0.30
				28	0.02
				29	0-32
				30	0-09
				37	0-68

का. आ. 3531 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आधरयक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपर तक पेट्रोलियम के परिवहन पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विस्थाने का प्रयोजन के लिए एसद उपायक्क अनस्ची में वर्गित भूमि में उप-योग का अधिकार अधिका करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और सनिज पाइपलाइन (भृभि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए। केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एएववारा घोषित किया है।

दशर्नी कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइए लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी. नेल नथा प्राकृतिक गैम आयोग, एच. बी. जे. पाईप लाइन 45. गभाष नगर सांवेर रोड, उज्जैन (म. प्र.) 456001 को इस अधिम्चना की तारीख 21 दिशों के भीतर कर मकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

भनसुपी एक, बो. जे. गैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम	इंदीर तहसंस ।	ईसागढ़ जिला-गुमा राज्य (मध्य प्रदेश)
घन्.	क, खसरानं,	उपयोग मधिकार मर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्समें)
1	2	3
1.	1997	0.042
$2\cdot$	1980/3	0.084
3.	1832/2	0.063
4.	1831	0.178
5.	1820	0.282
6	1819	0.219
7-	1821	0.146
8	1823	0,246
. 9	1814	0.345
10.	1792	0.502
J 1	1793	•
12	1794	
13-	1795	
14.	1789	0.523
15.	1798	0,219
16.	1801	0.272
17	1803	0.199
18	1778	0.219
. 19	1776	0.115
20.	1519	0.345
21-	4776	0.010
22	1520	

1	2	3	1 2	3	
 :3-	1521	0,303	75 1972/2843	0.157	
4.	1531	0.105	76. 1817/2	0.021	
5.	1530	0.439	77 1818	0.021	
6.	1534	0.010	78. 1802	0.031	4
7.	1535	0.387	79 153H	0.084	•
8	1541	0,355	80. 1395/2	0.272	
9.	1484	0,063	81. 1392/1	0.091	, ,
0-	1494/1	0.418	82 1560	0.063	• •
3 1.	1394/2	0.512	83. 1380/2	0.011	
3 2-	1394/3	0.157	84 1377 85 1375	0.272 0.272	
3.3.	1393/1	0.021	86. 181/1	0,042	
34.	1380/1	0.627	87. 180/2	0.063	
3 5.	1374	0.376	88 183	0.742	
36.	1368	0.042	89. 186/1	0 722	
37-	1367	0.042	90. 187	0.021	
38.	184	0,732	91. 199	0.084	
39.	202	0.031	92. 237	0 366	
40	200/4	0. 272	93. 238	0.105	
41.	236	0.021	94 233	0.230	
4 2.	234	0.188	95. 228	0.382	
13.	227		96. 230	0 115	
44.	286/3 n	0.314	97. 284	0.021	
		0.021	98- 308	0.042	
45.	229	0,125	99. 307	0.031	-
46.	286/1	0.031	100. 333	0.188	
47.	286/3 प	0.178	101. 347	0.021	
4 R.	286/3ग	0.209	102 345	0.136	
49.	302/1	0,178	103. 344/2季	0.073	
50.	303	0,387	104. 371	0.042	
51.	304	0.105	105. 401	0.031	
52	305	0.042	106. 394/2	0.052	
53-	306	0.658	107. 395 108. 182/01	0.063	
54.	321	0.136	108. 182 01 109. 393 मी.	0.021 0.178	
5 5.	332/1 348	0.219	110. 393/मी.	0.136	
56.	348 349	0,240 0,005	111. 181/2	0.314	
57.	_		112. 1981	0,293	
58.	352/1	0.094	113. 1973/3	0.084	
59.	353	0.021	114. 185/2	0,021	
60.	360	0.105	योग :कुल क्षेत्रफल	21.048	
61.	355	0.094	414 : 30 44400	·	,
62.	356 359	0.209 0.261		[杆、14016	427/85 जी पी
63.	373	0.251			
64.		0,282	0.0.0504 777		S - 4 4 - 6
65.	374 403	0.178	S.O. 3531.—Whereas it ment that it is necessary i		
66. 67.	403	0.178	transport of Petroleum	from Hajira-Barci	ly to Jagdishpi
68.	389	0.157	in Madhya Pradesh State F Authority of India Ltd.	ripenne should be	iaid by the G
69.	388	0.137	And whereas it appears	that for the	rnose of land
70	383	0.200	such pipeline, it is necess:	ary to acquire th	e right of us
70.	385	0.105	in the land described in		
72	384	0,103	Now therefore, in exerci		
			sub-section (1) of the S Minerals Ripelines (Acquir	ection 3 of the	Petroleum at
73.	1982	0,031	Land) Act, 1962 (50 of	1962), the Cen	tral Governme
	1980/2	0.401	hereby declares its intenti		

Prov	vided that any person	on interested in the said land		2	3
may, v	within 21 days fron	n the date of this notification,	-	- 	0,105
		pipeline under the land to the	5j.	304	0.103
		& Natural Gas Commission, BBJ Nagar, Sanwer Road, Ujjain	<u> 52.</u>	305 306	0.658
(M.P.)		Nagar, Sanwer Road, Ojjain	53. 54.	305 321	0.036
			55.	332/1	0 219
		g such an object shall also state	56,	34.8	0.240
	necifically whether he wishes to be heard in person or by egal practitioner.			349	0.005
iceai t				352/1	0.094
X + 1114	HBJ GAS PIPELINE PROJECT			353	0.021
Village Prades		garh. Distt: Guna, State Madhya	59. 60.	360	0 105
	<u></u>		61.	355	0,094
	SCH	EDULE	67.	356	0,209
S. No.	Survey No.	Area to be acquire I for	63.	359	0,261
	•	R.O.U. in Hectare	64.	373	0,251
			65.	374	0.282
1	<u>.</u>	3	66.	403	0.178
1.	1997	0 042	67.	40)	0 167
2	1980/3	0.084	68.	389	0.157
3.	1832/2	0.063	69.	388	0.209
4.	1831	0.178	70.	383	0,011
5.	1820	0.282	71.	38*	0.105
6.	1819	0,219	72.	384	0,199
7.	1821	0 146	73.	1982	0,031
8.	1823	0.240	74.	1980/2	0.481
9.	1814	0,345	75.	1972/2843	0.157
10.	17927		76.	1817/2	0,021
11,	1793 (0.502	77.	1818	0,021
12.	1794 {		78.	1802	0,031
13.	1795)	•	79.	15 36	0.084
14.	1789	0,523	80.	1395/2	0.272
15.	1798	0.219	81.	1392/1	0.094
16.	1801	0 272	82.	1560	0.063
17.	1803	0, 199	83.	1380/2	0.011
18.	1778	0.219	84.	1377	0.272
19.	1776	0.115	85.	1375	0.272
20.	1519	0.345	86.	181/1	0.042
21.	1775	0.010	87.	180/2	0.063
22.	1520	0,324	88.	183	0.742
23.	1521	0.303	89.	186/1	0.722 0.021
24.	1531	0.105	90,	187	0.021
25.	1530	0,439	91.	199 237	0 366
26.	1534	0,010 0,387	92. 93.	238	0.105
27.	1535	0,355	94.	233	0,230
28.	1541	0,063	95.	228	0.382
29.	1484	0.418	9n.	230	0,115
30,	1 394/1 1394/2	0.512	97.	284	0.021
31.	1394/2	0.157	98.	308	0.042
32.	1393/1	0,021	99.	307	0,031
33. 34.	1380/1	0.627	100,	333	0,188
34. 35.	1374	0,376	101.	347	0,021
36.	1368	0,042	102.	345	0.136
37.	1367	0.042	103.	344/2 K	0.073
38.	184	0.732	104.	371	0.042
39.	202	0 031	105.	401	0.031
40.	200/4	0.272	106.	394/2	0.052
41.	236	0.021	107.	395	0.063
42.	234	0.188	108.	182/01	0.021
43.	227	0.314	109,	393/M.	0.178
44.	286/3 (KH)	0.021	110.	393/M.	0.136
45.	329	0 125	111.	181/2	0.314
46.	286/1	0.031	117.	1981	0.293
47.	286/3 (DH)	0,178	113,	1973/2	0.084
48.	286/3 (C)	0,209	114.	185/2	0.021
49.	302/1	0.178		TOTAL AREA	21.048
50.	303	0,387	-	- 1774 - 1781-1 - 1784 - 1784 - 1784	[No. O-14016]427 85-G.P.

3

0.063

0.481

0.031

0.031

0.502

0.042

0.125

0.042

0.125

0.021

0.042

0.084

0.219

0.229

0.230

0.157

0.031

0.126

0.042

0.240

0.084

0.136

0.188

0.073

0.188

0.188

0.094

0.052

0.115

0.188

0.073

545

5 4 7

559

55;

357

573

575

555

556

577

578

596

602

593

576

599

600

378

1567

957

958

9 5 6

930

932

929

966

1547

1546

1519/1

959/1

58/1698

13

14.

15.

16

17.

18

1:)

20.

21.

12.

23.

24.

25.

26.

37.

28.

29.

30.

31.

32.

33.

34.

35.

36.

37.

38.

39.

10.

41.

42.

43

का. आ. 3533.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाडण लांडन (मिंस मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. अं. सं. 659 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषिन कर दिया था।

और यतः सलम प्राधिकारों ने उका अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और प्रामे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर चित्र करने के पश्चात इस ग्रिधसूचना में संलग्न प्रनुसूचों में विनिद्य्टि भूमियों में उपयोग का ग्रिधकार ग्रिजित करने या विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्न शक्ति कः प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में संनग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा श्रीका किया जाता है।

और ग्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शांक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का शिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिए में सभी वाधाओं से मुक्त कूप में घोषणा के प्रकाशन को उस तारीख को निहित होगा।

दा रेत त	ਹਾ ਦਾ ਸਦਾਹਾ	र स्पर्व प्रदर्श क्षार्थिक स्पर्व विक्रिक्ट स्वरेशक ।			
भा न प	पाः पा अपगराप	ा को इस तारोख को नि हित होगा ।	44	1373/2	0.282
			45	1376	0.324
	ए द	. वं. जे गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट	46.	1377	0.157
			47.	1378/1	0.021
ग्रह्म :	याबादाः तहसं व	त : ावंडा किया गुना राज्य (मध्य प्रदेश)	48	1309	0 105
	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	252mm	4 4.	1310	0.052
		अनुस्वी	50.	1313/5জ	0.261
अन्	खगरा न	उपयोग अधिकार अर्जन	51.	1314	0 105
· 羽:.		का क्षेत्र (हैक्टर्म में)	5 2.	1316	0.105
		the seat (since it)	53	1320	0.105
1	2	3	54	1224/2	0.439
			55.	1222	0.146
1	4.15	0.209	56.	1226	0.167
3	416	0 178	57.	1228	0.282
3	471.	θ , 105	58	1231	0.366
4.	470	0.105	59.	1237/1	0.010
5.	466	0.679	60.	1293/1	0.021
6.	465	0.167	61.	595	0.021
7	460/1/1	0.147	62.	1568/1	0.021
8.	463/1	0 261	63.	959/2	0.084
9.	463/3	0,314	64.	959/3	0.031
10.	458	0 397	65	959/4	0.021
11.	459	0.461	66.	959/5	0.031
1 ?.	449	0.052	67.	962	0.005

0.481

0.031

0.031

0.502

547 11

557 17.

15. 559

16. 558

1	2		.7
68	1313/5 ग		0.188
69-	1313/5%		0.125
70	1313/4/1		0 031
71.	1218		0.042
72	1219		n 094
73-	1221		0,105
74.	1225		0 052
75.	1210/2		0 063
76	1229		0 005
7 7 .	948		0.052
78	1339		0 931
-+-	u	गोग कृत शैवफल :	11.257

S.O. 3532.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 659 dated 16-2-85 under sub-section (1) of Sectios 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

[मं. O-14016/54/85-जी० गी०]

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for Laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

SCHEDULE HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Chachoda	Tehsil: Chachoda Distt.: Guna
S. Survey No. No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectar
1. 435	0.209
2. 416	0.178
3. 471	0.105
4. 470	0.105
5. 466	0.679
6. 465	0.167
7. 460/1/1	0.147
8. 462/1	0.261
9. 462/3	0.314
10. 458	0.397
11. 459	0.46
12. 449	0.052
13. 545	0.063

17. 557 18. 573	0.042
19. 575	0.125
20. 555	0.042
21. 556	0.125
22. 577	0.021 0.042
23. 578	0.084
24. 596 25. 602	0.219
26. 598	0.219
27. 576	0.230
28. 598/1698	0 157
29. 599	0.031
30. 600	0.126 0.042
31. 378 32. 1567	0.240
33. 9 57	0.084
34. 958	0.136
35. 959/1	0.188
36. 956	0.073
37. 930	0.188 0.188
38. 932 39. 92 9	0.094
40. 966	0.052
41. 1547	0.115
42. 1546	0.188
43. 1519/1	0 073
44. 1373/2 45. 1376	0.282 0.324
46. 1377	0,157
47. 1378/1	0.021
48. 1309	0.105
49. 1310	0.052
50. 1313/5 KH	0.261
51. 1314 52. 1316	0 105 0.105
53. 1320	0.105
54. 1224/2	0.439
55. 1222	0.146
56. 1226	0.167
57. 1228 58. 1231	0.282 0.366
58. 1231 59. 1237/1	0.010
60. 1293/1	0.021
61. 595	0.021
62. 1568/1	0.021
63. 959/2	0.084
64. 959/3 65. 959/4	0.031 0.021
66. 959/5	0.031
67. 962	0.005
68. 1313/5 G	0 188
69. 1313/5 D	0.125
70. 1313/4/1 71. 1218	0 031 0.042
72. 1219	0.094
73. 1221	U 105
74. 1225	0 052
75. 1210/2 76. 1229	0 063
77. 948	0.005 0.052
78. 1339	0.031
Total Area	11 257
	14016/54/85-GJ.P.
INO. O-	, .010/5+/0.1-U[.P.

काश्यार 33/3.—यतः पेट्रोलिमय और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रक्षिकर का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ब्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिन्चना काल्बार तंर 568 तारीख 9-2-85 द्वारों केन्द्रीय रारकार ने उस अधिस्चना से संलग्न प्रनुसूची के विनिद्धित भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए प्रभित करने का ब्रपना ब्रावस घोषक कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के ग्रवीन सरकार को रिपोर्ट वे दी हैं।

और द्यागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचारकरने के पश्चात् इस द्यश्चिमुचना से संलग्न श्रनुमूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का द्रक्षिकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रम, श्रतः उत्तर प्रधितियम की धार। 6 की उपधार। (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतबद्वारा भोषित करती है कि इ.न श्रिधसूचना में संसम्म श्रनुसूची में बिनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइपणाइन बिछान के प्रयोजन के लिए एतबद्वारा श्रीजन किया जाता है।

और श्रामे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त सप में, घोषणा के प्रवाणन की यस नारीय की निहित होगा।

अनुसूची एक. भी. जे. गैंस पाटप लाईन प्रीप्रेक्ट

उपमाग

(甲 ១.)

0.391

अधिकार अर्जन

हान्त्येड़ी तहसील नराना जिला उज्जैन रा**ण्**य

अन् ऋ० खगरानं.

97

23.

બંગુ વ	po satisfic	मा क्षेत्र (है्बटसं	म ₎
	2		.3
1.	51	0	. 027
2.	59	O	020
3.	60	O	. 121
4.	61	0	283
5.	6.2	.0	. ((5))
6.	63	0	. 462
7-	64	O	.012
s.	65	Ü	. 015
9.	66	U	.040
10.	47	0	. 243
11.	48	0	. 165
$12\cdot$	45/2/3		. 057
13.	14	()	. 648
1 4 1 5.	$\begin{bmatrix} 5.5 1/3 \\ 5.5 2/2 \end{bmatrix}$	U	. 0 6 0
1 6	86	O	. 048
17.	87	O	048
18.	8.5	0	283
19	93	U	.050
20.	88	. 0	. 050
24.	89	0	. 050
22	90	υ	. 393

1		2	•				3
						-	
24.	84						0.028
25	83/2						0.026
26-	80						0.040
27.	119						0.020
28.	22/3						0.012
29.	43						0.012
30.	46						 0.121
_			यांग बृ	- ृल	क्षेत्रफल	;	 3.778

[स. O-14016/15/85-जीवी]

\$.O. 3533.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 568 dated 9-2-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India 1.t.l. free from all encumbrances.

[No.O-14016[15[85-G.P.]

SCHEDULE HBJ Gas Pipeline Project

Vill	age : Harukheri, Yehsil,	Tarana, Distt: Ujjain (M.P.)				
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare				
1	2	3				
1.	1	0.027				
2.	59	0.020				
3.	60	0.121				
4,	61	0.283				
5.	62	0.050				
6.	63	0.462				
7.	64	0.012				
8.	65	0.015				
9.	66	0.040				
10.	4 7	0.243				
11.	48	0.165				
12.	45/2/3	0.057				
13.	44	0.648				
14.	55/1/3 7	0.060				
15.	55/ 2 /2 J	_				
16.	86	0.048				
17.	87	0.048				
18.	\$5	0.283				
19.	93	1.050				
20.	88	0.050				

1	2	3
21.	89	0.050
22.	90	0.393
23.	97	0.394
24,	84	0.028
25.	83/2	0.026
26.	80	0.040
27.	119	0.020
28.	22/3	0.012
29.	43	0.012
30.	46	0.12
Tot	al Area	3778

[No. O-14016/15/85-GP]

का. आ. 3534:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाष्ट्रपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय को अधिमुखना का , आ, सं, 573 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमुखना से संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर किचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मृक्स रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा ।

ग्रनुसूर्चा <u>,</u>					
	एच बंग्वं. गे	विष्टिंग जा	दन श्रीनीट		_1
ग्राम : रे	 उत्रारः , तहमःस तराना चि	(ला. उ≠बैन	राज्य (भ	. ঘ.)	
- प्रन्	खासरान			ऋधिकार.	थ र्नन
呀			का क्षेत्र	(हैक्टमं	में)
		;			
1.	349				0.108
$2\cdot$	351				0 071
3.	3 5 2/ 1/ 1/ 1				0.060
1.	350				0.018
5	234			•	0.120
6.	233/1				0.366
7.	229				0.080
8.	232/1				0.300
9.	3 46				0.010
10.	348/1/2				0.046
11.	352/1/2				0,060
1.2	232/2				0,060
13	352/1/4				0.060
11	233/2			_	0.025
		योग कल	क्षेत्रफल ————		1.414

्रिस **O** 140 (8/30/85 जीर्था)

S.O. 3534.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 573 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this come of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Rehwari Tehsil: T	arana Distt : Ujjain
S. Survey No. No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hoctare
1, 349	0.108
2. 351	0.071
3. 35 2 /1,1/1	0.069
•••	

1	2	3
4.	350	 0 048
5.	234	0.120
6.	233/1	0.366
7.	229	0.080
8.	232/1	0.300
9.	346	0.010
10.	348/1/2	0.0-16
11.	325/1/2	U 060
12.	232/2	0.060
13.	253/1/4	0 060
14.	233/2	0.025
Tota	al Survey	 1 414

[No. O-1406/20/85 G. P.]

का० ग्रा० 3535.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के ग्रधिकार का अर्जन) ग्रिधिनेगम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को उपधारा (1) के ग्रधीन एरत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की ग्रिधिमूचना का ब्राविकार 874 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रिधिमूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाइनों का विज्ञान के लिए ग्रिजित करने का प्रवना ग्राह्म घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त ग्राधिनयम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केर्न्द्राय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित भूमियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिश्चय किया है ।

श्रव, श्रवः उक्त श्रिधितियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषिन करती है कि इस श्रीधसूचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोगन के लिए एतदद्वारा श्रीकृत किया जाता है।

और प्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शांक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होंगे के बठाय जारतीय मैस प्राचितरात को उस काजा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

ग्राम		तराना जिला उज्जैन, राज्य (मध्यप्रदेश)						
अनुस्ची								
 अन्	 खमरा तं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र						
年.		(हैस्टर्भ में)						
1	200/245	0.012						
2.	227	0 090						
3.	219	0.048						
4.	230/1	0.025						
5.	335	9 150						
6	222	0.025						
7.	204	0 216						
ਤੋ.	210	0.096						
9.	234/1	0 810						
[()	224	0.180						
11.	179	0,402						
12.	180	0.048						
13.	140/3	0 012						
1.1	1.48/1	0.058						
1 5.	1 49/1	0 073						
1 (5.	1 47	0.130						
17	151	0 0 1 5						
18.	1.40	0.187						
19.	137/1	0 138						
20	137/2	0.133						
21	140	0.131						
22.	155/1	0.015						
23	136	0.026						
21	130	0.045						
45.	128	0.210						
26.	223	0.016						
27.	226	0.018						
28	1 4 3	0.013						
29	1 27	0.024						
30	157/1	0.024						
31.	126	0.010						
52.	134	9.103						
33.	124/143	0.024						
34.	129	0.040						
3 5.	150	0.192						
	153	0.015						
	144/1/1/3	0.026						
38.	131	0.060						
	योग कुत क्षेत्रफल .	3,906						

एव. वी. जे. गैस पाइप लाइत प्रोजेक्ट

[मं O · 14016/21/35 जी • पी o]

S.O. 3535.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 574 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas he Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schodule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village: Salanakheri, Tchsil: Tarana, Distt: Ujjain (M.P.) **SCHEDULE** Area to be Acquired S. Survey No. No. for R.O.U. in Hectare 0.0121. 200/245 227 0.090 2. 0.048 3, 219 0.0254. 220/10.1505. 225 0.025 6. 222 0.210 7. 209 210 0.096 8. 0.810 9. 234/1 10, 224 0.180 0.40211. 179 0.048 12. 180 0.012 13, 140/20.05814. 148/1 149/1 0.07215. 16. 147 0.1800.045 17. 151 0.187 18. 140 19, 137/1 0.138 0.132 20. 137/2 0,121 21. 146 0.015 22. 135/1 23. 136 0.0260.04524. 130 0,210 25. 128 0.016223 26. 27. 226 0.018 0.012 28. 153 0.024 29, 127 0.02430. 157/2 0.01031. 126 0.10832. 124 0.02433. 124/243 0.040 34. 129 0.19235. 150 36. 152 0.015 0.026 37, 144/1/1/3 0.060 38. 131 3.906 Total Area

[No. O-14016|21[85-G.P.]

का. था. 3536:— यतः पंद्रोलियम भीर खिनज पाइएलाइन (भूमि में अपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिलियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रास्य की अधिसूचना का. थ्रा. 59% तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संस्थन अनुसूची में विनिधिस्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विश्वान के सिए अर्जिन करने का अपना आग्रय शोधित कर दिया था।

श्रीर यतः सक्षम श्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा ७ की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

भीर आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्यात् इस मधिसूचना से संसम्न श्रनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार श्राजित करने का यिनिश्चन किया है।

स्रब, श्रतः उक्त श्रिमियम की धारा 6 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस ग्रिधिसूचना में संयग्न अनुसूची में विनिष्टिट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिश्वार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एनय्द्वारा श्रीजन किया जाता है।

श्रीर भागे उस क्षारा की उपधार। (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस आधिकरण निर्मिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस कारी का की निहित होगा।

एस, बी जि. गैम पाइव लाइन श्रीकेस्ट

ग्राम	बुखारी तहसील तरासा	जिला उन्जैन राज्य (मध्यप्रदेश)						
अनुसूची								
-— अनु. সং.	न्द्र स रा न .	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टमें में)						
1.	56	0.180						
2.	116	0.243						
3.	55	0.330						
4.	6.5	0,483						
5-	66	0.024						
6-	104	0.014						
7.	105	0.01.2						
g.	5.0	0.130						
9.	51	0.170						
10.	53	0,057						
۱1.	119/1/1/1	0.048						
12.	5.4	0,275						
13.	108	0.048						
1 1-	109	0.081						
15-	107	0,089						
16.	110	0.030						
17-	115	0.020						
18.	115/215	0.249						
19	3.5	0.012						
20	106	0 080						
21.	113	0.012						
	योगः कुल क्षेत्रपःस	3,587						

[मं O-1401 क/36/85-जी जी व

S.O. 3536.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 593 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laving pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 5 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power confered by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India 1 td. free from all encumbrances,

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Bukhari	Tehsil: Tarana	Distt : Ujiain St	tate (M.P.)
	SCHEDULE		<u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , , </u>
S. Survey No. No.		Area to be A for R.O.U	oquired in Hectare
1. 56			0.180
2, 116			0.243
3. 55			0.330
4, 65			0.483
5. 66			4٬0،4
6. 104			0.014
7, 105			0.012
8. _. 50			0.130
9. 51			0.170
10, 53			0.057
11. 119/1/1/1			0.048
12 51			0,275
13. 108			0.048
14. 109			0.081
15, 107			0.089
16. 110			0.030
17. 115			0.010
18, 115/215			0.249
19. 35			0.017
20, 106			0.080
21. 112			0.012
Total Area			-

[No. O-14016|36|85-G.P.]

का. था. ३५३७ --- पद्मां पेट्रांलियमं श्रीर खिति गाइपलाइत (मृपि में उपयोग के मिश्रकार का श्रांका) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा ३ की उपधारा (1) के श्रधीत भारत सरकार के पेट्रोंतियम मंस्रालय की श्रधिसूचना का. था. सं. ८६७ तारीख 2-३-९५ द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना से संलग्न सन्सूची में विनिधिष्ट भृमियों के उपयोग के श्रधिकार को पाइपताइतों को विख्याते के लिए धर्मिए करते का श्रपता श्राणप घोषित कर दिया था।

भीर यकः सक्षम प्राधिकारो ने उक्षत भाष्टिनियम की धारा ठ की उप-धारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

श्रीर श्रामे, यथः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात इस श्रीवसूचना से संयग्न श्रनुसूची में विनिद्धिष्ट भृमियों में उपयोग का श्रीकार श्रीजेत करते का विनिश्चम किया है।

भव, अन. उन्त प्रधितियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रवस्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार एतद्दारा धाषित करती है कि इस प्रधिस्चता में संलग्न प्रतृस्वी में वितिर्दिष्ट उक्त भृमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन विखाने के प्रयोजन के लिए एतद्-हारा प्रजित किया जाता है।

और धारो उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित्त होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाक्षाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित्त होगा।

एस . वी . जे . गैरा पाइप लाइन प्रोजेस्ट,

ग्राम	्याव ल	तहसील भाग्बेर	जिया ग्वालियर	राज्य	(मध्य	-प्रदेश)	•
•			अनुसूचः				
्र अनु. क्तु.	खा म रा नं.		उपयोग व (केटर्ग में	_ अधिकार)	का •	अर्घन	क्षेत्र
1.	48		0.073		-		_
2.	47		0.214				
3.	46		0.072				
4-	3		0,032				
5	1.5		0 014				
6	ı		0.795				
7	9		0.035				
۶	8		0 - 2.48				
φ,	7		. 0,031				
10.	5		0.013				
1.1	1.2		0.573				
12.	26		0.382				
13	25		0.046				
1-1-	27		0.036				
15.	2 +		0 031				
16.	3.3		0,600				
17.	22		0 :69				
1 %.	3.1		0,003				
19.	20		0 112				
20	158	· · ·	0,072		_		
	योग:	कृष क्षेत्रफल	3.605				
			[#io O 1	1016/8	:1/81	5/ ⊐îo	 मी ∘]

S.O. 3537.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 868 dated 2-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subbection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government; And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India 11d. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Payaval Tehsil: Bhander Distt: Gwalior SCHEDULE Survey No. Area to be Acquired No. for R.O.U. in Hectare 1. 48 0.072³. 47 0.744 0.072 3. 46 0.032 5. 0.014 45 6. 4 0.795 7. 9 0.035 8 0.248 8. 7 150.0 9. 10. 5 0.013 0.572 11. 17 0.382 12. 26 13. 25 0.046 0.036 14. ~ 1 0.03116. 23 0.60017. 0.169 18, 21 0.0020.113 19. 20 20. 158 0.072

[No. O-14016|84|85-G.P.]

का आ. 3538 .—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिपियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम संवालय की अधिसूचना का. आ. सं. 869, तारीख 2-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने 'स अधिसूचन' से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूगियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए आजा करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था। और यतः सअस प्राधिकारी ने उक्त अधिनिधम की धारा

और यतः सञ्जम प्राधिकारी ने उक्त अधिनिधम की धारा 6 की उपधारा (1) के दक्षीन साकार की रिपोर्ट दे दें है।

और अभि यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूतना से संलग्न अनुसूची में त्रिति-रिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार असित करने का वितिश्चय किया है। अब, अतः उक्त अधिनयप की धारी 6 की उपतार (1) होता प्रवत्त एक्ति का एती। करते हुन्, किसीय सक्ति, एतक् हारा बर्धित है कि इस असिमूचना से नंत्रम अनुसूची में विनिद्य्य उक्त भृषियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्रदृहारा अधिन रिया पाता है।

और अमे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बढाय भारतीय गैस प्राधिकरण ित. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारोख को निहित होगा।

गच, बी, जै, गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम	घ:दलनी	नहर्माज	दनिया	जिला-दिनिया	ग्डिव	(मध्य-	पदेण)
				 अनुसूची			
अन	ख्रमरा			उपयोग अ	ज्ञकार	अज़ेन	काक्षेत्र
₹,	ने.			(हैक्टर्न में)			
1.	521	-		0.181		•	
2	524			0 020			
3	522			0.020			
4.	523			0.123			
5	516			0.025			
6	563			0.131			
7.	561			0.065			
8.	565			0.002			
9.	566			0.149			
10.	570			0.121			
*	योग:	कृत क्षेत्र प	ল	0 837			
				[+io O-14	1016/	85/85/	जी ०पी ०]

S.O. 3538:—Whereas by not fication of the Government of Indra in the Ministry of Petroleum S.O. 869 dated 2-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of leying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the sold lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laving the pipeline;

And further in exercise of nower conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall nested of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

[भाग II- ख ⁰	()	भारत का रा
	HBJ GAS PIPE LINI	PROJECT
Village: Ghi,	alanı Tehsil : Datia	Distt. Datia
,	SCHEDU	JLF.
S. Survey No.	No.	Area to be Accuired for R.O.U. in Heatire
1. 521 2. 521 3. 522 4. 522 5. 516 6. 563 7. 564 8. 565 9. 566 10. 570		0.181 0 029 0 020 0 123 0 0.5 0 131 0 065 6.002 0 149 0.121
Total Are	24	0 837
(भूमि में उ		,

के ग्रधोन भारत सरकार के देट्रोलियम मंत्रालय की ग्रधिसूचना का. मा. सं. 1120 तारीख 16-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए ग्रजित करने 🚛 अपना ग्राशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करने का विनिश्चय किया है।

थ्रव, **य**तः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइप-लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा भ्रजित किया जाता है।

और ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

	एच. बी. जे. गैंग	प पाईप लाईन प्रोन्तेक्ट
ग्राम	: कांकड़ तहसील : अणोकनगर	जिला गुना राज्य (मध्यप्रदेश)
2011	3	अनुसूची
अनु	बसरा	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र
36	स .	(हैक्टर्स मे)
1	1)	3
	s an income of another official constant inflantives and and	
1	65	0.177
2.	6 R	0.031
3	F. 1	0.157
4	ۇ با	0 231
5.	72	0.072
G.	101/2	0.105
7	102	0.185
: .	148	0.081
9	347	0.053
10	149	0.578
11	150	0.157
12.	152	0.282
13. 14	154 210	0.209 0.105
15.	156	0.126
16.	157	0.031
17.	158	0 031
18.	159	0.186
19	160	0 031
20.	161	0.052
21	162	0.126
22.	207	0.021
23	165	0.157
24	164	0.052
25.	167	0.260
26.	.209	0.020
27.	208/2	~~
28.	168	0.052
30,	163	0.021
3.0	175/1290	0.470
31.	180	0.010
3 3	165	0.010
33.	166	
34.	177	_
35.	178	-
36.	179	•
37.	431	0.063
38	192	0.010
39.	193	
40.	360/2	0.052
41.	358	·0. 0 10
		.0.042
42	381	*
43.	175/2	0.157

0.458

0 010

.0 013

348

353

354

45

46.

1	2	2
1		3
47.	355	0.105
48.	356	0.010
49.	357	0.168
50.	359	0.100
51.	172	0.051
52.	176	0.052
,~		
	योग :कुल क्षेत्रफल	5.372
		[फा०सं ० O- 14016/140/85-ज्ञी०पी०]

S.O. 3539.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1120 dated 16-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Secion (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances

HBJ GAS PIPE I INE PROJECT

Village : Kankad	Teshil : Ashok Na	gar Distt : Guna	
SCHEDULE			
S. Survey No. No.		Ar.a to be Acquired for R.O.U. in Hectare	
1. 65		0.177	
2. 66		0.031	
3. 67		0.157	
4. 68		0.221	
5. 72	•	0.072	
6. 101/2		0.105	
7. 102	*	0.185	
8. 148		0.084	
9. 347	•	0.052	
10. 149	•	0.578	
11. 150	•	0.157	
12. 152	•	0.282	
13. 154	- •	0.209	
14. 210	•	0.105	
15. 156		0.126	
16. 157		0.031	
17. 158		0.031	
18. 159		0.186	
19. 160		0.031	

1	2			3
20.	161			0.052
?1.	162			0.126
22.	207			0.021
23.	165			0.157
24.	164			0.052
25.	167			0,260
26,	209			0.020
27.	208/2			
28.	168			0.052
29.	163			0.021
30,	175/1290			0.470
31.	180			0.010
37.	165			0.010
33.	166			
34.	177			
35.	178			
36.	179			
37.	431			0.063
38.	192			0.010
39.	193			
40.	360/2			0.052
41.	358			0.010
42.	381			0.042
43.	175/2			0.157 0.458
44.	348 353			0.438
45. 46.	353 354			0.013
47.	355			0.105
48.	356			0.010
49.	35 7			0.168
50.	359			(0.100
51.	172			0.051
51.	176		,	0.052
Tot	al Area			5.372

[F. No. O-14016/140/85-G.P.]

का. ग्रा. ... 1540 — यतः पेट्रौलियम श्रीर खितज पाइम लाइन (भूमि में उपयोग के ग्राधिकार का ग्राजैन) ग्राधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्राध न भारत सरकार के पेट्रौलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.ग्रा. सं० 1122 तारोज 16-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्राधिसूचनों से संलग्न ग्रानुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्राधिकार को पाइमलाइनों की विद्याने के लिए ग्राजित करने का ग्रापना ग्राग्राय घोषित कर दिया था ;

ग्रीरयतः मक्षमप्राधिकारी ने उच्त ग्राधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्टदे दो है;

ग्रीर ग्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वार करने के पश्चात् इस ग्रिधसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रीधकार ग्राजित करने का विनिश्चय किया है ;

श्रव श्रतः उक्त श्रधिनियम को धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रं.य सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में संलग्न श्रनुसूचो में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्रजित किया जाता है;

ग्रोर श्रागे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय शारनीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाश्रों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस दारीख को निहित होगा।

ए च०बी०जे० गैम पाइप लाइन प्रोजैक्ट

ग्रामः , ज्ञानपुर तहनीलः , अणाकनगर जिलाः : गुना शज्यः (मध्यः प्रदेश)

प्र नु क	स्नुसरा नं.	उपसोग प्रधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
		404 (E460 17)
1	2	.3
1.		0.554
2.	526	0.240
3.	521/3	0.3 (6
4.	520	0.366
5.	517	បបត
6	518	-
7.	512	0.575
В	513	_ _
9	3 2 1	0.052
0.1	504	0.209
11.	4')')	0 230
1 4.	503	0.052
13.	495	0.230
14.	493	0.160
15	194	
16	479	0.063
17.	475	0.136
18.	476	
19.	47 2	0 648
20.	173/1	0.355
21-	473/2	0.094
2 2.	324	n, n <u>.</u> 1
23.	325/2	0.209
21.	318	0.261
25.	317	0.010
2 G.	316	0.439
27.	315/3	0.376
28-	326/3	0.366
29.	502/2	0.11:
30.	5 2 4	0.130
31.	505	0 230
3 2.	50 b	n-m-
33.	519	0.016
34.	489	0.02
3.5	478	0.016
36.	477	0.016
37.	3 3 6 / 4	0.010
38.	501	0.203
3 9.	502/1	_
40	311	0.010
		7 ti()1

S.O. 3540.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1122 dated 16-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority ha_b under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the tight of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd, free from all encumbrances,

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Gyanpur - Tehsil : Ashoknagar - Distt : Guna - SCHEDULE

\$. N ○.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1.	5?3	0 564
2.	526	0.240
3.	521/3	0.366
4.	520	0.366
5.	517	0,505
5.	518	
7.	51.7	0.575
8.	513	_
9.	321	0.052
40.	50:1	0,209
11.	499	0,230
12.	503	0 052
13.	495	0.230
14.	493	0.460
15.	494	_
16.	479	0.063
17.	475	0.136
18,	476	_
19.	472	0.648
20.	473/1	0.355
21.	473/2	0,094
22.	324	0.021
23.	325/2	0,209
24.	318	0,261
25.	317	0.010
26.	316	0 439
27.	315/3	0,376
28.	326/3	0 366
29.	502/2	0.115
30.	524	0.136
31.	505	0,230
32.	506	
33.	519	0.010
34.	489	0,021
35.	478	0.010
36.	1 77	0.010
37.	326/4	0.010
,8£,	501	0.203
39.	502/1	- _
40.	314	0.010

[F. No. O-14016]142;85-G P.J

का. शा. 3541.— यतः पेट्रोलियम श्रीर खानिज पाइपलाइन (सूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधितियम, 1962 (1962 का उत्त) की श्राप्त का उत्ती अर्धान भारत सरकार के पेट्रोलियम सण्यालय की श्राप्त का. शा. सं. 1252 नारी श्राप्त 23-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संन्यन यनुसूची में विजिषक पूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विद्यान के लिए अर्जित करने का अपना भागाय थोवित कर विया था;

भीर यतः सदाम प्राधिकारी ने उश्पाअधिनियमकी धारी 6 की उत्थारा (1) के अधीन सरकार को स्पिटि दे दी है;

भीर आगे यतः केम्द्रीय सरकार ने उक्त रिपीर्ट पर विवार करन के पत्थात् इस अधिसुधना से संग्लन अनुसूधी में विनिद्धित भूमियों में उपयोग का अधिकार धर्जित करने का विनिध्यप किया है ;

अब अत: उक्त अधिनिथम भी घारा 6 की उपघारा (1) द्वारा अवस्य शिक्त का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एमब्द्वारा पोधिन करती है कि इस अधिमूचना से संग्यन अनुसूची में विनिधिष्ट उका भूमियों में उपमोग का अधिकार पादमनायन बिळाने के प्रयोजन के निए एसब्द्वारा अजिल किया जाता है;

भीर आगे उस धाराकी उपधारा (4) द्वारा प्रवल शक्तियां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार विदेश देती है कि उक्त भूषियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण निभिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, जोपया के प्रकाणन की इस तारीब की निहित होना।

एच. बा. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : कोटरा तहम ल : राष्ट्रांगढ जिला : गुना राज्य (मध्य प्रदेश) मनुसूचः						
 धनु क	. खासरा	н.		, , , , , , , , , , , , , , , , , , , 	उपयोग मधिकार क्षेय (हैक्टर्स मे)	ग्राभंत का
1.	9		,,,,,,,,,,,,	··		0.209
2.	10					0.105
3.	11					0.127
4.	15/1					0.052
5.	16				v	0 141
6.	17					0 - 271
7.	18					0.345
8.	22					0.031
9.	23					0.637
I O.	34					0.370
11.	37					0.219
12-	39					0.081
3.	8					0.261

[फार सं O-1 10 16/14 1/ 85 जीं 1 मेरेंग]

S.O. 3:41.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1252 dated 23-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) or Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the laid report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this normation.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Kotara Tehsil: Raghogath Disti.: Guna

SCHEDULE

S.No. Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1. 9	0 209
2. 10	0.105
3, 41	0.127
4, 15/1	0.052
5. 16	0.141
6. 17	0.771
7. 18	0,345
8. 27	ó òs.
9. 23	0.637
10. 74	0.370
11. ?7	0.219
12. 39	0.081
13. 8	0,361
Tetal Ar a	2,849

[F. No. O-14016|145|85-G.P.]

का. आ. 3542—पतः पेट्रोलियम और खिनिज पाष्टप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधोन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचमा का. आ. सं. 1253 तारोख 23-3-85 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचमा से संलग्न अनुभूषों में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की विद्यान के लिए अर्जिन करने का अपमा आषाय धोषित कर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन संस्कार की रिपोर्ट दें दी हैं!

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उपत रिपोर्ट पर श्विचार करने के पण्चान् इस अधिसूचण में संलग्न अनुसूधी में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार ऑजत करने का विनिश्चय किया है।

ाब, अतः उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) इतरा प्रवस्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एमदुद्वारा घोषित करती है कि इस अधिनूबना में संज्यान अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विद्यान के प्राप्ते त के लिए एसवृद्धारा अजित किया जाता है।

और आगे उस बारा का उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय संरकार में निहित होने के बजार भारतीय गैस प्राधिकरण सि. में सभी बाधाओं से मुक्त इस में. बोयणा के प्रकाशन की इस तारीख से निह्त हाना।

एच, या, जे, गैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट

	शः <u>य</u> ुत्त्व	[] ;
ानुक.	कसरा मं.	उपयोग अधिकार अर्जन क क्षेत्र (ईपटर्स में)
1.	1/5	0.31
	1/6	0.03

[मं० ऑ.-14016/146/55-जी. पी.]

S.O. 3542.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1253 dated 23-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Chetawari Tehsil: Raghogarh Distt.: Guna Schedule

S.Ne. Survey Ne.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare		
1. 1/5	0.314		
2, 1/6	0.031		
Total Area	0.345		

[No. O-14016-146]85-G.P.]

मा. मा. 3543:— मतः पेट्रोलियम और सनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) के अक्षीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. गं. 1302 तारीस 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिलान के लिबे अजित करने का अपना आग्रय घोषत कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदेष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिय्वय किया है।

अब, अतः उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शिवित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइच लाइन विकान के प्रयोजन के लिए एसच्छारा अभित किया खाता है।

और आने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण जि॰ में सभी बाधाओं से सुक्त रूप में, बोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एन० बी० जे० गैस पाइप नाइन प्राजेक्ट

ग्राम पंगारा तहसील राजोगढ जिला गुना राज्य सध्य प्रदेश

	भनुसूष.		
धनु क	. खासरा मं.	उपयोग यधिकार प्रजैनका अस्त्र (हैफ्टंस मे)	
1.	37/1	0.073	
2.	38	0.073	
3.	39	0.293	
4.	40/3	0.314	
5.	40/ 5	0.093	
6.	4 0/ 6	0.564	
7.	40/7	9.345	
8.	41	0.314	
9.	12	0.169	
10.	100	0.042	
<u>1</u> 1.	101/3	0.314	
1 7	104	0.554	
13	287/š	9.489	
14.	289	0.010	
15.	309	0.073	
16.	328	0_449	

1	2	. 3	1	2	3	4 5	
	amplication of many states in the forest hand that they are white our southern any amplications and	مانت رحم لحور يسم يحمد يحمد يجود ويهيد المان المان المناه منها المان المان المناه المناول المراج المان و الرجا المان و	7.	40/7		0,345	
17.	330	0.031	8.	41		0 314	
18.	40/9	0.021	9.	42		0.109	
19.	43	0.010	10.	100		0 042	~.
20.	102	0.063	11.	101/3		0.314	
21.	105	0.084	12.	104 .		0.554	
22.	110/9	0.063	13.	287/8		0.480	
23.	290/1	0.042	14.	289		0.010	
24.	290/2	0.125	15.	309		0.073	
. 25.	335	0.199	16.	328		0.449	
26.	336	0.021	17.	330		0.031	
27.	331	0.292	18.	40/9		0.021	
28.	332	0.303	19.	43		0.010	
29.	337/1	0.199	20.	102		0.063	
30.	338	0.167	21.	105		0.084	
31.	352	1.630	22.	110/9		0.063	
32.	354	0.575	23.	290/1		0.042	
33.	351	2.633	24.	290/2		0.125	
	والمراقبة والمساومة والمحاومة والمراومة والمراومة والمراومة والمراومة والمراومة والمراومة والمراومة والمراومة		25.	335		0.199	
	योग:- कुल क्षेत्रफल	10.618	26.	336		0.021	
	er i Market om der state om der state om de state om d		27.	331		0.292	
	सं० ऑ०~ 14016/166/85-जी० पी० S.O. 3543.—Whereas by notification of the Government of			332		0.303	
				337/1		0.199	
				338		0.167	
	in the Ministry of Petroleum sub-section (1) of Section		31.	352		. 1,630	
Minera	als Pipelines (Acquisition of	Right of User in Land)	32.	354		0.575	
	962 (50 of 1962) the Cention to acquire the right of		33.	351		2.633	
in the	schedule appended to that r		Total Area		10.618		

[No. O-14016 166 85-G.P.]

in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in e section (1) of the Se Government hereby d said lands specified in fication hereby acquire

f the power conferred by subof the said Act, the Central that the right of user in the nedule appended to this notiying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Ind a Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village	:	Pagara	Tehsil:	Rujhygan	h Distt.	Gun
			Schedule			
S.No.	matarii i, uruur veet	Suvey No.	At	R.O.U. in	•	for
1.	37/1	,		0.073		
2.	38			0.073		
3.	39			0.293		
4.	40/3			0.314		
5.	40/5			0.093		
ϵ .	40/6			0.564		
	-					

का. ग्रा. 3544.- यतः पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेटोलियम मंत्रालय की अधियूचना का. आ. सं. 1303 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मधिसूचना से संतग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भमियों के उपयोग के श्रिविकार को पाइपताइनों को बिछाने के निए प्रजिन करने का ग्रपना श्राप्त्य घोषित कर दिया था।

ग्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रीयिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन मरकार को रिपोर्ट दं दी है।

ग्रीर ग्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के वश्वात इस प्रधिनुबना से संनग्न अनुमुखी में विनिर्दिट मृतिसे में आयोग का अधिकार अजिल करने का त्रिनिश्चय किया है।

श्रव, श्रव, उरत सधिनियम की बारा 3 की उपवास (1) प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करने हुए, केन्द्राय पर घर प्रस्तारा घोषित अस्ती है कि इस प्रविसूचना में सलाग अनुपूची में विनिर्दिल्ट उक्त भूमिया सं उपयोग का ग्रधिकार पाइपलाइन बिकाने के प्रयोजा के लिए एक्ट्राप्ट भ्राजित किया जाता है।

ग्रोर जागे उस धारा की उपवारा (4) द्वारा प्रदत्न गिवनया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय आरतीय गैस प्राक्षिकरण खि. में सभी बाधाओं से मुन्त रूप ने, नामगा क प्रकानन की इस नारीख कों निहित होगा।

-	एव. बी.	ો. गै "	ा पाइप	स∗ईन प्रो	ते क ः	
ग्राम कुट	वारा तहर्म <i>ा</i> न	कोलारस	जिला	<u> शिवपुरी</u>	गज्य	(मध्य प्रदेश)
	والمال ارسان المال ا	3	ानुसूच <u>ो</u>	An and and and and and and and and and an		
अनुक.	खमरा नं.।		·		गोग अधि । (है क्टः	धकार अर्जन का र्समें)
1.	758	والمراود وال		<u> </u>	.,,,	0.052
2.	759/1					0.261
3.	759/2					0.251
4	760					0 073
5.	773					0.377
6	774					0 084
7.	777					0 094
8.	779					0.293
9.	780					0.146
10.	782					0.251
11.	783					0,063
12,	772					0.094
13.	778/2					0 052
	योग :- कुल	क्षेत्रफल	en-effet da e en aper			2.091

[सं० ओ०--14016/167/85- जीविपीत)

S.O. 3544.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1303 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village	: Kutawara	Tehsil: Kolaras Distt. Shivpuri
		Schecule
S.No.	Survey No.	Arca to be acquired for R.O.U. in Hecture
1	2	3 .
1.	758	0.052
2.	759/1	0,261
3.	759/2	0.251
4.	760	0.073

	• • • •	
5. 773	0	377
5. 774	0	084
7. 777	0.	091
8. 779	0.	293
9. 780	0	146
10. 782	0.	251
11. 783	0.	063
12. 772	0.	094
13. 778/2	0.	052
Total Area	2.	091

[No. O-146016 167]85-G.P.1

का. आ. 3545:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का ब्या के विश्व के उपवार के अधिसूचना के उपवार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना के उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रम घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का आधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अव अतः उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतर्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूचों में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अधिकार किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारोब को निहित होगा।

ं एच. बो. जे. गैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम चंदनखिरिया तहर्मील कोलारम जिला-शिवपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)

	अनुसूची	mat:		
والمرار والكافر أوانا والمراور	અનુષૂત્ર 			
अनुक. खसरानं.		उपयोग अधिकार अर्जनका क्षेत्र (हैक्टर्म में)		
1 64		0.157		
2. 65		0.219		
3. 66		0.210		
4. 67		0.010		

1	2	3	1 2	3
			6. 71	0 139
5.	5 9	0.110	7. 72	0.150
6.	71	0.189	8. 78	0.419
7.	72	0.150	9. 77	0.185
8.	78	0 418	10. 55	0.261
9.	77	0.185	11. 54	0/052
10	55	0.261	12. 50	0.340
1.	5.4	0.052	13. 48	0.157
12	5.0	0,340	14. 46	0.050
13.	48	0.157	15. 56	0.021
4.	46	0.050	16. 115	0.063
1.5	56	0,021	17. 49	0.010
6.	115	0.063	18. 34	0,020
17.	49	0.010		
18.	3 4	0.020	Total ⊀rea	2,622
	योग कुल क्षेत्रफन	2,622		INO O 14016/168/85-G P

[No. O-14016]168[85-G.P.]

[मं० औ०~ 14016/168/85-जी०पी०]

S.O. 3545.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1304 dated 30-3-85 under sub-aection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, so mitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this potification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the sel edule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of ever in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : C	handankharia	Tehsil: Kolaras Distt.: Shivpur				
SCHEDULF						
S,No.	Survey No.	Area to by acquired for R.O.U. in hicture				
1 2		3				
1. 64 2. 65 3. 66 4. 67		0.157 0.219 0.210 0.010				
4. 67 5. 59		0.110				

का. अं. 3546:— यन: पेट्रोलियन और खनिन पहिपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अजैन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियन मंत्रालय का अधिसूचना का. आ. सं. 1306 तारोख 30-3-85 द्वारा केन्द्रोय सरकार ने उस अधिसूचना सं संखन्न अनुसूचा में विनिद्दिष्ट भूभियों के उपयोग के अधिनार को पाइन लाइगों को बिछाने के लिए अिंग करने का अधना अस्म बोरियन कर दिया था।

और यतः सलम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 का उपत्रारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट वंदी है।

और अभे यतः केन्द्रं य सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिक्ष्य किया है।

अब अतः उन्न अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त कित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसव्द्वारः घोषित करतो है कि इस अध्यमुचना में संलग्न अनुसूची में बिनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपनाइन विद्यान के प्रयोग के निए एनद्द्वारा अधित किया आता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी नाधाओं से मुक्त रूप में बोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

गृच .	बी. जे. गैस पा ट्य लाइट	न प्रोजेक्ट
ग्राम क्याबामः तहमील	राघोगढ जिला- गुना रःज्य	य (मध्य प्रदेश)
wheelt maps — Wichit who was non-map and an a winkelth safe and	अनुसूची:	The conservation of Tables and Spirite and
अनुकाः खगरः नं.	• , ,	ोग अधिकार का अर्जन (हैटटर्स में)
1 482	the state of the s	0.637
2. 491/559		0.021
3. 1		0.209
4. 112/1	,	0.209
योगः – कुल क्षेत्र	 फिन	1.076

मिं०ओ०- 14018/17 1/85-जीं०पी०

S.O. 3546.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S. O. 1306 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in I and) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby occurred for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

	SCHEI	DULE
S.No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Heature
1. 2. 3. 4.	482 492/559 1 11271	0.637 0.021 0.209 0.209
	Total Area	1.076

का. आ. 3547: —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइम (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अर्धाम भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. मं. 1308 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ते उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि--दिंण्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनि--श्चय किया है।

अव अतः उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोगन के लिये एतद्द्वारा अधिका किया जाता है।

और अभे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के वजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख सै निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्राजेक्ट

		,	अन्मूची		
 शन्क.	खमरा	नं .			अधिकार अर्जनका क्टर्पमें)
1.	70				0.021
2.	71				0.398
3	73				0.178
4	72				0 010
5.	56/2				0 658
6.	56/1				0.70
7.	57				0.073
8.	54/3				0.010
	 योग:-	— - कुन क्षेत्र	 फल	parameter and many of the	2.048

[मं॰ ओ•- 14016/173/85-जी-पी]

S.O. 3457.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroloum S.O. 1308 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroloum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

SCHEDULE	····
S. No. Survey No.	Aren to be Auguired For R.O.U. in Hectare
1. 70 2. 71 3. 73 4. 72 5. 56/2 6. 56/1 7. 57 8. 54/3	0.0°1 0.398 0.173 0.010 0.658 0.700 0.073 0.010
Total Area	2.048

[No. O-14016]173[85-G.P.]

का आ. 3548.—यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की आरा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रीलियम मंत्रासय की अधिमूचना का. आ. सं. 1309 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना के नंत्रन अनुगूची में बिनिदिष्ट भूमिणों के उपयोग के अधिकार को पाइपनाईनों को बिछाने के निए अजित करने का अपना आक्य घोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रविनियन की धारा 6 ही उपधारा (1) के प्रधीन गरकार की रिपोर्ट वे दी है।

श्रीर आगे, यतः केम्द्रीय संग्कार ने उपन रिपार्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संखंग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिष्ट्य किया है।

शव, धतः जनत प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिमूचना में संलग्न अनुमूची में त्रिनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अधिक किया जाता है।

भौर थाने उस प्रास्त की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त जितनमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निष्टित होने के थनाय भारतीय गैस प्रक्रिकरण लि. में सारी वाधाओं से मुनत रूप में. पोषणा के प्रक्राणा की इस तारीख की निष्टित होगा।

रच. व., जे. गैसपाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम	चेनपूरा तहसीतः	राघोगढ जिल	ग्र⊸गृता	राज्य	(मध्य	प्रदेश)
		म् स्र	नुसू चः			
घ नु क	खामग नं.				ग मधि (हैक्टर्स	कार ग्रर्जन का में)
1	8 4					0.836
2.	8.0					0.042
3.	79					0.146
	मोग — मुल क्षेत्रप					1.024

[सं. ऑ. - 1 106/ 74/85-जी.पी.]

S.O. 3548.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1309 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in 1 and) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

	SC	CHEDULE
SNo.	Survey No.	Area to be Anquired for R.O.U. in Hectare
1.	84	0.836
2.	80	0.042
3.	79	0.146
T	otal Area	1.024

[No. O-14016]174[85-G.P.]

का. प्रा. 3549 — माः पेट्रोनियम धौर खिन पाइन गाइन (भूनि में उपयोग के प्रािकार का प्रजेन) प्रधिनियम, 1932 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) के प्रयोग भारत सरकार के पेट्रोनियम मंद्रालय की प्रधिल्वना का. था. मं. 1310 तारीय 40-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस धिसूबना से मनन प्रमुख्नी में निर्निदेश्य भूपियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइनों को विद्यान के लिए प्रणित कर ने का प्रथना प्रााप्य घोषित कर दिया था।

भीर गतः नक्षम प्रक्षिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपार्ट दे दी है।

श्रीर श्रामे, याः केन्द्रीय सरकार में उक्त रिपोर्ट पर विवार कर्म के पश्चात् इस श्रीधसूत्रना से संतरन प्रतुपूती में कि.वेटिंट सूमि में में उपयोध का शक्षिकार अर्जित करने की विनियत्स विधा है ।

श्रव, श्रतः उथन भित्रित्तम की जारा 6 की उत्तथारा (1) हारा प्रदक्त मक्ति का प्रयोध करते हुए केन्द्रीय सरकार एतड्डारा घोषित करती है कि इस प्रधितूचना में संजान अनुसूची में बिनिधिष्ट उत्ता भूमियां में उपयोग का भश्रिकार पाइपलाइन विद्याने के प्रयोजन के जिल् एतब्डारा भजित किया जाता है।

श्रीर भागे उस धारा की उपधारा (4) बारा प्रयत्न मस्तिया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित हों। के बजाय भारताथ नैय प्राधिकरण कि. में सभी बाध श्री से गुक्त कर में, योषणा के प्रकाशन की इस सारीख की निहित होगा।

भनुसूच एच. या. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेस्ट

म्रनुक	. ख्रासरा नं.	उपयोग श्रांतिकार श्रांति क क्षेत्र (हैक्टेंस में)
1.	140	; 657
2-	145	0 031
3.	132	0.084
4.	183/1	6.009
5.	184	1_097
6.	185	0.648

[सं• बो.- 140:1/175/85/जी•पी०]

S.O. 3459.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1310 dated 30-3-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intent on to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Cas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE
HBI GAS PIPULINE PROJECT

S.No	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
 1.	140	3.657
?.	145	0.031
3.	. 18;	0.084
4.	133/1	6 009
5.	184	1.097
6.	135	0.648
T	Tatal Area	11.516

[No. O-14016]175[85-G.P.]

का. अं. 3550:—यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइप लाइन (भूभि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिस्त्राना का. आ. सं. 1319 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना से संलग्न अनुमूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विळाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्तः अधिनियम की धारा 6 की उपवारा (1) के अवीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

शीर अभि यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूर्चा में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजिस करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सिंव का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में वितिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप धारा (4) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप भी, घोषणा के प्रयाणन की इस तारीख को निहित होगा।

			32)	नुगुच		
D His	ਹ.	जे	र्गेस	पाइप	বাধন	ध्रोजेक्ट

য়ন্স⊹.	क्षमण न.	उपयोग श्रक्षिकार श्रजेन का क्षेत्र (हैक्टेंग मे)
1.	157/1	0,344
2.	159/2	0.262
3.	158	0.439
4	160/2	0.125
5.	171	0,311
6.	172/1	0.396
7-	157/2	0,021

मिं०ओ, - 140 16/ 169/ 85/जी**०**पी०ो

S.O. 3550.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1319 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE HBJ GAS FIPELINE PROJECT

6. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1. 157		0.344
2. 159/	<u>.</u>	0.26.
3. 158		0.439
4. 160/2	1	0.125
5 . [71/]		0.314
6. 172/2	2 .	0.314
7. 157/	!	0.021
,		Total Area : 1.901

energy community of the member with the warm of the community of the commu का. आ 3551:---यतः पेटोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रालियम मंद्रालय की अधिमुचना 1493 का. आ. सं. तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

> और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त आंधनियम की भारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे बी है।

> और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिम्बना से संलम्न अनुसूची में विनिद्घिट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चय किया है।

> अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिन्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदुद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनमची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

> और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार में शक्तियों का गैस प्राधिकरण निहित होने के बजाय भारतीय में सभी बाधाओं से मक्त रूप में, घोषणा के की इस तारीख़ को निहित होगा।

यन्मूच। एच. ब. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेनट

अनुफ. खसरा नं,		उपयोग श्राधकार क्रजंन क श्रोत्र (शैक्ट्रंस में)		
1	2	As assessed softwares a material articles as companies of control polymer above.		
1	408/3	0.060		
2.	411/1/2	0.480		
3.	414/2	0.090		
ţ.	J I 5	0.120		
S.	4 1 6	0.080		
6.	419	0.360		
7.	420			
8.	421	0.290		
9.	426	0.246		
10.	135	0.360		

त्म 11व• ड 3(11)]			483/4(44 % 1507 a	The same of the second control of the second
2	3		HBJ GAS PIPE I	INE PROJECT
والمراجعة المراجعة ا	ng ak anagang mendelangkan maganganah penderapak pangan danah dana	Villa	Dan oa Khard Tebil	Karara Distt, Shirpuci
1. , 452/1	0.300 0.280		SCHEDI	ULE
2. 447	0.300	محربين يبنه نقاته الارجوب	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	the state of the s
3. 446	0.080	S.No.	Survey No.	Area to be Acquired
4. $413/1$	0.049			for R.O.U. in
5 443/2				Hecture
5. 501	0 050	1 2		3
5.02	0.180	-	The same and the s	0.063
8. 503	0.090	1. 408	•	0 060 0.480
o. 504	0.180	2. 411 3. 414	1 2	0.469
). 505	0.040	4. 415		0.120
	0.240	5. 416		0.080
	0.140	6. 419		0.360
2. 507	0.180	7. 420		0.290
5 . 509		8. 421		0.240
4. 776	0.600	9. 426)	0,360
5. 779	0.660	10. 435	į	0 070
6. 770/1	9.240	11. 452	· _	0.300
7. 412	0.190	12. 447		0.280
3. 413	0.010	13. 446		0,300
). 417	0.080	14. 443		0.080
	0.100	15. 443		0.040
425		16. 501 17. 502		0.050
1, 450	0.180	13. 503		0.180 0.090
2. 448	0.030	19. 504		0.180
3 +508	0.100	20. 505		0.040
1. 768	0.010	21. 506		C.240
5. 769	0.200	22. 507		0.140
o. 770/2	0.150	23, 509		0 180
7. 500/806	0.029	24. 77	6	0.600
•	ner Jons - makken papagi john h.vin - senthagen studestick verstein, so - where and destroic h.vin - on visits a rest.	25. 77	9	0,660
		26. 770		0.240
योग :- कृत क्षेत्रफल	6.810	27. 41.		0.190
an ir vidusentaleiditta, jam ladikisedassila tarindassilaini dassi perdirah bidir arinkspek ilisayir. 7 produktata asis ir sati	Milatini removem g. vyplin. 2000. – militar k. to. 1,000 or 1,000 km, part pint pint have attributed over	28. 41		0.010
[म∙अं।	o- 14016/183/85 [/] ज्ञां०पी०]	29. 41		0.080
		30, 42		0 100
S.O. 3551.—Whereas by notificat	ion of the Government of	31. 45 32. 44		0.180
lia in the Minstry of Petroleu	m. S.O 1493 dated 13-4-85	32. 44 ³ 33. 50 ³		0.030
der sub-section (1) of Sect	ion 3 of the Petroleum			0.100
d Minerals Pipelines (Acquisition t, 1962 (50 of 1962), the Cer		34. 76 ¹ 35. 76 ¹		0.010
intention to acquire the right of	user in the lands specified	36. 776		0.700
the schedule appended to that ing pipeline;	notification for purpose of	37. 500	•	0·150 0·020
		T	ntal Area	6.810
And whereas the Competent	Authority has under Suh.			0.010

[No. O-14016/183/85/G.P.]

का० आ० 3552 .-- यतः पेट्टोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीम भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की आधिसूचना का॰आ॰ 585 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से गंतरन अनुमूची में त्रिनिदिष्ट भूमियों के पयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे हाँ 意!

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उकत रिपोर्ट पर विचार करने के पत्रचान् इस आधसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिष्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त कावित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूचा में बिनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और अभे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी वाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच, बी. जे शैस पाइप लाइन प्राजिक्ट

अनुसूची									
- — नु≯∘	्यमरा	 न .	 उपयोग	 সাधকা ং	अर्जन	#i	क्षेत्र	(हेक्टर्ग	म ें)
1.	1 / 1						·—·· ·—	. 366	
2.	1/2						U	.021	
3.	2						(0.021	
4.	4						1	0.230	
	गम्ब गम्ब	 विकल					- (D. 638	

S.O. 3542.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 585 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall isstead of vesting in Central Government vests on the date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HB) GAS PIPELINE PROJECT

Village : Panbihar; Tehsil : Ghatia; Distt. Ujjain State (M.P.) SCHEDULE

S. Na.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in hectare
1.	1/1	0.366
2.	1/2	0.021
3.	2	0.021
4.	4	0.230
TOTAL	AREA	0.638

[No. Q-14016/31/85-G.P.]

का. आ. 3553:—यतः पेट्रोलियम और खनिजंपाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3447 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुतूची में विनिधिक्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइमों को विछाने लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदृद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदृद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजीय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचा हाजिस :- बरेली :- अगर्वशापुर :- पादप लाइन प्रोजेस्ट

जिला ——-	तह्रमः न	पर्गना	ग्राम	गाटा मं,	लिया (एकक्ष्) ब	गया रकवा न
1	2	3	4	5	6	7
इटावा	औरया	औरया	आनेपुर	256	0.9	 95
				258	0,:	20
				259	0.	18

1 ,	11=1 11== }	3	4	5	C	1	2	.;	-1	ā		5
— ਵਿਹਾਨ ਸ		 (ऋ:सेंग् र		250	0.30					2 65	0	01
2.11	.1741. 44. 14	. 4		263	0.03					266	0	30
										2 67	0	30
,				361	0.01					268	0	30
				265	0.01					269	0	20
				266	0.30					2 70	0	01
				267	0.30					271	0	01
				268	0.30					284	0	01
				269	0,20					285 286	0 0	01 01
				270	0.01					287	1	60
					0.01					294	Ò	. 01
				271						296	0	03
				284	0.01					2.99	0	03
				285	0.01					324	0	50
				286	0.01					326	0	89
				237	1,60					329	0	05
				294	0.01					292	0	02
				296	0.03		-,. ,.	,		[No. O-1-	 4016/49	/84-G
				299	0.03					•		
				374	0.50	_	c 2 T ≠	0 E # 41	Πœ.	पेट्रोलियम अ	ا عراب	-
				3,16	0.89							
				3.19	0.05	लाइन	(भूमि	म उपय	ाग के	अधिकार व	ा अर्जन	r) औ
				0.10	٠. ٥٥	farm	1002	(106	2 25T 4	त्तीक्षी भार	ਜਿਕ ਵਜ	क्तांक

मि॰ O-14016/49/84-जी.पी.]

0.03

S.O. 3553.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum S.O. 3447 dated 3-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conterred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Pargana	Tehsil	Village	Plot No.	Ar Ac	oa Quired
1	2	3	4	5	6	
Etawah	Auraiya	Auraiya	Apepur	256	- 0	95
				258	0	20
				2.59	0	18
				2 50	0	20
				263	0	03
				264	0	01

और खनिज पाइप का अर्जन) अधि-निवम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेटोलियम विभाग) की अधिसुधना का. आ. सं. 3448 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सैलग्न अनसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए, अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धार 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्न रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने काविनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदुद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एदद्द्वारा अजिल किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4)प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहिस होग।।

and the arm relation is a second of a later with the color of the figure is a second of the second of the second

			अनुसू	4.	
7	নি" ব	रंती अ	रशितप्र	५(इप लाइन	पोज स ्ट
โลกเ	नहग े त	गरंगना	स.म	गडा सं.	लिया गरा खाबा (एताड्र)में
l	3	3		i	
इ टावा	'प्रीरूपा	औस्य-	मानस्	4~11	1.11
				42 (508 503	0. 13 1. 63
				គីឬ។	1 : 63
				510 561	1.09
—		_ <i></i>		533 	0.74

[मं॰ **O**-14016/50/84-जी. पी.]

S.O. 3554.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. Petroleum) S.O. 3448 dated 3-11-84 under stib-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Phelines (Acquisition of Richt of User in Land), Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its in ention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the nower conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India 1td. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajıra--Barcilly--Jagadishpur Pipeline Project

Distt.	Pargana	Tohsil	Village	PDt No.		Area quired
1	_ :	3	4			6
Etawal	1 Autaiy i	Auraiya	Rharka	480	1	44
	•			484	0	43
				503	1	63
				509	O	12
				510	1	(99)
				561	0	35
				533	0	7.4

कार आर 3555— (त पेट्रोलियम अर खिना पाएप ताउन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन (अधिनियम 1962) (1962का 50) को धारा 3की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उन्नी मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिभूचना का. आ. मं. 3476 न रीख 3-11-84 इत्रार्थ केंद्रीय सरकार ने उस अधिभूचना में मंलग्न अनुमूची में विभिन्निय भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछान के लिए अर्जिन शरने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सञ्जम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धार $_{\rm I}$ 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय संस्कार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चास् इस अधिसूचमा में मंत्रान अनुसूची में विनि-दिण्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अव अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) इारा प्रदत्त णिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचन में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अधित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिवतमों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूतियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीद सरकार में निहित होंने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण जि, में सभी वाधाओं से मुक्त एक में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख़ को निहित होंगा।

अनुसूची हाजिस **वरे**ली जगदीनपुर पाईव लाईन प्रोजेक्ट

লি শা	त्रर्मध्य	परगरा ग्रन्म	गादा सः.	लिया गया स्त्रवा
				(पक्छ में)
1	?	3 4	5	6
इहारा है	अंगिया	औरमा , मञ्जूर	65	0=0.8
			71	0-43
		•	76	0-7 1
			77	0-0?
			80	0-0-3
			81	()=() (
			8.2	0-23
			8.6	0-3 3
			87	0+3.1
			104	0-01
•			105	0-01
			106	0-0.1
			107	0-1-1
			100	0-17
,			113	0-12
			114	0-43

1	2	3	1	3	3	4	5	6	7
	116	0-54		-	•		118	0	15
	118	0-15					117	0	02
							122	0	02
	117	0-02					123	0	81
	122	0-03					2 68	0	71
	123	0-81					2 70	0	46
	268	0-71					272	0	05
							274	0	31
	270	0-46					85	. 0	02
	272	0-05					109	0	36
	274	0-31					[No. O-	14016	7919A G
	85	0-02							
	109	0-36	™T.	म्रा. 355 6	·यतः [।]	पेट्रोलियम ।	भौर चनिज	पाइप र	राइन (भू

[फा॰ सं॰ O-14016/78/84-जी॰ पी॰]

S.O. 3555.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum). S.O. 3476 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby required for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira—Baroilly—Jagdishpur Pipoline Project

Distt.	Pargana	Tehsil	Villag o	Plot No.	Area Acquired	Ro- mark
1	2	3	4	5	6	7
Etawah	Auraiya	Auraiya	Modhu-			
			pur	65	0	08
				74	0	42
				76	0	74
				77	0	0?
				80	0	62
				81	0	01
				82	0	23
				86	0	32
				87	0	31
				104	0	01
,				105	0	01
				106	0	01
				107	0	11
				108	0	47
				113	0	12
				114	0	42
				116	0	54

मीर यन: सक्षम प्राधिकारों ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधिन सरकार को रिपोर्ट वेदी है।

भीर भागे, यतः केन्द्रिय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पत्रचात् इस मिन्न्यूचना से सलग्न भनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग का मधिकार मणित करने का विनिम्बय किया है।

प्रव, प्रतः उन्त प्रधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदुद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में सलक्ष्य प्रमुक्षों म विनिर्दिष्ट उन्त पूमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा प्रजित किया जाता है।

भीर भागे उस धारा का उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रेय सरकार निर्वेश देती है कि उस्त मूमियों में उपयोग का प्रक्षिकार केन्द्रिय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीका की निहित होगा।

एच. बी. थे. गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

		भनुसूची							
अमु	क. खसरार्व.				उपयोग अधिकार अर्जन का जैल (हैक्टर्स में)				
1	2				3				
1.	777				0.013				
2.	778				0.390				
3.	780				0.306				
4.	781				0.480				
5.	785				0.090				
6.	812				0.026				
7.	813				0,294				
8.	811				0.120				
9.	810				0.080				
10.	816				0.012				
11.	846		•		0.040				
12.	807/2				0.050				
13.	797				0.030				

1		2	3
14.	875		0.031
1 5.	877		0.350
16.	874		0,053
17.	819		0.026
18.	818		0.070
19.	882		0.010
20.	883		0.030
21.	884		0.150
22.	1143		0.180
23	1142		0.160
24.	1147		0.180
25.	1149		0.22
26.	1150		0.280
27.	1152		0.052
28.	1133		0,015
29.	1129		0.150
30.	1104		0.030
33.	1103		0.080
3.2-	1097		0.016
33.	1102		0.010
3 4.	1088		0.065
3 5.	1087		0.240
3 6.	1082		0,084
3 7.	1086		0.300
3 8.	1585		0.039
39.	1066		0.033
40.	1067		0.240
i I -	1064		0.120
42.	1063		0.150
43.	1060		0.019
14.	1062		0.060
4.5.	1056		0.013
46.	1059		0.013
47.	1058		0.020
48.	784		0,010
49.	815		0.010
50.	880		0,136
51.	873		0.015
52.	1101	•	0.010
53.	1096		0.010
		योगः कृतः क्षेत्रफल	5,501

[सं. 0-14016/78/85-ओ. पी.]

S.O. 3556.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 736 dated 23-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notificacation, hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of Vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declartion in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Chosala Tehsil : Rajgarh Distt. : Rajgarh

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. In Hectare
1.	777	0.013
2.	778	0.290
3.	780	0.306
4.	781	0.480
<i>5.</i>	78 5	0.090
6.	812	0.026
7.	813	0.294
8.	811	0.170
9.	810	0.080
10.	816	0.012
11.	846	0.040
12.	807/2	0.050
13.	797	0.030
14.	875	0.031
15.	877	0.250
16.	874	0.053
17.	819	0.055
18.	818	0.070
19.	882	0.010
20.	883	
	884	0.030
21, 2 2 ,	1143	0.150
23.	1143	0.180
2 4 .		0.160
	1147	0.180
25.	1149	0.222
26. 27	1150	0.280
27.	1152	0.052
28.	1133	0.052
29.	1129	0.150
30.	1104	0.030
31.	1103	0.080
32.	1097	0.016
33.	1102	0.010
34.	1088	0.065
35.	1087	0.240
36.	1082	0.084
37.	1086	0.300
38.	1085	0.039
39.	1066	0.033
40.	1067	0.240
41.	1064	0.120
42,	1063	0.150
43.	1060	0.019
44.	1062	0.060
45.	1056	0.013
46,	1059	0.013

1	2	3			
47.	1058	0.020			
48.	784	0.010			
49.	815	0.010			
50.	880	0.126			
51.	873	0.015			
52.	1101	0.010			
53.	1096	0.010			
TOTAL AI	REA.	5.501			

[No. O-14016/78/85-G.P.]

का. आ. 3557 — यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) में अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 3748 तारीखा 30-10-84 द्वारा के जीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विभिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विष्ठाने के लिए अजित करने का अपना आध्य घोषत कर दिया था।

और यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वेदी हैं।

और आसे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की झारा 6 की उपधारा (!) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा पोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट छक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतयद्वारा अजित किया आता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवल सिक्तमों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में नहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाघाओं से मुक्त रूप में भीषण। के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूच। हाजिरा-वरेला-जगदाशपुर पाइप लाइन प्राजेक्ट

जिला	तहस.स	न पर	गना	ग्राम	गाटा र्स .	लिया गया रकवा एकड़ में
1	:		3	4	5	6
जालीन	कोंच	कोश	गोरा	कानपुर	21	0-55
					22	0-06
					23	1-25
					27	0-03
					45	3-28
					60	0-04
					94	0 - 07
					95	0-64
		,			[सं O -14	016/82/84-की.पी.]

S.O. 3557.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3748 dated 30-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipe Line From HAJIRA-BAREILLY-JAGDISHPUR
PROJECT

Dist.	Tehsil	Parga	na Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	
Jalaun,	Konch	Konch	Gora	21	0-55	
			Karan	22	0-06	
			pur	23	1-25	
				27	0-03	
				45	3-28	
				60	0-04	
				94	0-07	
				95	0-64	

[No. O-14016/82/84-G P]

का. आ. 3558:—-यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रासय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. सां. 3676 तारीख 6-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनसूची में विनिद्धिट मूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आक्य घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप. घारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आने यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूजना से संलग्न अनसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में अपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्वय किया है ।

. अब, अतः उबत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए कैस्त्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषित करती है कि इस अधिनूबना में संलग्न अनसूची में विगिषिण्ट उकत मूमियों में अपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्वारा अजित किया आता है। और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त भाकितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के अजाय भारतीय गैस प्राप्तिकरण सि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए। राज्य: गुजरात जिला: शरूस तालुका: अंकलेश्वर

गांव 	सब मंबर	हेक्टर	अ गर 	सेन्टीयर
चरोड	315	0	31	80
	कार्टट्रेक	0	05	70
	319/1	0	22	50
	319/2	0	41	5.5
	327	0	48	25
	322	0	33	00
	325/1	0	16	50
•	324	0	20	70
	323/1	0	02	65
	323/2	. 0	31	60
	350/1	0	02	65
	350/2	0	31	60
	357/3	0	28	20
	352/1	0	26	5 5
	352/3	0	03	60
	356/ 1	0	00	0.5
	356/2	0	28	0.5
	356/3	0	19	3 5
*	355/1	0	08	5 5
•	355/2	0	27	0(
	355/3	0	28	65
	353/1	0	20	2 :
	354	0	18	50

सं • O-1416/111 जीपी-]

S.O. 3558.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3676 dated 6-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification,

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Ind a Lid. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira to Bareilly to Jagdishpur

State : Gujarat, District : Bharuch, Taluka : Ankleshwar

Village	Survey No.	Hectare	$\mathbf{A_{rc}}$	Centiare
Kharod	315	0	31	80
	Cart track	0	05	70
	319/1	0	22	50
	319/ 2	0	41	25
	327	0	48	2 5
	322	0	33	00
	32 5/1	0	16	50
	324	0	20	70
	323/1	0	02	65
	323/2	0	31	60
	350/1	0	17	26
	3 5 0/2	0	00	14
	3 <i>5</i> 7/3	0	28	20
	352/1	0	26	55
	3 <i>5</i> 2/3	0	03	60
	35 6/1	0	00	05
	356 /2	a	28	05
	356/3	0	19	3 <i>5</i>
	3 <i>55</i> /1	0	08	55
	355/2	0	2 7	00
	353/3	0	28	65
	353/1	0	20	25
	354	0	18	50

[No. O.-140 16/111/84 GP]

का० मा० 3559 :---- पतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मिलकार का मर्जन) भिष्ठित्यम, 1962 (1962 का 50) के भारा 3 के उपधारा (1) के मर्धन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) के भिष्ठमूचना का० मा० सं० 1315 तार ख 30-3-85 द्वारा केन्द्रांय सरकार ने उस अधिसूचना से मंत्रान मनुसूचे में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विष्ठाने के लिए मिजत करने का मपना भाषाय भोषित कर दिया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारः ने उक्त प्रधिनियम कः धारा 6 के उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दे हैं।

भौर भागे, यतः केन्द्रंय सरकार ने उन्त रिपोर्ट पर विचार करने के परवात् इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूचे में विनिर्देष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रणित करने का विनिश्चय किया है।

मथ, मतः उक्त घषिनियम के धारा 6 का उपवारा (1) द्वारा प्रवक्त मिल का प्रयोग करते हुए केन्द्रेय सरकार एतदृद्वारा घोषित करता है कि इस घषिसूचना में संलग्न घनुसूचे में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का घषिकार पाइएलाईन विछाने के प्रयोजन के लिए एतदृद्वारा घणित किया जाता है।

भीर भागे उस धारा के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सम्तियों का प्रयोग करते द्वुए केलांय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभा बाधाओं से मुक्त रूप में, योषणा के प्रकायन क इस नाराख को निहित होगा।

एच. थो. जे. गैस पाईप लाइन प्रोजेक्ट ————————————————————————————————————							
गम	गोप:ल	पूरा	तहस∵त	राषीगढ़	जिल:स्वा	र्₁ज्य	(मध्यप्रदेश)
					अनुसूची		
अन्	事,	खर	ीरा नं.			~ 	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1 · 2 · 3 ·		1	1 3		 		0,209 0,042 0,261
		 यं	 गि :फू	ल क्षेत्रफः	. 		0.512

[सं॰ O-14016/180/85--जो॰पी॰] सकम प्राधिकारी

0.512

एव . घी . जे . प्रोजेक्ट, जिला-उज्जैन

S.O. 3559.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 1315 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Phpelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this not-fication hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands, shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrences.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT
Village Gopalpura Tebsil : Raghogarh Distt. Guna

	SCHEDULE				
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare			
1.	2/1	0.209			
2.	1	0.042			
3.	2/3	0.261			
	TOTAL AREA	0 512			
	[No. Q-1	4016/180/85-GP			

का०बा० 3560: —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50 के धारा) उके उपवारा (1) के मर्चन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंक्षालय के मधिसुजना का० मा० 1535 तारी च 13-4-85 वारो केन्द्रीय सरकार

ने उस प्रक्षिसूचना से सलग्न प्रमुख में बिनिबिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रक्षिकार को पाइपलाधनों को बिछाने के लिये प्रणित करने का प्रपना भाषाय घोषित कर विया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारः ने उक्त प्रधिनियम के धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधान सरकार को रिपोर्ट दे दे है।

भौर भागे यतः केन्द्रं य सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर निचार करने के पश्चात् इस मधिसुचना से संलब्ध भनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का मधिकार मर्जित करने का विनिध्धय किया है।

श्रव, अतः उक्त प्रधिनियम क. घारा 6 कं. उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त सिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार एतवृद्धारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुसूच, में विशिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदृष्ठारा प्रजित किया जाता है।

भीर मारे उस धाराकी उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार में निहित होने के बजाय भारत य गैस गाधिकरण नि. में सभा बाधाओं से मुनत रूप में घोषणा के प्रकाशन के इस तारीख को निष्टित होगा।

अनुसूची एच. बी. जे. शैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

	अनुसूचा	
अनुक.	अस्तरानं.	उपयोग अधिकार अर्जन का कीस (हेक्टर्स में)
1-	634/2	0.275
2.	635	0.260
	योग :कुल क्षैत्रफल	0.535

[ं O--14016/202/85--- जी॰पी॰] सक्षम प्राधिकारी

एक. थो. जे. प्रोजेक्ट, जिला-उज्जैन. म प्र

S.O. 3560.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 1535 dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals P pelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government, vests on this de of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Khiriya Sahab Tchsil: Bhander Distt : Gwalier

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1.	634/2	0.275
2.	635	0.260
	TOTAL A	REA 0.535

[No. O-14016/202/85-GP]

का. आ. 3561 .-- यतः पेटोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधि-सूचना का.आ. सं. 1536 तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए ऑजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया या ।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वे वी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचा में विनिर्दिष्ट भृमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अवा, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त एक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्रारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाघाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीका को निहित होगा।

अनुसूची एच . बी . जे . गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम-पिपरीवा खुर्द तहसील-भाग्डेर जिला-स्वालियर राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु. ऋ	. वासरानं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेष (हेनटर्स में)
1	2	3
1.	6	0.493
2.	. 4	0.585
3.	12	0.035
4.	19	0.044
5.	21	0.178
6.	2.3	0.408
7.	5	0.002

सि॰ O-14016/203/85-जा० पी॰]

S.O. 3561.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, S.O. 1536, dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to rule nouncemon tor purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified n the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of westing In Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Ind a Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

SCHEDULE

Village: Piprauva Khurd Tehsil: Bhander Distt.: Gwalior

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	6	0.493
2.	4	0.585
3.	12	0.035
4.	19	1.044
5.	31	0.178
6,	22	0.408
7.	5	0.002
	TOTAL ARE	A: 2.745

[No. O-14016/203/85-G.P.]

ा भा. 35 : :-- गा: पेट्रोनियन प्रौर खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) क. धारा 3 क. उपधारा (1) के अधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिभूचना का. धा. सं. 1541 तार ख 13-4-85 द्वारः केन्द्रंय सरकार ने उस अधिभूचना से संलग्न प्रतुमूच में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विशान के जिए अजित करने का अपना पाणय घोषित कर दिया था।

भीर यन जनम प्राधिकार ने उक्त प्रधिनियम को धारा ६ की जय-धारा (1) के भाग सरकार को रिपोर्ट दे दा है।

भीर भागे यतः केन्द्रय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस विश्वालना से संलग्न प्रमुख्य में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का प्रधिकार भरिन करने का विनिश्चय किया है।

धव, धतः प्यतः श्रिवित्यमः कं धारा 6 कः जपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्ति कं पत्नीय करते हुए केन्द्रीय संस्कार एत्य्यारा घोषित परितो है कि इस धिंस्त्रचना में संतरन अनुसूचः में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का धिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्रीजन किया जाता है।

भौर भागे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रंय सरकार में निहित होने के बजाय भारत्य गैस प्राधिकरण लि. में सभा बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन के इस तारंख को निहित होगा।

एच, बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम-	–कथूनपूरा तहसाल– –	-राषोगढ .जिलागुना राज्य (मध्य प्रदेश)					
अनुसूची							
अनु.क.	. खासरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्समें)					
1	2	3					
1.	109	0.072					
2.	2.4	0.042					
3.	25	0.084					
4.	26	0.126					
5.	27	0.067					
6.	28	0.094					
7.	29	0.031					
8.	36	0.136					
9.	35	0.490					
10.	34	0.031					
11.	41	0.105					
1 2.	48	0.240					
1 3.	47	0.366					
14.	51	0.742					
15.	52	0.031					
16	88	0.370					
17	86	0.345					
18	107/8	0.094					
19.	107 में से	0.540					
20	107/1	0.031					
2 1.	37	0.010					
22.	38	0.031					
23.	45	0.010					
24.	46	0.021					
2 5.	53	0,021					
26.	87	0.010					
	थोग—कुल क्षेत्रफल	4.140					

S.O. 3562.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1541 date 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Prinerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act. 1962 (50 of 1962) the Central Government declared to intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Governments on this date of the publication of this déclaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : K	holpura	Tehsi! : Raghogarh	Distt. : Gun			
SCHPDULE						
S. No.		Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hector			
1.	······································	109	0.072			
٦.		24	0.042			
3.		2 5	0.084			
4.		26	6-1.0			
5.		27	0.067			
6.		28	0.094			
7.		2 9	0.031			
8.		36	0.136			
9.		35	0.490			
10.		34	0.031			
11.		41	0.105			
12.		48	0.240			
13.		47	0.366			
14.		51	0.742			
15.		52	0.031			
16.		88	0.370			
17.		86	0.345			
18.		107/8	0.094			
19.		107 M.S.	0.540			
20.		107/1	0.031			
21.		37	0.010			
22.		38	0.031			
23.		45	0.010			
24.		46	0.021			
25.		53	0.021			
26.		87	0.010			
T	OTAL AREA		4.140			

का जा. 3563 — यतः पेट्रोलियम और खिलिज पाइपलाइन (भूमि में अपरोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1902 (1962 का 50) को धारा 3 की अपधारा (1) के अरीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय को अधिसूचना का, आ, सं० 1542 तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के अपयोग के अधिकार को पाइप-लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्राय घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत: देंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार आर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-हारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अमुसूची में जिनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त क्रम में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होंगा।

भनुसूच' एच. को. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेस्ट

पनु. ऋ.	खसरानं.				उपयोग का क्षेत्र	भधिकार (हैक्टर्स	धर्जन में)
1		2					3
1.	29						0.261
2.	27						0.010
3.	30/3						0.307
4.	1.1						0.010
5.	170/1						0.052
6.	171/1						1.766
7.	172					1	0.157
8.	170/2						0.490
9.	170/3					1	0.533
10-	174/2					1	0.031
11.	173/2						0.021
			 भोग	:কুল	क्षेत्रफल		3.638

S.O. 3563.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1542 dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this netification:

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of nower conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE
HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Bhumarakhedi	Tehsil: Raghoga	rh Distt.: Guna
S. No.	Survey No.	Area to be
		Acquired for
		R.O.U. in
		Hector
1.	29	0.261
?.	27	0.010
3.	30/3	0.307
4.	13	0.010
5 ,	170/1	0.052
6.	171/1	1.766
7.	1 7 2	0.157
8.	170/2	0.490
9.	170/3	0.533
10.	174/2	0.031
11.	173/2	0.021
TOTAL AREA	-	3.368

[No. Q-14016/209/85-G.P.]

का ० आ ० 3564—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम 1962 (1962 का 50) को घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का आ ० सं० 1543 तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्देष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है। और आगे, बनः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचे। में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिध्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्ति का प्रयोग करते हुए कंन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विभिद्धित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विकान के प्रयोगन के लिए एतद्वारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

	-	-	****	Trem	ज्यान ज	-
ਸਾਚ	च्चा.	ল -	गस	पाष्ठम	ત્યાદન	प्राजेक्ट

		भनुसूच
चनु . क्र.	खसरा नं.	उपयोग श्रक्षिकार धजेन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	564	0.042
2.	296/1	1.118
3.	552/1	0.147
4.	55/2	0.271
5.	554	0.219
6.	553	0.440
7.	561	0.021
8.	560	0.126
9.	545मा.	0.178
10.	545 年	0.021
11.	565	0.052

[सं० 14016/210/85 जी पी]

S.O. 3564.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1543 dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and M nerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline:

And whereas, the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

482 GI/85-13

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Bhesana	Tehsil: Gaghogarh	Distt. : Guna
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hector
1.	564	0.04?
_ .	796/1	1.118
3.	552/1	0.147
4,	33/2	0.271
5.	554	0.219
6.	553	0.440
7.	561	0.0?1
8.	560	0.176
9.	545 M.	0.178
10.	> 545 M.	0.021
11.	5 6 <u>5</u>	0.052
TOTAL A	REA	2.635

[No. O-14016/210/85-G.P.]

का० आ० 3565.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के उर्जी मंद्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० मं० 3911 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आक्षय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चान् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विभिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का क्रिनिश्चय किया है।

कव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एलद्-हारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दहारा ऑजत किया जाता है। और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन का इस तारीख को निहित होगा।

भन्मूचं

एच व.. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

्याम मुण्ड्त नहसं⊹ल झाव्या जिला झाब्या राज्य (मध्य प्रदेश	ग्राम	म्प्रहत्	नहमः ल	शाव्या	जिला	आयभ्रा	गुज्य	(मध्य	प्रदेश
---	-------	----------	--------	--------	------	--------	-------	--------	--------

प्रन क	स्त्रम्या नं	उपयोग का श्रेस्न	मधिकार अर्जन (हैक्टर्स में)
···			
1	2		3
1 -	199		0 526
2.	198		0.300
3.	206		0 448
4.	197		0.259
5.	413/2		0.688
6.	189		0.024
7.	153		0.348
8.	154		0.040
٩,	116		0.283
10.	190		0.340
11.	155		0.283
1 2.	160		0.202
13.	161		0.243
1 4.	162		0.024
15	108/2		0.202
16.	109/401		0.121
17.	131		0.121
18.	129/1		0.040
19.	129/2		0.057
20.	128		0.416
21.	122		0.512
2 2.	121		0.162
23.	120	1	0.324
24.	123		0.223
25.	130		0.024
26.	117/1		0.307
27.	§ 17		0,607
28.	420/2		0.526
29-	409/2		0.121
30.	310		0.202
31.	309		0.081
32.	108/1		. 0.008
33.	306		0.008
34.	308		0.202
35.	298		0.040
36.	299/2		0.324

0- 52 (0-121 0-931 0-081 0-032 0-008
0-121 0-931 0-081
0-121 0-931
0 - 52(
0-040
)- 024
0— 1 2 1 0— 4 0 5

[सं० **O**-14016/249/84-जी०पी०]

S.O. 3565.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3911 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the scheduled appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJUCT

Village : Mndat	Tchsil : Zabua	Distt.: Zabua
S. No.	Surey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1	. 2	3
1.	199	0.526
,	198	0.300
٦	206	0.448
4.	197	0.259
5 .	413/7	0.688

	<u></u>	<u> , </u>
1	2	3
6.	189	0.024
7.	153	0.348
8.	134	0.040
9.	116	0.283
10.	190	0.340
11.	155	0.283
12.	160	0.20
13.	161	0.243
14,	[6]	0.014
15.	108/2	0.202
16.	109/401	0.121
17.	131	0.121
18.	129/1	0.040
19.	129/2	0.057
20.	128	0 416
21.	122	0.512
27.	121	0.162
23.	120	0.324
24.	123	0.222
25.	130	0 0 4
26.	117-1	0.307
27,	317	0.607
28.	470/2	0.526
29.	409/?	0.121
30.	310	0.202
31.	309	0.081
32.	108/1	0.008
33,	306	0.008
34.	308	0.202
35.	1985	0.040
36,	299/2	0.324
37.	301	0.121
38.	303	0.403
39.	423	0.024
40.	419	0.040
41.	408 /1	0.526
42.	407	0.121
43.	386/2	0.931
44.	394	0.081
45.	304/1	0.0 32
46.	406/	0.008
47.	299/1	0.024
48.	391	0.057
49.	163	0.006
50.	133	0.040
51.	124/3	0.057
5 2.	300	0.132
TOTAL AREA:		11.240
TOTAL AREA.		1110

[No. O-14016/249/84-G.P.]

क्ष . आ . 3566.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइम (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारां 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जी मंदालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिमूचना का . आ . सं . 3912 तारीख 24-1-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिमूचना में संलग्न लाइनों को खिछाने के लिए अजिम करने का अपना आणय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम त्राधिमारी ने उक्त अधिनियम की धारा ७ की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है। और अमे, यतः केन्द्रीय सहकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अभित करने का विनिश्चय किया है।

अब अन उनन अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्षित का प्रयोग नारते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिमुचना में मंत्रमा अनुमूचा में विनिर्दिष्ट उनन भूमियों में उपयोग का अधिकार पाठन लाउन विकान के प्रयोगन के जिए एतद्द्वारा अजिन किया ाता है।

और अभी उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गवितयों का प्रयोग भरते हुए केन्द्रीय सरकार में चिहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीज को निहित होगा।

एक 🐠 जे. गैंस पाइप लाइन प्रोजेश्ट

गाम : जनवानिया : नरमान्य : सामगा : जिल्ला सामगा : प्राच्या : स्टान नरीन

घनुस ् य						
प्रनु ऋ.	ख्रमशानं	उपयोग श्रधिकार श्रर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में)				
1	2	3				
1.	2	0.241				
2.	3	0.29				
3.	27	0.12				
4.	1	0 425				
5.	7	0.241				
в.	8	0.008				
7	38	0.008				
ĸ	5.3	0.016				
r)	७० म ,	0 405				
10.	60 म .	2 104				
li	6.2	0.008				
12	6.5	0.607				
1.3	1,	0 008				

[मं॰ O-14016/250/84-क्वी॰ पी०]

4.484

साग कुल क्षेत्रफल 🏎

S.O. 3566.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3912 dated 24-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineruls Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government, vests on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Junwania	Tehsil : Zabun	Distt. : Zabua
	SCHEDULE.	
S. No.	Survey No.	Area to be Asquired for R.O.U. in Hectare
1.	?	0.241
2.	3	0.291
, 3.	27	0.121
4.	4	0.425
5.	7	0.242
6.	8	0.008
7.	.38	0.008
8.	53	0.016
9.	60 M.	0.405
10.	60 M.	2.104
11.	6?	0.008
12.	63	0.607
13.	6	0.008
TOTAL A	REA:	4.484

[No. O-14016/250/54-G. P.]

का. आ. 3567:— यतः पेट्टोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 को उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्टोलियम, विभाग की अधिसूचना का. आ. मं. 3927 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आण्य घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियण की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीम सरकार को रिपोर्ट से दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट सूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है। अब अतः उदत अधिनियम को धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत गवित का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनु-सूचा में विनिद्दिष्ट उकत भूभियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजित किया जाता है ।

और अभे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त णिक्तवर्षों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में श्रोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. ब.. जे. नैस पाइप लाइन श्रोजेक्ट

2. 286 0.30 3. 283 0.15 4. 281/1 0.02 5. 278 0.18 6. 219 0.21 7. 220/1 0.17 8. 277 0.16 9 227/1 0.12 10. 224 0.03 11. 222 0.16 12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.52 16. 11/1 0.03 17. 8 0.00 18. 7 0.25	म नुसूचः								
1. $294/3$ 0.02 2. 286 0.30 3. 283 0.15 4. $281/1$ 0.02 5. 278 0.19 6. 219 0.21 7. $220/1$ 0.12 8. 277 0.16 9 $227/1$ 0.12 10. 224 0.03 11. 222 0.16 12. $293/1$ 0.06 13. $198/1$ 0.06 14. $200/308$ 0.02 15. $202/1/4$ 0.53 16. $11/1$ 0.03 17. 8 0.00 18. 7	-								
2. 286 0.30 3. 283 0.15 4. 281/1 0.02 5. 278 0.18 6. 219 0.21 7. 220/1 0.17 8. 277 0.16 9 227/1 0.12 10. 224 0.03 11. 222 0.16 12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.53 16. 11/1 0.03 17. 8 0.06 18. 7 0.23	ı	2						3	
3. 283 0.15 4. 281/1 0.02 5. 278 0.18 6. 219 0.21 7. 220/1 0.10 8. 277 0.10 9 227/1 0.12 10. 224 0.03 11. 222 0.10 12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.53 16. 11/1 0.03 18. 7 0.06	1.	294/3						0 021	
4. $281/1$ 0.02 5. 278 0.18 6. 219 0.21 7. $220/1$ 0.12 8. 277 0.16 9 $227/1$ 0.12 10. 224 0.03 11. 222 0.16 12. $293/1$ 0.06 13. $198/1$ 0.06 14. $200/308$ 0.02 15. $202/1/4$ 0.52 16. $11/1$ 0.03 17. 8 0.02 18. 7 0.22	2	286						0.301	
5. 278 0.19 6. 219 0.21 7. 220/1 0.12 8. 277 0.10 9 227/1 0.12 10. 224 0.03 11. 222 0.10 12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.53 16. 11/1 0.03 17. 8 0.00 18. 7 0.22	3.	283						0.157	
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$	4.	281/1						0.021	
7. 220/1 0.17 8. 277 0.16 9 227/1 0.12 10. 224 0.03 11. 222 0.16 12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.53 16. 11/1 0.06 17. 8 0.06 18. 7 0.22	5.	278						0.199	
8. 277 0.16 9 227/1 0.12 10. 224 0.03 11. 222 0.16 12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.52 16. 11/1 0.03 17. 8 0.00 18. 7 0.25	G.	219						0.214	
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$	7.	220/1						0.178	
10. 224 0.03 11. 222 0.16 12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.53 16. 11/1 0.03 17. 8 0.06 18. 7 0.25	8.	277						0.108	
11. 222 0.16 12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.53 16. 11/1 0.03 17. 8 0.00 18. 7 0.22	9	227/1						0.126	
12. 293/1 0.06 13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.52 16. 11/1 0.03 17. 8 0.00 18. 7 0.22	10.	224	•					0.031	
13. 198/1 0.06 14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.52 16. 11/1 0.03 17. 8 0.06 18. 7 0.22	11.	222						0.105	
14. 200/308 0.02 15. 202/1/4 0.52 16. 11/1 0.03 17. 8 0.00 18. 7 0.22	1 2-	293/1						0.063	
15. 202/1/4 0.52 16. 11/1 0.03 17. 8 0.00 18. 7 0.22	13.	198/1						0.063	
16. 11/1 0.03 17. 8 0.00 18. 7 0.22	14.	200/308						0.02	
17. 8 18. 7 0.00 0.27	15.	202/4/4						0.52	
18. 7 0.27	16.	11/1						0.03	
	17	8						0.063	
19. 6/1	18.	7				,		0.272	
	19.	6/1						0.10	

S.O. 3567.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 132 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

नि. O-14016/265/84-जी.पी.]

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laving the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Maheshpu	ra Tehsil: Chachoda	Distt. ; Guna
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	294/3	0.021
2.	286	0.301
3.	283	0.157
4.	2 81/1	0.031
5.	2.78	0.199
6.	219	0.214
7.	22 0/1	0.178
8.	277	0.105
9.	22.7/1	0.126
10.	22.4	0.031
11.	222	0.105
12.	293/1	0.063
13.	198/1	0.063
14.	200/308	0.021
15.	202/1/4	0.523
16.	11/1	0.031
17.	8	0.063
18.	7	0.272
19.	6/1	0.105
TOTAL	AREA ;	2 . 599

[No. O-14016/265/84-G.P.]

का. आ. 3568:— मतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन मारत सरकार के उन्जों मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3929 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय धोषित कर टिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है। और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पश्चात् इस अधिशूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपबोध का अधिकार अजिस करने का विनिश्चव किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा धोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में पिनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एसद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आये उस धारा की उपधारि (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के क्जाब भारतीय गैस प्राधिकारण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में कोबणा के प्रकाद्यन की इस तारीख को निष्ठित होगा।

श्रनुसूचः एच. बः। जे. गैस पाइप लाइन ध्रोजेक्ट

ग्रामः	नरवालिया तहम ल ः।	मानुभा जिलाः भानुषा राज्यः (मध्य प्रदेश)
—— पनु क.	स्रासरा नं.	उपयोग अधिकार धर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	12	0.065
2.	14/1	0.299
3.	38/1	0.936
4.	50/1	0.202
5.	49/1	0.138
6.	64 1	0.097
7.	51	0.049
8.	52	0.089
9.	66/1	0.486
10.	67/1	0.403
11.	74/1	0.163
12-	76/1	0.12
13.	77/1	0.632
14.	78/1	0.162
15.	75	0.105
16.	80	0.186
17.	106	0.486
18.	79/1	0.162
19.	104	0.36
20.	105	0.081
21.	36	0.040
22.	40	0.032
		योग:—कृत क्षेत्रफन 5.293

[मं॰ O-14016/267/84/जी. पी.]

S.O. 3568.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3929 dated 24-11-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the land, specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declates that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd., free from all encumbrances.

SCHEDULE
HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Narvaliya	Tehsil : Zabua	Distt. : Zabua
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	12	0.065
2.	14/1	0.299
· 3.	38/1	0.930
4.	50/1	0.202
5.	49/1	0.128
6.	64/1	0.097
7.	51	0.049
8.	52,	0.890
9.	66/1	0.486
10.	67/1	0.405
11,	74/1	0.162
12.	76/1	0.121
13.	77/1	0.632
14.	78/1	0.162
15.	75	0.105
16.	80	0.186
17.	106	0.486
18.	79/1	0.162
19.	104	0.364
20,	105	0.081
21.	36	0.040
22.	40	0.032
TOTAL AR	EA :	5.293

[No. O-14016/267/84-GP]

का. अ. 3569:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पहण साइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनयम, 1982 (1982 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंद्रालय, पेट्रोलियम विभाग को अधिमूचना का. आ. सं. 3932 तारोख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय रास्कार ने उस अधिमूचना से मंत्रान अनुसूची में निर्निद्ध भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनीं की विद्यान के किए क्रिक्त करने का अपना आण्य घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दें वी है।

अीर आगे, यत कन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में सलग्न अनुबूची में बिनिर्विष्ट भूमियों से उपयोग का अधिकार अभिन करने का विनिष्यय किया है।

अव अत: जबन अिविनियम की धारा 6 की जपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस अिधसूचना में सैलग्न अनुसूची में विनिर्दिण्ट जक्त भूमियों में जपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अभित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिक्तयो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के यजाय भारतीय गैस प्राधि-करण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बांषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा !

धनुसूचः एचः वः. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

नु . ·	खासरा नं.			श्रिषकार अर्थन (हैक्टर्स में)
1	2			3
1.	262		-	0.11
2.	218/5			0.08
3.	266	_		0.05
	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	योगः— कुल	क्षेत्रफल	0.25

S.O. 3569.—Whereas by notification of the Govt. of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 3932 dt. 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962); the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the Seid Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the Said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free all encumbrances.

	SCHEDULE	g i	1	2	3
нвј ga	HBJ GAS PIPE LINE PROJECT			149	0,324
Williams - Coles Volo	Tehsil: Chachoda	Distt. Guna	7.	148	0.080
Villago : Saka Kala	Tensii . Chachoda		8.	143	0.010
S. No.	Survey No.	Area to be	9.	88	1.110
		Acquired for	10.	75	0,090
		R.O.U. in	1 1.	92	0.144
		Hectaro	1 2.	93	0.081
	262	0.115	13.	74/2	0,032
2.	218/5	0.084	14-	9 5/1	0.156
3.	266	0.052	15.	96	0.020
		0.251	16.	97	0.318
TOTAL AREA: 0.251		17.	100	0.089	
	INo. 0-14	4016/275/84-GP]	18.	94	0.172
	[140. 0-1-	1010/2/3/04-011	1 9.	98	0.010
WET THE DESIGN	-यतः पेट्रोलियम स्रोर ऋतिज	कल्य ज्यान्त्रं /प्रक्रि	20	9.9	0 025
-	-यनः पट्टालयम् आरं स्थानमः । श्रमेन) श्रक्षिनियमः 1962ः		21.	101	0.010
	। अगर्ग आवास्त्रम् 1962 (1) के धाधान भारत सरक	•	22.	122	0.021
	(1) के अबद मारी संक का. थां, सं. 1746		2 3.	147	0.005
	्ता. आ. स. 1746 इस प्रधिसुचना में संलग्न प्र		24.	150	0.030
-	उस आध्यसूचना स सलान अ प्रशिकार को पाइप लाइनों	• •	2 5-	160	0.005
45	प्राथमार का पाइप लाइना व प्राथम घोषित कर दिया था		26.	16 I	0.280
अ(जात करत का अपना व	भागम पापस कर, दिया पा	1	27.	162	0.062
ग्रीर्यन सक्षम प्रार्	धेकारो ने उक्त प्र धिनिय म व	हैं। धारा ६ की उप-	28	163	0.005

159

29.

[मं. O-14016/291/85-जी पी]

0.010

4.202

ग्रीर ग्रंत सक्षम प्राधिकारों ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के श्रध न सरकार को रिपोर्ट के हो है।

श्रीर श्रागे यतः केन्द्र य सरकार ने जन्त रिपोर्ट पर विचार करने के गण्चात् इस अधिसूचना में संतरत भ्रतसूच। में विनिर्दिष्ट मुमियों में उपयोग का श्रीकार भ्रतित करने का विनिष्णय किया है।

श्रव, अतः उक्त प्रधिनियम को धारा 6 को उपधारा (1) हारा प्रकल्स गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार एलवृद्धारा घोषित करती है कि इस श्रिध्सूचना में मंलग्न अनसूच। में विनिधिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एसदृक्षारा श्रीजत किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधि-करण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

प्रनुसूच।

एच. हा. जे. गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

धनु.	खसरा नं.	उपयोग भधिकार ग्रजं न
布,		का क्षेत्र (हैक्टर्म में)
1.	2	3
1.	138	0.378
2.	139	0.472
3	140	0.060
4	141 .	0.220
5.	142	0.020

S.O. 3570.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1746 dated 27-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

योग :⊸कुल क्षेत्रफल

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this potification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE
HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Jhalmau	Tehsil : Datia	Distt. : Datia
S. No.	Survey No.	Area to b: Acquired for R.O.U. in Hectare
1,	138	0.378
2,	139	0.472
3.	140	0,060
4.	141	0.220
5.	142	0.020
6.	149	0.374
7.	148	0.080
8.	143	0.010
9.	88	1.110
10.	75	0.090
11.	92	0.144
12.	93	0.084
13.	74/2	0.032
14.	95/1	0.156
15,	96	0.020
16,	97	0,318
17.	100	0.089
18,	, 94	0,132
19.	98	0.010
20.	99	0.025
21.	101	0.010
22.	122	0,021
23.	147	0.005
24.	150	0.030
25.	160	0.005
26.	161	0.280
27.	162	0.062
28.	163	0.005
29.	159	0.010
TOTAL AR	REA.	4.202

[No. O-14016/291/85-GP]

का. आ. 3571.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भुमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा
(1) के अधीन धारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की
अधित्वना का. आ. सं. 2028 तारीं 11-5-85 द्वारा
केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में
विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों
को विछाने के लिए अजित करने का अपना आक्रय घोषित
कर दिया था।

और यतः सद्यम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्यात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में मिनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार अजित करने का विनिध्यय किया है। अव, अतः उकत अधिनियम की धारा 6 की आधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घीषित करता है कि इस अधिपृचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट उक्त धूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

ए, बी, जे, गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम	: बैदा महसील : भाण्डेर	: जिला : ग्वानियर राज्य : (मध्य प्रदेश)
अनु	बस रा	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेट्
₮०	र्न .	(हैक्टर्स में)
1.	31 मी.	0.428
2-	22	0.366
3.	18 ,	0.031
4.	3	0.261
5.	11	0.210
6.	1 2	0,031
7.	10	0.240
8.	9	0.062
9.	8	0.209
10	62	0.157
11.	121	0.031
1.2.	123	0.732
13.	128	0.123
1 4.	1 27/2	0,208
15.	127/1	0.261
16.	131	. 0,512
17.	132	0.324
18.	1.33	0.209
19.	21 मी.	0.002
20.	126	0.002
21.	192	0.031
	योगः कुल क्षेत्रफल	4.450
	, ,	

[सं. **O**--14016/307/85-जी पी]

S.O. 3571.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 2028 dated 11-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of tiser in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now therefore, in exercise of the power conferred by sab-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all ensumbrances.

SCHEDULF

HBJ GAS PIPF LINE PROJECT

Tehsil : Bhandor	Distt. : Gwalior	
Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hoctaic	
21 M.	0.428	
22	0.366	
18	0.031	
3	0.261	
11	0.210	
12	0.031	
10	0.240	
9	0.062	
8	0.209	
62	0.157	
121	0.031	
122	0.732	
128	0.123	
127/2	0.208	
127/1	0.261	
131	0.512	
132	0.324	
133	0.209	
21 M	0,002	
126	0.002	
192	0.031	
AREA :	4.430	
	Survey No. 21 M. 22 18 3 11 12 10 9 8 62 12 1 122 128 12 7/2 12 7/1 131 132 133 21 M 12 6 192	

[No. O-14016/307/85-G.P.]

का. अ. 3572. प्रतः पेट्टोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्टोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2032 नारीख 11-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों की बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय बोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्क अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय संरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इसं अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है। 482 GI/85—14 अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची एच . बी . जे . गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

_ ग्राम	पिपरोवाकला तहसी	ल भाग्डेर जिला स्वालियर राज्य (मध्यप्रवेश)
— अनु. क	खमग न .	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्समें)
1	2	3
1.	1036	0.039
2.	1035	0.005
3	1034	0.879
4.	1037	-
5.	909	0.178
6-	903	0.005
7.	908	0.031
8.	907	0.015
9.	899	0.052
10.	886	0.132
11.	887	0.197
12.	888	<u> </u>
13.	894	0.014
14.	896	0.031
15.	895	0,354
16.	832	
17	833	0.035
18.	811	0.217
19.	809	0.177
20.	808	
21.	805	0 311
22.	805/3349	
23	912	0.021
24.	806	0.032
2 5.	911	0.031
26	807	0,032
27.	799	0.597
28.	798	0.031
29.	797	0 032
30.	690	0.404
31.	691	0 313
32.	697	0.155
33.	693	0,199
3 4.	695	0.083
3 5.	696	0,166
36,	6 2 2	0.025

0.541

. ...

4122	,	THE GAZETTE OF INDIA: JULY 2	/, 1985/5KAVAIN/	4 5, 1907 [PART I	ISEC. 3(II)]
. : ' 1	<u></u>	3		hereas the Central Govern	
7.	623	0.202		aid report, decided to acque specified in the schedulo a	
8.	630	0.716	notification;		ppidaeu io ia.
9.	559	0.020	More thansfore	in exercise of the environ	a sumfannad l
0.	618	0 032		e, in exercise of the pow I the Section 6 of the said	
1	564	0.511		by declares that the right	
122	566	0.033		ed in the schedule appended red for laying the pipeline :	
13-	569	0.726	And Employed		.1 1
11	568	→		, exercise of power conferra on, the Central Government	
45.	571		right of user in th	ne said lands shall instead of	vesting in Centi
4 ti	572			s on this date of the pu he Gas Authority of India	
47.	573	_	all encumbrances		`
48.	570	0.170		COTTO	
49.	590	0.035		SCHEDULE	
50.	587	0.022	I -1	BJ GAS PIPELINE PROJE	CT
51	598	0.030	Village : Plory	wakala Tohsil : Bhander	Distt. Gwalio
5 %	549	0.002	••		
5 %	591	0.330	S. No.	Surv. y No.	Ara to be
5 4	596	_			acquired fo R.O.U. in
55.	5 9 .1	_			H ctare
5.6	595			2	3
57.	597	$\overline{}$	'		 /
58	585	0.166	1. 2.	1036 1035	0,039 0,005
59.	586		3.	1034	0,879
60.	582		4.	1037	
61.	583	_	5.	909	0.178
62.	584	_	6.	903 908	0 005 0.031
63.	586/275	0 473	7. 8.	907	0.015
64-	592		9.	899	0.052
65.	593		10.	886	0.132
66.	211	0.055	11.	887	0.197
67.	158	0.132	12.	888 894	 0.014
68	159	parties	13. 14.	896	0.031
69	161	_	15.	895	0.345
70	162		16.	832	-
7.1	163		17.	833	0.035
7.4	164	_	18. 19.	814 80 9	0.217 0.177
73.	1.68	0.093	20.	808	
7.1	157	0.283	21.	805	0.311
7	156	0.033	22.	805/3249	
7 G	151	0.005	23.	912	0 021
77-	150	0.409	24.	806 9:1	0-032 0-031
7:	1 48/2	0.051	25. 26.	807	0.032
79.	1 4 9/ 3		27.	799	0.597
80	010	0.015	28.	798	0.031
	-		29.	797	0.032
	योग. कु ल 	क्षेत्र फल	30.	690 691	0 404 0,313
		[मं. O-14016/311/85-जी.पी.]	31. 32.	605	0.155
5.4) 3572WI	nereas by notification of the Government	37.	693	0.199
of Ir	idia in the Mi	nistry of Energy. Department of Petroleum,	34.	695	0.083
		11-5-85 under sub-section (1) of Section 3 and Minerals Pipelines (Acquisition of	35.	69ñ	0.166
Righ	t of User in	Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central	36.	622 623	0,025 0,207
		ared its intention to acquire the right of	37. 38.	620	0 715
nser notifi	ication for pu	specified in the schedule appended to that roose of laying pipeline;	39.	5.59	0.010
		he Competent Authority has under Sub-	40.	618	⊕.032

40.

41.

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

[44.12]				
1	2	3		· अपधारा (4)
42.	566	0 032	प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरमात	
43.	569	0.726	करण लि. में सभी बाधाओं	
44.	568	_		., .,,.
45.	571	- •	इस नारीख को निहिन होगा।	.
46,	572	4		अनुसूर्चा
47.	573	_	एच. बी. जे	नैय व∫इप
48.	<i>-</i> 7)	0 170	<mark>ग्राम</mark> जोड़का तहसील राज्य	(p [₁[T
49,	550	0.025		
50.	587	0.022	अन् ध्वसरा	उपया
51.	588	0,020	った。 14.	(हं∓
52.	589	0.002		
53.	591	0.330	1 2	3
54,	596	_	1. 1/1	0.9
55.	591		'	
56.	595	-	2. 1/5	0.4
57-	597		3. !/4	0.4
58.	585	0.166	4 1.1	0.0
59.	586		5. 10	0.0
60.	582		6- 60/2	0.1
6).	583			
67.	584		कुलयोगः क्षेत्रफल	1.9
67.	586/3275	0.473		[सं.
6.1.	592	_		f.,,,
65.	593	-	S.O. 3573.—Whereas by	v notificat
66.	211	0 055	India in the Ministry of	Energy,
67,	158	0 132	5.O. 4116 dated 1-12-84	
68.	159	_	of the Petroleum and Min	
69,	161		of User in Land) Act, 196 ment declared its intention	
70.	162	•	the lands specified in the	
71.	163	_	tion for purpose of laying	pipeline;
72.	164	- 001	And whorever the Com	wetent A
73.	168	0 093	And whereas the Com section (1) of Section 6	
74,	157	0.282	to the Government;	
75,	156	0,032	•	ha Cart
76. 	151	0.005	And further whereas to considering the said repo	
77.	150	0.409	user in the lands specifie	
78.	14.8/2		noutication;	
79.	149/2	0 015	Nous therefore to	
80.	910		Now, therefore, in exessub-section (1) of the Sec	rcise of
TOTAL A	REA :	Government hereby		ares tha

[No. O-14016/311/85-GP]

का.श्रा. 3573.—यतः पेट्रोजियम और खनिज पाइप लाइन (मृमि मे उपयोग के मधिकार का प्रजेन) अभिनियम 1982 (1963 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधिन सारत सरकार, ऊर्जा मंद्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचन(का.या सं. 4116 तारीख 1-12-1984 द्वारा केर्न्क्य सरकार ते उस ग्रधिमुचना से संलग्न ग्रनुसूर्यः में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए प्रक्रित करने का प्रपता माण्य घोषित कर विया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उका प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और श्रामे यतः केर्न्द्राय सरकार ने उधन रिपोर्ट पर विचार करने के पण्यात इस प्रधिसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अजिकार अजिन करने का विनियस्य किया है।

श्रव, प्रतः उत्त प्रतिनियम की धारा 6का उपवास (1) द्वारा प्रवस्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केखें।य सरकार एनदबारा घोषित है कि इस श्रिविस्वना से संसन्त प्रनुसूची में विनिदिध्य उसन भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलादन निकाने के प्रयोजन को लिए एउदब्रास अफिन किए। जाता है।

और क्रांगे उस धारा की उपधारा (४) द्वारा प्रदत्न सक्तियों का प्रयोग करते हुए केरद्रीय सरकार में निहिन होने के बजाय भारतीय गैस प्राधि-करण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख की निहिन होगा।

एच. बी. जे गैस कडम लाक्ष्म प्रोजेक्ट

ग्राम्	. बॉड्बस - तहर्मल : राज्यकृ	िया , राज्यस्य राज्यः (मध्य प्रदेश)
- अन्	 स्वसारा	 उपयोग अधिकार अर्जन का
羽.	터, 	(हैस्टर्भ में)
1	2	3
1.	1/1	0,900
$^{2}\cdot$	1/5	0.420
3.	!/-1	0.460
.1	1 1	0.005
5.	10	0.060
0-	50/2	0.120
	कुल याँगः क्षेत्रफल	1.963
-		[सं. O-14016/333/84-जा.पा.

S.O. 3573.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4116 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notifica-

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this nouheation:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appenden to this notified tion hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India I to free from all encumbrances

SCHEDULE HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village: Joduky Tehsil: Rajgath Distt: Rajgarh

\$ No.	Survey No.	Area to be Acquired For R O.U. in Fleeture
·		
1. 1/1		0.900
2 1/3		0 420
3. 1/4		0.460
4 14		0.005
5 19		0.060
6 60/	2	0.120
Tota	il Area	1,965
		DAL 1 1017 / 700 - 0 1 / Dr

[No. O-14016/338/84-GP]

का आ . 3574 -- यतः पेट्रो लियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का भर्जन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) प्रधीन उपधारा (1) की सरकार के ऊर्जामंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आं. सं. 4118 तारीख 14-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना भागय भोषित कर विया था।

मौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उन्त प्रधिनियम की धारा 6 की उप-द्वारा (1) के घंधीन सरकार की रिपोर्ट दे की है।

भीर भागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से मंलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट मूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिक्चय किया है।

मब, अतः चका ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एभद्द्वारा चौषित करती है कि इस मिधमूचना में संलग्न घनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिष्ठिकोर पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा मजित किया जाता है।

भीर ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल मन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय शैस प्राधिकरण लि, में सभी **बाधाणों** से मुन्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की प्रस तारी व को निहित होगा।

अनसची हाजिया बरेली अभदीयापुर पाइप लाइन प्रीजैस्ट

জি লা	नहसील	पर्गना	ग्राम	भाटा सं.	₹	त्यागया कबाएक गै	
1	2	3	-1	5		6	7
∈1 ° .	औरमा	औरया	 जमुहाँ	109	0	04	
				111	1	17	
			-	128	0	10	
				150	1	14	
				151	0	40	
				140	0	63	
				387/139	()	18	
				147/1	υ	02	
				140	1	3 5	
				139	0	01	
				138	0	33	
				136	0	10	
				137	0	53	
				186	0	09	
				187	0	10	
				184	o	ช 5	
		1		185	0	0.7	
				267	0	15	
				345	0	18	
				369/1	0	38	
				369/2	0	12	
				370	٠0	52	
				371	0	1 6	
				367	0	11	
				362	0	04	
				363	_0	\$3	

1	2	3	4	5	6		7	
				366	0 :	12		
				364	0 5	5,2		
				365	0 3	33		
				373	0 1	3		
				584	0 5	5		
				385	0 :	20		
				386	0 1	8		
				127	0 1	0		
				129	0	01		
				135	0	01		
					14016	336	944	10 11

[सं.0-14016/336/84-प्रीपी]

S.O. 3574.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S. O. 4118 dated 1-12-84 under sub-sections (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that noti-fication for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsectioon (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said fands specified in the schedule appended to this notifi-cation hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana Village		Plot No.	Area Acquired	Re-7] mark	
1	2	3	• 4	5	6	7	
Etawah	Auriya	Auriya	Jum than	109	0.04		
				111	1-17		
				128	0.40		
				150	!-1 1		
				151	0 -40		
				140	0-63		
				387/129	1-18		
				147/1	0-00		
				140	1-35		
				139	0-01		
				138	033		
				136	0-10		
				137	0-52		
				186	0 -0 9		
				187	0.10		
				1'84	0-85		
				385	0-07		
				267	0-15		
				345	0-18		

1	2	3	4	5	6 7
				369/1	0-38
				369/2	0–12
				370	0-52
				371	0 -16
				367	0-11
				362	0-04
				363	0-33
				366	0-32
				364	0-52
				365	0-33
				373	0-13
				384	0-95
				385	0-20
				386	0-18
				127	0-10
				129	0-01
				135	0-01

[No. O-14016/336/84-G.P.]

का. आ. 3575: यतः पैट्टोलियम और सानिज पाइपलाइम (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंद्रालय पैट्टोलियम बिभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4089, तारीख 1-12-1984 द्वारा केन्त्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्ग अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आशय कोषित कर दिया था।

- █ अधि यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देदी है।
- श्री और आगे यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अन, अतः, उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग काने हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में भिहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त क्य में बाषणा के प्रकाशन की इस नारीख की निहित होगा।

			-riv	नुसूर्ची		
	हाजिर	। मरेली		्र गेम पाइप	लाइन प्रो	जे म् ट
জিলা	तहसील	परगना,	ग्राम	गाटा सं.	 श्रियागः रक्षवा	या विव रण
1	2	3	4	5		 6 7
इटावा	औरस्या	औरय्या	— र्म हा पुर	150,1	0 64	
			.	122	0 02	
				123	0 26	
				118	0 32	
				119	0 03	
				117	0 24	
				116	0 03	
				151	0 13	
				152	0 03	
				153	0 01	
				154	0 11	
				153/327	0 14	
				84	0 01	
				86	0 03	
				155	0 02	
				85	0 20	
				203/1	0 41	
				203/3	Ų 34	
				203/4	0 51	
				203,5	0 14	
				204	0 90	
				205/2	0 02	
				207	0 01	
				220	0 26	
				59	0 60	
				58/1	0 25	
				56	0 26	

[सं.-O 14016/337/84—जी०पी**०**]

0 68

0 05

0 05

S.O. 3575.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum, S.O. 4089 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

57

2

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act. submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right ofuser in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in

Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Hajira Bateilly Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Area Re	mark
		-		No.	Acquired	
1	2	3	A	5	6	7
Etawah	Auraiy	7a Auraiya	Sihapur	120/1	0-64	
		•	•	122	0-02	
				123	0-2 6	
				118	0-32	
				119	0-03	
-				117	0-24	
				116	0-03	
				151	0-12	
		,		152	0-03	
				153	0-01	
				154	0-11	
				153/227	0-14	
				84	0-01	
				86	0-03	
				155	0-02	
				85	0-20	
				203/1	0-41	
				203/3	0-34	
				203/4	0-51	
				203/5	0-14	
				204	0-90	
				205/2	0-02	
				207	0-01	
				220	0-26	
				59	0-60	
				58/1	0-25	
				56	0-46	
				57	0-68	
				2	0-05	
				35	0-05	

[No. O-14016/337/84-GP]

का. आ. 3576.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 क 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4119 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निनिदिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है। और आंगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट भूमिओं में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त आधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतर्द्द्वारा घोषित करती है कि इस आधसुचना में संलग्न अमुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइम बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम	: राजलीवें :	तहसील :राजगढ़ जिला : राजगढ़ राज्य : (मध्यप्रदेश)
अनु	खस,रा	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र
零.	नं.	(हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	1 में से	0.240
2.	3	0.005
3.	4	0.005
4	5/2	0.300
5.	5/1	0.129
6.	6	0.005
7.	7	0.005
3.	3	0.065
9.	श्रामिय	0.180
10.	9, 3	0.510
11.	2	0.005
12.	9/5	0.005
	कुल योग	क्षेत्रफल 1 : 115

[मं. O-1 1016/337/84-जी. पी..]

S.O. 3576.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4119 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisit.on of Light of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule ar, ended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that die right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE.

HBJ GAS PIPE LINF PROJECT

Village: Rajalibe Tehsil: Rajgarh Distt: Rajg; th

S No.	Survey N)	Area to be Acquired For R O.U in Hecture
1.	Ime.	0.240
2	, 3	0 005
3.	4	0.005
٥.	5/2	0.300
5.	5/1	0.120
6	6	0.005
7.	7	0.005
8	8	0.005
9.	9/1 me.	0.180
10.	9/3	0.540
11,	2	0.005
12.	9/5	0.005

[No. O-14016/337/84-G.P.]

का. आ. 3577. -- यतः पेट्रोलियम और खिनजि पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जी मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का आ सं. 4091 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विद्याने के लिए अजित करने का अपना आध्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिगीर्ट देदी है।

और भ्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रिधसूचना में संग्लन भ्रनुसची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रिधकार भ्राजित करने का विनि-श्चय किया है।

श्रव श्रनः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्- द्वारा श्रोषित कश्ति है कि इस श्रिधिसूचना में संलग्न धनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदद्वारा अर्जित किया जाता है।

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त ग्रन्तियाँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाब भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीका की निहित होंगा।

अन्मूकी एन . ब्री जे . गैन पाईप लाईन प्रोजेक्ट

अन्	खभरा	उपयोग अधिकार अर्जन का क्रोह
奪. _	नं 	(हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	65	0.235
3.	F 9	0 130
3.	6 4	0.020
4.	68	0.270
5	67	0.026
G.	69	0 200
7.	69/221	0.020
8.	79	0.026
9.	171	0.060
10,	170	0,300
11,	168	0.350
12	165	0.165
13.	203	0.180
1 4.	304	0.010
15	207	9.026
16.	206	0 210
17-	205	0 210
18.	201	0 100
19.	174	0.005
20	2 0 8 / 4	0.120

~		
1	. 2	3
21.	208/5/3	0.870
22.	7.0	0.005
23	71	0,005
24.	167	0.005
25.	208/1 मैंसे	0.165
26.	172	0.005
-, -,	कुल मीग : क्षेत्रफल	3.768
	20712191	[सं० O 14016/349/84-कीपी]

New Delhi, the 22nd July, 1985

S.O. 3577.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Fnergy, Deptt. of Petroleum S.O. 4091 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisiion of Right of User in Land, Act 1962) (50 of 1962 the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act. submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification he eby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Villa	ge Golyave Tehsil R	ajgath Distt. Rajgarh
S.No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hecture
1	2	3
1. 65	CHARLEST STATE OF THE STATE OF	0.235
2. 63		0.180

1	2	3
3. 64		0 020
4. 68		0 270
5, 67		0.026
6. 69		0.200
7. 69/221		0.020
8. 79		0.026
9. 171		0.060
10, 170		0.300
11. 168		0.350
12. 165		0.165
13. 203		0.180
14, 204		0.010
15, 207		0.026
16, 206		0.210
17. 205		0.210
18, 201		0.100
19, 174		0.005
20. 208/4		0.120
21, 208/5/	3	0,870
22 . 70		0,005
23. 71		●,005
24, 167		0.005
25. 208/1/1	ΝS	0.165
26. 17?		0.005
Total A	Arca	3.768

[Nq. O-14016/340/84-G.P.]

का. मा. 3578.—यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मिन्निर का भर्जन) मिन्नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भधीन भारत सरकार के ऊर्जी मंत्रालय (पेट्रीजियम विभाग) की अधिमूचना का. मा. सं. 4277, तारीख 8 विसदर, 1984 द्वारा के प्रोप सरकार ने उस अधिमूचना से संलब्ध अपूर्यों में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के भिन्निर को पाइपलाइमों को जिल्लाने के लिए प्रजित करने का भपना भाषय योषित कर विया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारीने उक्त प्रधिनियम की घारा 6 की उप-भारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

भीर भागे यतः केन्सीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पत्रवात् इस भविभूवना से संलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का भविकार भजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की वारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय संस्कार एतव्हारा चौषित करती

[भाष IIखण्ड ३(ii)]	भारते का
है कि इस अधिसूचना में संज्ञन अतुमूची में विनिदिष्ट उन	- • भूमियों में
उपरागिका अधिकः पाडपतः इन बिछाने के प्रयोजन के वि आगत किया जाना है।	नेप् एतद्शारा
और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय भरकार में निहित होने के क गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषण की इस निरीध की निहित होगा।	ज्ञार <i>भाग</i> तीय
प्रन् सूची	

एच. व , जें गैस पाईप लाईन शोजेक्ट

		.च. व . ज. एस पाइप लाइन प्राज्यट
गाम- व	परकोड़, बाजाः	र तहमःल- महिद्रपुर जिला- उज्जैन, राज्य- (मध्य-प्रदेश)
ग्रन		चरसोग म्र⊌कार असन का क्षेत्र
त्र त्र.	सं.	(हैषटर्स मे)
1	2	3
1.	81	0 648
2,	88	0.518
3-	153	0.073
4	87	0 057
5.	152	0.065
6	67/1	0.129
7.	67/2	0.081
8.	154/I	0.227
9	154/2	-
10.	155	0.057
11.	159	0.028
12	336/1	0.049
13.	336/2	0.291
1 14.	6.0	0.502
1.5	66 1	0.032
116	82	0.526
17	338	0.263
18.	65/1	0.356
19	144	0.089
20.	146	0 291
21.	147	0.129
22.	133	0.299
23	156	0.121
24	157	0.004
482	GI/8515	

1	2	3
25	64	0.057
26.	65/2-	0.061
27	63	0.040
28.	59/1	0.040
29	57	0.004
30-	59/3	0.299
31.	61	0.032
32	308	0.170
33.	315	0 134
3 4	337	0.344
35	1 4 2	0 093
36.	196	0.129
3.7	170/1	0.081
38.	170/2	0 105
39.	312	0.162
40	335/3	0.081
41	311/2	0.182
42.	313/4	0.057
4 3-	311/1	0.164
44.	309	0.316
4 5.	8.5	, 0.016
46	86	0.045
47-	1 1 1	0.073
48.	143	0.024
49	160/1	0.049
50-	3 4 0/ 1/ 1/ 2	0.036
51.	160/2	0.081
52.	140/2	0 008
	मुल क्षेत्रफल योग :	7.728
	· <u></u>	[म O 14016/363/84-जीपो]

New Delhi, the 22nd July, 1985

S.O. 3578.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4277 dated 8-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

0.356

0.089

0 291

0.120

0.299

0.121

0.004

0.057

0 061

0.040

0.004

0.004

0.299

0.032

0.170

0.134

18

19, 144

20. 146

21. 147

22. 133/2

23. 156

24, 157

26. 65/2

27. 63

28. 59/i

30. 59/3

32. 308

33, 315

29. 57

31. 61

25, 64

65/1

And wheeas the Competent	Authority has under Sub-
Section (1) of Section 6 of the	said Act, submitted report to
the Government;	

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the land, specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. tree from ancumbrances.

SCHEDULE
HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

TIDS GASTIAL EMETROSECT		34. 337	0.344
Village Barkhed i Bajar Tehsi	il Mahad pur Distt. Ujjain	35. 14 ⁹	0.093
S.No. Survey No.	A	36. 196	0 129
	For R.O.U. in	37. 170/1	0 081
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	Heccure	38 170/2	0.105
81	0.648	39. 312	Q. i 62
88	0.518	40. 335/2	0.081m
153	0.073	41. 311/2	0.182
87	0.057	42. 313/4	0.057
152	0.065	43. 311/1	0 174
		44. 309	0.316
·		45. 85	0.016
67/2	0.081	46. 86	0 045
154/1 .	0.227	47. 141	0.073
154/2	~	48. 143	0 024
155	0.057	49. 160/1	0.049
159	0.028	50. 340/1/1/2	0.036
336/1	0.049	51. 160/2	0.081
336/2	0.291	52. 140/2	0.008
60	0.502		
66	0.032	Total Area	7.728
82	0.625		
338	0,263		[No. O-14016/363/84-G.P.]
	Village Barkhedi Bajar Tehsi o. Survey No. 81 88 153 87 152 67/1 67/2 154/1 154/2 155 159 336/1 336/2 60 66 82	Village Barkhedi Bajar Tehsil Mahadpur Distt. Ujjain o. Survey No. Area to be Acquired For R.O.U. in Hecture 81	No. Survey No. Area to be Acquired For R.O.U. in Hecture 36. 196 37. 170/1 38. 170/2 31. 17/2

भावशा 3579.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उत्तर्दाः के प्रधिकार का धर्णन) ग्रिधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के ऊर्ज मंत्रालय पेट्रो— जियम विभाग की श्रिधिसूचना काव आव संव 4497 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिधसूचना से संलग्न श्रमुस्वी में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के श्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए श्रजित करने का श्रपना श्रामय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपॉर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयीग का अधिकार अर्जित करने का विनिध्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वाराप्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अणित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण जि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निष्टित होगा।

ध्रनुसूषां एच . सः . जे . गैस पाईप लाईन मोजेक्ट

ग्राम-कमानपुर तहस स-गडनगर जिला- उज्जैन राज्य- (मध्य प्रदेण).

ग्नन् ≉ .	खसरा न	उपयोग श्रधिकार ग्र जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	65	0.010
$2\cdot$	9 2	0.167
3-	152	0.105
4.	179	0.094
5.	181	0.031
6.	26/1	0,752
7.	57/1	0.010
8.	58	~
9.	59	0.543
10.	150	0.042
11.	151	0.261
12.	60	0 177
13.	вт	0.063

1	2	3
14.	64	0.553
15.	66	0.020
16.	67	0.052
17.	62	0.052
18.	63/1 मी	0.042
19.	68	0.157
20.	70/1	0.167
21.	79	0.115
2 2.	81	0.418
23.	84	0.063
24	83	0 679
25.	91	0.334
26.	93/1	0.063
27.	98/2	0 219
29.	999	0.376
29.	143/1	0.105
30.	70/2	0.010
31	148 .	0.481
32	182	0.376
33.	180/1 में€.	0.491
34.	180/1 में।.	0.315
35.	180/2मा.	0.240
36.	180/2म्.	0.073
37.	271	0.072
	कुल योग क्षेत्रफल :	7.728

[सं o O 140 16/386/8 4-की oपी o]

S.O. 3579.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4497 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

S.No. Survey No.	Area to be Acquired For R.O U. in Hecture
1. 65	0.010
2. 92	0.166
3. 152	0.105
4. 179	` 0.094
5. 181	0.031
6. 26/1	0.752
7. 57/1	0 010
8 58	
9. 59	0.543
10. > 50	0.042
11. 151	0.261
12. 60	0.177
13. 61	0,063 0,553
14. 64 15. 66	0.020
15. 66 16. 67	0.052
17. 62	0.052
18. 63/1 M.	0.042
19. 68	0.157
20. 70/1	0.167
21. 79	0 115
22. 81	0.418
23. 84	0.063
24 . 83	0.679
25. 91	0.334
2 6. 93/1	0.063
27. 98/2	0.219
28. 99	0.376
29. 143/1	0.105
30. 70/2	0.010
31, 148	0.481
32, 182	0.376
33. 180/1 M.	0.491
34. 180/1 M.	0.315
35. 180/2 M. 36. 180/2 M.	0.2 ³ 0 0.073
30. 180/2 ML 37. 271	0.073
Total Area	7.728

[No. O-14016/386/84-G.P.]

का०आ० 3580.—यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइप लाइन (भूमि में जपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग को अधिमूचना का०आ० सं० 4498 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुमूचों में विनिद्धिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है। और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात इस अधिसूचना में मंतरन अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का आधिकार अधित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उनत अधितियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतर्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकारण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

भनुसूचा एच. बो. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेस्ट

 भ्राम∵ः	 तरोटेः तहसं.ल-महिदपुर	जिला- उज्जैत . राज्य (मध्य-धर्मण)
 স ণ্	ख्यारा	उपयोग क्रथिकार क्रमेंन का क्षेत्र
郑 .	नं .	(हैक्टर्स में)
1.	1380	0.042
2.	1368	0.042
3.	1381	0.162
4	1382	0.174
3.	1383	0.049
6	1386/1	0.065
7	1386/1105/2	0.040
8-	1386/1405/1	0.105
9	1389	Ù. 016
10	1390	0.210
11	1391	0.030
12	1394	0.486
13.	1367	0 152
1 1-	1370/2	0.226
1.5	1371	0.176
16.	1370/1	0 250
17	1369	0.050
18	1324	0.135
19	1344/1/2	0.465
$20 \cdot$	1346	0.060
21.	1347	0.466
22.	,1339/2	0.024
23-	1340	0 316
24.	1348	0.162
25	1339/1	0.283
26	1378/3	0.020
27.	1 3 4 1	0.020
28	1338	0.020
	थोग कुल धोवफल	4.275

[मं॰ O-14016/387/84-जीवी]

S.O. 3580.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4498 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from an ombrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

VILLAGE: JAGOTI: TEHSIL, MAHIDPUR DISTT.: UJJAIN

5. No.	Survey No.	Area to be acquired for R. O. U. in Heatare
1,	1380	0.042
2.	1368	0.042
3.	1381	0.162
4.	1382	0.174
5,	1383	0.049
6,	1386/1	0.065
7.	1386/1405/2	0.040
8.	1386/1405/1	0.105
9.	1389	0.016
10.	1390	0,210
11.	1391	0.050
J2.	1394	0.486
13.	1367	0.152
14	1370/2	0.226
15.	1371	0.176
16.	1370/1	0.250
17.	1369	0.050
18.	1324	0.135
19.	1344/1/2	0.465
20,	1346	0.060
21.	1347	0,466
22.	1339/2	0.024
23.	1340	0.316
24.	1348	0.163
25.	1339/1	0.283
26.	1378/3	0.020
27.	1341	0.000
28. =-	1338	0 020
	7	Total Area 4.275

[No. O-14016/387/84-G.P.]

कां, आ. 3581:—पतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जरत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का, आ, मं. 4513नारीख 22-12-84 हारा केन्द्रोथ सरकार ने उस अधिमूचना से मंजरन अतुसूच। में विजिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिक्र को पाइप लाइनों को विष्णान के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आण्य घोषित कर विष्णा था।

और यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त अधिनियम को धारा 6 को उपधारा (1) के अबीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और अ.गे यतः केन्द्रोय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के परचात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदेश्ट भूमियों औं उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम को धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्रदृद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूचा में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एत्रदृद्धारा अजित किया जाना है।

और अभे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मिनियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय पारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

ग्रनुमूर्चा हाजिरा–बरेशी⊶जगदीणपुर पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहमील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	लियागया रक्षकाएक इस्	<u>विवरण</u> ग
1	2	3	-1	5	6	7
- कानपुर	 देशपूर :	देणपुर देणपुर	जिगनिश	198	0-10-0	
वेहान				197	0-1-12	
				196	2-5-0	
				194	0-1-12	
				193	1-7-12	1
				204	0-0-14	
				213	0 - 0 - 2	
				214	0-15-8	
				215	0-5-0	
				212	0-2-10	
				216	0-4-2	
				211	0-6-12	
				217	0-3-0	
				210	0-6-4	
				218	0-0-2	
				182	0~0~3	
				183	0-7-2	

1	2	3				SCHE	DULE		
<u> </u>				Hajira-E	Barcilly-Jag	dishpur	Pipel in	e Project	
	184	0-7-4						-4	· —
	185	2-5-10					Plot	Area	
	186	0-9-0	Distt.	Tohsil	Pargana	Village	No.	Acquired	Remark
	180	0-0-12		2	3			41	
	179	2-12-0				4 	5 	6	7 •-•
•	137	0-1-6	Kannur	Deran	ur Derapu	r Tionis	198	0-10-0	
	6 9	0-5-10	Teatify (1	Dorag	di Delape	ii Jiguis	197	0-10-0	
	176	0-1-2					196	2-5-0	
	118	3-2-1					194	0-1-12	
	117	0-2-2					193	1-7-12	
	119	0-0-14					204	0-0-14	
	130	0-14-0					213	0-0-2	
	122	0-0-14					214 215	0-15-8 0-5-0	
	123	1-5-4					212	0-3-0	
	124	0-0-14					216	0-4-2	
	135	0-3-3					211	0-6-12	
	134	0-18-0					217	030	
	127	0-2-8					210	0-7-4	
	128	0-1-5					218	0-0-2	
	129	0-4-11					182 183	003 072	
		0-4-11					184	072 074	
	130						185	2-5-10	
	99	1-11-12					186	0-9-0	
	125	0-0-2					180	0-0-12	
	102	0-0-2					179	2-12-0	
	100	0-8-0					137	0-1-6	
	98	0-0-12					69	0-5-10	
•	97	1-7-0					176 118	0-1-? 3-2-1	
	301	0 8 8					117	0-2-2	
	307	0-1-5					119	0-0-14	
	305	0-17-15					130	0-14-0	
	304	0-3-8					122	0-0-14	
	195	0-0-10					123	1-5-4	
	138	0-0-5					124	0-0-14	
	306	0-0-18			,		135	0-3-3	
		140101400101 Frét					134 127	018-0	
	_	14016/403/84-र्जार्ग					12.8	0-2-8 0-1-5	
S.O. 3581.—Whereas b India in the Ministry of	y notification (of the Government of					129	0-4-11	
4513 dated 22-12-84 unde	r sub-section (1) of Section 3 of the					130 '	0-0-1?	
Petroleum and Minerals	Pipelines (Ac	quisition of Right of					99	1-11-12	•
User in Land) Act, 1962 ment declared its intention							12.5	0-2-?	
lands specified in the sc							102	0-0-2	
for purpose of laying pip	cline ;						100 98	0-8-0 0-0-12	
And whereas the Com	netent Author	ity has under Sub-					97	1-7-0	
Section (1) of Section 6	of the said	Act, submitted report					301	0-8-8	
to the Government;				•			307	0-1-5	
And further whereas to							305	0-17-15	
of user in the lands spe							304	0-3-8	
this notification:	24 2127 2	oftenness					195	0-0-10	
Now therefore, in ex							138 306	0-0-5 0-0-18	
sub-section (1) of the Section (1)									
Government hereby deck said lands specified in the tion hereby acquired for	e schedule app	ended to this notifica-	ন্দ	.आ.়	3582	। स्तः पैट्रो	-	O-14016/4 गैरखनित्र प	•

का . आ . 3582 -- यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अऔन भ्रारत सरकार के पैद्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 45 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अधित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपवारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रोय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमूचना से संवग्न अनुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदल शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार
एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
एक्टल्ल्ड्डन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया
जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) बारा प्रदत शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकर निवेश देती हैं कि उकत भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित्त होने के बगाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

एच०बी०जे० गैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट

ग्राम कोयलास्त्रेड़ी तहसील घट्टिया जिला-उज्जैन राज्य(मध्य प्रदेश) ग्रनुसुची

मन्॰	ह ं खसरा ने ॰	उपयोग प्रधिकार ग्रर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में
1	2	3
1.	95/1/4	0,168
2.	95/1/5	~-
3.	95/1/3	0.314
4.	95/1/2	0.178
5.	94/1/3	0.303 .
6-	90/1	0,586
7.	86	0.377
8-	87/1मी०	0.052
9.	84/2	0.586
10.	84 1 2 मी ०	0,637
11-	85/4	0.387
12-	44	0.209
13.	5 4	0.188
14.	7 9	0.021
1 5.	72/24	0.293
16.	72/9	0.052
17.	72/23	0.157
18	7 2/9	0,209
19.	76 0 मी०	0.157
19.	76 ∤ तमी ०	0.105
20.	7/5/1	
21.	72/13	0.052

1	a	3	
22.	72/10	0.052	
23.	72/14	0.010	
24.	72/11	0,052	
25.	72/7	0.146	
26.	73	0.470	
27.	43	0.044	•
28	4.5	0.115	
29	77	0.084	
30.	78	. υ. 314	
31.	81	0.044	
32	92	0.052	
33.	94/2	0.031	

[मं**०-O** 140 16/49 5/8 4-कीपी]

S.O. 3582.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 45 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

VII	LLAGE		KHEDI, TEHSIL : GHATIYA STT, : UJJAIN SCHEDULE
s. N	σ.	Survey No.	Area to be acquired for R. O. U. in Heet re
1	2	/-	3
1.	95/1/4		0.168
2. 3.	95/1/5 95/1/3		→ 0.314
3. 4.	95/1/2		0.178
5.	94/1/3		0.303
6.	90/1		0.586
7.	86		0.377
8.	87/1/M	l, _	0.052

1 2	3		एभविश्वीवजीव गैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट
9. 84/2	0.586	ग्राम नवाखेडा	उक्तं सुनारखेड़ा तहसील बह्निया जिला-उक्नीन (मध्य प्रदेण) ी
10. 84/1/2 M.	0.637		प्रनुस्ची∤
11, 85/4	0,387		
12. 44	0.209	श्रन्० क <i>्रवस्र</i>	ानं० उपयोग स्रधिकार सर्जन का क्षे <mark>त्र (हैश्टर्स</mark> से
13. 54	0.188		
14. 79	0,021	1 2	3
15. 72/24	0.293		—
16. 72/9	0.052	1. 132/1	0.732
17. 72/23	0.157	•	
18. 72/8	0.209	2. 24	0.377
19. 76 M. 19/1 76 M.	0.157	3. 126	0.345
20. 75/1	0.105	4. 115	0 010
21. 72/13	0.052		
22. 72/10	0.052	5. 124	0.314
23. 72/14	0.010	6. 112	0.439
24. 72/11	0.052	7. 111	0.627
25. 72/7	0.146	8. 104	0 105
26. 73	0.470		
27. 43	0.044	9. 99	0.021
28. 45	0.115	10-103	0.449
29. 77	00.84	11 100	0.658
30. 78	0.314		
31. 81 32. 92	0.044 0.052	12 47	U.449
33. 94/2	0.032	13. 46	0.314
Total Area	7,512	14 42 मी०	0.428
	[No. O-14016/495/84-GP]	15 41	0.052
सर्गा, आ. 3583	-यतः पेट्टोलियम और खानिज	16. 22	0.031
	के अधिकार का अर्जम) अधि-	17. 2	0.105
	50) की धारा 3 की उपधारा	18- 20	0.606
	कर के पेट्रोलियम मंत्रालय की	19- 125	0.042
अधिम ुचना का. आ.सं.	_	20. 117	0.052
	धमूचना में मंलग्न अनुसूची में	——- गोग कुल क्षेत्रफ	ज्य 6.156

[स० 11316/497/84-जीपी]

विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पश्डपलाइनों को बिछाने के लिए अभित करने का अपना आगय घोषित कर दियाथा।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की अपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दें। है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूच। में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उन्तं अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्त का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदहारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त मूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एनव्द्वारा अजिन किया जाना है।

और आगे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी वाधाओं से मुक्त रूप में वोषणा के प्रकाशन की इस नारोख को निहित होगा।

S.O. 3583.—Whereas by nutification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 47 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land)
Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared
its intention to acquire the right of user in the lands specified
in the schedule appended to their positions. in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laving the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Villag Navakheda URF Sutarkheda Tehsil Chatiya Disti, Ujjain Schedule

S No. Survey No.	Area to be acquierd fo R. O. U in Hectar
1. 132/1	0.732
2. 24	0.377
3. 126	0.345
4, 115	0,010
5. 124	0 314
6. 112	0,439
7. 111	0,627
8. 104	0,105
9. 99	0,021
10, 103	0,449
11. 100	0,658
12. 47	0 449
13, 46	0.314
14. 42 M.	0 428
15. 41	0.052
16, 22	0.031
17. 2	0.105
18, 20	0,606
19, 125	0,042
20, 117	0.052
Total Area	6.156

[No. O. --14016/497/84—GP]

कः . आ . 3584 — यतः पेट्रोलियम और खिन पाइप-लाइत (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जम) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 50 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों की खिछान के लिए ऑजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का त्रिनिश्चय किया है।

अब अतः उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं में मुक्त च्य में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख़ को निहित होगा।

482 GI/85—1

एच ब्बी ब्रोड गैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट

ग्राम-गुष्टा तहसील बहिया जिला-उज्जैन र ज्य (मध्य प्रदेश)

अनुमुची

अन्० ५०	खमरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में
1. 21	. 1	0.219
2. 20	30	0.031
3. 20	55/1	0 094
4. 21	78	0,439
5 38	3 1	0.094
6. 26	59/2	0.010
7. 22	72	0.596
8. 27	73	0.941
9. 27	4	0.031
10. 20	77	0.052
11. 27	9	0.324
13- 28	। भी ०	0.073
13- 28	१० मी०	0.293
14. 38	12	0.261
15. 28	3	0.345
16. 28	6	0.293
17. 28	14	0.230
18 2	19/3	0.115

[सं॰ O-14016/500/84-जी.पी.]

S.O. 3584.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 50 dated 5-1-85 under subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village: Guda, Tehsil: Ghatiya, Distt.: Ujjain Schedule

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hecture
1	2	3
1. 21	F)	0,219
2. 20	60	0,031
3. 20	55/1	0,094
4, 2	78	0.439

1	2	3
5.	281	0.094
6.	269/2	0.010
7.	272	0,596
8.	273	0.941
9.	274	0.031
10.	277	0.052
11.	279	0.324
12.	280 M.	0,073
13.	280 M.	0.293
14.	282	0.261
15.	283	0.345
16.	286	0.293
17.	284	0.230
18.	249/3	D.115
Аге	ı	4.441

[No. O-14016/500/84-GP]

का.आ. 3585.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिकाम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधार (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. मं. 51 लारोख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिण्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को विद्यात के लिए अजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

् और यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्न अधिनियम की धारा 6 को उपभारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दो है।

और आगे यतः केन्द्राय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस आंध्रसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिण्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार आजित भारने का विनिष्टय भिषा है।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्त कः प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संरकार एतवृद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूचा में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतवृद्वारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घीषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच०वी०जे० गैस पार्टन लाईन प्रोधेक्ट ग्राम-सामानेरा∄तहमील-नराना जिला-उज्जैन राज्य(मध्य प्रदेश) अनुमर्च

अनु०	স ্ত	खाम (ा तं ०	उपयोग आधिक, र अ	र्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2		3	
1.	35		0.030	
2.	351	<u></u> -	0.030	

1		-	
3.	353	0.030	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
4.	354	0.080	
5.	355	0.200	
-6.	378	0.100	
7.	365/1	0.150	
8-	365/3	0.030	
9.	369	0.020	
10.	370	0.040	
11.	376	0.100	
1 2-	377,1	0.045	
13-	377/2	0,100	
14.	379	0.050	
1.5-	381	0.100	
16.	382	0.450	
17.	383/1	0.050	
18.	391	0.040	
19.	371	0.005	
20.	418	0.080	
21.	435/4	0.036	
22.	563	0.016	
33.	587	0.020	
24.	593	stanton	
25.	594/3	0.003	
26.	615	0 (6.0	
27.	392	0.050	
28.	432	0.100	
29	393	0.120	
30.	432 4334	0.440	
31.	423 1	0.140	
32. 33.	425/3 436	0.140	
34.	429	0.250	
3.5-	430	0.040	
36.	431	0.080 0.200	
37.	448 मी ०	0.050	
38.	594/1	0.100	
39-	612	0.120	
40	613	0.150	
41.	617	0.080	
42.	616/1	0.180	
43.	721	0.320	
4.4.	722	0.150	
45	794	0.100	
46.	425/1	0.100	
47.	584	0.340	
कुल यं	— ोग क्षेत्रफलः	5.103	

[मं • O- 14016/501/84-जी .पी.]

S.O. 3585.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 51 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified

in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said fands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJGAS PIPE LINE PROJECT Village: Samanera Tehsil : Tarana; Diet; Ujjain

Schedule

S. No.	Surv y No.	Area to be acquire for R. O. U. in Hectare
		3
1.	351	0.030
2.	352	0.030
3.	353	0,030
4.	3.54	0.080
5.	3.55	0.200
6.	378	0.100
7.	365/1	0.150
8,	365/3	0.030
9.	369	0,020
10.	370	0.040
11.	376	0.100
12.	377/1	0.045
13.	377/2	0.100
14.	379	0,050
15.	381	0.100
16.	382	0.450
17.	383/1	0.050
18.	391	0,040
19.	371	0.005
20.	418	0,080
21.	435/4	0.030
22.	562	0.010
23.	587	0,020
24.	593	v
25.	594/3	0.003
26.	615	0.060
27.	392	0.050
28.	432	0.100
29.	393	0.120
30.	422	0.440
31.	423/1	0.140
32.	425/2	0.140
33.	426	0.250
34.	429	0.040
35.	430	0,080
36.	431	0,200
37.	448 P.	0.050
38.	594/1	0.100
39.	612	0.120
40.	613	0,150
· - ·		

1	2	3
41.	615	0.089
42.	616/1	0.180
43.	721	0 320
44.	722	0.150
45.	794	0 100
46.	425/1	0.100
4 7.	584	0.340
Total Are	 oa	5,103
		FN1 O 14016 (601)

[No. O-14016/501/84-GP]

का. भा. 3586.—यतः पेट्रोलियम भीर खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के घाधकार का मर्जन) घाँधनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के घाँधन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की घाँधमूचना का० अ१० सं० 53 तारीख 5-1-32 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस घाँधमूचना से संलम्ब ध्रमुखुची में विनिविद्ध भूमियों के उपयोग के घाँधकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए घाँजत करने का प्राप्ता आश्रय घोषित कर दिया था।

ग्रार यतः सक्षम प्राधिकारी ते अक्षत श्रिधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रधीन संस्कार की रिपोर्ट दे दी है।

र्मार मागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपार्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रश्नियुचना से संलग्न मनुसूची में जिति।देव्ट भूमियों में उपयोग का मधिकार माजित करने का विनिश्चय किया है ।

भव, मतः उश्न भविनियम को धारा 6 को उपवारा (1) द्वारा प्रवस्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव् द्वारा घोषित करती है की इस भविभूजना में संलग्न भनूभूची में विनिद्धित उक्त भूमियों में उपयोग का अभिकार पाइव नाईन विछाने के प्रयोजन के लिये एसद द्वारा खाँजन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निद्दित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निद्दित होगा।

एव०वे/०जे० गैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट ग्रामः रूपाक्षेडी - नहमीलः तराना जिलाः उञ्जैन राज्य (मध्य प्रदेश) अनुसूची

अनु०५०	खसरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1 :	2	3
1.	3 5	0.150
2.	56	_
3.	57	0.090
4.	<u> ១</u> ៩	_
ā.	59	_
G.	60	0.230
7.	62	0.220
8-	63	0.150
9.	76	0.016
10.	77	0.140
11.	78	0.200

	: 		<u> </u>
1	2	3	
12.	358	0.030	
13.	94	0.170	
1 4.	95	0.050	
1 5.	96/2	0.130	
16.	275	0.090	
17.	61	0.010	
18.	79	0.020	
19.	357	0.025	
20.	374/1	0.010	
21.	349/3	0.130	
22.	348	0.010	
23.	277/2	0.930	
24.	330	0.150	
25.	359	0.200	
26.	278	0,250	
27.	280	0,260	
28.	329	0.070	
29.	281	0,060	
30.	282	_	
31.	283	0.300	
32	284	0.040	
33.	285	0.080	
34-	298	0.320	
35.	293	0.380	
36.	294	0.460	
37.		0,030	
38.	298/1	0.220	
39.	331	0.150	
40.	333		
41.	347	0.120	
42-	360	0.220	
43.		0.410	
44. 45.		0.250 0.110	
46		0,110	1
47		0,070	
			
कुल	योग क्षेत्रफन	5.,88.1	

[सं. 0-14016/503/84-जी पी]

S.O. 3586.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 53 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the

said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAJ PIPE LINE PROJECT

Village: 1	Repakhedi Teh	sil: Tarana Distt. Ujjain
	Sc	hedule
S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R. O. U in Hectard
1.	55	0.150
2.	56	$\vec{}$
3.	57	0.090
4.	58	
5.	59	
6.	60	0,230
7.	62	0.220
8.	63	0.150
9.	76	0.016
10.	77	0 140
11.	78	0.200
12,	358	0.030
13.	94	0,170
14.	95	0.050
15.	96/2	0.130
16.	275	0.090
17.	61	0.010
18.	79	0.020
19.	357	0.025
20.	374/1	0.010
21.	349/2	0.130
22.	348	0.010
23.	277/2	0.020
24.	330	0.150
25.	359	0.200
26.	278	0,250
27:	280	0,260
28.	329	0.070
29.	281	0.060
30.	282	
31.	283	0.300
32.	284	0,040
33.	285	0.080
34.	298	0.320
3 5.	293	0.380
36.	294	0,460
37.	297/2	0,030
38.	297/1	0,220
39.	331	0.150
40.	333	-
41.	347	0,120
42.	360	0.220
43.	370	0,210
44.	372	0.250
45.	373	0.110
46.	53/393	0.040
47.	290/392	0.070
		Total Area 5.881

[No. O-14016/503/84-GP]

का. आ. 3587.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्धान भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 54 तारीख 5—1—85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्ष्म प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धार \mathbf{f} 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी $\mathbf{\hat{f}}$ ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्धय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रमोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजिहा किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख में निहित होगा।

শেৰ রী.जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट ग्राम चिकली; तहर्म!ल तराना; জিला उज्जैन; राज्य (मध्य-प्रदेण)

		अनुसूची:
अनु	क. खसरानं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हक्टर्स में)
1	2	3
1.	232	0.036
2.	279	0.318
3.	272	0.005
4.	278	0.154
5.	475	0.125
6.	458	0.049
7.	286	0.390
8.	290	0.300
9.	287	0.041
10.	276	0.010
11	200/1/1	0.024
12.	307	0.364
13.	357/1	0.615
14.	309	0.540
15.	359	θ, 4 90

1	2	3	
16.	353	0.2.0	of 1°T for experience sometimes on Africanishma across AAAMS
17.	371	0.014	
18.	368	0.090	
19.	367	0.340	
30.	369	9.039	
21.	377	0.047	
22.	376	0.182	•
23.	379	0.405	
14.	375	0.081	
25.	380	0.225	
26.	478/1/q°	0.360	
27.	476	0 319	
28.	455	0.414	
29.	456	0.164	
30.	459/1	0.342	
31.	461/1/1	0.605	
32.	461/1/3		
	46/2/1	aired same	
33.	433	0.010	
34.	358	0.025	
3 5.	454	9.025	
 कुल यं	ोग क्षे त्रफल	7.367	- W

[स. O-14016/504/84-जीपी]

S.O. 3587.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 54 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

CIDI	C1 4 C	DIDE	CINIC	PROJECT
HRI	(+AS	PIPE	LUNE	PROJECT

Villago: Chikli; Tehsil: Tarana; _______ SCHEDULE Survey No. Area to be acquired for R.O.U 111 hectar 232 0.036 1. 2.79 0.318 2. 2,72 0.005 3. 0.154 2 78 4. 475 0.125 458 0.049 6. 286 0.390 290 0.300 8. 287 0.041 9. 286 0.010 10. 200/1/10.02411. 307 0.364 12. 357/1 0.615 13. 309 0.540 14. 359 0.490 15. 352 0.21016. 371 0.014 17. 368 0.09018. 367 0.340 19. 369 0.020 20 377 0.047 21. 376 0.182 22. 379 0.405 23 375 0.081 24. 380 0.325 25. 478/1/1P. 0.360 26. 476 0.319 27. 455 0,444 28. 456 0.163 29 459/1 0.34230. 461/1/1 0.605 461/1/2 32. 462/1 433 0.01033. 358 34. 0.025454 0,025 35. TOTAL AREA 7,367

[No. O-14016/504/84-GP]

का. आ. 3588 — यतः पैट्रोलियम और खातिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 55 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों की बिछाने के लिए अजित करने का अपना आभय घोषिन कर दिया था। और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन संरक्षार को रिपोर्ट दे दी है।

और अागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनि-रचय किया है ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि १म अधिसूचना से संलग्न अन्-सूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा.

ए,बी,जे, नैस पाईप लाईन प्रीजेकट

ग्राम - भोइत्या	तहमील - तराना अनुसूर्वा	किला - जर्जीन : राज्य - मध्यप्रदेश
अन्. क.	खसरा न	त्रपर्याग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टमें में)
J	2	3
1	281	0.015
2-	383	0.081
3.	283/2	0.220
4.	283/3	0.202
5.	218.5/1	0 210
6-	285/3	0.260
7.	387	0.030
8.	421	0.231
9.	422/1	0.237
	422/2	
Į U.	423	0.032
11-	. 458	0.310
1.2-	459	0.288
13-	457	0.055
	 । क्षेत्रफल	2.071

[संव 14016/305/84-जीवपीव]

S.O. 3588.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 55 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government; And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Villago: Bhodalya:	Teshil : Tarana;	Distt. : Ujjain		
SCHEDULE				
S.No.	Survey No	Area to be acquired for R.O.U. (in hectare)		
1,	281	0.015		
2.	282	0.081		
3.	2.83/2	0.270		
4.	2.83/3	0 202		
5.	2.85/I	0.210		
6.	2 85/2	0.260		
7.	287	0.030		
8.	421	0.231		
9.	422/1	0.237		
	422/2			
10.	423	0.032		
11.	458	0.210		
12.	459	0.288		
13.	457	0.055		
<u> </u>	TOTAL /	AREA 2.071		
	[No. O-140	016/505/84-GP		

का. आ. 3589:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 114 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय बोबित कर दिया या।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीम सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोगका अधिकार अजित करने क: विनिश्चय किया है। अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में मंलग्न अनुसूचों में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बोपणा के प्रकाणन को इस सारीख को निहित होगा।

एवं .को .जे . गैस पाईप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : सोंकरा ;	तहसील : घटियाङ	जिला : उज्जैन:	राज्य : मध्य-प्रदेश
अनु.क.	खसरा ने.	ज्ययोग अधिका (हैक्टर्स में)	र अर्जन का क्षेत्र
	я	नुस्ची	
1	2	3	-
1.	45	1.129	
9.	68	0.178	
3.	7.0	0.178	
4.	81	0.094	
5.	131	0.366	
6.	67 मी.	0.063	
7.	72	0.324	
8.	79	0.199	
9.	133	0.115	
10.	7 1	0.021	
11.	$64_{i}1/1$	0.157	
12	73	0.470	
13.	8.6	0.052	
14.	124	0.031	
1.5	7.5	0.188	
16.	76	0.157	
1 7	77	0.105	
18.	78 मी .	0.105	•
19-	82	0.010	
20.	108	0.295	
31.	103/1	0.105	
22-	103/3	0.188	
23.	104	0.002	
<u>?</u> 4.	105	0.146	
25.	109	0.010	
26.	108	0.031	
27.	132	0.331	,
28.	-107	0.005	
29.	134	0.005	
30.	135	0.005	
योग कुल ध	————————— तेषक	5,066	

[मं O-14015/507/84 जी पी]

S.O. 3589.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 114 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India I td free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Jhonkara:	Tohsil: Ghata: Distt.:	Ujjain
	SCHEDULE	
₹S.No.	t acq for R	Area () o be puiredO.()
1,	45	1,129
2.	68	0.178
3.	70	0.178
4.	81	0,094
5.	131	0.366
tī	67M	0.063
7.	72	0.324
8.	79	0.199
9.	133	0.115
10.	71	0.021
11	64/I/1	0,157
12.	73	0.470
13,	86	0.052
14.	124	0.031
15,	75	0,188
·16.	76	0.157
17.	77	0.105
18,	78M:	0.105
19.	82	0.010
20.	108	0.293
21.	103/1	0.105
22.	103/3	0.188
23.	104	0.002
24.	105	0.146
25.	109	0.010
26.	106	0.031
27.	132	0.334
28.	107	0.005
29.	134	0.005
30.	135	0.005
	TOTAL AREA	5,066

का. आ. 3590:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिभूचना का. आ. स. 115 तारीख 12-1-85 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिभूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विद्याने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और अागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिण्चय किया हैं।

अब, अत: उन्त नियम की धारा 6 की उपधारा, (1) द्वारा प्रदत्त णिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिनतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि., में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

एच. बी जे, गैस पाईप लाईन ब्रोजेक्ट

अनुसूर्चा				
अनु. क.		उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)		
1.	25	0,042		
2.	23	0,125		
3.	24	0.449		
4.	1 1/3	0.899		
5.	1 1/2	0.136		
6.	1.1/1	0.073		
7.	3	0.042		
8.	2	0.157		
9.	1/2	0.073		

[No. O-14016/507/84-GP]

S.O. 3590.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 115 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Se tion 3 of the Petroleum and Ministrik Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands spe filed in the schedule appended to this notification;

Now, therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Centrar Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India 1 td. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Villago: Motipura;	Tehsil : Ghatiya;	Distt.	: Ujjain
	SCHEDULE		
S.No.	Survey N	be for	ea to acquired R.O.U. Hectar)
1			- 3
1.	25		υ. 042
2.	23		0.125
3.	24		0.449
4.	11/3		0.899
5.	11/2		0.136
6,	11/1		0.073
7,	11/1		0.673
8.	Ĵ		0.157
9.	1/2		0 073
TOTAL AREA	404 ==	·	1,996

[No. O-14016/508/84-GP]

कां. आं. 3591: --यनः पेट्टोलियम और खिना पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अबीन भारत सरकार के पेट्टोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आं. सं. 116 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संन्यान अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के

त्रौर यदः सक्षम प्राधिनाती ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दें दी ृहैं। और, अभे अतः केन्द्रीय सरकार ते उकत रिपोर्ट पर विचार मारी के पम्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में मिनि-दिण्ट भूभियों में उपयोग मा अधिमार अभित करने का विनिध्चय किया है।

अब, अतः उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार एत्र्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विभिद्रिय एक्त भूमियों में उपधीर का अधिकार पाइप लाईन विकास के प्रयोगन के लिये एत्रद्वारा अजित किया जाता है।

और अभे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होंगे के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बोषणा के प्रकाशन की इस तारीख सं निहित होगा।

एच० मी० जे० गैम पाईप लाईन प्रोजेक्ट

अनुमूची			
अन् . ऋ	खगरा नं,	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षे व (हैक्टर्स में)	
1	2	3	
1.	283	0,251	
2	285	0.867	
3.	294	0,596	
4.	296	0,021	
5	297	0.439	
ប់	347	0.397	
7.	3 4 4	0.063	
8.	352	0.272	
9	345	0.063	
1 0.	353	0 658	
11.	348	0.219	
1 2.	3 4 9/1	0.042	

म > 14016/509/84 पीपी

S.O. 3591.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 116 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying one-line;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And turnber whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pincline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Covernment vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Banskhedi;	Teshsil: Ghatiya:	Distt. : Ujjain
,	SCHPDULE	
S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. (in hectare)
1	2	3
1.	283	0,251
2.	2.85	0.867
3.	2 94	0.596
4.	296	0.021
5.	. 297	0.439
6.	347	0.397
7.	344	0.063
8.	352	0.272
9.	345	0.063
10.	353	0,658
11.	348	0.219
12.	349/1	0.042
TOTAL AREA		3.888

[No. O-14016/509/84-GP]

शा. आ. 3592:—यतः पेट्रोलियम और बानिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 125, तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिण्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जन करने का अपना आक्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीम सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमूचना से संलग्न अनुमूची में निनि— दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है। अब, अतः उन्त अधिनियम भी धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शन्ति का प्रयोग सन्ते हुए केन्द्रीय सन्कार एतद्द्वारा थोषित करती है कि इस अधिसूचना में मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लग्ह्म बिछाने के प्रयोगन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और अभे उस धारा की उपक्षारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच.की.जी. गैस गाईप लाईन प्रोणेक्ट

अनुसूची				
अनु. फ.	भ्रमगर्म.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)		
1	2	3		
1-	330/1	0.120		
2	330/2	0.041		
3.	331	0.031		
 कृल क्षेत्र ^प	हत्त्र योग	0.192		

[मं**० O**-14016/518/84**-**जीर्पा]

S.O. 3592.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 125 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

TOTAL AREA

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

_·, _ · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•	
Village : Bagwada;	Tohsii : Farana;	Distt. ; Unain
	SCHEDITE	

SCHEDULE

S.No.	Survey No. No.	Area to be acquired for ROU. (in hostare)
1	?	3
1. 2. 3.	330/1 330/1/ 331	0.120 0.041 0.031

[No. O-14016/518/84-GP]

0.192

का. आ. 3593-यतः पैट्रोलियम भ्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रश्विकार का मर्जन) प्रश्वितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का.मा. सं. 128, मारीब 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिधिष्ट भूमियो के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की विष्ठाने के लिए अजित करने का भ्रपना ग्राशय बोचित कर दिया था।

ब्रीर यत सक्षम प्राधिकारी ने उत्तर प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भन्नीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भीर भागे, यन. केन्द्रीय सरकार ने उनत रिपोर्ट पर विचार करने क परचातु इस श्रधिसूबना से संजग्न श्रागुची में विनिद्धिक भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार अजित करने का विनिवचय किया है।

भ्रम, ग्रसः उक्त ग्रधिनियम को धारा ६ की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदुद्वारा घोषिय करती है कि इस श्रधिसूचना में संलग्न धनुसूची में बिनिदिष्ट उक्त भूमियों में ह्मप्रोग का ग्रिधिकार पाइप-लाइन विछान के प्रयोजन के लिए एनव्द्वारा क्यजिल किया जाता है।

द्यार भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधायों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीक की निहित होगा।

एच. बा. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेश्ट

ग्राम : बिहारिया तहम.स : घट्टिया जिला : उज्जैन ; राज्य : (मध्य प्रदेश)

प्रनु. ऋ.	चनग नं.	चपयोग प्रधिकार धर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्समे
ι	6	0.209
2	4	0 178
3	5	0.052
f	1	0 021
— ধান কুল	 अविकसः	0 160

[सं **O-1**4016/52/84-जीपी]

S.O. 3593.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 128 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And lurther, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-scation (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Vihariya;	Teshil Bhatiya;	Distt. ; Ujjain
	SCHEDULE	
S. No.	Survey No.	Area to he required for R.O.U. (in hectare)
1	2	3
1.	6	0.209
2.	4	0.178
3.	5	0.052
4.	1	0.021
TOTAL AREA		0.460

[No. O-14016/521/84-GP]

का. आ. 3594.--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधि-मूचना का. आ. मं. 135 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय बोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनस्ची में विनि-दिप्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिण्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) ब्रारा प्रदत्त णवित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्बारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एसदुवारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करतें हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच ०-बी०-जे० गैस पाईप लाईन पोजेवट

प्राम: रलायत ;	सहसील : षट्टिया;	जिला : उ ज्जै न;	राज्य (म	ाध्य प्रदेश)

	भनुसूचः		
मन्. क.	खनरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैंक्टर्स में)	
1	2	3	
1.	32/2	. 0.274	
2.	32/1	0.320	
3.	28	0.021	
4.	29	0.365	
5.	30	0.458	
6.	22	1.102	
7.	4	0.553	
8.	19/2/1/1	1.568	
9.	20	0.115	
10.	10	0.413	
11.	9	0 992	
1 2-	72	0,091	
13.	11	0.020	
14.	75	0.365.	
1 5.	24	0.010	
16.	76	0.354	
17.	25	0.375	
18.	78	0.448	
19-	26/1/2/2	0.105	
20-	7 9	0 365	
21.	31	0.150	
22.	80/1	0.344	
23.	នា	0.081	
24.	35	0.010	
25.	1	0.030	
26.	19/0/3/2	0.125	
योग	मून क्षेत्रफल	8.969	

· [सं • O -- 14 0 16/5 28/8 4 -- जीपी]

S.O. 3594.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 135 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby cognized for largest the appendict. tion hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Govoernment directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Ralayati ;		
	SCHEDULE	
S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. (in heatare)
1	2	3
1.	32/2	0.274
2.	32/1	0.326
3.	28	0.021
4.	29	0.36
5,	30	0,458
6.	32	1.012
7,	4	0 553
8.	19/2/1/1	1.568
9.	20	0.115
10.	10	0.418
11,	9	0,993
12.	74	0 091
13.	11	0.020
4.	75	0.365
15.	24	0,010
6.	76	0.354
17.	25	0.375
18,	78	0.448
9,	26/1/2/2	0.105
20.	79	0,365
11.	31	0.150
2.	80/1	0.344
13.	81	0.081
4.	35	0,010
5.	1	0.030
6.	19/2/3/2	0.125
TOTAL AREA	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	8.969

[N., O-14016/528/84---GP]

का. मा. 3591---:यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन ंभूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपवारा (1) के अधीन भारत मरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की भ्रधिसूचना

का॰ आ॰ मं॰ 136 तारीख 13-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उपश्राधसूचता से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयान के श्रिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए श्रीजात करने का श्रुपना श्राध्य बोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और मार्ग यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचान् इस प्रधिसूचना से संस्थन मनुसूची में बिनिविष्ट भूमियां में उपयोग का मधिकार मंजित करने का विनिध्चय किया है।

श्रव, श्रदः उत्तः श्रिधितियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा श्रदण एक्टि का श्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्रद्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्देष्ट उत्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के श्रयोजन के लिए एत्रद्वारा श्रजित किया जाता है।

और भागे उस धारा की अपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा ।

ग्राम : रतायमा हेवत, नहसंक्ष्य : चट्टिया, जिला : उज्जैन, राज्य: (मध्य प्रदेण)

एख, ब. जे. गैस पार्डप लाईन प्रोजेक्टः

		ग्रनु सूचा
चनु. क.	खायरा नं.	अपयोग अधिकार अर्जन का सेन (हैक्टर्स से)
1-	66	0.561
2.	26	0.620
3.	24	0.443
4.	19	0.627
5	18	0.523
A	17/3	0 230
7.	16	0.080
8.	15	0.314
9.	67	0.071
10-	23	0.021
11.	14/2	0.438
12.	12/2/1	1.952
13.	147	1.002
14.	28	0.742
15.	53	0.105
16-	13	0.200
यो	ग कृत क्षेत्रफल	7.941

सं• O → 14016/529/84-जीपी।

S.O. 3595.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 136 dated 12-1-1985 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pireline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Ralayata Hewat, Tehsil: Bhatiya; Distt. Ujjain

SCHEDULE		
S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U (in Hectare)
- 	66M	0.564
2.	26	0.620
3.	24 .	0.443
4.	19	0.627
5.	18	0.523
6.	17/3	0,230
7.	16	0.080
8.	15	0.314
9,	67	0.071
10.	23	0.021
11.	14/2	0.438
12.	12/2/1	1,952
13.	147	1.002
14.	28	0,742
15.	55	0.105
16.	13	0.209
TOTAL AREA		7.941

[No. O-14016/529/84-GP]

सा. आ. 3596: - यह : पेट्रोलियम और व्यक्ति पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का सर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन मारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 299 नारीख 26-1-85 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संस्थम अनुमूची में विनिर्दिस्ट भूमियों के उपयोग के अधिमूचना के पाइपमाइनों को बिद्धान के लिए अजिन करने का अपना आणय घोषिन कर दिया था।

और यतः सक्कम प्राधिकारी ने उक्क अधिनियम की बारा 6 की उपधारा (१) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी हैं;

और आगे, यतः केर्याय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पश्कात् इस अधिसूनना से संसान अनुसूनी में जिनिविष्ट भूमियो में उपयोग का अधिसार अजिल करने का विनिध्य किया है;

अब, अन : उबन अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हाल पदा गंकिन का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एनहहारा वीवित करनी है कि इन अश्रिमुचना में संयम अनुसूची में विविधिष्ट उभत भूमियों में इपयोग का अश्रिकार पाइयकाइन विकान के प्रयोजन के लिए एनद्वारा अंजिन किया जाता है।

और आमे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदेश सिहत्यों का प्रतीस करते हुए, केक्ट्रीय नरनार में निहित होने के बजाब मारतीस गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाजाओं से मुक्त रूप में, बोणणा के प्रकाणन की कि तारी के की किहत होगा

एच० बी० खे० गैंग पाइप लाइन प्रोजेम्ट

ग्राम: पश्चेष तहम ल: षट्टिया जिला. उज्जैन राज्य: (मध्य प्रवश)

प्र नुस् च		
———— प्रनु. क.	स्वमगन.	उपयोग श्रधिकार श्रर्जन का क्षेत्र (श्वेटमं में)
1	2	3
1.	 172 (मः)	0 052
2.	173	0.063
.4,	196	0.514
4.	211	0.324
5	174	0.125
G.	175	0.042
- 7-	18 t	0.084
8.	182	0.136
9.	186	0.240
10.	197	0 240
11.	200	0.126
12.	198	0.063
13.	195/2	0.011
14.	199	0.376
15.	207	0.010
16.	209	0.418
17-	210	0.094
18.	217	0.010
19.	43 (मं)	0.220
20	41/4	0.606
24.	41/1 (मः)	0.240
22.	41/2	0.042
23.	42	0.082
24.	312	0.080
25.	170	0.036
26.	194	0.105
27 -	208	0.010
 यो	ग कुल ओबफल	4.129

[सं • O-14016/533/84--जी पी]

S.O. 3596.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 299 dated 26-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this petification:

Now, therefore, in exercise of the power conterred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Panched :	Tehsil: Ghatiya	
S.No.	Survey	Area to b
	No.	acquired for R.O.U in hectare
I.	17? M	0.052
2.	J 73	0.063
3.	196	0,314
4.	211	0.324
5.	174	0.125
6.	175	0.042
7.	181	0.084
8.	182	0.136
9.	186	0.240
10.	197	0.240
11.	200	0.126
12.	198	0.063
13.	195/2	0.011
14.	199	0,376
15.	207	0.010
16.	209	0.418
17.	210	0.094
18.	217	0.010
19.	` 43M	0.220
20.	41/4	0.606
21.	41/1 M	0.240
22.	41/2	0,042
23.	4?	0.062
24.	312	0.080
25.	170	0.036
26.	194	0.105
27.	2,08	0.010
TOTAL AREA		4.129

[No. O-14016/533/84--GP]

का. आ. 3597 --या पेट्रोनियम और खनित पाष्ठपताइन (धूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोन लियम मशालय की अधिम्बना का. आ. सं 305 तारीज 20-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमुबना में संखरन अनुसूची में विनिधिक्ट कृतिसीं के उपयोग के अधिकार की पाइणवाइनों की विद्यान के लिए अजिम करन का जाना आगय भोषित कर दिया था। भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उस्त अविनियम की धारा ० की इसकारा (।) के अर्धान संस्कार की स्पिटि दें दी हैं।

और आगे, यतः केन्द्रीय गरमार ने उक्त विषार्ट पर विचार करने के पक्ष्मात् इस अधिमूचता से संघय्म अनुसूची में विविधिक्ट मृतियों में उपयोग का अधिनगर अधित करने का विविध्यय किया है।

जब, अतः उन्त अधितिभम की भारा ६ की उपभारा (1) द्वारा प्रवत्त मक्ति का प्रयोग करसे दूष्ण केर्दाय सरकार एतद्द्वारा चौबित करती है कि इस अधिस्चला में संस्थत अनुसूची में बिनिटिस्ट उपन भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की प्रवास (4) द्वारा प्रदल प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतिय गैस प्राधकरण जि. में सभी बालाओं में मुबन सम में, जोषणा के प्रकाशन को निशिक को निहित होगा।

एच. च , जे. गैस पाइप लाइन ध्रोजेन्ट

प्राम वृंतिटिया, तहसःल घट्टिया, जिला~ उपनैन राज्य (मध्य प्रदेश)

शन् स् च।		
भ्रनु, क.	• — — • • व सरा नं.	उपयोग ऋधिकार ऋजैन का क्षेत्र (हैक्टंस में)
1	2	3
1.	264	0.792
2.	260/2	0.240
3.	. 45	0.439
4.	96,	0.314
5.	97/2/1	0.340
6.	86	0.334
7.	87	0 402
8.	69	0.084
s (ए)	67	0.240
9.	66	0 376
10	e 5	0.308
11.	109	0.557
12.	110	0.439
13.	59	1.045
14.	5 5	0.115
15	54	1 338
16	53	0.336
17.	261	0.010
18	258	0.005
19.	64	0.021
20.	259	0.021
21.	68	0 084
22.	8.5	0.005
23.	42	0.021
24.	158	0 063
———— योग	कुल क्षेत्रफल	7.959

S.O. 3597.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 305 dated 26-1-1985 under sub-acction (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India 1 td. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Ghunletiya;	Tehsil; Ghatiya;	Distt. : Ujjain
	SCHEDULE	
SI. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hecture
1	2	3
1.	264	0.792
2.	2 60/2	0.240
3.	95	0.439
4.	96	0.314
5.	97/2/1	0.340
6,	86	0.334
7.	87	0.402
8.	69	0.084
8.A	67	0.240
9,	66	0.376
10.	65	0.308
11,	109	0.557
12.	110	0.439
13.	59	1.045
14.	55	0,115
15.	54	1.338
16.	53	0.366
17.	2.61	0.010
18.	258	0.005
19.	65	0.021
20.	2 59	0. 02 1
21.	68	0.084
22.	85	0.005
23.	42	0.021
24.	158	0.063
TOTAL AREA	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	7.959

का. था. 3593 — यतः पेट्रोलियम ग्रीर व्यक्ति पाइपल। इन (भूमि में उपयोग के प्रक्रिकार का अर्जैत) प्रक्रितियम. 1962 (1962 की 50) की भ्रारा 3 की उपभारा (1) के अर्थित भारत सरकार के पेट्रोलियम संक्राप्त की अधिस्थला का. भ्रा. 306 तारीच 26-1-85 ब्रारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रजिस्कारों संलग्न भनुसूत्री में वितिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के प्रक्रिकार की पाइप लाइनों को विद्यान के लिए भूजित करने का ग्राप्त भ्राप्त भाष्त कर दिया था।

ग्रीर मतः मक्षम प्राधिकारी ने उनत श्रक्षिनियम की धारा 6 की उनभारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और भागे यत: केस्प्रीय सरैकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वितिदिष्ट भूमियों मे उपयोंग का अधिकार अजिन करने का वितिश्चय किया है।

मब, भनः उक्त श्रिमित्यम की भाषा 6 की उपधारा (1) शासा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संप्कार एतद्वारा बोबिस करती हैं कि इस श्रिम्बना में संलग्न धनुसूची से बिनिविक्ट उक्त भृतियों में उपबोग का श्रिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन लिए एतद्वारा श्रित किया जाता है।

भीत आगे जन भारा की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय तरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बोधणा के प्रकाशन की इस तारीक को निहित होगा।

प्राम: लालाबोड नलसाल: तराना जिला: उज्जीन राज्य: मध्य प्रदेश

एच. बं. जे. गैम पाइप लाइन प्रोजैक्ट

		ग्र न्, सूर्षः
দন্ দন্	श्वमगन. । उपयोगग्रक्षि	कार फ्रार्गन का क्षेत्र (हैक्ट्स में)
•		
1	2	3
1.	269	0.050
2.	270	0.050
3.	27	0.040
4.	273	0.160
5.	272	0.140
6.	267	0.085
7.	268	0.050
8.	284	0.090
9.	285	0 020
١٥.	300	0.070
1.	301	0.620
1 2.	216/1	0.070
1 3.	34 8/2	0.150
14.	349	0.030
15.	351	0.020
16.	343/376	0.030
1 7.	300/381	0.030
8.	337	0 540
9.	283	0.240
20.	298	0.090
21.	339	0.080

1	3	3
22.	3 (0	0,100
23.	341	0.150
24.	3 4 2	0 090
25.	343	0.050
⊭6.	347	0,020
27.	.450	0.090
24	350/3 85	0.200
29.	299	0.100
30	263/1	0.100
<u>.</u>	योग कुल क्षेत्रफल:	2,953

[स • O·14016/540/84-बी पी]

एम० एम० श्रीतियासन, प्रपासिक

S.O. 3598.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 306 dated 26-1-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in 1 and) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Villago: Lalakhedi;	Tehsil Tarana;	Distt. Ujjain
	SCHEDULE	
SI. No.	Survey N).	Area to be acquired for R.O.U. in Hoctare
1	2	3
1.	269	0.050
2.	270	0.050
3,	271	0,040
4,	273	0.160
5,	2.72	0.140
6,	267	0.085
7.	268	0.050
8,	284	0.090
9.	285	0.020
10.	300	0.070
11,	-331	0.02

· · · · · · =	aunten (s. 1864) en anten tintete 2		1 2	3
17 ; 13 ; 14 ; 15 ; 16 ; 17 ; 18 ;	3, 348/2 41, 349 5, 351 6, 343/376 7 300/381	2 0 150 0.030 0 020 376 0 930	23. 24. 25. 26. 27. 28. 29.	a41 0.11 343 0.09 342 0.05 347 0.02 350 0.09 350/385 0.20 299 0.10 263:1 0.10
20, 21, 22,	283 298 339 340	0 090 0.080 0 100	TOTAL AREA	2.9: [N). ()-14016/540/84-G M. S. SRINIVASAN, Dy. Sec

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय

(वन तथा बन्य जीव विभाग)

नई दिल्लीः दिनांक 12 जुलाई, 1985

का जो 3599:——राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गिकरण नियंवण तथा अपील) नियमाविली, 1985 के नियम 9 के उप नियम (2) नियम 12 के उप-नियम (2) को धारा (ख) तथा भियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एन्द्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व मंत्रालय को अधिसूचन। सेठ एस. आर. ओ 643-ए दिनांक 28 फरवरी 1957 में आगे और निम्न संणोधन करने है अर्थात .-

उक्त अधिसूचन) की अनुसूची में : -

(1) भाग 1 सामान्य केन्द्रीय सेवा सबूह ''ग'' तथा भाग 2 सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह ''घ'' में मौजूदा प्रविष्टियों के पण्चात जिस्तालिखित प्रविष्टिया जीड़ो जाएं, अर्थात ...

अनुसूची

''पद कः विवरण	नियोक्तः प्राधि कारी	दंड देने के लिये सक्षम प्राधिकारी जो 13 को मद मं. के संदर्भ में दड दे		अपील सुनने वाला अधिकारो
1	2 -	3	4	5
काण्ठ <i>ांन</i> ातसन वि	कृत्स सं्यान			
भाग- । – सामान	प बेन्द्राय सेक्ष समूह '	'ग'' पद		
निदेशकः करण्ठ	संपृक्त (भईशक	संयुक्त निदेशक	स भी	निदेशका काष्ठ
निष्कासत विकास स	स्थित	•		निष्कासन विकास संस्थान
के कार्यालय में समूह	5			
''ग'' के सम् पद				
साग 🙄 — सामान्य	केन्द्र.थ सेवः समूह ''ध			
्न‡शक क∵ठ	ांग्रुन निदेशक	संगुकत निदेश क	सभी	निदेशक काष्ठ
:नज्कासन विकास सं		•		निष्कासन विकास
के क(यलिय में सम्ह				संस्थान "
'घ''के सभी पद				

भोट —मूल विभिन्न गरित के राजपत्न के भाग $\Pi_{\rm r}$ खड़ 3 में कृष्यिमंत्रालय को अधिसूचमा सं. एस आर ओ 634— ए दिनांक 2-2-1957 में प्रकृशित काये गये हैं।

[सं० 6-5/84-वन स्था ०-2/पी-2] आर. एस. बिष्ठ, अवर सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

(Department of Forests and Wildlife) New Delhi, the 12th, July, 1985

S.O. 3599.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby further amonds the notification of the Government of India in the late Ministry of Agriculture, No SRO 634-A, dated 20th February, 1957, as follows, namely:—-

In the schedule to the said notification,--

(i) In part I, General Central Service Group 'C' and Part II, General Central Service Group 'D' after the existing entries the following entries shall be inserted, namely:--

SCHEDULE

"Description of post	Appointing Authority	Authorities Competent to impose penalties which it may impose (with reference to item number in rule 13) Penalties		Appellate Authority
1	2	3	4	5
LOGGING DEVELOR Part I—General Centra All Group 'C' Posts in the Office of Directors, Logging Development Institute	al Service Group 'C' posts Joint Director	Joint Director	. All	Director, L.D.I.
Part II—General Central All Group 'D' posts in the Office of the Direct Logging Development Institute.		Joint Director	All	Director L.D.1".

Note: The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Ministry of Agriculture No. SRO 634-A, dated 23-2-1957.

[No. 6-5/84-FE, II/P, II] R. S. BISHT, Under Secy.

विज्ञान और प्रीद्योगिकी विभाग

नर्ड दिल्ली, 8 जुलाई, 1985

का. श्रा. 3600 --राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल रोवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण श्रीर श्रापील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उप नियम (2) के खंड (ख) भीर नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त स्वित्यों का प्रयोग करते हुए, भाग्न सरकार के विज्ञान भीर प्रौद्योगिकी विभाग के श्रादेश का. श्रा. सं. 1047 तारीख 24-2-76 में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, श्राप्त :---

उक्त यादेश की ग्रनुसूची में,---

(i) "भाग-1 साधारण केन्द्रीय मेवा समृह "ग" भारतीय सर्वेक्षण" में कम संख्यांक 2 के पद के सामने स्तम्भ (2) में, स्तम्भ (3) की सद (i) में भीर स्तम्भ (5) की सद (ii) में "सर्किल निदेशालय/शाखा/संस्थान/केन्द्र/संग्रंत्र का प्रधान /उप महासर्वेक्षक" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, ग्रर्थात् :--- "निदेशक/उप महासर्वेक्षक"

(ii) "भाग 2—साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ध"—भारतीय सर्वेक्षण" में कम संख्यांक 2 के पद के मामने स्तम्भ (5) की मद (1) में, "मिकल निदेशालय/णाखा/संस्थान/के द्व संयव का प्रधान/उप महा-सर्वेक्षक" शब्दों के स्थान पर निम्नाशिक्षत रखे जाएंगे, ग्रथान्.—"निदेशक/उप महामर्वेक्षक"

[सं० 4-6/84-एम एव पी] स्रार, जी, मनसवासी, धेरक अधिकारी

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 8th July, 1985

S.O. 3600.—In exercise of the powers conferred by subrule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules 1965, the President hereby makes the following further amendments in the order of the Government of India, Department of Science and Technology S.O. No. 1047 dated 24-2-76, namely:—

in the Schedule to the said order, -

- (i) In "Part II General Central Service Group C—Survey of India" against the post at serial No. 2, in column (2), in item (i) of column (3) and in item (ii) of Column (5) for the words "Head of Circle/Directorate/Branch/Institute/Centre/Plant/Deputy Surveyor General", the following shall be substituted, namely;
 - "Director/Deputy Surveyor General";
- (ii) In "Part II General Central Service Group D—Survey of India"—against the post at serial No. 2 of column (5) in item (i), for the words "Head of Curcle/Directorate/Branch/Institute/Centre/Plant! Deputy Surveyor General" the following shall be substituted namely:
 - "Director/Deputy Surveyor General".

[No. 4-6/81-SMP]

R. G. MANSUKHANI, Desk Officer नीवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

शृद्धिपत्र

नई दिल्लो, 27 अप्रैल- 1984

का.आ. 3601.—मारत सरकार नोवंहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं० कर० आ० 2950 दिनांक 24-11-1984 के जो भारत सरकार के राजपत्र के भाग II खंड 3 उपखंड (ii) में प्रकाशित हुई थी, साथ सलंग्न अनुसूची में, मद संख्या तीन में प्रत्येक ट्रेलर के स्वीकृति भार के सीमा के स्थान पर इस कार्य के लिए निम्नलिखिनत सीमा निश्चित की जाती है ।

सामने का एक्सन लोड 7.60 पीछे का एक्सन लोड 20.30 कल लदा भार 27.90

फाइल सं. टी०डब्ल्यूप्टी०जी० एम० (63)/84]

प्रदीप सिंह उप सचिव,

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(Transport Wing)

CORRIGENDUM

N.w Delhi, the 27th April, 1985

S.O. 3601,—In the Government of India, Ministry of Shippeding and Transport (Transport Wing) Notification No. S.O. 29 5 dated 24-11-1984 published in the Gazette of India Part II Section 3, Sub-section (ii), in the Schedule appended thereto, in place of limits specified against item No.3 relating to recommended load of each trailer, following shall be substituted:—

Front axle lead 7.60 t Rear tandem axle load 20.30 t Gross laden weight 27.90 t

[File No. TW/TGM (63)/8.]
PRADEEP SINGH. Dy, Secy

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोड)

नई दिल्ल , दिनांक 11 जुलाई 1985

का०आ०360? .—-रेल मंत्रालय क. 30-1-1985 क. अधिसूचना मं 85 ई(ओ) Π को निरस्त करने हुए, केन्द्राय सरकार भारतीय नेज अधिनियम, 1890(1890 अधिनियम ix) का धारा बी 2

हारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, 6-6-1981 को पूर्वोत्तर रेलवे पर बागमतः नदः पर हुई 416 डाउन पैसेंजर गाड़. क. दुर्घटना से उत्पन्न सभा दायों का निपटान करते के लिए एतदहारा श्र. व ० एन० मिश्र सेवानिवृत्त जज को अपर तदर्थ दावा आयुक्त के रूप में नियुक्त करत है। उनका मुख्यालय महरमा होगा।

[सं० 85/ई(ओ)II/1/4]

ए०एन० वाचू सचिव, रंलवे बोडे एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 11th July, 1985

S.O. 3602.—In cancellation of the Ministry of Railways' notification No. 85E(O)H/1/4 dated 30-4-1985, the Central Government, in exercise of the powers conefrred by Section B2 B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890), hereby appoints Shri V. N. Misra retired Judge as Additional Ad-hoc Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of the accident to 416 DN Passenger train on Bagmati River on North Eastern Railway on 6-6-1981. His Headquarters will be at Saharsa.

[No. 85/E(O)II/1/4]

A. N. WANCHOO, Secy. Railway Board & Ex-Officio Jt Secy. to the Govt. of India.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1985

का०आ० 3603.—स्यायो आदेश संख्या 627, दिनांक_8 मार्च 1980 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डक्त-तार महानिदेशक ने खेदब्रमा टेल फोन केन्द्र में दिनाक 16-8.85 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं**॰** 5- 7/85 पीएचबी]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS (P & T Board)

New Delhi, the 15th July, 1985

S.O. 3603.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March. 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-8-1985 as the date on which the Meanred Rate System will be introduced in Khedbrahma Telephone Exchange Gujarat Circle.

[No. 5-7/85-PHB]

का०आ० 3604. —स्यायो आदेश संख्या 627, दिनाँक 8 मार्च, 1980 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने हिन्दोलि टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-8-84 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं• 5 : 8/ 8 5र्पाएन बो]

अजरामसिहस, सहायक महानिदेशक (पी.एच.बी.)

S.O. 3604.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 1-8-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Hingoli Telephone Exchange Maharashtra Circle.

[No. 5-10/85-PHB]

B. R. SINGH, Asst. Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय

नर्ष विल्ली, ७ ज्ञानार्ष, 1985

भुद्धि-पञ्च

का० आ० 3605:---भारत सरकार के श्रम और पुनर्थान महालय की विसूचना संख्या का.आ. 4307 तार्राख 20 नवस्वर, 1:34 जो कि भारत के राजपन भाग 2, खंड 3 (ii) में पृष्ठ 4016---4017 पर तारीख 8-12-1984 को जमानित हुई है की पहली तथा दूसरी पिक्त में "केन्द्रीय सरकार , ठेका श्रम (विनियमन और उत्पादन) प्रधिनियम, 1970 (1970 का 37)" शब्दों के स्थान पर "केन्द्रीय सरकार, ठेका श्रम (विनियमन और उत्पादन) प्रधिनियम, 1970 (1970 का 37)" पढ़े। परें।

[मंऽ एस-16025/22/84-एल .डब्ल्यू] र्पा. की. महिली, उप-सीचन

नई दिल्लं, 10 जुलाई, 1985

का.आ. 3506 — औद्यं गिक विवाद अधिनियम, 1917 (1947 का 14) की घार। 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार कड़केला म्हें लाट आफ स्टोल आरियी आफ इंडिया लिमिटिट के प्रबंधकतन्न से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बोच अनुबंध में निर्दिष्ट आंद्योगिक विवाद में औद्योगिक प्रधिकरण, भूवनेण्यर के पचाट को प्रकाशित करने। है जो केन्द्रीय सरकार को 2 नुकाई 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O. 3606.—In pursuance of section 17 of the Industrial D'sputes Act_/1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESWAR PRESENT:

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 6 of 1979 (Central)

Bhobaneswar, the 26th June, 1985

BETWEEN

The employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Ltd.--

First-party

AND

Their workmen

-Second-party

APPEARANCES:

- Shri B. Panda, Deputy Manager (PL-IR), Rourkela Steel Plant Rourkela—For the first-party.
- Shri B. C. Mohapatra, Vice-President, Rourkela Mazdoor Sabha, Rourkela—For the second-party.

AWARD

Dispute referred to by the Central Government for adjudication under Section 7A and Clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Notification No. L-29011/37/78-D.HI (B), dated 17th December, 1979 of the Ministry of Labour reads thus:

- "Whether the action of the management of Barsua Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of Ind'a Ltd., in not regularising in service 42 temporary workers, as mentioned in the annexures, is justified? If not, to what relief the workmen are entitled and from which date?"
- 2. On the date of hearing, i.e. 4-6-1985, both the parties filed a joint petition along with a Memorandum of Settlement praying to pass an Award in terms of the settlement. They admitted the terms of the settlement before me and stated that they had entered into the settlement without any coercion or duress in the interest, of industrial peace and harmony. The settlement appears to be fair.
- 3. Hence I pass this Award in terms of the settlement and the Memorandum of Settlement do form part of the Award.

K. C. RATH, Presiding Officer [No. L-29011,37]78-D.HI(B)]

MEMORANDUM OF SETTLEMENT DATED 4-6-85 BFT-WEEN THE MANAGEMENT OF SAIL, ROURKELA STEEL PLANT, ROURKELA AND THE ROURKELA MAZDOOR SABIIA (RECOGNISED UNION) REPRE-SENTING THE TEMPORARY WORKERS OF BARSUA IRON MINES

Represent ng Management:

- 1. Sri R. C. Mohan(y Dy. General Manager (M&Q)
- 2. Sri P. K. Das Chief Personnel Manager
- Sri R. N. Bhanja Addl. Chief Personnel Manager (Non-Works)
- 4. Sri S. Acharya
 Dy. Chief Personnel Manager
 (1R & Mines)

Representing Union:

- 1. Sri B. C. Mahapatra Vice-President, RMS
- Sri R. K. Samantrai, General Secretary, RMS.
- 3. Sri P. K. Pattnaik
 Executive Member, BIM, RMS.

SHORT RECITAL OF THE CASE

In Industrial Dispute Case No 6/79(C) between the Management of Steel Authority of India Limited, Rourkela Steel Plant and the Rourkela Mazdoor Sabha Barson Branch (representing the temporary workers of Barsua Iron Ore Mines), the following matters has been pending adjudication before the Presiding Officer, Industrial Fribunal, Orissa, Bhubaneswar.

"Whether the action of the Management of Baisua Ion Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, in not regularising in service 42 temporory workers as mentioned in the annexure, is justified? If not, to what relief the workers are entitled and from which date?"

The Management's position in relation to the dispute was that regularisation of such temporary workers in Rourkeln Steel Plant is being done as per the prevailing practice of the Management. The 42 temporary worknen involved with the dispute could not be regularised as they did not fulfil the laid down criteria. The union's contention was that these 42 persons have already put in more than 10 years service with the company and as such, the Management

should consider their claim for regularisation.

During the pendency of the adjudication proceedings, the parties have held mutual discussion between themselves and agreed to amicably settle the above dispute on the following terms:

TERMS OF SETTLEMENT

- 1. In view of the fact that the temporary workers are already being extended with all benefits at par with regular employees, it is agreed that for the purpose of job restructuring for gainful utilisation, the 42 temporary employees as mentioned in the schedule of reference shall be created as regular employees for all purposes and they will be put on a separate channel of promotion taking care of the fact that the employees of existing channel of promotion and their seniority position are not adversely affected. Such workers who have completed 10 years or more service in existing grades, shall be given higher grade under the existing SLPG Scheme in force in RSP with immediate effect.
- 2. That both parties will jointly move the Houble Industrial Tribunal to pass an 'Award' in terms of this settlement.
- 3. That the union agrees not to raise any of further dispute concerning regularisation of such temporary workers in future.

SIGNATURES OF THE PARTIES

Representing Management:

(R. C. Mohanty)

Deputy General Manager (M&Q)

(P. K. Das)

Chief Personnel Manager

(R. N. Bhanja)

Addl. Chief Personnel Manager (Non-Works)

(S. Acharya)

Dy. Chief Personnel Manager (IR and Mines)

Representing Union:

(R, C. Mahapatra)

Vice-President, RMS.

(R. K. Smantrai)

General Secretary, RMS.

(P. K. Pattnaik)

Executive Member, BJM, RMS.

Witnesses :

I. (N. C. Ghose)

Dy. Manager (PL-OMQ)

2 (B. Panda)

Dy, Manager (PL-IR)

नर्ड दिल्ली, ११ ज्लाई. 1985

को आ. १६०७. ----श्रीद्योगिक विवाद श्रिधित्यमः 1947 (1947 का 14) की धारा 17 ते अनसरण में, केन्द्रीय सरकार होतीमलाई आयरत और माइंज आफ भैरामं एन० एम० डी० मी० लिमिटेंट डोनीमलाई के अधंधांत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिट औद्योगि विवाद में औद्योगिक अधिकरण गांधी नगर. वगला के पंचाट की प्रकाणित करती है. जो केन्द्रीय सरकार की उज्ज्वाई, 1985 की प्राप्त हुआ था।

New Defhi, the 11th July, 1985

S.O. 3607.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Gandhinagar, Bangalore as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Donimalai Iron Ore Mines of M/3, N/M O.C. Ltd., Donimalai and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAK, BANGALORE

Bangalore, the 27th June, 1985

PRESENT:

Sri R. Ramakrishna, B.A., B.L., Presiding Officer Central Reference No 17 of 1985

I Party:

The General Secretary, Donimalar Iron Ore Mine Employees Association, Donimalar.

Vs.

H Party .

The Project Manager. Dominalai Iron Ore Mine of NMDC, Doninalai Township Doninalai

APPEARANCES:

I or the I Party-None present.

For the II Party-None present,

REFERENCE:

(Government Order No. L-26012(12)/84-D,III (B) dated 26-4-85).

AWARD

The Central Government after forming an opinion that an industrial dispute exists between the I and II parties has referred this matter to this Tribunal to sumbit an award within the period of six months in exercise of the powers conterred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947. The point for adjudication is stated hereunder:—

"Whether the action on the part of the Management of in relation to the Donimalai Iron Ore Mines of M/s, National Mineral Development Corporation Ltd., in ignoring the claims of Shi S.B.P. Siddaiah and K. Mahadevan, Assistants (Materials) for promotion to the rosts of Junior Officers is justified? It not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

- 2. Consequent to receipt of this reference on 30-4-85 Registered notices are issued to both the parties and they have not made any representation though they have received the notices and hence the case was adjourned on three occasions for appearance of the parties but they have failed to appear in spite of these adjournments. On 21-6-85 this office has received a copy of the letter addressed to the Under Secretary to the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, New Delhi.
- 3. It is stated in the letter in relation to the reference cent to this Tribunal that this dispute relates to the departmental test procedure as incorporated in a Memorandum of Settlement dated 23-8-80 between the partes. However, the test procedure was again taken up for deliberations on 3-1-84 and by mutual understanding and co-operation in the overall interest and industrial peace they have arrived at a fair and amicably settlement on 22-2-85 and accordingly signed the Memorandum of Settlement which has already been implemented and as required under Rule 58(4) of the Industrial Disputes (Central) Rules both the parties to the settlement have jointly sent a copy of the settlement dated 22-2-85, vide their letter dated 25-2-85 and presumably the fact that an amicable settlement has already been arrived at between the parties on 22-2-85 was not properly linked with the papers and therefore the order dated 26-4-85 under reference has been pessed.
- If he year of this letter which discloses that the parties have already settled this issue by natural agreement it is presumed that they have will not appear before this Tribanal for getting an adjudication. In view of the situation, I

find no reason to continue this case. Hence I pass the tollowing award:-

AWARD

In view of the above, the reference is rejected as infructuous.

(Dictated to the Stenographer, transcribed and typed by him and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer [No. L-26012]12[84-D.HI(B)]

कारुआर 3608. — आधारिक जिबाद अधिरियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार करकेला म्ट.ल प्लाट आफ स्ट.ल आपीट्रिटा आफ डीडिया लिमिटेड के प्रबंधतन से सम्बद्ध नियोजकी और उनके कर्मकारों के बाच अनुबंध में निदिष्ट आधीरिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मुबनेण्वर के पंचाट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 2 जुलाई, 1985 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 3608.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of Inda Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESWAR PRESENT:

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 2 of 1979 (Central) Industrial Dispute Case No. 2 of 1981 (Central)

Bhubaneswar, the 26th June, 1985

BETWEEN

The employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited. First-party

AND

Their workmen

Second-party.

APPEARANCES:

Shri B. Panda, Deputy Manager (PL-IR), Rourkela Steel Plant, Rourkela—for the first-party.

Shri B. C. Mohapatra, Vice-President, Rourkela Mazdoor Sabha Rourkela—For the second-party.

AWARD

Dispute referred to by the Central Government for adjudication under Section 7-A and Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Notification No. L-26011/12/77-D.III (B) dated 30-6-1979 and 16-1-1981 of the Ministry of Labour reads thus:

"Whether the demand of the temporary workmen of Barsua Iron Ore Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited for grant of Incentive Bonus, according to the Incentive Earning Scheme introduced by the management for regular non-executive employers with effect from 1-8-1975 is justified? If so, to what relief they are entitled and from what date?"

2. On the date of hearing, i.e., 4-6-1985, both the parties filed a joint petison along with a Memorandum of Settlement praying to pass an Award in terms of the settlement. They admitted the terms of the settlement before me and stated that they had thered into the settlement without any coercion or duress in the interests of industrial peace and harmony. The settlement appears to be fair,

3. Hence I pass this Award in terms of the settlement and the Memorandum of Settlement do form part of the Award.

Dictated and corrected by me.

K. C. RATH, Presiding Officer

[No. L-26011]12[77-D.III(B)]

MEMORANDUM OF SETTLEMENT DATED 4-6-85 BETWEEN THE MANAGEMENT OF S.A.I.L., ROUR-KELA STEEL PLANT, ROURKELA AND THE ROUR KELA MAZDOOR SABHA (RECOGNISED UNION) REPRESENTING THE TEMPORARY WORKERS OF

BARSUA IRON MINES

Representing Management :

- 1. Sri R. C. Mohanty
 Dy. General Manager (M&Q)
- Sri P. K. Das, Chief Personnel Manager
- Sri R. N. Bhanja, Addl. Chief Personnel Manager (Non-Works)
- 4. Sri S. Acharya,
 Dy Chief Personnel Manager
 (IR and Mines).

Representing Union:

- Sri B. C. Mohapatra Vice-President, RMS
- 2. Sri R. K. Samantarai General Secretary, RMS
- 3. Sri P. K. Pattnaik, Executive Member, BIM, RMS
- 4 Sri N. Behera, Secretary, RMS, BIM

SHORT RECITAL OF THE CASE

In I. D. Case No. 2/79(C) and 2/81(C) between the Management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, Unit, Barsua Iron Mines, and the temporary workers of Barsua Iron Mines, represented by the Rourkela Mazdoor Sabba, Barsua Branch, the following matters have been referred for adjudication to the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar by the Central Government.

I. D. 2/79 (C)
I. D. 2/81 (C)

Whether the demand of the temporary workers of BIM of Rourkela Steel Plant of SAIL for grant of Incentive Bonus, according to the Incentive Earning Scheme introduced by the Management for regular non-executive employees with effect from 1-8-75 is justified? If so, to what relief they are entired and from what date."

That there are some temporary workers employed in Barsua Iron Mines who are not covered under the modified Incentive Scheme (1979) for Barsua Iron Mines which was given effect to from 1-11-78 but such workers are covered under the Incentive Earning Scheme meant for such of the mon-executive employees who earlier were not covered under any incentive scheme. This scheme was given effect to from 1-8-75. The Rourkela Mazdoor Sabha raised an Industrial Dispute concerning the temporary workers of Barsua Iron Mines who are covered under the Incentive Earning Scheme which come into force from 1-8-75 and not under the modified Incentive Scheme (1978) demanding that the temporary workers should be brought under the modified Incentive Scheme (1978) for Barsua Iron Mines. Upon failure of conciliation, the matter was originally referred and registered by I. D. Case No. 2/79 (Central) which was subsequently referred and registered as I. D. Case No. 2/81 (Central).

During the pendency of the proceedings the parties in the interest of industrial peace and social justice have agreed to amicably settle the aforesaid dispute and after detailed discussions both the Management and the Union have agreed to settle the dispute on the following terms.

TERMS OF SETTLEMENT

- 1 It is agreed that the temporary workers of Barsua Iron Mines will be covered under the modified Incentive Scheme (1978) of BIM w.e.f. 1-7-81 and they will continue to get the benefit of the said Scheme revised from time to time by the Management.
- That such temporary workers will be paid incentive bonus w.e.f. 1-7-81 at the rates applicable to different incentive groups of the modified Incentive Scheme under which they have worked in BIM.
- 3. That this settlement fully and finally settles all disputes concerning incentive to temporary workers of Barsua Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited. The Union representing the workers agreed not to raise any other or further dispute concerning the same matter relating to the temporary workers of BIM.
- 4. That the Management agrees to make payment of the incentive bonus in terms of the cettlement within two months of the notification of the 'Award' of the Industrial Tribunal.
- 5. That both the parties will jointly approach the Honble Industrial Tribunal. Orissa by making joint petition to dispose the case No. I. D. 2/79(C) and 2/81(C) on the terms above said and gray for an 'Award' in terms of the settlement.

SIGNATURE OF THE PARTIES Sd/-

(R. C. Mohanty)

Dy, General Manager (M&Q) Sd/-

(P. K. Das)

Chief Personnel Manager

(R. N. Bhanja)

Addl. Chief Personnel Manager (Non-Works)

(S. Acharya)

Dv. Chief Personnal Manager 1R and Mines

(B. C. Mohapatra)

Vice-President, RMS

(R. K. Samantrai)

General Secretary, RMS

(P. K. Pattnaik)

Executive Member, RMS, BIM (Narayan Behera)

Secretary, RMS, BIM

Witnesses:

I. (N. C. Ghosh)

2 (B. Panda)

का. आ. 3609 . औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस०डी अोल. टेवीकोन्स. कटक, के प्रवंद्यतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्षकारों के वीप में निर्मिष्ट औद्योगिक विवाद में अनुबंध केन्द्रीय औद्योगिक अधिकरण भूवतेष्यर के पंचाट की प्रकारित करनी है. जो केन्द्रीय सरकार की 2 जनाई 1985 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 3609.—In pursuance of section 17 of the Industrial Depute, Act. 1947 (11 of 1947), the Central Government bereby publishes the award of the Industrial Tribinial, Bhuvaneswar, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of be. O. Telephones, Cuttack and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BIJUBANESWAR

PRESENT:

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 1 of 1985 (CENTRAL)

Dated, Bhubaneswar, the 21st June 1985

BETWEEN:

The employers in relation to the management of S.D.O.
Telephones, Cuttack. First-Party

AND

Their workmen

Second-party

APPEARANCES:

Shri Gangadhar Das, S.D.O., Telephones

Sti P Acharya Asst General Manager.

For the First-party

Sri S.K. Mitra, General Secretary, Rhuratiya Muzdoor Sangh For the Second-party

AWARD

Disoute referred to by the Central Government for adindication under Clause (d) of Sub-section (1) or Subsection (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Notification dated 8-1-1985 of the Ministry of Labour and Rehabilitation. Department of Labour reads thus:

- Whether the action of the S.D.O., Telephones (P&T Dept.), Cottack, in terminating the employment of SiShri P. K. Barik. B. D. Penda, S. K. Das and K. C. Behera, casual mazdoors weef 1.3-1983 is legal and justified? If not, to what relief are the workmen entitled?
- 2 First-party employer is the management of S.D.O.. Telephones, Cuttack whereas the second party workmen were its employees engaged as casual mazdoors for laying cables from 10-9-1981 till 1st March, 1983 where there services were terminated as no longer required and hance, the dispute.
- 3. Second-narty workmen challenged the order of termination of their services as illeral mainly on the ground of non-compliance of the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. 1947.
- 4. Plist-party employer filed y counter stating that the second-party members are not the workmen and hence the case is not governed under the industrial Disputes Act. It is further stated that the reference is not maintainable for non-loinder of the Union of India as necessary party. Lastly it is stated that the second-party members were refused employment with effect from 1-3-1983 after the completion of the work for which they were engaged and they were taken in again in January 1984 when work was available for them.

5. One witness was examined for the second party workmen and one for the first-party employer. The witness era mined for the first-party employer is the Assistant General Tele-communication (Staff and Administration). Manager. He has exhibited the relevant documents, Exts. A and E and on a reference to the same it appears that the second-party workmen were engaged for laying cables from 10-9-1981 iill 1-3-1983 when employment was refused to them as no longer required. But in evidence it is stated by him that when specific job was over and funds on other heads were not available for continuous employment of the aforesaid second-party workmen they were informed that their services were no longer required. No document or any corroborative moterial is placed on record to lend support to his evidence that the services of the second-party workmen were terminated for non-availability of funds. On the other hand, it is stated in the written-statement that the services of the secondparty workmen were terminated after completion of the work for which they were engaged. Thus it would be seen that the stand taken by he first party employer in the matter of termination of the services of the second-party workmen is not consistent. Whatever that may be, the fact remains that the second-party workmen worked from 10-9-1981 to 28-2-1983 and as such, their services should not have been terminated witnout complying with the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. At the time of argument submission was made relying on a decision reported in A.I.R. 1963 1914 (Sur Fnamel and Stamping Works in A.I R. 1963 Ltd. Vrs. Their workmen) that the workmen were not entitled to any retrenchment benefit prior to the termination of their services. I have gone through this decision and what I find is that it does not help the first-party in any way in view of the admitted facts as stated above that the secondparty workmen were in continuous service from 10-9-1981 till 28-2-1983. Retrenchment benefit not having been given to the second-party workmen, the impugned order terminating the services of the second-party workmen must be held to be neither legal nor justified.

6. One ground is taken that the second-party members are not workmen. But at the evidence stage, it is not pressed. One more ground is also taken in the written-statement that the Union of India not having been made a party to the case, the reference is not maintainable. In this connection reliance we inflaced on a decision reported in A.I.R. 1977 S.C. 1703 (K.K. Shrivastava Vrs. Bhupendra Kumar Jain and others) which is completely beside the point insemuch as it is not a case arising out of any dispute under the Industrial Disputes Act. 1947. To sum up, the impuring order terminating the services of the second-party workmen is neither legal nor instified.

7. In the result, the action of the S. D. O. Telephones (P&T Dentt.). Cuttack, in terminating the employment of S'Shri P. K. Barik, B. D. Panda, S.K. Das and K.C. Behera, casuar mordoors with effect from 1.3-1983 is neither legal nor justified. Since the second-party workmen have been reinstored in the meanwhile they be na'd back wages for the period from 1-3-1983 to 31-3-1984.

8. The Award is passed accordingly

K. C. RATH. Presiding Officer. [No. I -40011'1[83-D.H(B)]

Dt. 21-6-85

Dictated & corrected by me.

K.C. RATH, Presiding Officer,

Industrial Tribunal, Orissa, Bhuwaneswar

का.था. 3610—-याँचोिकि विवाद अधिष्यिम, 1947 (1947 का 14) के धारा 10 के अनुमरण में, जन्द्र य सरकार बैला दिला आयरन भ्रीर प्रोजेक्ट तं 14 डाकवा किरताए. जिया वस्तर (मंजप्र) के

प्रबंधसंत से सम्बद्ध नियोजकों भीर उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में विदेश्य यौद्योगिक विवाद में केंद्र य गुरक्षर यौद्योगिक बिधकरण अबई-3 के पंचाट को प्रकारित करात है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई-1985 को प्राप्त हुआ था।

and the second section of the second second section of the section of the second section of the section of t

S.O. 3610.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay-II. as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in inclation to the management of Bailadila Iron Ore Project Doposit No. 14. Post Office Kirandul, District Pastar (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

BEFORE SHRI M.A. DESHPANDE, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NO. II, BOMBAY (CAMP AT

JABALPUR)

Case No. CGIT-2|24 of 1985 (Bombay) Case No. CGIT₁LC(R) 21 of 1984 (Jabalpur)

PARTIES:

Employers in relation to the management of Pailadila Iron Ore Project, Deposit No 14, Post Office Kirandul District Bastar (M.P) and their workman represented through the S.K.M. Sangh, Bailadila Iron Ore Project Dept. No. 14, Post Office Kirandul, Distt. Bastar (M.P.)

APPEARANCES:

For Workman—Shri M. P. Pandey, Secretary.
For Management—Shri P. S. Nair, Advocate Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY: Iron Mining DISTRICT: B'astar (M.P.)

AWARD

Dated 1st July, 1985

By Order No. L-26012/10/83-D.III(B) dated 8th March. 1984 (Transferred vide Order No. S-11025(1)/85-B.IV(B) dated the 8th Febuary, 1985) the following disute had been referred for adjudication under Section 10 of the Industrial Disutpes Act, 1947.:—

"Whether the action of Bailadila Iron Ore Project.
Deposit No. 14, Post Office Kirandul Distt. Bastar (MP) of National Mineral Development Corporation in not granting proper seniority to S/Shri Gajadhar and Lachhayya in Gr. I and denying promotion to Gr. I from 15-4-70 while promoting Shri Rambalam Singh JHD Gr. III to Gr. I, is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

2. From the statement of claim filed by the Union on behalf of the workmen concerned the contention of the Union seems to be that ignoring the claims of the two workmen viz. Shri Gajadhar and Shri Lachhayya who were placed in Grade II. third workman viz. Shri Rambalam Singh who though was in Gr. III was promoted earlier to Gr. I from 15-4-1970 and therefore the two workmen are entitled to the promotion from the same date with the ancillary benefits.

- 3. This contention of the Union is denied by the management who says that the workman concerned viz. Shri Rambalam Singh was first appointed on 1-9-1965 while the two workmen for whom the reference is made were appointed on 25-6-1966 and 26-11-1966 respectively. It is further stated that the date of regular appointments of these three workmen viz. S/Shri Rambalam Singh, Lachhayya and Gajadhar were 17-6-1966, 1-6-1968 and 1-6-1968 respectively. It is a case of the management that at the time of appointing Shri Lachhayya and Shri Gajadhar as JHD Gr. II the fact that Shri Rambalam Singh was senior to them escaped attention and therefore this error was rectified while promoting Shri Rambalam Singh to JHD Gr. I. In short, the case of the management is that Shri Rambalam Singh, in fact because of the seniority was entitled to the post and hence no relief can be claimed by the two workmen.
- 4. The only question which therefore arises for determination is whether the two workmen viz., S|Shri Gajadhar and Lachhayya were senior to Shri Rambalam Singh and therefore they were entitled to be promoted at least from the date when Shri Rambalam Singh was put in Gr. 1.
- 5. On the date of hearing although the matter was fixed at Jabalpur and notices were issued to the parties the Union sent a telegram but advanced no convincing reason for adjournment and therefore the prayer was rejected, as a result of which there was absolutely no evidence on the part of the Union in support of their contentions or to negative the stand of the management that Shri Rambalam Singh, in fact by virtue of appointment carlier was senior to these two workmen and that an injustice which was caused to him earlier was redressed by making the requisite appointment. The result is that in the absence of any proof which was expected, no finding in favour of the Union or the two workmen can be noted, hence no relief is possible as the action of the management is not held to be unjustified.

Award accordingly.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer [No. L-26011|10|83-D, III(B)] HARI SINGH, Desk Officer

मई दिल्ली, 11 जुलाई, 1985

का आ० 3611 — औस्त्रोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार आधा बैंक के प्रबंधनंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट की प्रकारित करती है जो कन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई, 1985 की प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th July, 1985

S.O. 3611.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal. Bhubaneswar as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Andhra Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHNBANESWAR

PRFSENT:

Shri K. C. Rath, B.I.., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 1 of 1983 (Central)
Dated Bhubaneswar, the 2'st June, 1985

BETWEEN

The Employer in relation to the management of Andhra
Bank ...First-party

AND

Their workmen APPEARANCES:

...Second-party

- Shri P. Pannuswamy, Personnel Officer, Regional Office, Andhra Bank, Bhubaneswar—For the first-party.
- Shri M. Das, Vice-President, Andhra Bank Employees' Union. Gosaninuagaon Branch, Berhampur (Ganjam)--For the second-party.

AWARD

Dispute referred to by the Central Government for adjudication under Section 7-A and Clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 vide Notification No. I-12011(3)/82-D.IV(A) dated 20-1-1983 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour, reads thus:

- "Whether the proposed action of the management of the Andhra Bank in relation to its Rourkela branch to withdraw the facility of payment of House tent subsidy at the flat rate of Rs. 150|- per month to non-subord nate staff and Rs. 100/- per month to subordinate staff of the Bank and instead pay them house rent allowance in terms of para 12(ii) of the Bipartite Settlement dated 31-10-1979 with effect from 1-6-82 in pursuance of its notice dated 9-4-82 under section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"
- 2. It is not in dispute and is admitted by both the parties that the workmen of the first-purty employed at Rourkela Branch were previously enjoying the benefit of house rent subsidy at the rate of Rs. 150 per month for non-subordinate staff and Rs. 100 per month for subordinate staff. It is also admitted that by notice issued under Section 9-A of the Industrial Disputes Act, the first-party decided to withdraw that benefit with effect from 1-6-1982 and as a result, dispute was raised and the conciliation having failed, the present reference was made. Subsequent to the reference the management has decided to withdraw the notice issued under Section 9-A of the Industrial Disputes Act. In evidence it is stated by the Personnel Office, Andhra Bank Regional Office, Bhubaneswar, examined as witness No. 1 for the management that the notice issued under Section 9-A of the Act is treated as withdrawn. A petition is also filed in court to that effect. Such being the state of affairs, the reference needs no answer as it has become infructuous.
- 3. In the result, I would hold that the reference has become infructuous, and hence needs no answer.
 - 4. Award is passed accordingly.

Dictated and corrected by me.

K. C. RATH. Presiding Officer,
Presiding Officer,
[No. L-12011|3|82-D. IV(A)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer
বই বিলো, 15 নালাই, 1985

का. अ. 3612:— उन्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णित्त्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार थी सूर्या माइति, अनुभाग अधिकारी को 15-7-85 (पूर्वाक्सून) में उरप्रवास संरक्षी, कलकरना नियुक्त करती है।

New Defhi, the 15th July, 1985

S.O. 3612.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri Surya

[No. A-22012]1[84-Emig. II]

482 GI|85-19

4162

Maiti. Section Officer to be the Protector of Fmigrants, Calcutta with effect from 15-7-1985 (Forenoon).

[No. A-52012/1/84-Emig. II] INDER SINGH, Under Secv.

ना आ 3613-- कर्मचारी राज्य कीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) ब्रास्ट प्रकृतम शक्कियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय संस्कार एभदद्वारा 16 जुलाई, 1985 को उसे धारीख के रूप में निम्नत करते हैं जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (ध.रा 44 और 45 के सिदाय जो पहले हैं। प्रबुक्त के जा चकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उप-धारा (1)और धारा 77 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवन्त की जा नकी है) के उपबंध मिमनाड राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवतन होंगे अथात ---

कंन्द्र	क्षेत्र			
—	कोयस्बतूर जिले के उत्पालपेट तालुक मे			
	इल्लुप्पा नगरम, बल्लालुण्डापुरम, बाधुपायलायम, कीगल नगरम सामञ्चरपट्टी गृष्टामगलम दोडमपट्टी, कोट्टामगलम राजस्य ग्रामी की			

अन्तर्गम् अने बाले केव ।

[संख्या एम-38013/16/85-एस एग-1]

New Delhi, the 15th July, 1985

S.O. 3613.--In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th July, 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV [except sections 44 and 45 which have already been brought into force] and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77. 78. 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu. namely:—

		·· - *		
Centre	Area			
	_· ·			
Pethappamaptti	Compilising	the Revenue Village	es o	

Illuppa Nagaram, Vallakundapuram, Vadugapalayam, Kongal Nagram, Somavarapatti, Gudimangalam, Doddampatti, Kottamangalam in Udumalpet taluk of Coimbatore district.

[No. S-38013/16/85-SS.I]

का.आ. १६१४-केन्द्रं य सरकार, कर्मचारे भविष्य ਜ਼ਿਆ ਪੀਟ प्रकृषी उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के धारा क उपधारा (2) द्वारा प्रदन्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए. गजरात राज्य सरकार और चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के अधंन ऐसे सभ विभागीय उपक्रमो को जिनके कर्मचारी सरकारी नियमों के अधीन अनुक्षेय भविष्य निधि श्रीर पेंशन समविधाए एक वर्ग दे रूप ्रप्राप्त कर रहे हैं. उक्त अधिनियम के उपग्रन्धों के प्रवर्तन से 1 अगस्त, 1985 में तंन वर्ष के अवधि के लिए छट देनी है।

S.O. 3614.—In exercise of the powerb conferred by subsection (2) of Section 16 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (No. 19 of 1952) the Central Government hereby exempts all departmentar undertakings under the State Government of Gujarat and the Union Territory Administration of Chandigath whose employers are in receipt of provident fund and pension benefits as admissible under the Government rules, as a class, from the operation of the provisions of the said Act for a period of thice years with effect from the 1st August, 1985.

[No. 5-35025]6]83-PI[II]

का.आ.--- ३६१ ५ - फेन्द्र य संस्कार को यह प्रवास होना है कि मैसर्स रंना सेल्ज कोर्परिशन ३९, सुन्दर महल, १४१ एन एसरोइ नामक स्थापन से सबद्ध नियोजक अपर कर्मबारियों क बहसंख्या इस बान पर सहभत हो गई है कि कर्मचार भविष्य निधि और प्रकर्ण उप-बंध अधिनियम, 1952 (1932 का 19) के उपबन्ध उपन स्थापन की लाग् किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रय सरकार, उक्त अधिनियम क. धारा । क उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गर्मितयों का प्रयोग करने प्रम् उक्त अधिनिथम के उप-थधं उनन स्थापन को लाग करन है।

म्स-35018(10) 85--म्स2]

S.O 3615.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Reena Sales Corporation, 38, Sunder Mehal, 141, N. S. Road, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to

the said establishment.

[No. S-35018(10)]85-SS-II]

का. आ. 3616--- केन्द्रय सरकार को यह प्रतात होता है कि मैसर्स नायेला सामपाथ चय एण्ड सन, 123, एन०एस०सी० वस राउ मद्राम-600001 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों क बहुसस्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचार भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को माग किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रय सरकार, उक्त अधिनियम क. धारा- 1 क उपधारा(४) द्वारा पदरभ मनित्रमी का अयोग करते हुये उन्ह अधिनियम की अगुबन्द उन्ह स्यापन को लागुकरती है।

गि एस-35019(251)/85 एम एस-2]

S.O. 3616.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nathaella Sampathu Chetty & Son, 123, N.S.C. Bose Road, Madras-600001, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said establish-

का० आ० 3617.—केन्द्र.य सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं हव-क्रेपमेंट अव्यक्ति नागलेंड, कोहिमा बीर उसकी शाबा है—एक्ज न्यूटिव के जि-नियर डवलपमेंट अव्यक्ति , पां०आ० दिनापुर, नागलेंड नामक स्थापन में संबद्ध नियाजक श्रीर कर्मचारियों के बहुसंख्या टम बात पर सहमत हा गई है कि वर्मचार, भविष्य निधि श्रीर प्रकर्ण उप-बंध अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने साहिए।

अतः केन्द्र प्रस्काः. उक्त अधिनियम क धारा 1 क. उपधारा (4) द्वारा ४६म मिल्नयों का प्रयोग करने हुए अक्त अधिनियम के उप-बध उक्त स्थापन को सागु करल है।

[म . एस
$$-352019 - (290)/85$$
-एस एस -2]

S.O.3617.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Development Authority Nagaland, Kohima including its Branch Evertive Engineer Development Authority, Post Office Dimapur, Nagaland, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

[No. S-35019(290)|85-SS.II]

का o आ o 3618, --केन्द्र संस्कार को यह प्रतात होता है कि मैसमें वेबटणबरा मैटल प्रिजवेस 6-16-13, ईस्ट प्याइंट कालोत , विशाखापटलम-530003 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कमजारियों के बहु-सहपा इस बाथ पर सहमत हो गई है कि कमजारा अधिक्य निधि धीर प्रक्रां उपबंच आंधिनाम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उस्त स्थान का लग्य किए अभे चाहिए।

अतः केन्द्रः य यरकार, उक्त अधिनियम के। भारा । की उपधारा अ क्षारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त कक्षिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करता है।

[सं. एस-35019(289)/85-एस एय**-1**1]

S.O. 3618.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Venkateshwara Metal Preservers, 6-16-13, East Point Colony, Visakhapatnam-530003, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(289)]85-SS.III

का .आ. 3619. — केन्द्र य सरकार को यह प्रतान होता है कि मैसमें चिनाए एजेंस स तं. 41, एन०एम०एम०राड महाम-29 प्रीर इसका ओदात है— तं० 1, जीधसी कालोंनी मंद्र स-34 और इसकी शाखा- स्टेशन रोड डालिमया पुरम, तिच जिला नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक प्रीर कर्मचारियों के बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचार भविष्य निधि प्रीर प्रकाण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने जाहिए।

अतः फेन्द्रःय मरकारः, उक्त अधिनियमं कः धारा । कः उपधारा '(ा) द्वारा प्रदन् णक्तियों का प्रयोग करते हुए २क्त अधिनियम के उपबध उक्त स्थापन को लाग करतः है।

[सं. एस-35019(288)/85--एम एस-[1]

S.O. 3619.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Chennai Agencies. No. 41, N.M.M. Road, Madras-29 including its Godown at No. 1, Chowdry Colony, Madras-34 and Branch at Station Road, Dalmia Puram, Trichy District have agreed that the provision of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(288)]85-SS.II]

ा आ आ. 3620.--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स को बगान दम्निटि एम्पलाईक कीआपरेटिव केडिट सोसायटी लिमिटेड, 11. गोपान ताल टैगोर रोह. बाणा नगर, कलकला~36 नामक स्थापन से नबट नियोकक और धर्मचारियों की श्रुम्हमा इस बात कर महमत हो गई है कि कर्मघारा भियाय निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1953 को 19) के उपबन्ध उनत स्थापन को लागू किए जाते चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकारः उक्तः अधिनियमः की धारा । की उपधाराः (1) द्वारा प्रक्रन गक्तियो का प्रश्नीग करने हुए उक्तः अधिनियम के उपबंध उक्तः स्थापनः को लाग करनी है।

S.O. 3620.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. The Bengal Immuniy Employees' Co-operative Credit Society Ltd., 44, Gopal Lal Tagore Road, Baranagar, Calcutta-36, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(76),85-SS.II]

का आ 3621.- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतित होता है कि मैसमें आटे रबाइ १९६६)ज लिमिटेड, 36, सिनरंजन एकस्प्, कलकत्ता नामक स्थापन में संबद्ध नियोजक आप कर्मचारियों की बहुकस्या इस बात पर यहमत ता पर्द है कि कर्मचारों भविष्य निथि अप प्रकीर्ण एपब्रध अधिनियम, 1952 (1952 ता 15) के उपबन्ध उपन स्थापन को लागू नियं जाने बाहिए।

अपः केन्द्रीय सरकारः उन्त अधिनियम की धारी । की उपधारा 14 द्वारा पदन शक्तियों का प्रशीस करते हुए उभन अधिनियम के उपबंध उन्त स्थापन को लागू करतो है।

[किल्या एस.-35017(77)/85+ -्स. एस.-
$$\Pi$$
ा

S.O. 362].—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in telation to the establishment known as Messrs. Art Rubber Industries Ltd., 26, Chittaranjan Avenue, Calcutta-12 (West Bengal)) have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(77)]85-\$\$.[[]

का. आ. 3622--केन्द्रीय सरकार को यह प्रपीत होता है कि मैसर्स इस्टर्न टी बेरह्याजीमा को-आपरेटिय सोसायटी लिमिटेड, फ्याहर नगर, पी० आ० देलटीला, गोहाटी-781028 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियीजक और फर्मचारियों के बहुसक्या इस बान पर सहमत हो घंडे है कि कर्मचारी भाषाय निधिआर प्रकीण उपविध अविनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध अन्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्राय गरकार, उक्त आधिनियम को आरा- 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गोक्तयो काप्रभाग करत हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करता है।

[म. एस.- 55019(298)/85-एस. एस.-11]

S.O. 3622.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Eatern Tea Warehousing Co-operative Society Limited, Jawahar Nagar P.O. Beltola, Gauhati-781028, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(228)|85-SS.11]

का. आ. 3623 - केन्द्रोय सरफार को यह प्रसीत होता है कि मैसमें मार्ड इन्डम्ट्रेशियल मिन्यूरिटी सिंबम, 16/2, पटानचे भे मेडक वस्बा नामक स्थापन से सबद ातयाल के आर कर्मचारियों के बहुसद्या ६१ बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भीषण्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उन्हास्थापन को लाह् किए जान चाहिए

अतः केन्द्रीय संस्कार, उक्त अधिनियम की धारा- 1 की उपधारा (त) द्वारा प्रदेश प्रक्षिता का प्रयोग करते हुए उक्त अधितियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागु करती है।

[म. एस.-35019(296)/85—एस. एस.-11]

S.O. 3623.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mcssrs Sai Industrial Security Service, 16/2, Patancheru, Madak Dist. have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(296)[85-SS.II]

का. 3624-- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतित श्वासा है कि मैसर्स माया मोटर लिखिस, बैस्ट नाया, गुरुवासूर गांव, ध्याकद ताल्लुक, विरुष्ट्र कस्बा नामक स्थापन से संबद्ध नियोजन और कर्मभारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि गर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उनत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की ज्यवारा (4) द्वारः प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[सं॰ एस- 35019(297)/85-एस एस.-II]

S.O. 3624.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Maya Motor Servce, West Nada, Guruvayoor Village, Chavakad Taluk, Trichur District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(297)]85-SS.II]

का. आ. 3625.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसरी थाई-73. कुरूमाधुर एप्राक्तल्बरण गर्विम की-आपरेटिय सोसाइटी कुरुजीयुरए पोस्ट और इसकी णःखाएं है---(1) तिम धुनापुरम (2) काना-धुनिलए (3) कुंजनल्य कुरूमधूर नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्यनारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमन हो गई कि कर्मचारी भविष्य निधिओर प्रमाण उपबंध अधियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लाग किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधितियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागु करती है।

.सं. एस. ३५०४९(२९४)/85-एस. एस.**II**]

S.O. 3625.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Y-73, Karumathoor Agriculural Service Co-operative Society, Kuzhithurai post including its branches at (1) Thirmhuvapuram, (2) Kakhathuvilai (3) Kazhavanth Kurumathoor have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said estblishment.

[No. S-35019(295)|85-SS.II]

का. आ. 3626.—केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राव एंड राव भंपती, इंकिनियरम एंड कोन्ट्रेक्टरम ई. डक्ट्यू. ए.4. क्वाटर नं. 39, आटोनगर, विकारकापत्ततम-12 नाम स्थापन से संबंद्ध नियोजक और वर्माचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहस्त हो गई है कि कर्मचारी सविष्य निधि और प्रकेश उपयंश अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उन्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

असः केन्द्रीय सरकार, उनत अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रयम णिक्तयों का प्रयोग करतें हुए उन्नम अधिनियमों के उपबंध उक्स स्थापन की लागू करती है।

[स. एम-३७०19(299)/३%-एस णस **H**]

S.O. 3626.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rao and Rao Company, Engineers and Contractors, E.W.S. Qr. No. 39 Autonagar, Visakhapatnam-12, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (12 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(299)|85-PF-II]

का. आ. 3627.—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत हीता है कि मैं समें एंडवन्सड बेक्ट्रोनिकस एंड निस्टम. ए-9, इलेक्ट्रोनिक कंपलैक्स, कुशएंगया, हैदराबाद-500762 नामक स्थापन से संबद्ध नियीजक और

कर्मचारियों की बहुसस्या इस बात पर सहमते हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[स. एस-35019(300)/85-एस. एस.-II]

S.O. 3627.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Advanced Wawetronics and System, A-9. Electronics Complex, Kushigada, Hyderabad-500762, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the sald establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(300)/85-SS.11]

का. आं. 3628.—केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अबासकर कनस्ट्रवसन (प्रा.) लिमिटेड, 26, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई किली-1 नासक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचार्र भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए।

अतः फेक्ट्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) क्रारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनि यम के उपबंध उक्त स्थापन को सागू करती है।

[सं.एस-35019 (301)/85-एस. एस. I

S.O. 3628.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majorty of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Abaskar Construction (P) Limited, 26, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(301)|85-PF.11]

का. आ. 3629 .— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राकेण एंड कंपनी 19-बी/2, न्यू मार्किट, न्यू रोहतक रोड़े करो बाग, नई दिल्ली-5 नामक स्थापन से संबंद्ध नियोजक और कर्मबारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है हि कर्मबारी अविषय निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने बाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 को उपधारा (४) द्वारी प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थागन को तथ्यू करती है।

[सं. एस-35019(302)/85-एस.एस.-11]

S.O. 3629.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rakesh and Company 19-Bl2. New Market, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(302) 85-\$\$-ff[

का. अ. 36.00 .--केन्द्रंय सरक.र को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मिरिलम टैक्सटाइलम, के. के. रोड, कोट यम, केरला नामक स्थापन से सबद नियोजक जोर कर्मचारियों क. बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारा प्रविष्य निक्कि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय संरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रशान करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करता है।

[सं. एम-35019/303/85-एस.एस-II]

S.O. 3630.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Cyrils Textiles, K. K. Road, Kottayam (Kerala), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(303)[85-SS-II]

कां. आं. 3631 .—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतित होता है कि मैससे दो गंगा वर्गिया एंड केमिकल इंडस्ट्रोज विभिटेड, 108/9ई, केमिकल इंडस्ट्रें।यल इस्टेट किरुमाबक्कम पाडिचेरो-607402 नःमक स्थापन में संबंध नियोजक और कर्मच रियों को बहुसंख्बा एम बात पर मज़मत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंधों उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की द्वारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त कक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

[सं. एस-35019(294)/85-एम. एस-11]

S.O. 3631.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. The Ganga Varnishes and Chemical Industries Limited, 108/9E, Chemical Industrial Estate, Kirumanbakkam, Pondicherry-607402, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(294)|85-SS.II]

का. आ. 3632 क्लेक्ट्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसमें मीटरो प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग इडस्ट्री, 177, एन एम. एम. रोड, महाम-29 नामक स्थापन में संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंबय इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्तं सक्तियाँ का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम को उपबंध जनक स्थापन को नागू करती है।

[मं एस-35019(253)/85-एस.एस-11]

S.O. 3632.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Metro Printers and Packaging Industry, 117, N.M.M. Road, Madras-29, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscelläneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(293)[85-SS.[1]

का. आ. 3633.—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत, होता है कि मैंसमें पारायाना इंजि.निर्मारण केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत, होता है कि मैंसमें पारायाना इंजि.निर्मारण केन्द्रीय ते. 12/15-ए, कृष्णास्थामी मुदालियर रोड, आर. एम , कीम्बेट्टर-611002 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मनारीयों की बहुनंब्या एम बात कर सहभत हो गई है कि कर्मनारी सबस्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन की लगू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्षत्र शिक्षितियम की श्रारा 1 की उपद्वारा (4) कीरा प्रवत्त सित्यमें का प्रयोग करने हुए उक्त अधितियम के उपद्वंत स्थापन की सागू करती है।

[सं. एस-35619 (292)/85 एन. एस-11)

S.O. 3633.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sharavana Engineering Traders, No. 12|15-A. Krishnaswamy Mudaliar Road, R. S. Puram, Coimbatore-641002, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(292)[85-SS.II]

थम मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 मुलाई 1985

का. आ 3634.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिन्त्रिम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91 के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त मन्त्रिमों काप्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की शिष्मुचना संख्या 4328 तारीख 24 नवस्वर, 1985 के क्रम में कोल इंडिया लि. की समनुषंगी कील इंडिया प्रेस, रांची की उक्त अधितियम के प्रवर्तत से 1 जुलाई, 1984 से 30 जून, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलन है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छट देती है।

- 2. उक्त छूट निम्नलिखित गतौं के अधीन है, अर्थातु .---
- (1) उपन कारखाने का नियोजक, उस अप्रधि की बाबन जिसके दीशन इस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पण्यान् उक्त अविधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारुप में फ्रीर ऐसी विशिष्टियों सिह्त देशा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अविधि की बाबत देसी थी,
- (2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपघारा (1) के अधीन निपृथ्य किया गया कोई निरीकक या इस निमित्त प्राधि-कृत निगम का कोई अन्य पदेधारी---

- (i) उक्त अधिनियम की धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी के विणिष्टियों को सरवाणित करने के प्रयोजनों के लिए, या
- (ii) यह अभिनिष्यत करने के प्रयोजनों के लिए कि कमंचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा अनेक्षित रिजस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या
- (iii) यह अभिनिधिचत करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियाजक द्वारा दी गई उन प्रमुविधाओं को, जो ऐसी प्रसु-विधाएं हैं जिनके प्रतिफलस्थल्य इस अधिमूलना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद स्रीर वस्तु रूप में पाने का स्कबार अना हुआ है या नहीं, या
- (iv) यह अभिनिध्चित करने के प्रयोजनों के लिए उस अविध के बौरान जब उक्त कारखाने के मंबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं, निम्मलिखित कार्य करने के लिए संशक्त होगा----
- (क) प्रधान नियोजक या अध्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवस्यक समझे
- (क) ऐसे प्रधान नियोजक या अध्ययहित नियोजक के अधियोग में कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिहार में दियी भी उचित्र समय एर प्रवेण करना कीर उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन ग्रीर मजपूरी के संदाय में सर्वेश्वित ऐसे लिखे, विश्विम और अन्य वस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य प्रधानी के गमक ग्रस्तुत करे ग्रीर उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, ता
- (ग) प्रधान नियोजक या अय्यविष्ठत नियोजक का उसके अभि-कर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐस कारवाने, स्थापन, कार्यास्य या अन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति कि जिसके बारे से उबस निरीक्षक या अन्य पद्यक्षारी के पास यह विस्तास करने का यूक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है. परीक्षा करना, या
- (घ) ऐस कारखाने, स्थापन, कार्यानम सा अन्य परिश्वर में रखे गए किसी रिजिस्टर, लेखीबही, पा अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं. एस-38014/8/84-एव. आर्र.] ए. कं भट्टाराई, अवर सचित्र

स्पर्द्धाकारक ज्ञापन

इस मामने में छुट को भूतलश्री प्रभाव देना आजण्यक हा गया है क्योंकि 'छूट के आवेदन सबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था में किन्तु कह प्रमाणित किसा जाता है कि छूट को भृतलश्री प्रभाव देने में किसी भी व्याक्त के 'हित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 16th july, 1985

S.O. 3634.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the northeation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. No. 4328; dated the 24th Ministry of Labour, S.O. No. 4328; dated the 24th Ministry of Labour, Government hereby exempts the Coal India

Press. Ranchi, a subsidiary of the Coal India Limited, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st day of July, 1984 upto and inclusive of the 30th day of June, 1984.

- 2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :-
- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such inform and containing such particulars as were due from it in respect or the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of-
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue be entitled to benefits provided by the employer in eash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory,

be empowered to-

- (a) required the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of person and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other offi-cial has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register. account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-35014/8/84-GI]

A.K. BHATTARAL Under Secy

EXPLANATORY MFMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely,

नई दिल्ले, 18 जुलाई, 1985

का, ग्रा. 3035 : ग्रींबोगिक विवाद प्रश्चितियम 1947 (1947 का 14) के धारा 17 के ग्रन्सरण में, केन्द्र य सरकार व केडला भूमिगत परियोजना मैगर्स सेन्ट्रम कोलफ रहज लि , डाक केडला, जिला हजार बाग के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजको ओर उनके कर्मकारो के बन्ध श्रनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्र म सरकार श्रीखोगिक अधिकरण न. 2 धनबाद के पचाट की प्रकाशित करत⊨ है, भी केन्द्र य सरकार की 9.7.85 को प्राप्त हुन्ना था।

New Delhi, the 18th July, 1985

S.O. 3635.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2. Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kedla Underground Project of M/s. C.C. Ltd., P.O. Kedla, Distt. Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th July, 1985 July, 1985

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 14 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)-

(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES:

Employers in relation to the management of Kedla Underground Project, M|s. Central Coalfields Limited, P.O. Kadla, Dt. Hazaribagh and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the employers—Shri R, S, Murthy, Advocate On behalf of the workmen—Shri K, P, Singh, President, RCMS Hazaribagh.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal

Dated. Dhanbad, the 29th June, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section-10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012(71)[84-D IV(B), dated the 6th Feb., 1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kedla Underreturn the action of the management of Redla Underground Project of M/s. Central Coalfields Ltd., P.O. Redla, Distt: Hazaribagh in denying the post of Lamp Room Incharge to Shri Subha Yadav since 1976 when he had been working as such is legal and justified 7 If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

In this case both the parties appeared and filed their respective W. S. and documents etc. After completion of the documents stage the case was fixed on 15-5-85 for eviden of parties On that day Shri R. S. Marthy, Advocate representing the employers filed before me a Memorandum of settle-ment. I, have gone through the terms of settlement which appear to be fair and proper. Accordingly I accept the same and pass an Award in terms of the settlement which forms part of the Award as annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer. [No. L-24012(71) /84-D.IV(B)]

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBU-NAL NO. 2 DHANBAD

In the matter of Reference No. 14 of 1985.

Employer in relation to the Management of Kedla Underground Project, Mis. Central Coalfields Limited, P.O. Kedla, Dt. Hazaribagh.

AND

Their workmen

Joint compromise petition of the Employers and Workmen

The above mentioned employers and workmen beg to submit jointly as follows:—

- (1) That the employers and the workmen have jointly discussed the matter covered by the above reference with a view to arriving at an amicable overall settlement of the matter.
- (2) That as a result of the aforesaid discussions and negotiations the parties have agreed to come to an amicable and overall settlement of the matter on the following terms:—
- (a) It is agreed that the management shall place Sri Suba Yadav, the concerned workman in the post of Asstt. Lamp Room Incharge Jr. Lamp Room Incharge in the Technical and Supervisory Grade-D (monthly) in the pay scale of Rs. 678-30-918-35-1198 and fix his pay at the stage of Rs. 768.00 (as on 1-1-83) (provisionally) in the said pay scale. It is also agreed that this Agreement will be given effect from 1-1-83. The workman concerned would get his annual increments thereafter in accordance with the rules of the management. In view of the above placement of Shri Yadav, the management agrees not to post any more Lamp Room Incharge at Kedla Underground Project in near future.

It is agreed that this is an overall agreement in full and final settlement of all the claims of the workmen arising out of the above reference.

(3) That the employers and the workman submits that they consider the above agreement as fair, just and reasonable to both the parties.

The employers and the workmen, therefore, jointly pray that Hon'ble Tribunal may be pleased to dispose of the above reference in terms of this joint compromise petition and give an award accordingly.

K. D. SINGH, President

R.C.M.S. HAZARIBAGH AREA

For and on behalf of

workmen.

Date:-15-5-85

Witnesses:--

- 1. R. P. Singh
- 2. Sahdev Ray.

Project Officer Agent
Kedla Underground Project
Central Coalfields Limited
for and on behalf of the employers

का. भा. 3636,—भौडोनिक शिवाद मिटिनियम 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के भ्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टोपा कौलियरी मैससे सैन्ट्रल कोल फल्डज लि., डाक टोपा, जिला हजार.बाग के प्रबंधतब से सम्बद्ध नियोजकों भीर उनके कर्मकारी के बाब भनुबंध में निर्विष्ट भौधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक श्रीद्यकरण न. 2, धनबाद के पचाट का प्रकाशित करत है, जो केन्द्राय सरकार को 9.7.85 को प्राप्त द्वसा था।

S.O. 3636.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hareby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Topa Colliery of M/s. Central Coalfields Limited, P.O. Topa District Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th July, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 95 of 1982

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)-(d) of the I.D. Act., 1947.

PARTIES:

Employers in relation to the management of Topa Colliery of Messrs. Central Coalfields Limited, Post Office Topa, Distt. Hazaribagh and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the workmen—Shri J D. Lall, Advocate.
On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate
STATE: Bihar.
INDUSTRY: Coal

Dated, Dhanbad, the 26th June, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)-(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012-(10)|82-D.IV(B) dated, the 29th July, 1982.

SCHEDULE

"Whether the action of the magement of Topa Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Topa, District Hazaribagh in transferring Smt. Fulki Devi, Punwa Devi, Saran Devi, Mini Devi and Sabija Khatoon from the work of making clay cartridges to over Burden Removal work was justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

The case of the workmen is that the five concerned workmen were employed as Over Burden Removal in Topa Colliery of M|s. C. C. Ltd. since before the nationalisation. Since 1976 they were employed to work as Clay Cartridge Makers on permanent basis after the introduction of blasting for Mining Operation. As Clay cartridge makers the concerned workmen were in Group I piece rated and were naid @Rs. 10 per thousand clay cartridges prepared by them besides usual D.A., V.D.A. and other allowances payable to the Colliery Workers. As Over Burden Removal they were getting more wages than the wages of Clay cartridge makers. After the concerned workmen were transferred to work as Clay cartridge makers on permanent basis, they were not paid the higher wages of Over Burden Remover and the said higher wages was not protected. The said transfer was made at the instance of the management. All on a sudden without any notice the concerned workmen were transferred

from the post of Clay Cartridge Makers to that of Over Burden Remover with effect from 24-10-81 without any justification and in violation of the certified standing orders and the provision of industrial Disputes Act. The concerned workman protested individually and through their union but the management did not take any action on their protest. As a result thereof the concerned workmen are sitting idle since 24-10-81. The management in collusion with some local union leaders appointed some new Over Burden Remove, to work as Clay cartridge makers who had never worked before as clay cartridge makers and the concerned workmen were transferred to work as Over Burden Remover. The said action of the management was malafide and motivated to placate the powerful union leaders. The Transfer of the concerned workmen from the post of Clay carnidge makers to that of Over Burden Remover amounts to change in their service conditions and is not permitted under the provisions of the Certified Standing Orders applicable to the workmen. The concerned workmen were not surplu, as Clay cartridge makers. Even if it was found that some of the Clay cartridge makers were surplus then only those who came last to work as Clay cartridge makers should have been transferred. On the above facts it has been submitted that the action of the management in transferring the concerned workman from the post of Clay cartridge makers to that of Over Burden Remover with effect from 24-10-81 is unjustified and that they should be reinstated with continuity of service and full back wages for the idle period till the reinstatement.

The case of the management is that the Schedule Caste and Schedule Tribe Trade Union congress representing the concerned workmen has no existence at all in Topa Colliery and that the concerned workmen are not its members. The management did not have any workmen named as Smt. Saran Devi and Mini Debi working as Clay cartridge makers or Over Burden Remover and as such the reference in their connection is illegal and without jurisdiction. In Topa Colliery under ground blasting necessitating the use of clay cartridge was introduced in the end of 1976. The clay cartridges are required in the underground coal mines in the process of blasting with explosives. The Topa Colliery being a noncoking coal mines was taken over by the Central Government in January, 1973 and later on it was nationalised. In the beginning there was a lot of litigation by the previous owners and the management was forbidden from working the mine by the High Court and thereafter the underground Mining was developed. Subsequently as a result of reorganisation of the Coal Industry in the public section the NCDC was renamed as Central Coalfields Ltd. which is a subsidiary of the Coal India Ltd. It was only after the introduction of blasting for mining operation in late 1976 that there was the necessity of clay cartridges. Some workers already engaged in the mines as Loader Over Burden Remover were diverted to work as Clay cartridge makers. As there was a large number of surplus workers the management started getting the clay cartridges made by its own workmen with a view to give employment to the surplus workmen and to avoid retrencharget of surface workers. The job of clay cartridge making is easy while the job of Coal loading Over Burden Remover are ardnows and as such there was clamour from the Over Burden Remover and the loaders to work as clav cartridge makers. Some of the workers had grievance that they have not been engaged as clay cartridge makers and course of time a much larger number of workers were employed on the job of clav cartridge makers. Although the requirement for clay cartridge makers were only 25, there were already 45 workers working as Clay cartridge makers. The matter was taken up by the management with two principal unions opending in the colliery and accordingly a committee was constituted consisting of the Project Officer of Topa Colfiery. The Secretary of the United Coal Workers Union and the Asstt. Secretary of RCMS Union to screen 45 workers working as clay cartridge makers and to recommend the names of those workers who should be retained on the job of clay cartridge makers. The committee took account of the fact that the light job of clay cartridge makers should be allotted to those who are suffering from disease, or who are physically handleanned or who are of old are coupled with the fact of their experience in the job. 30-9-81 was fixed for interview. Out of the workers working as clav cartridge makers 38 workers appeared before this screening committee and out of them only 25 workers were retained to work as clay cartridge makers, and the remaining were transferred to the 482 GT/85--20

mines for doing their original job as piece rated workers. Thus those workers who were not retained by the selection committee were transferred to the mines for performing their previous job and out of them the dispute has been raised by the concerned workned. The concerned workmen were employed to work as clay cartridge makers temporarily and they were never absorbed in their job permanently and as such the management had the right to send them back to their original job. The claim of the concerned workmen is baseless and the action of the management in transferring concerned workmen to their original job was fully justified.

The main point to be considered in this case is whether the concerned workmen could be transferred by the management from clay cartridge makers to Over Burden Remover without giving any notice to the workmen under Section 9A of the I.D. Act.

Most of the facts are almost admitted. It is admitted that the concerned workmen were working as Over Burden Remover and that they were employed to work as Clay cataridge makers after the introduction of the blasting of coal by explosives towards the end of 1976 and that the concerned workmen had worked as clay cartridge makers till 24-10-81 when the concerned workmen were asked to go back to their previous job of Over Burden Remover. Thus the concerned workmen had worked as clay cartridge makers from 1976 to 1981. There is no doubt a controversy on the fact whether the concerned workmen had opted themselves for appointed as clay cartridge makers in the year 1976 or whether they had been asked by the management of their own to work as clay cartridge makers, However, this difference in the case of the parties is not of much consequences. It is admitted that the concerned workmen had accepted to work as clay cartridge makers in view of the fact that the work of clay cartridge makers was easy in comparison to the work of Over Burden Remover. It can be very easily realised as to why the concerned workmen who were in Group II piece rated as Over Burden Remover (hereinafter referred to as O.B.R.) chose to work in Group I piece rated as clay cartridge makers in 1976. They must have thought that the job of clay cartridge makers was preferable to them than the job of O.B.R. although the job of O.B.R. was in higher group fetching more wages.

WW-1 Fulki Devi is one of the concerned workmen. She has stated that she was working as O.B.R. Since before nationalisation and that since 1976 she was asked to do the work of clay cartridge makers. In her cross-examination she has stated that the work of clay cartridge makers is of light nature in comparison to the job of O.B.R. and it is for this reason that the workmen went to work as clay cartridge makers. MW-3 Shri D. C. Sharma was the Colliery Manager of Topa Colliery from April, 1975 to April, 1977. He has stated that the union had not given him anything in writing about the arrangement for the engagement of clay cartridge makers and that the terms and conditions of transfer was also oral. He has also stated that the work of clay cartridge makers is a permanent type of job since the introduction of solid blasting. Thus his evidence will show that the job of clay cartridge making is of permanent nature in which the concerned workman were employed and as the concerned workmen had worked as clay cartridge makers from the end of 1976 till the beginning of 1981, it appears that they were working in the job of permanent nature and as such after working for such a long period they had become a permarent clay cartridge makers.

Admittedly, the concerned workmen were formerly working as O.B.R. in Group II piece rated and they were transferred in 1976 as clay cartridge makers in piece rated group I. If the concerned workmen were asked to work temporarily as clay cartridge makers their wages of Group II required to be protected but this was not so which also indicates that the concerned workmen were employed to work as clay cartridge makers permanently.

No doubt the transfer of the concerned workmen from the job of clay cartridge makers to the O.B.R. may not financially affected the concerned workmen and they may also have some financial benefit because of the said transfer in piece-rated group-II but the financial benefit alone cannot be the sale

criteria in considering the question. In the present case the evidence is that the concerned workmen as clay cartridge makers were having light jobs and they had done this job for a pretty long time. The comfort and easy work was the consideration of the concerned workmen as to why they did not prefer to go back to work as O.B.R. It will also appear that the concerned workmen as clay cartridge makers were to prepare small pellets of spherical size out of putped earth and this work is admittedly very easy in comparison to the job of O.B.R. Thus the transfer of the concerned workmen from the job of clay cartridge makers to that of O.B.K. is a change in the condition of service of the concerned workmen. In my opinion the transfer of the conworkmen from the job of clay cartridge makers to cerned the job of O.B.R. is clearly a change in the conditions of their service and the reduction in the number of persons employed as clay cartridge makers is also a change in the condition of their service which requires a notice to be given under Section 9A of the I.D. Act, 1947 vide item No. 11 of the 4th Schedule of the said Act.

Admittedly, no notice under Section 9A was given to the concerned workmen prior to their transfer from the past of clay cartridge makers to the job of O.B.R. changing the condition of their services and as such the said transfer cannot be effective. The reduction of number of clay cartridge makers rendered the concerned workmen surplus, as a result prejudicing the concerned workmen. As they were asked to work an arduous job of O.B.R., and notice under Section 9A of the I.D. Act was not given to the concerned workmen prior to their transfer, the concerned workmen were justified in refusing to work as O.B.R.

The case of the management is that a general notice was given giving opportunity to the clay cartidge makers to appear before the interview committee for the purpose of retaining a limited number of clay cartridge makers. Ext. M-1 dated 23-9-81 is the office order to show that a committee was constituted consisting of Project Officer, Topa, Secretary, United Coal Workers Union and Assett Secretary, R.C.M.S. to consider the case of golamitti workers. Ext. M-2 is the general notice for the interview before the said committee, Ext. M-3 is the market allotted to the workmen appearing before the said committee on the basis of which the workers obtaining the committee on the basis of which the workers obtaining inchighest marks were retained as clay cartridge makers and others were sent back to their old job. It will also appear from the evidence of WW-1 that the said committee had interviewed the clay cartridge makers in 1981. It appears therefore that the said committee was set up for selecting clay cartridge makers who were to be retained out of the inflated number of clay cartridge makers. Accepting this evidence, the notice under Section 9(A) cannot be eliminated unless it is shown that there was some settlement or an Award to that effect which is not forthcoming in this case. So even if after the said interview the concerned workmen were to be sent back to the job of O.B.R. a notice had to be given to them under Section 9A as the transfer of O.B.R. from the job of clay cartridge makers was a change in their conditions of service.

The industrial dispute in respect of the concerned workman was raised by the Schedule Caste and Schedule Tribe Trade Union Congress. WW-2 is the General Secretary of the said trade union. It will appear from Ext. M-5 that the industrial dispute in respect of the concerned workman were raised by the General Secretary, Schedule Caste and Schedule Tribe Trade Union Congress. Fxt. M-5 is the failure report by the ALC (C) Hazaribagh to the Secretary, Government of India Ministry of Labour and it does not appear from this report that the management had objected to the raising of the Industrial Dispute by the said union on the ground that it was not working in Topa Colliery and that the concerned workmen were not the members of the said union. WW-2 has clearly stated that the said union is working in Topa Colliery since 1980 and that the concerned workmen are the members of his union since 1981. From Ext. W-5 series written by the General Secretary of the said union to the officers of the management in respect of various problems, it will appears that the said union has at least some foothold in Topa Colliery and was representing some of the workmen. I hold therefore that the union representing the concerned workmen is representative union working in Topa Colliery and that the concerned workmen were its members.

An objection has been raised on behalf of the management that Mini Devi and Saran Debi rejerred in the Schedule of the order of reference are not the workmen of Topa Colliery. Ext. W-1 is the identity card which shows that one Mini ? Ext. W-1 is the identity card which shows that one Mini to a workmen of Topa Colliery and her photo is on this identity card. Ext. M-3 is a list of 38 workmen who had appeared before the committee. It will appear from this list that one Mini Kamin and Sanwar Devi had appeared before the said Committee. It is asserted on behalf of the workmen that these two workmen are persons whose names are included in the schedule of the order of reference but there is slight variation in the spelling of their names. Ext. M-5 will show that the management had not objected before the ALC(C), Hazaribagh that Saran Devi and Mini Devi were not the workmen of Topa Colliery. In view of the above evidence I hold that Saran Devi and Mini Devi were the workmen of Topa Colliery and the management can easily verify them by the photo in their identity card.

In view of the discussions made above I hold that the action of the management of Topa Colliery of M|s. C.C. Ltd. in transferring the concerned workmen from the work of clay cartridge makers to Over Burden Remover is not justified and that the concerned workmen wer justified in refusing to work as O.B.R. inasmuch as no notice was given to them under Section 9A of the I.D. Act before their transfer which was, a change in the condition of their services. The concerned workmen therefore are entitled to be reinstated with effect from 24-10-81 with continuity of service and full back Wages for the idle period till their reinstatement.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer [No. 'L-24012(10) /82-D. IV (B)]

Dated: 28-6-85.

का. थ्रा. 3637:— भीद्योगिक विवाद भिष्ठितयम, 1947 (1947 का 14) के घारा 17 के ध्रमुसरण में, केन्द्र य सरकार, भारतीय बाद्य निगम, नई दिल्ल को प्रशंभपंत से सम्बद्ध नियोजकों भीर उनके कर्मकारों के बाच अनुबंध में मिदिस्ट भौद्योगिक विवाद में केन्द्र य सरकार भीद्योगिक अधि- करण नई दिल्ला के पंचाट को प्रकाणिन करत है, जो केन्द्र य सरकार की 10 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3637.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, New Delhi, and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th July, 1985.

ANNEXURE

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI.

I.D. No. 6/84

In the matter of dispute between ;

Shri Raj Singh, S/o Shri Nyader Singh, R/o Ward No. 5, H. No. 172, Jatwara Mohalla, Bahadurgarh, Haryana.

Versus

The Managing Director, Food Corproation of India, Barakhamba Lane, New Delhi.

APPEARANCES:

Shri Sushil Bhattacharya for the workman.

Shri Ashwani Kumar for the Management.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour on 4th January, 1984 vide Order No. L-42012(5)/83-D.II.B/lV.B made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication :-

- "Whether the action of Managing Director, Food Corporation of India, New Delhi, in terminating the services of Shri Raj Singh, Beldar, with effect from 15-3-82 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"
- 2. Shri Raj Singh workman claimed that he worked continuously for 2-1/2 years with the F.C.I. as Beldar since November, 1979 but Management terminated his services by refusing him work w.e.f. 25-3-82. He claimed reinstatement in service with full back wages and continuity of service because he asserted that the retrenchement was illegal and without compliance with mandatory provisions of section 25-F of I. D. Act, 1947.
- 3. The Management of the Food Corporation of India contested the claim and asserted that it was a case of workman having left the Management employment on his own without intimating any reason and is a case of desertion and he could get no relief. The Management did not retrench and he could get no relief. The Management did not retretch him and there was no question of compliance with section 25-F of the I. D. Act. He was said to have been employed on daily wages depending upon work. It was asserted that the workman worked from 13-11-79 to 27-3-82 and was not refused work from 25-3-82. At his request he was allowed to work as Khalasi on same wages under Efectrical Division on muster roll against one of the vacant posts and he worked for 3 days from 25-3-82 to 27-3-82 in Electrical Division but thereafter he stopped attending office. The Management wanted to give him chance to appear in interview for post of Khalasi in Electrical Division and sent a special message to him in his house twice for the purpose but did not response to that and deserted from duty on his own. He failed to collect his wages for the period 1-3-82 to 27-3-82 despite request.
 - 4. The following issues are framed on the pleadings:
 - 1. As in terms of reference.
 - 2. Whether this is a case of abandonment of service by the workman?
- 5. The workman gave his own affidavit and he has been cross-examined. The Management examined MW1 Shri K. C. Rochlani, Assistant Engineer (Civil), Food Corporation of India and Jaipal Singh, Sweeper F.C.I. Engineering Section. I have heard the representative of the parties.
- 6. Mr. Sushil Bhattacharya representative of the workman urges that if the workman was being continued in service, there was no occasion for him to go to the Conciliation Officer and raise a dispute and that the Management in fact retrenched him and later have covered up their mistake in not complying with section 25-F of the I. D. Act, 1947 by concecting the plea of desertion by the workman Act, 1947 by concocting the plea of desertion by the workman himself. It was said to be apparent that the Management did not sent any letter to the workman's house and the workman denied that he had worked on a truck and that the only information that the workman received at his house was that he could collect his wages for March, 82 and not that he had to go for interview and the workman had deposed that Shri Rochlani told him to go to Labour Court and not for the interview for the nost of Khalasi Court and not for the interview for the post of Khalasi under D. M. Electrical.
- 7. I am unable to believe the workman in the circumstances disclosed in this case. Shri K. C. Roshlani, Assistant Engineer (Civil) appears to be truthful and forthrightly stated that they used to give one day break before

days and that was done by him for the purpose of breaking his service eventhough the workman was prepared to work on that day also. The break was given on account of service being not regular and the muster roll showed accordingly. Such a officer who speaks the truth in this manner cannot be doubted. He has asserted that they arranged for this workman being engaged in the Electrical Section and Mr Jaipal Singh, Sweeper MW2 who is inde-pendent person having no animus against the workman has deposed that he way sent by Mr. Roshlani to Raj Singh's house once for asking Raj Singh to collect his urrears and second time for asking him for interview in the month of May and on both occasions the workman was not available and he gave message to his wife verbally. Jaipal Singh in his affidavit had stated that on 10-4-82 he was deputed to go to the residence of Raj Singh that he may collect his wages in the month of March, 1982 but Raj Singh was not in his house and that his mother and wife told that he had gone for work on some truck. He had further stated on affidavit that on 14-5-82 he was again deputed to inform him regarding his interview for the post of Khalasi under Electrical Division to be held on 17-5-82 and the message was left with his family because he was away on his work,

8. This is corroborated by the record and nothings of the Management on the workman's own application dated 22-3-82 which application is in the following terms:

The Joint Manager (Estt.), Food Corporation of India, Head Office, NEW DELHI.

(THROUH PROPER CHANNEL)

Sir,

Most respectfully I beg to state as under :-

- (i) I have been working as daily rated employee since 13-11-79, as Beldar/Khalasi in Engineering Division under Asstt. Manager (Maint.).
- (ii) On 5-3-82, an interview for regularisation of daily waged was held and my name was also considered for Beldar regularisation but due to limited vacancies I was not covered and my No. in the panel has been placed at Sl. No. 4.
- (iii) Now I understand that some more vacancies of Category-IV that of Khalasis are to be filled in.
- (iv) Since I belong to a very poor family, I shall, therefore, be grateful if you consider me for regularisation against the post of Khalasi which is indentical to Beldars posts in the Food Corpo-. ration of India.

I shall be extremely grateful if you consider my case sympathetically.

Thanking you.

Yours faithfully, Sd/-

(Raj Singh)

Daily Wages Employee,

Engg. Division

On this application the noting is in the following manner:

Forwarded for favour of action,

\$d/- K. C. Rochlani 23-3-82 AM(C)

Sd/- illegible

23-3-82

May kindly considered. SRPV

Dt. 22-3-82.

JM (OS) I

Sd/- illegible

23-3-82

Sd/- illegible M (Engg.) 23-3-82

M. (Personnel)

Sd/- illegible 24-3-82

DMEU :

Sh. Sodhi Sd/- illegible 25-3-82"

- 9. It thus appears that a decision was taken in April, 82 to continue this workman Raj Singh and to absorb him regularly but it is the workman who did not appear for interview and joined some truck for working but that seems to have not klicked and later the workman raised industrial dispute. It is not possible to disbelieve Mr. Rochlani, Assistant Engineer, MWI and the Sweeper Jaipal Singh MW2 and it appears to be a case of desertion. The workman appears to be false when he states that he was refused work on 25-3-82 whereas Management has pleaded and proved that he worked from 25-3-82 to 27-3-82 in the Division for 3 days and stopped attending office on his own without any intimation thereafter. The fact of the workman not collecting his wages for March, 1982 further strengthens the case set up by the Management of F.C.J.
- 10. I am of the clear opinion that the workman himself deserted the job with the Food Corporation of India and it is not a case of the service Management illegally without compensation under section 25-F of the I. D. Act, 1947.

The workman is not entitled to any relief.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer

[No. L-42012(5)/83-D. II (B)/D. IV (B)/D. V]

Dated : July, 31, 1985.

का. था. 3638:— श्रीबोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 18 के अनुमरण में, केन्द्रय सरकार, भारतीय खाद्य निगम, नेल्लूर के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिश्ट भौबोगिक विवाद में केन्द्रय सरकार, भौबोगिक प्रधिकरण हैदराबाद के पंचाद को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रय सरकार को 9 जूलाई 1985 को प्राप्त द्वया था।

S.O. 3638.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Food, Corporation of India, Nellore (A.P.), and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th July, 1985.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT:-

Sri. J., Venugopala Rao, Industrial Tribunal. Industrial Dispute No. 17 of 1982.

BETWEEN

The workmen of Food Corporation of India, Nellore (A.P.)

AND

The Management of Food Corporation of India, Nellore A.P.

APPEARANCES:-

Sri D.S.R. Varma, Counsel for the Workmen.

Sarvasri M.V. Bharathi and A.K. Jayaprkash Rao.

Advocates—for the Management

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42011(7)[81-FCI]DIV(A), dated 26-3-1982 referred the following dispute under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Nellore to this Tribunal for adjudication:

- "(i) Whether the management of Food Corporation of India, Nellore had changed the conditions of service of 30 workmen, whose names are listed in the Annexure and who were employed in their Modern Rice Mill at Nellore, by introducing a new contractor, while an industrial dispute concerning the said workmen was pending before an Industrial Tribunal?
- (ii) Whether the said 30 workmen are entitled to be declared as direct and permanent workmen of the Food Corporation of India, Nellore by virtue of their employment in the Modern Rice Mill and if so, from what date?
- (iii) To what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURE

- 1. M. Kollapuri
- 2. S. Ramaiah
- 3. J. Francis
- 4. E. Venkureddy
- 5. Shaik Mastan
- 6. G. Ramanamma
- 7. J. Venkamma
- 8. Shaik Basha
- 9. Shaik Pedamastan
- 10. M. Chandramma11. Shaik Nannesaheb
- 12. M. Kotlah
- 13. L. Vankalah
- 14. Shaik Mastan (M)
- 15. Shaik Moula Saheb
- 16. Tatan Mastan
- 17. G. David
- 18. Shaik Malesha
- 19. V. Venkajah
- 20. Dastagiri Basha
- 21. M.A.M. Raju
- 22. P. Ramanalah
- 23. Shalk China Moule
- 24. Vijayarao
- 25. Ch. Venkatratnam
- 26. L. Bujjaiah
- 27. M.C. Peschalaiah
- 28. Sk. Chiramasan
- 29. Chandrasekharam
- 30. Srinivasulu"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 17 of 1982 and notices were issued to the parties.

2 In the claims statement it is mentioned that the Food Corporation of India constructed a Rice Mill by name Modern Rice Mill and cemmenced working from 15-7-1970. It is stated that till November 1973 the Mill worked only with one shift per day and there afterwards the Mill began working in three shifts a day. At present it is further mentioned that there are 30 permanent employees in the Mill in addition to the above permanent staff. There are about 40 unskilled workers employed by the Management and it is mentioned in the claims statement the name of the 30 unskilled workers. It is mentioned that S. Nos. 1 to 6 and 10 were appointed in this Mill have been appointed in the Mill in the year 1970 by the Food Corporation of Mill in the India, Nellore and they are continuously working till now. The Management introduced two more shifts in the Mill from November 1973, the rest of the workers were given jobs in the Mill, some of them in 1974 and some in 1975 and in the beginning of the year 1977 all these 30 workers were in service and they are all continuing till today. During the first period of running of the Mill from June 1977 and 1978 and 1978 and 1978 and 1978 are all continuing till today. 1970 till November 1973 there was no contractor at all even supply of workers to the Mill and all a appointment were done by the Food Corporation of India. The appointment ment orders were given to some workers and some were taken without appointment orders from November 1973 up to February 1977. The P.C.I. appointed Contractor for the supply of required work force to the Modern Rice Mill. But the entire work of the Contractor was not at all in the premises of the Rice Mill but at the places of leading and unloading near the Railway Goods shed and stacking of the goods etc. at several godowns. The Contractor was entrusted to supply with necessary workmen to this Rice Mill but never in the history of the Rice Mill Contractor recruited workmen to this Rice Mill. Even during the period of this contract system, all workers were given jobs directly by the Food Corporation of India officers and it is a fact that not even a single among these 30 workers were appointed by any contractor. All there workers who are referred under the dispute were taken into service by the Food Corporation of India and the duties are allotted the three by the Food Corporation of India and the duties are allotted to them by the Food Corporation of India authorities. It is the F.C.I. authorities who supervise the work of the workmen, issued charge memos and made transfers from place and removed the workers from service etc. rate the F.C.I. is the principal employer. Admittedly there was no Contractor from 1970 to February 1973 and there were no Contractor from February 1977 upto 25-5-1980 on which date the Management illegally appointed T. naiah as Contractor for supply of workmen. The said agleement is only a paper agreement and the same never existed in actual practice and none of the workers were party to that agreement. This Modern Rice Mili is in public sector organisation and in Central sphere. On a number of occasions when the Management refused service particulars and did not give weekly holidays, wages for over time, the workers said to have approached the Labour Department and Labour Court for getting them implemented. The workmen from S. Nos. 1 to 21 of this reference raised a dispute for adjudication of such matter and the same is numbered as I. D. No. 13 of 1979 on the file of this Tribunal, and the notified Tribunal passed an Award which was 9-12-1980. In the said Award this Tribunal held that these workers were employees of the Management while the said D. No. 13 of 1979 was pending in this Tribunal. F.C.I. having violated all the provisions of law and also in opposition to the workers protests and their union introduced a contractor by name T. Ramanaiah on 25-8-1980 and arranged payment of wages of workers through that Contractor. It is the case of the Management that T. Ramanaiah was the employer and not Food Corporation of India from that time. But all these workers including those workers were in service since long back before the advent of this T. Ramanaiah. The workers did not recognise this T. Ramanaiah nor did they sign any vouchers of payment made by him because their employer continued to be the Food Corporation of India. This introduction of middlemen and arranging nayment of wages through him and denving their responsibility as the employers by the F.C.I. definitely amounts a change of service conditions of these work-men. The Management further advanced by appointing another Contractor M Sheshaiah in place of first Contractor T Ramanaiah on 28-5-1981 and arranged payment of wages of workers through Sheshaiah. These 30 workmen are entitled to be declared as direct and permanent workmen of

482GI 85-21

the F.C.I. In the light of the award in I.D. No. 13 of 1979 they should be made permanent and absorb and they are all doing specific jobs since the time of their joining the Mill and they are fulfilling their responsibility satisfactory, therefore they should be fixation of wages and they also should be granted benefits of a permanent employee as eligible under the Labour Laws and Factories Laws.

3. In the counter, it is admitted that the Respondent Mill was commissioned on 15-6-1970 and functioned with staff of 35 including 30 watchmen and six unskilled workers as shown in the statement. According to the Management the handling and transport of the Modern Rice Mill, Nellore is carried out by one H and T Contractor who is also supplying casual labourers for various purposes. He is duly appointed by the Food Corporation of India by inviting tenders. The 30 names mentioned in the claims statement were engaged to perform various servees in pursuance to contractual obligations. The 30 names shown in the claims statement are casual labourers only employed by the Contractor and they are unskilled workers of the F.C.I. The Worker at S. No. 1 is working in the Mill since 1970 and the workers at S. Nos. 2, 3, 4, 6 and 10 were attending from 1971 for cleaning and sweeping the Mill and doing odd jobs, and they are working on daily rate basis. The person at S. No. 5 is working from April, 1973 only. From November 1973 onwards the H and T Contractor Veeraswamy was appointed and these labourers were engaged by the Contractor as per the terms and conditions of the contract. These workers were paid wages by the said H and T Contractor at higher rate till 27-2-1977. It is a fact that during February 1977 to March 1980 the F.C.I. was engaging labourers till pending finalisation of contract. Due to reorganisation industry and uniform policy adopted by the F.C.I. these casual labourer later continued to work under the Contractor T. Ramanaiah from 25-8-1980 to 27-5-1981 and thereafterwards Sri M. Sheshaiah from 28-5-1981 till date. The persons at S. Nos. 23, 24, 27 and 28 and 29 never worked in the Rice Mill during 1970 to The other allegations of the Petitioners as mentioned in their claims statement are denied regarding their duties and also operations and the nature of work as well as the periods of service rendered. It is contended that their services are engaged as casual labour and their wages were also paid by the Contractor and not by the F.C.I. It is mentioned that during May 1979 there was dewastating cyclone which affected the lives and properties of persons at Nellore District and valuable food grains stocked by the F.C.I. in open and covered godowns and in and around Nellore and other places were damaged and salvaging operations were undertaken on mass scale to avoid further deterioration of stocks and in that connection these persons were deputed in Raja Open Storage and other depots for salvaging operations. It is the case of the Management that these workers were employees of the Contractor as they were working to fulfil the contractual obligation and receiving wages from the contractor and that Contractor is their employer. The Management asserted that they got to appoint Contractor after floating tenders. T. Ramanaiah and his successor Shesholah were properly appointed as H and T Contractors and they were also abiding by the statutory obligation and they paid benefits in respect of casual labourer engaged by them. This Tribunal by its award in f. D. No. 13 of 1979 negatived the four demands of the petitioners namely (1) granting permanent status (2) enhancement of wages (3) provision of two pairs of Kakhi uniforms and (4) grant of 15 days sick leave. This Tribunal rightly held that the petitioners demand for entitlement for permanent status is not maintainable, and they are treated only casual labour and their demand for Uniform and sick leave were also rejected. Their request to dismiss the said award by filing Writ Petitioner 221/81 in the High Court was also dismissed as withdrawn. The claim of 21 casual labour for permanency of service were not maintainable in view of the award pass in I. D No. 13 of 1979 and they cannot be termed as unskilled workers and these casual labourers cannot be made permanent. Hence the petitioners demand for permanency is not maintainable and no relief should be granted. The dismissal of I. D. No. 13 of 1979 and Writ Petition No. 221 of 1981 on the same issues operates as resindicata and the Tribunal has no jurisdiction to take the matters.

4. On behalf of the Workmen three witnesses were examined and Exs. W-1 to W-5 were marked. On behalf of

the Management one witness was examined and Exs. M-1 to M-34 were marked as relevant documents.

- 5. WW-1 stated that he worked as unskilled workman in the Food Corporation of India, Nellore since 1970 and that he filed his or ginal appointment order in I. D. No. 36 of 1982 and he marked Ex. W-1 as the copy of the same. According to him till 1974 he worked in the Modern Rice Mill, Nellore belonging to F.C.I. under the management of F.C.I. He further deposed from 1974 to 1977 one Contractor Vecraswamy was engaged by the F.C.I. but the said Contractor never recruited any workmen involved in this industrial dispute to work under him. It is his case that they were working eight hours per day in three shifts. According to him on 20-8-1980 F.C.I. brought another Contractor by name Ramanaiah by which date they filed I. D. No. 13 of 1979 on the file of this Tribunal. According to him the present workmen were the same workmen who filed the said Industrial Dispute seeking them that they should be absorbed one permanent basis. According to him the workmen in S. Nos. 1 to 4, 6 and 10 in the reference were working from the inception i.e. 1970 and that the monthly roll would show that they wisked for more than 240 days in a year.
- 6. He admitted that Ramanaiah used to disburse salaries after he become the Contractor but it is mentioned that he never signed on any vouchers for those payments as they never recognised him as their employer. According to him the said Ramanaiah Contractor used to maintain their attendance and shift charges. It is also his case that whenever they filed work the Management namely, Food Corporation of India used to give them Memos. According to him in I. D. No. 13 of 1979 they were held as casual labourers and the F.C.I. is held to be principal employer from 27.7 1977. 27-2-1977. According to him while the said industrial dispute was pending before this Tribunal, the new Contractor Ramanaiah was engaged from 25-8 1980. It is his case that they were under the F.C.I. directly and they were made to work on Sundays also and on intervention of Labour Commissioner they were paid over time allowance for Sundays. According to him they are unskilled workers doing specific jobs and for each shift the service of workmen are essential and they have eloborately mentioned in their claims statement. According to him the Award in I. D. No. 13 of 1979 is filed, and marked as Ex. W-5 in I. D. No 36 of 1982. In the instant case the workmen prayed as per PW-2 that they should be declared permanent workmen of the Food Corporation of India from the date of their appointment and they wanted that the service conditions should not be altered or changed. In the cross examination he mentioned that he was offering application when ever he was absent to the Management but the Management was not accenting it. According to him for the last eight months before his deposition one M. Raghavendra Sharmo was the H and T Contractor. It is his case that they were being paid as for the National holidays, festival holidays and were paid Bonus also. He admitted that the Contractor was paying P F. contributions during their period of contract. According to him they filed cases for recovery of wages for Festival holidays and other reliefs before the Labour Court when the contractor Veeraswamy failed to pay them those amounts. It is his case that finally the F.C.I made the contractor to pay the amounts due to them in the conciliation meeting and them withdrew that case from the Labour Court. It is his case that he and 18 others were disnuted to work in the Open Storage Depot. Nellore as per Fx. M-1 orders. According to him he got his name registered in Employment Exchange and his name was sponsored by the Employment Exchange for the F.C.I.
- 7. WW-2 is the third claimant in the reference and he deposed that he was working in F.C.I. from 1970. According to him till 1973 he worked under the F.C.I. Management and marked Exs. W-2 as appointment order given to him along with WW-1 and others as Watchmen and Messengers. According to him from 1974 to 1977 they worked under the contractor of the F.C.I. and from 1977 to 25-8-1980 they again worked under the F.C.I. management. He marked Ex. W-3 as the certificate issued to the claimant Chandramma one of the claimant to show that they worked under the Management from 1971 to 1-8-1973. He marked Ex. W-4 as the counter that was filed by Veeraswamy who

- was examined and Exs. M-1 nt documents.

 was the Contractor during 1974—1977 before the Labour Court. According to him they were never appointed under the Contractor. He also deposed that claimant 1 to 6 and 10 are working from 1970 and the rest of the claimant worked from 1974 in the F.C.I. and they were working in three shifts. According to him 21 of the present claimant demanded for making them permanent in I. D. No. 13 of 1979 and while the said industrial dispute pending the Management brought Contractor Ramanaiah and they did not sign the vonchers indicating that he paid the salary as he was not the remployer. It is his case that he was not the remploy
 - 8. WW-3 is the 17th claimant in the reference. He deposed that he is appointed as causal labourer in Modern Rice Mills in 1974 and that the demands are similar to those made by other claimants. It is his case that he was attending to stacking of rice bags and stiching during his chift. According to him he was appointed by Contractor Veeraswamy in 1974. He also admitted that he was not party to the labour depute in M.P. No. 314 of 1975 and M.P. No. 133 of 1976. He denied the suggestion that he joined the M.R.M. in 1974. According to him he was in the Rice Mill from 1974.
 - 9. On behalf of the Management MW-I A. Padmanabha Rao who was working as Unit Manager of Modern Rice Mills, Food Corporation of India, Nellore, since 1980 was examined. He deposed that the M.R.M. was established in June 1970. According to him he succeeded A. Mohan Ram as Unit Manager. He admitted in 1970 WW-1 (S. No. 1 of as Unit Manager. He admitted in 1970 WW-1 (S. No. 1 of the reference) was working and that as per records, S. Ramayya, J. Francis, E. Venkureddy, Smt. G. Ramantamina, Smt. M. Chandramma were working from 1971. He also deposed that Sbiak Mastan (S. No. 3 in the reference) worked since Arvil 1973 and from 1974 some other labourer worked under P. Veeraswany, H and T Contractor till February 1977. According to him later on they continued under F.C.I. from February 1977 to March 1980. It is his case F.C.I. from February 1977 to March 1980. It is his case that the remaining workers in the reference are recruited through P. Veeraswamy, Contractor. It is his case that all the workmen are receiving wages from the Contractor during the period of contract and during the other periods from Food Corporation of India when the Mill is running by Department and all these workmen are casual labotirers.

 According to him H and T Contractor engaged the casual labour for shift for stencilling, collection of rice by-products into gunny bags and stitching and stacking the bags. He pointed out that the F.C.I. paid him piece rate for these operations of the Contractor engaged these workers on daily wages fulfilled contractual obligations. He marked Ex. M-4 showing attendance particulars of 17 workers for the year 1970, 1971 and 1972. Ex. M-5 showing Attendance particulars of 10 workmen. Ex. M-6 showing statement of above the particulars of Francis: M. Kolombra S. W. Montrai during the processing of Francis: M. Kolombra S. W. Montrai during the processing the point of the point of the point of the process of Francis: M. Kolombra S. W. Montrai during the process of Francis: M. Kolombra S. W. Montrai during the process of Francis: M. Kolombra S. W. Montrai during the process of the point of t sence of Francie, M. Kolapure, S. R. Mastari during February 1977 to March, 1980, Ex. M-7 showing the statement of absentees of Mastan Saheh, V. J. Venkamma for the period from February 1977 to March 1980. Ex. M-8 showing the absentee statement of Sri Podda Mastan for the period from February 1977 to March 1980. Ex. M-9 showing the statement of absentee of Sri Sk. Chinamoula, A. Vijaya Rao, M. C. Penchallaiah, K. Chandrasekharam and Sri S. H. China Mastan for the period from 27th February 1977 to March 1980 and similarly he marked absentee statement under Exs. M-11 to M-15 with reference to some of these workers. Fxs M-16 and M-17 as representations of some of the workers and Ex. M-18 and M-19 is with reference to the Tender form allotted to Veerassymv. He and T Contractor of the Bill paid for him. Fx. M-20 is marked as particulars of operation carried out by F.C.I., Nellore. Fx. M-21 is true copy of the application under Section 33(2)(0) of the I. D. Act. According to him these workers were paid bonus, Provident Fund, Festival holidays. and over time by the Contractor during the period of con-

Similarly he marked the relevant document Ex. M 22 to M-28 to show that the contractor were discharging their duties after they were appointed. Exs. M-29 to M-32 are the true copies of the various H and T Contractors appointment. According to him the workers filed a Writ Petition No. 321 of 1981 after the award is passed in L. D. No. 13 of 1999 and withdrew the same as not pressed. The same is marked as Ex. M-34. He admitted that in Ex. M-22 the Tribunal at para 18 mentioned that 22 petitioners therein were n service of the M.R.M. from 27-2-1977, For ready reference the letter of the President of the Union to the Unit Manager, F.C.I. written with reference to the Ex. M-1 is now marked as fx. W-5. He admitted that the four workers were given memons. For the said memo Exs. W-5 for absenting themselves from duty by the F.C.I. He also admitted the F.C.I. paid over time wages for the years 1977 and 1978 for the work done on Sundays also. Finally he conceded that the casual labourers is required for running the Mill. He admitted that musters are maintained by the F.C.I. for the workers doing departmental operations. He conceded that the petitioners in this dispute are casual unskilled labourers. According to him there are no permanent post sauctioned to engage casual labourers for milling operations on permanent basis. He denied the suggestion that to avoid making these casual labourers permanent these various contract system of engaging the casual labour through contractor is planned to work out to the detrimental of these labourers.

10. At the out set it is worth nothing that there are some admitted facts. The F.C.I. is a public utility concern and the authorities commissioned Modern Rice Mill to tunct on at Nellore from 15-6-1970. This is first instant when the department has taken up the running of the Mill and they started one shift from 1970 and continued so till 1973. Thereafterwards they converted single shift into three shifts from 1974 onwards. The Modern Rice Mill is having a permanent staff including unskilled and Khalasis numbering six in the beginning apart from Watchmen and Denot Assissix in the beginning apart from Watchmen and Depot Assistants. It is admitted that M. Kolapure who is at S. No. 1 of the reference was working in the Mill since 1970 and that the Petitioners in S. Nos. 2, 3, 4, 6 and 10 were attending from 1971 for cleaning and sweeping the Mill and also attending to odd jobs including of removal of toreign matter. from paddy, brushes serves of screw conveyor, palldy cleaning. They were attending to work on daily rated basis. In the case of Sk. Mastan (S. No. 5 in the reference) he is working as unskilled labour on daily rated basis from April, 1973. It is also found from evidence that these unskilled labourers are normally taken for attending to odd jobs like removing foreign matters, sweeping near the Sile and paddy cleaner and clean ng of the Mill premises and paddy mixed with foreign matter and they were also used for steneilling filling, weighing, stitching and stacking of rice. Except kolapure and two others who are given appointed orders none of the other petitioners were given appointment orders. It is admitted that these 30 names shown in the annexure to the reference are unskilled workers working daily rated wages. During the first period of running of the Mill from June 1970 to November 1973 there was no contractor at all even for supply of workers to the Mill and all the appointments are done by the F.C.I. Appointment orders were given to some workers and some were taken without giving appointment orders. From November 1973 upto February 1977. The F.C.I. appointed contractors for the supply of work force to the M.R.M. The entire work of the contractor was not at all in the premises of the Mill but at some other places that is londing and unloading work is done near the Railway Goods Shed and stacking etc. at several kodowns of the F.C.I. But whenever the workers raised any dispute with reference to their conditions of service the Management used to say that they were not employer and that the contractor was the employer as the payments were made through the Contractor.

11. The matter was referred in I. D. No. 13 of 1979 to this Tribunal. Award in I. D. No. 13 of 1979 is marked as Ex M-22. Thus most of the workers in I. D. No. 13 of 1979 are the workers involved in the present dispute. The reference was with reference to the demand of the workmen of M.R.M. of FCI Nellore for mant of permanent status, enhancement of daily rate of wages, grant of 15 days sick leave and supply of two pairs of Khaki uniform to each

worker every year. The Tribunal held these workmen worked in the Mait from 27-2-1977 and the Management paid wages to them and from 27-2-1977 these can only be treated as employees of the Rice Mill. Finally in 18th para it is held with reference to point 1 that subsequent to 27-2-1977 these workmen were employees of the Management. So by the date of this reference in 1979 it was held that these workers were employees of the Management and as such the reference is maintainable. With reference to point 2 enhancement of daily wages it is negatived on the ground that the wages of the casual labourers under the Minimum Wages Act were not cubanced by the State Government and that these workmen are not entitled for fixation of the wages on monthly basis as they were not entitled for any status for permanent employment. With reference to the points 3 and 4 it is held by the Tribunal that the demands for entitlement for permanent is negatived and as the workers were treated only as casual workers, their demand for sick leave and supply of uniforms were also negatived.

12. It is worth nothing in the said award Ex. W-22 the chamman further held in para 12 that in case the employee is employed as permanent member he was to be paid monthly wages prespective of the fact whether there is work on all the days or not. It is also pointed out that it found that the same worker worked throughout the year on daily wages on a consideration of number of years or if a particular job was attended to by one workmen or other throughout the year for considerable number of years, then it can be held that the employer was exploiting the employee, for an employee working on daily wages would not be entitled to the benefits like asual leave, sick leave, gratuity benefits etc. It is pointed out that there is no evidence available at that time to claim that these 22 workmen should be given permanent status. Hence their case was negatived for permanent status. But on point 1 it is held that these workers were directly under the Management of the Modern Rice Mills frem 27-2-1977 and they are the employees of the Management as casual workers. This award is subject to interpretation by both parties and they tried to canvas it in their own way which will be discussed in subsequent paras.

13. Thus though these workers are treated to be employees of the M.R.M. as principal employer in I.D. No. 13 of 1979 as it was held in the said Award that it was not possible to state on the basis of the record that were placed in the said Award whether those workmen were regularly working in the Mill even though they worked for considerable number of days and as it is also observed that it is not possible to state the number of unskilled workers required throughout the year in the various years other than the years 1971 and 1972 on the ground that the evidence in this regard is not available to any of those workmen, it is negatived holding that they should not be given permanent status. The said Award I.D. No. 13 of 1979 was passed on 10-11-1980 and published in the Gazette on 20-12-1980.

14. This I.D. No. 17 of 1982 is filed three years later after raising the said dispute in I.D. No. 13 of 1979.

15. The workers contended that they have material that they have now placed before the Tribunal to show that the contractor never recruited workmen to the Modern Rice Mills and even during the period of contract system all the workers were given jobs directly by the F.C.I. and that not even single worker among 30 people under this reference were appointed by any contractor and all workers were taken into service, duties were allotted only by the F.C.I. officers and that F.C.I. authorities were supervising the work and issuing charge memos apart from transferring them from place to place and that all this would go to show that F.C.I. is the owner and real employer and they were two masters to these workers and that the introduction of middle men known as H & T Contractors, and arranging payment of wages through them and denving responsibility as employer definitely amounted to change of service condition of these workmen and therefore that these workmen who are in continuous service till now are entitled to be declared as direct and permanent workmen of the F.C.I.

로 또 ㅋ.

16. The Management on the other hand contended that the allegation of the petitioner are incorrect. They admitted that they were paying Ex-Gratia, Overtime and National holidays, wages for the period the labourers were engaged departmentally pending appointment of H & T Contractor and that the H & T Contractor were also abiding by statutory obligation and paid the benefits in respect of the casual labourers engaged by them. It is the case of the Management that they got every right and appoint and change the contractors and that the contractor is the immediate employer of the Petitioner as they were receiving wages for their work. According to them they also paid provident fund during the conciliation & subsequently that the Tribunal in I.D. No. 13 of 1979 negatived all the four demands of the Petitioners and therefore the petitioner demand for entitlement for permanent status is not maintainable, and that the said award operates as res judicata in respect of the same issues. It is pointed out that these persons filed a Writ Petition in the High Court in W.P. No. 321 81 and the same was also dismissed as could be seen under Ex. M-34. Finally it is contended by the Management that these petitioners were engaged by Contractor as casual labourers and during 1973 to 1977 they were engaged only by H & T Contractor and subsequently. the casual labourers were directly paid by the F.C.I. from 27-2-77 due to non-finalisation H & T Contractor of Contractor of K. P. Venkateswarlu, and fater when T. Ramanaiah was appointed as H & T Contractor these casual labourers started working for the contractor and received wages through him. Therefore it is contended that the claim of these labourers for permanency of service is not maintainable. Incidently it is also contended by the Management under Section 10 of the Abolition of Contract Labour Act, the jurisdiction of the Industiral Tribunal is barred and that the reference is invalid within the meaning of Section 2(1) of the 1.D. Act.

17. At the outset the counsel for the workmen Sri D.S.R. Varma contended that the arguments of the Managements counsel that the award in I.D. No. 13 of 1979 operates as res judicata and therefore the workers cannot be declared to be permanent as it was decided that they were only casual workers has no basis. He pointed out that in the previous case that the Chairman was not made available with sufficient evidence at that time when the Award in I.D. No. 13 of 1979 was passed and he also mentioned to the said effect why he was not able to decide the issue of permanent status in the said award, because he could not decide the permanent status due to lack of evidence. The other issues raised in that award could not be decided so it is not a case where the issue of permanent status was decided on merits on the available evidence. I find some force in the said arguments. Moreover as is elicited in I.D. No. 36 of 1982 and also in this I.D No. 17 of 1982 the workers adduced evidence through W.W.1 to W.W.3 and also elicited admission from M.W.-1 to show that these workmen were paid overtime wages for the work on Sundays and they were also granted festival holidays when the Labour Department intervened as per orders Ext. M-23 and that all the crucial benefits like Provident Fund, Overtime Wages. Festival holidays were being granted to there casual unskilled workers on par with other staff and the Managements witness M.W.1 also conceded these aspects. It is also found that the workman were also given charge roemos directly by the Management to indicate that the Management had been recognising these workmen as workmen employed by them for all purposes except for giving them permanent status under the Management. Further the orders in Ext. W-2 would show that there are appointment orders with reference to M. Kolapuri, S. No. 1. Franc's S. No. 3 and two others showing that the Management directly appointed them. Moreover the award in LD. No. 13 of 1979 showed that these workmen are the employees of the Management. So these workers were admittedly with the Management from 1970 to 1973 when the Modern Rice Mill run by the Management itself and in 1974 when the Mill was made to run in three shifts continuously by doing odd jobs and when there is clear admission that from November 1973 through a regular contractor P. Venkateswarlu was appointed as he did not function and when in the Award in I.D. No. 13 of 1979 it was already found that from 27-2-1977 the Management directly paid wares to these workers and there is no convactor at all at that time and that these workmen continued to be in employment of the Management and when M. W-1 conceded that the Mill was functioning for about not less than 300 days in year and that whenever contractor failed to pay contributions the F.C.I.

is bounded to pay the amount to the labouters and recover the same amount from the Contractor and that the same workers were continued for doing old jobs as specified above either by the Management or by the Contractor all these years and the workers were also given memos as per Ex. W-5 for absenung themselves from duty and when it is also clearly admitted by M.W.I that these casual labourers are required for running the mill and when it is admitted that the musters were maintained by the F.C.I. during the departmental operations. W.WI to W.W3 deposed that for each shut the service of eight unskilled workers have specific jobs were required and that they mentioned in detail about their service in para 2 of the claims statement and that they were paid for extra work rendered on Sundays and holidays. It is clear that they were all working as casual labourers or no fault of theirs from 1970 onwards or from 1974 or 1975 onwards as the case may be till now as casual labourers. The Managements witness M.W.1 mentioned that they are deducting Family Benefit which is the part of Provident Fund and they deducting Provident Fund or these casual labourers and they are also paying contributions in case the Contractor fail to pay the same. Finally he explained his difficulty that there are no permanent posts sanctioned to engage casual labourers for milling operations on permanent basis and the F.C.I. has a policy engaging H & T Contractors and they are taking casual labourers in Milling operations and godowns. He concede that the casual workers are doing the same job, that the same is interchangeable between the workers. The office as per W.W1 and counter is having permanent staff. So, when some workers of permanent staff are not available these casual labourers are doing the same job and they are interchangeable. Then a suggestion was put to the witness in the gross-examination that in order to deny the casual labourers the permanent status though they were working all through these years either directly through the Management or abrough the Contractors as planned work out, they were not given the permanent status, the witness denied the same. In the light of all these material placed before the Tribunal, after the Award in I.D. No. 13 of 1979 is passed it is clear that for all practical purposes these casual labourers who were in the service of the Management for some time or through the Contractors were deriving all the benefits of a permanent worker because there are no permanent post sanctioned, the Management is doing a kind of double dealing by employing H & T Contractors as if services of casual labourers were taken through the Contractors but the workers are the same, the shifts, and timings are the same and the nature of work that was turned out by doing odd jobs are same from 1970 till now, and they also had all the benefits like Festival holidays, deduction of Provident Fund and Overtime wages for working on Sundays just like any permanent staff. So far, no mistake of these casual labourers, they were not given the permanent status to get over the difficulties of the F.C.I. in their Standing Orders but that does not mean, that the workers should suffer. The Food Corporation of India is a public untility concern and it is Corporation having certain specific Standing Orders as per Ex. M33. So it has got specific chapters for contribution of Provident Fund, advance to employees and travelling allowance, pay and allowances and sick leave. Appeals, Regulations etc. Therefore it is not as if these labourers enraged for Milling operations for continuously for so many years from 1970 or 1974 or 1975 as the case may be with reference to these workers till now should be further continued as mere employees or casual labourers without any permanent status. Thus after decision of I.D. No. 13 of 1979 the workers filed more material and also adduced evidence the same workers were also examined in this Award and the Management also filed documents conceding the said overments of the workers, Exs. M4 and M5 show the attendance particulars of some of these workmen and Exs. M6 to M13 show consolidated statement of some of these workers on particular regiods. These are maintained by the Department. Further Exs. M16 and M17 are the representations of the workers to the Management to show that they have direct access to the Management, Px. M.4 is an appointment order of one Ch. Vasant Kumar es an unskilled worker by the Management and Ex. M 15 showed how the vacancies of the unskilled worker and the Assistant Mechanic should be filled. Even with reference to the liability under Ex. M 18 the Contractor is directed to make contributions in accordance with the provisions of the Employees Provident Fund Act and the Con-

tractor is directed to reimburse the Corporation in case they make such contributions on his behalf. Ex. M19 and Ex. M20 would show that the Contractors paid the money for operations carried out by them through the F.C.J. Infact some of these workers were shown the applicants under Ex. M21 before the Labour Court, Guntur stating that they are entitled to receive certain amounts as unskilled labour for the service rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by them in the Mill. Eve. M20 and M22 are more rendered by the Mall. Eve. M20 and M20 are marked by the M21 are more rendered by the manufacturers are not rendered by the rendered by them in the Mill. Exs. M29 and M32 are cruc copies of the various Contractors appointments. The dismissal of the Writ petition filed by the workers against the award in I.D. No. 13 of 1979 which is marked as Fx. M34 as well as the judgement of Labour Court, Central Government, Industrial Tribunal-cum-Labour Court marked as Ex. M24 have no relevance, Ex. M24 mentioned that the simply because the workers completed 240 days attendance in a span of year from the date of absorption came into consideration with reference to casual workmen employed by Food Corporation of India, Nagpur. The said Tribunal held that there are various stages to be considered before the casual labourer is absorbed as mentioned in para 9 of the said Award and thus those workers could not be granted as it is beyond the scope. Moreover there was no evidence that any of the regular sanctioned posts are lying vacant to be utilised by the casual labourers. First of all the order of Tribunal of Nagpur under Fx. M24 is not a binding one on this Tribunal. Thus when the F.C.I. has got the right and obligation to pay the workers for the contributions in case H & Teontractor failed to do so and when these casual labourers have all the benefits of a permanent worker, it is incorrect to say that the said Judgement in l.D. No. 13 of 1979 operates as resjudicate on the available material at present. On a careful consideration of the entire material I hold that the workers adduced and placed before the Tribunal ample evidence and M.W.1 conceded in his evidence that these casual labourers were there from 1970, 1974 or 1975 as the case may be doing same odd jobs to the Management or through the Contractors doing the work in three shifts during the same timings on all days continuously and the mill working 300 days in a year and these services of the casual workers essential for the Mill to be continued and for the simple reason that there are no permanent posts sanctioned, these workers cannot be kept as casual unskilled labourers under the Industrial Law when a worker is working for more than 240 days continuously in a year is entitled for permanent status. There is ample evidence to show that these workers mentioned in the reference were working continuously Modern Rice Mill, Nellore for more than eight to nine years as the case may be even from 1976 onwards as on today. Hence I hold that these 30 workers are entitled for a declaration that they are workmen of permanent status by virtue of their employment in Modern Rice Mill and they are entitled for all the benefits including salaries as a permanent worker of M.R.M. with attendant benefits.

18. The argument of the Counsel for the Management that the reference is barred in the light of the Contract Labour and Abolition Act 1970 is also not tanable. The record show that one M. Sheshaih is tried to be impleaded by the Management as party to the dispute and my predecessor in office while disposing the application for adding the said Sheshaih i.e. proposed party as the second Respondent in M.P. No. 199/82 held that the dealing between the petitioner (F.C.I.) and its Contractor are exclusive affairs in between them. He also observed that the Contractor has no existence to meddle in between the Petitioner and the workmen. He rightly held that section 21 of Contract Labour and Abolition Act 1970 has absolutely no application regarding the point is dispute in the reference, Section 21(1) only says that the Contractor shall be responsible for payment of wages for each worker employed by him failing which Section 21(4) says that the prinicipal employer shall be liable to make payment of wages. It is nobody's case here that the Contractor failed to pay or refused to pay to the workmen. Even otherwise under Law, if a Contractor failed to make payment of wages, the principal employer namely F.C.I. is certainly liable to pay the wages to the workmen. So the said Act did not bar these proceedings. I do not find any substance and the contention of the Management counsel that this references is invalid within the meaning of Section 2(1) of the I.D. Act. The argument of the Management is that Section 2(1) of the I.D. Act that the reference is invalid and no roots to stand and it is not also shown to me how the same is invalid.

19. Further against the said Order, the Management went to the High Court and filed writ Petition No. 136/83 to set aside the order of this Tribunal M.P. No. 119/84 and that the Writ Petition was dismissed at the stage of admission and thus the order passed by this Tribunal was confirmed.

20. At any rate it is not in dispute that the Management of Food Corporation of India, Nellore which had direct control and supervision taking the services of these 30 workers as on 1975-76 tried to introduce the new Contract system by appointing H & T Contractors. All the workers raised a dispute under 1.D. No. 13 of 1979 before this Tribunal. When the said matter was pending before the system of contract was introduced and tried to be enfroced to defunct the permanent status of the employees which is likely to arise. In I.D. No, 13 of 1979 the Tribunal held from 27-2-1977 onwards the workmen were employees of the Management as observed in I.D. No. 36 of 1982. The Management initially employed workmen from June 1970 to November 1973 and upto February 1977. The F.C.I. to November 1973 and upto February 1977. The F.C.I. appointed Contractor for supply of labour but never any workmen was appointed by the Contractor. The Management again introduced the system of engaging workers through Contractors from 25-8-1980. So it is clear that from 27-2-1977 to 25-8-1980 there was no contractor and the workmen were very much under the control of the Management alone. During the pendency of I.D. No. 13 of 1979 the Management resorted to engage labourers through the new contractor from 25-8-1980. The Award in I.D. No. 13 of 1979 was notified on 9-12-1980. The main dispute in I.D. No. 13 of 1979 regarding the status of the workmen i.e. permanency under the Management on the ground that they were not the employees of the Contractor. When the said basis question was under adjudication in I.D. No. 13 of 1979 the Management resorted to introduce the new system by engaging workmen through the Contractor for entering into contract by one Remanaiah and subsequently with other. Therefore, it is clear that the service conditions from February 1977 onwards were the subject matter of the dispute and the same service conditions which existed till I.D. No. 13 of 1979 was decided should not have been entered. It is pertinent to note by introducing the new system by engaging some workmen throngh the Contractor, the Management tried to defeat the very purpose of I.D. No. 13 of 1979 in which permanency is sought for. So it must be held that the Management of Food Corporation of India had changed the conditions of service of these workmen who were employed in the Modern Rice Mill at Nellore by introducing the new contract system while industrial dispute concerning the said workmen were pending and it amounted to unfair labour practice. Thus the award is passed holding that these workmen whose 30 names are listed in the annexure are entitled permanent stauts and all the attendant benefits with reference to pay and other allowances from 27-2-1977.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this 15th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence.

Witnesses Examined For the Workmen:

W. WI M. Kolhapuri

W. W2 J. Francis

W. W3 G. David

Witnesses Examined For the Management:

- M. W1 A. Padmanabha Rao
 Documents marked for the Workmen:
- Ex. W1—True copy of the Office Order dt. 2-12-82 issued by the District Manager, Food Corporation of India, District Office Nellore to Kolhapuri and 3 others.
- Ex. W2—Appointment order dt. 18-1-73 issued by the District Manager F.C.I. Nellore to Kolhapuri and J. Francis as Watchman.

- Ex. W3—Service Certificate dt. 1-8-73 issued by Engineer in charge the Food corporation of India, Modern Rice Mill, Nellore to Smt. Chandramma.
- Ex. W4—Counter filed on behalf of the 2nd Respondent on M.P. No. 133/76 before the Labour Court, Guntur.
- Ex. W5—True copy of the Memo dt. 3-6-1978 issued by Unit Manager, the Food Corporation of India, Modern Rice Mill, Nellore to Anumanna and 3 others.

 Documents marked for the Management:
- Ex. M1—True copy of the Office Order dt. 23-5-1979 issued by the Unit Manager I/C the Food Corporation of India, Modern Rice Mill, Netlore to G. David and 18 others.
- Ex. M2—True copy of the representation dt. 20-4-77 made by P. Ramakotiah, President the District Factory Workers Union, Nellore to the District Manager, Food Corporation of India Nellore with regard to claims of the workmen.
- Ex. M3—True copy of the Minutes of Conciliation Proceedings held on 29-6-77 in the Dispute between the District Factory worker's Union, Nellore and the Management of MRM of FCI₁P. Veeraswamy F.C.I. Contractor in the Nellore Modern Rice Mill.
- Ex. M4—True copy of the Statement showing the attendance particulars and wages paid to Casual Labour for the years 1970-71 and 1971-72.
- Ex. M5—True copy of the Statement showing the casual labour and Sweepers were engaged in Modern Rice Mill, Nellore.
- Ex. M6—Consolidated Statement of absence of J. Francis, M. Kolhapuri and S. K. Masthan.
- Ex. M7-Consolidated Statement of absence of Sk. Mastan Saheb and J. Venkamma.
- Ex. M8—Consolidated absence statement of Fedda Mastan.
- Ex. M9—Consolidated statement of absence of Sl. Chinna Moula, A. Vijaya Rao, Mc. Panchalaiah, K. Chandrasekharam and Sk. Chinna Mastan.
- Ex. M10—Consolidated Statement of absence of M. Srinivasulu, P. Ramanniab, L. Bujjatah and Ch. Venkata Ratnam.
- Ex. M11—Consolidated Statement of absence of Dastagir Basha, V. Venkaiah, N. Kotaiah and S. Ramaran.
- Ev. M12—Consolidated Statement of absence of Sk. Nanchaheb, Sk. Kalesha, Smt. M. Chandramma, and Smt. G. Ramanamma.
- Ex. M13—Consolidated statement of absence of Pattan Mastan, Sk. Basha Sk. Moula Saheb, E. Venku Reddy, L. Venkaiah, M.A.N. Raju, and G. David.
- Ex. M14—True copy of the letter dt. 23-8-74 addressed by District Manager, F.C.I. Nellore to Ch. Vasantha Kumar with regard to offer of appointment for the post of unskilled worker in F.C.I.
- Ex. M15—Tru copy of the letter No. 1(1)|72-Estt. dt. 23-2-1972 addressed by Senior Regional Manager, F.C.I. Regional Office Hyderabad to the District Manager, Food Corporation of India, Nizamabad, Nellore, Hyderabad with regard to filling up of vacancies of unskilled workers Asstt. Mechanics.
- Ex. M16—True copy of the Representation dt. 1-11-73 made by M. Ihimati unskilled worker, Modern Ricc Mill, Food Corporation of India, Nellore to the Zonal Manager Food Corporation of India Zonal

- Office Madras-6 with regard to promotion for the post of Asstt. Mechanic-conceoperator and Welder cum-Fitter.
- Ex. M17—True copy of the Representation dt. 15-11-75 made by Md. Nazir Ahmed, Unskilled Wolkel, Modern Rice Mill, Nellore to the Zonal Manager Food Corporation of India, Zonal Office, Madras-6 with regard to promotion for the post of Assit. Mechanic-cum-operator.
- Ex. M18—True copy of the Extract of the Tender Form No. E. 25(51)/73, dt. 6-8-75 allotted to P. Veera Swamy H&T Contract of MRM Nellore.
- Ex. M19—True copy of the Bill No. 16 dt. 19-10-74 for the period from 1-10-74 to 15-10-74.
- Ex. M20—True copy of the Bill No. 16 Showing the particulars of operations carried out at F.C.1. Netfore during the period from 1-10-74 to 15-10-74.
- Ex. M21—True copy of the application under Sub-section (2) of Section 33-C of the I.D. Act, 1947 tiled by the workmen before the Labour Court, Guntur (Reference No. M.P. 314/75).
- 1.x. M22—True copy of the notification No. L-42011(22)|
 78-D.H(B) with regard to publication of the Award in the Gazette of India and copy of the Award in I.D. No. 13|79 on the file of the Industrial Tribunal (C) at Hyderabad (A.P.).
- Ex. M23—True copy of the M.P. No. 133,76 filed before the Labour Court, Guntur by J. Francis and others Under Section (2) of the I.D. Act, 1947.
- Ex. M24—True copy of the Award passed by the Central Industrial Tribunal-cum-Labour Court Nagour in case No. II[LC(R)(15) of 1977 dt. 18-2 978.
- Ex. M25—True copy of the Rep esentation d ... 16-3-80 made by E.P. Venkateswarin, H&T Con for to the District Manager, F.C.I. Nellore reg g refund of carnest money deposit.
- Ex. M26—True copy of the appointment Order dt. 25-8-80 issued to T. Ramanatah H&T Contractor by the District Manager, Nellore.
- Ex. M27--True copy of the appointment order dt. 26-5-81 issued to M. Seshaian H&T Contractor by the District Manager F.C.I. Nellore.
- Ex. M28—True copy of the Lice tee dt. 6-5-82 issued by the Government of Andhra Pradesh, Office of the Licensing Officer, Guntur to M. Seshaiah.
- Ex. M29—True copy of the appointment order dt. 27-3-1984 issued to A. H. Manjonadh and M.s. A. N. Manikya Rao H&T contractors by the Regional Manager, Regional Office, Hyderabad.
- Ex. M30—True copy of the appointment order dt. 10-1-82 issued to Gadesetty Satyanarayan, H. & T. Contractor by the Deputy Manager (Contra.ts) Food Corporation of India, Regional Office, Hyderabad.
- Ex. M31—True copy of the appointment Order dt. 1-2-83 issued to A. N. Manikya Rao, Contractor by the Deputy Manager (Contra ts) Food Corporation of India, Regional Office, Hyderabad-1.
- Ex. M32—True copy of the appointment order dt. 24-5-83 issued to M. Raghavendra Surma H & T Contractor by the District Manager, F.C.I. Nellove.
- Ex. M33—Office Manual Volume I the Food Corporation of India at page 132.
- Ex. M34—True copy of the W.P. No. 321/1981 filed by workmen in the High Court of Judicature, A.P.,
 - J. VENUGOPALA RAO. Industrial Tribunal [No. L-42011/7/81-FCI/D.IV(A)/DV] R. K. GUPTA, Desk Officer

[भाग II--बण्ड ३(ii)]

उद्योग और कम्पनः कार्य मंत्रालय **जुलाई, 1**985 काधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक 969 (1969 की 54) की धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार गाओ निमिटेड, जिसका पंजीहत कार्यालय गोआ-403001 के कथिन अधि-के अतर्गत पंजीक^{रण} (पंजीकरण प्रमाण–पत्न संख्या 2288/85) के निरस्तोकरण को अधिसूचित करती है [संख्या 16/32/85-एम-3] वी पी गण्ता निवंदान

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O.3639,-In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices A t, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of Mis. Sesa Goa Itd., having their registered office at Altinho-Panjim, Goa-403001 under the said Act (Certificate of Registration No. 2288|85).

[No. 16|32|85-M.III]

V. P. GUPTA, Director